बड़ा रुक्मिणी मंगल

खेमराज श्रीकृष्णदास प्रकाशन
मुंबई - ४००००४

अथ

बड़ा रुक्मिणी मंगल

प्रारंभ

खेमराज श्रीकृष्णदास प्रकाशन
मुंबई -४००००४

विज्ञप्ति

★

प्रगट हो कि मैं शिवकरण रामरतन दरक माहेश्वरी मारवाडी मूंडवेवाला इन्दोरनिवासी यह सूचित कर देता हूं कि यह "कृष्णरुकमणी" विवाह महोत्सव अति परम पवित्र भवाब्धि उल्लंघनार्थ नौका हमारे स्वजातीय वैश्य माहेश्वरी तैलापदम भक्तने कैसा अच्छा बनाया था परंतु इसके गानेबजानेवालोंने अपनी आजीविका ही मानकर प्रिय मित्रोंसे भी गुप्त कर रक्खा, गल सड तो गया पर हवा भी नहीं लगने दी। इसी तरहसे यह ग्रन्थ अवृश्य हो गया। फिर कई एक लोग ढूंढढांढके लाकर चोरी छिपीसे लिख २ कर काम चलाने लगे पर महाघोर अशुद्ध छन्द अर्थभंग कर दिया पर तो भी भक्तजन सुन सुन और भक्तिरूपी सुधारस पान करके अपनी उत्कंठारूपी प्यासको बुझाने लगे और अपना जन्म सुफल मानकर धन्यवाद देने लगे। फिर बहुतसे लोगोंने चाहा कि छप जाय तो अच्छा हो। जब अधूरा और अशुद्ध भी कई जगह छप गया, परंतु जिन पुरुषोंने सम्पूर्ण ग्रन्थका अमृतपान किया था उनकी प्यास उन अधूरोंसे कहां बुझे? इससे हमने भक्तजनोंके हितार्थ बहुत द्रव्य खर्च करके जहाँ जहाँ (मारवाड, जोधपुर, नागोर, बिकानेर) सम्पूर्ण ग्रन्थ था. वहांसे लिखवा २ कर ११ पुस्तकें इकट्ठी कीं और सबका अनुक्रम मिलाया और जहाँ छन्दोभंग अर्थभंग भेटी अमिल टूटक फूटक अधूरा था वहाँ नवीन अंतरे दोहे सोरठे पद बनाकर संपूर्ण कर "बृहत्रुक्मिणीमंगल," नाम रक्खा। यह बहुत ही उत्तम ग्रन्थ है, आशा है कि भक्तजन इससे लाभ उठावेंगे जिससे कि मैं भी अपने परिश्रमको सफल समझूंगा।

भक्तजनकृपाकांक्षी---

सदाशिवकरण रामरतन दरक माहेश्वरी

संस्करण : मार्च २०१९, संवत् २०७५

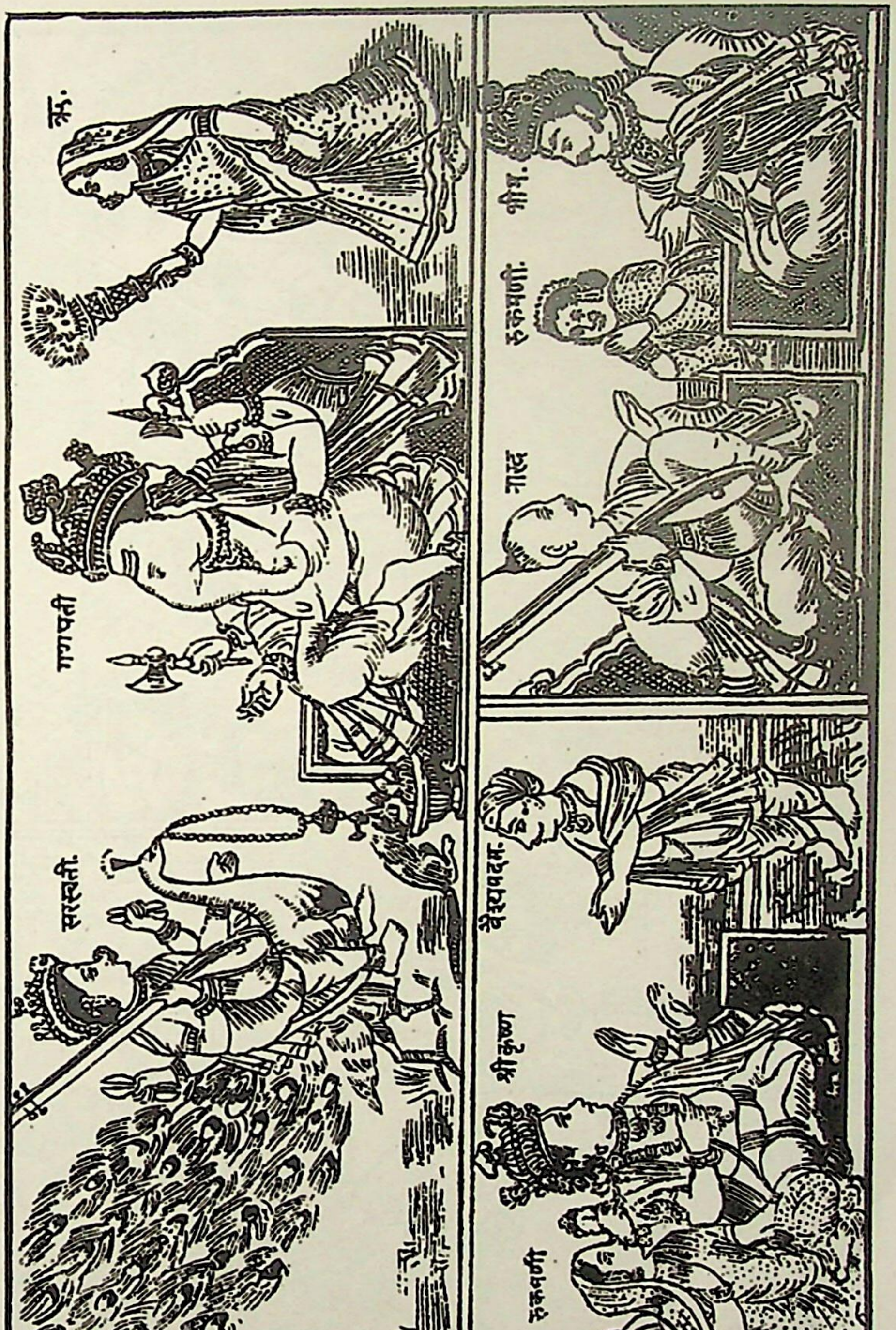
मूल्य : १५० रुपये मात्र।

मुद्रक एवं प्रकाशक:
खेमराज श्रीकृष्णदास,™
अध्यक्ष : श्रीवेंकटेश्वर प्रेस,
खेमराज श्रीकृष्णदास मार्ग,
मुंबई - ४०० ००४.

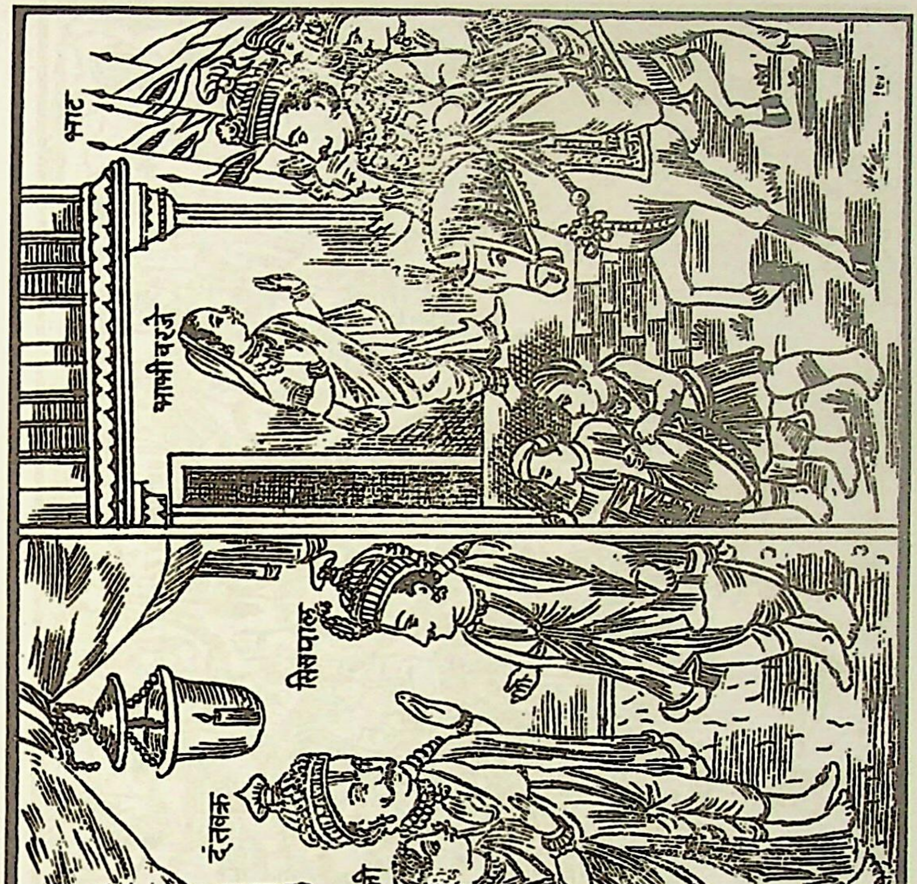
Printers & Publishers :
Khemraj Shrikrishnadass,
Prop. Shri Venkateshwar Press,
Khemraj Shrikrishnadass Marg,
7th Khetwadi, Mumbai - 400 004.

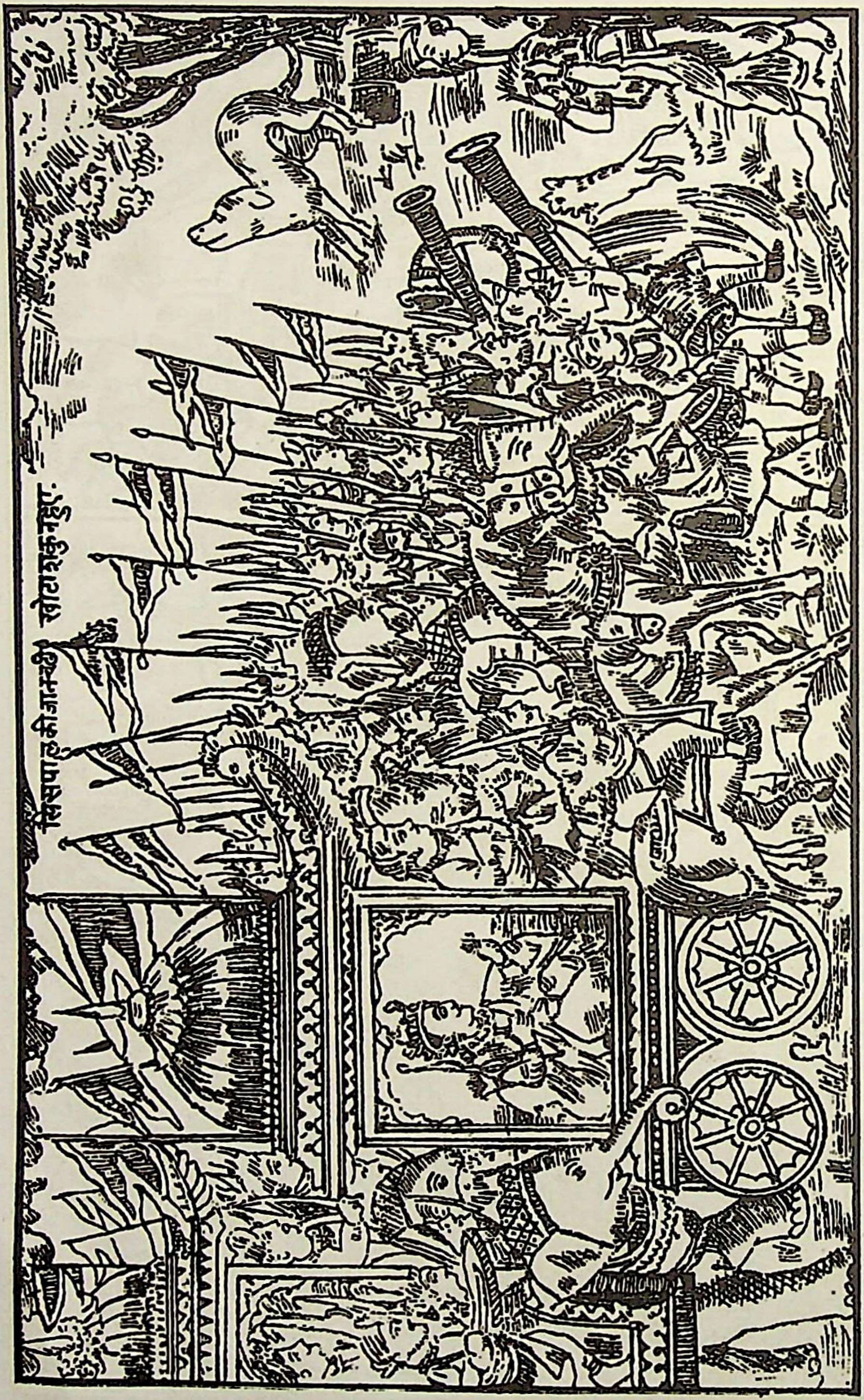
Web Site : http://www.khe-shri.com
Email : Khemraj@vsnl.com

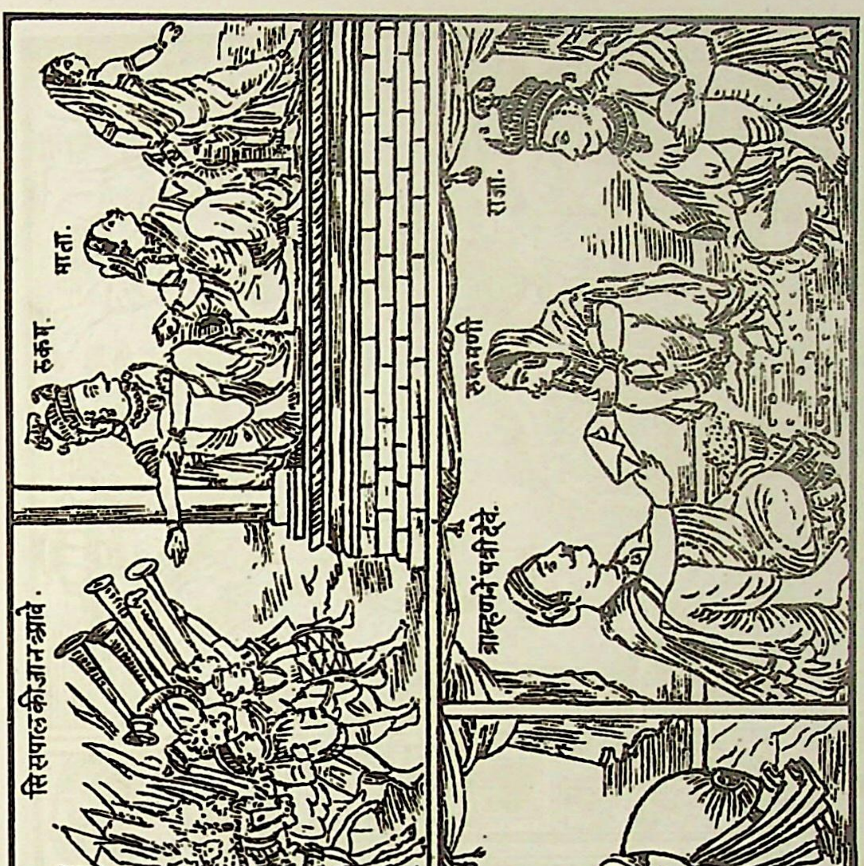
Printed by Sanjay Bajaj for M/s. Khemraj Shrikrishnadass, Proprietors Shri Venkateshwar Press, Mumbai - 400 004, at their Shri Venkateshwar Press, 66 Hadapsar Industrial Estate, Pune - 411 013.

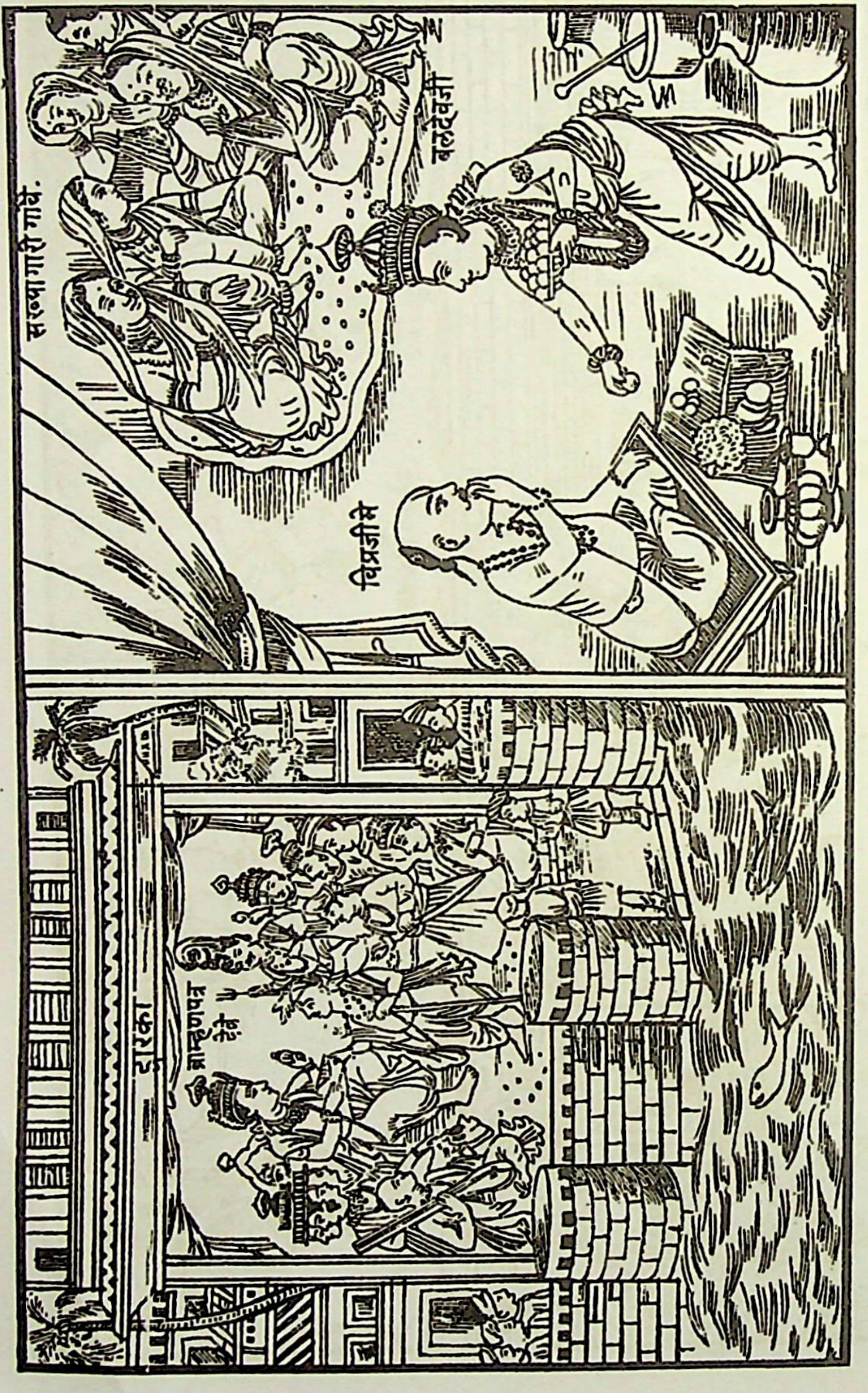

सरस्वती.
गणपती
श्रीकृष्ण
रुक्मणी
गरुड
रुक्मणी.
भीष्म.

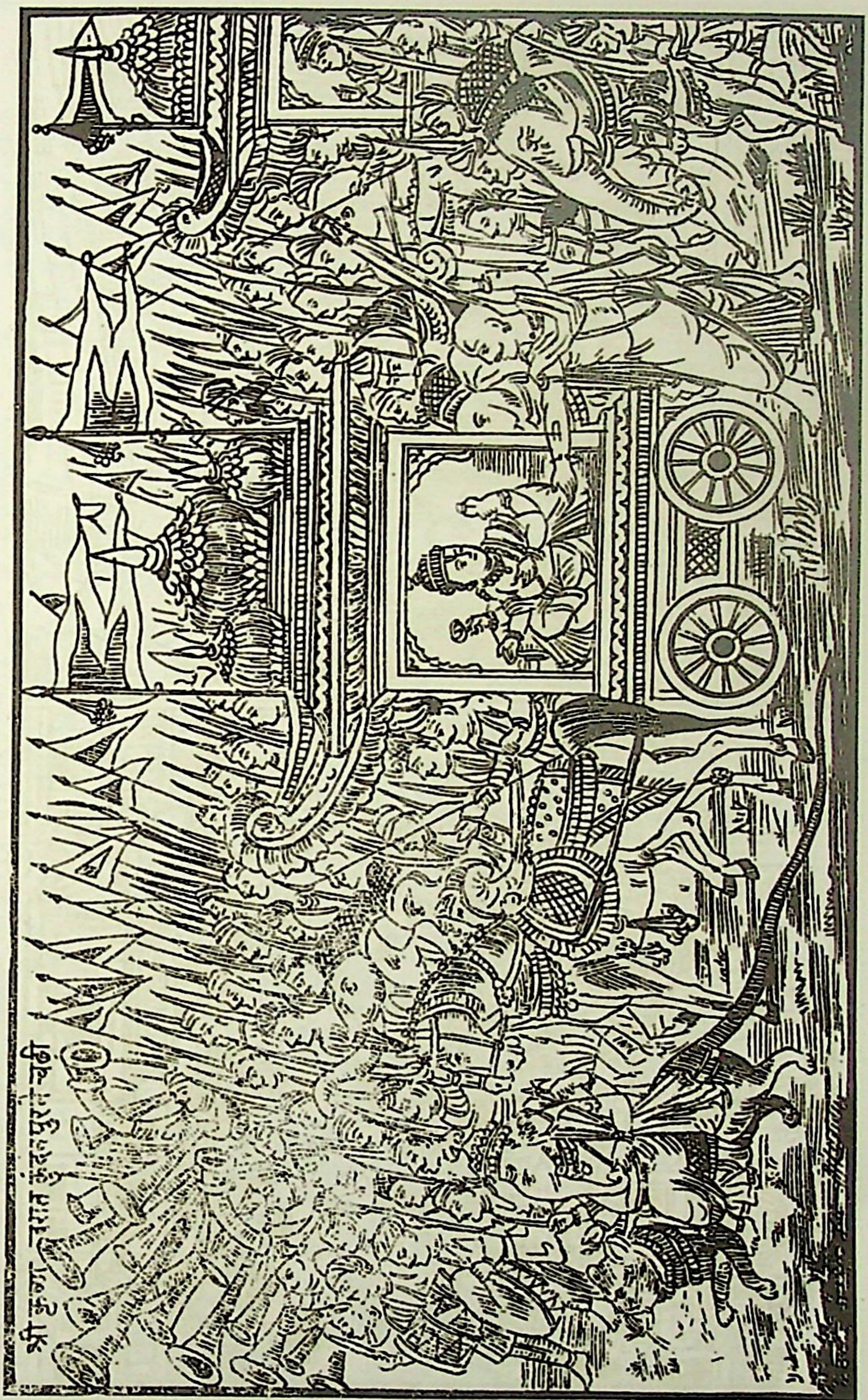

भाट
भाटने चंदेरी भेजे.
राणी
रुकम.
पांचपुत्र.
राजाभिमकीस.

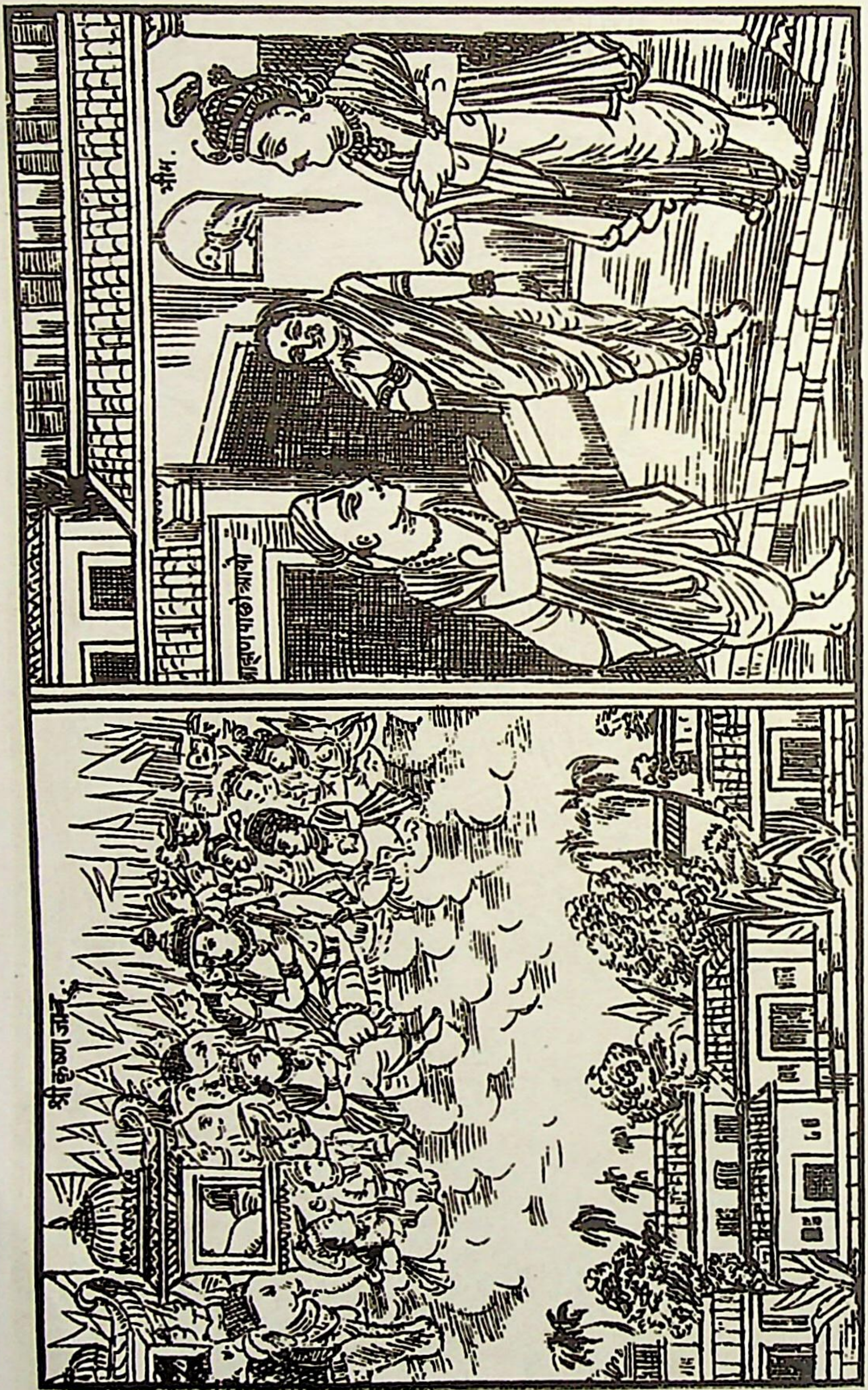

भाट
दंतवक्र
सिसपाल
भाभी
चंदेरी सिसपाल सभामें जोड़ी




मात.
राजा.
रुकमणी
राजाभीम.
रुकमणी विलापकरे.

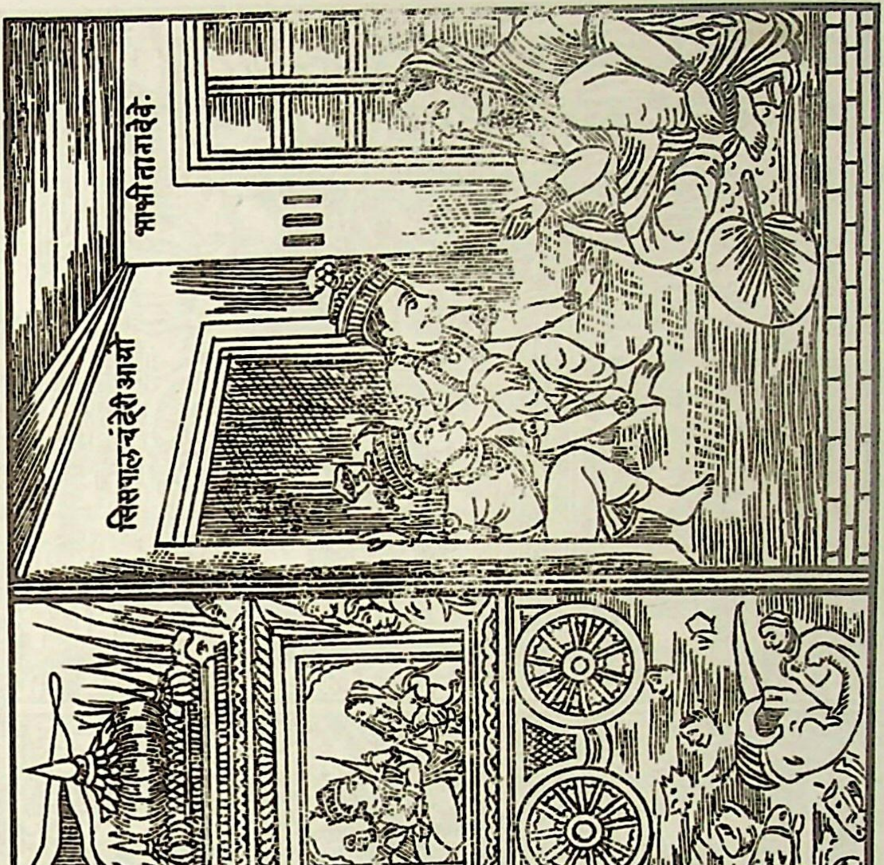

विप्रजीके
द्वारका

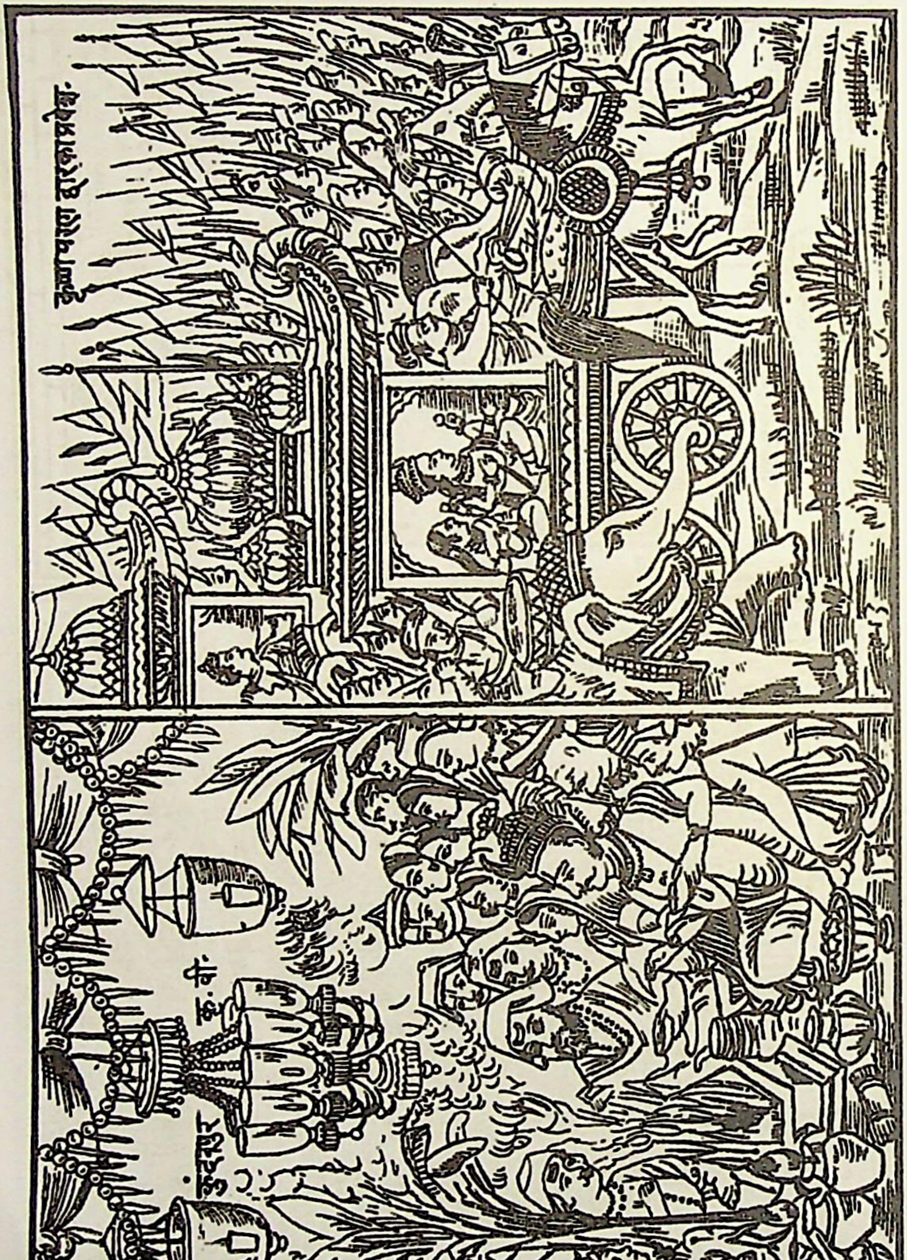

श्री कृष्णा नगर कुंदनपुर को चले




रुक्मिणीहरण.
माता.




सिसपाळचंदेरी आयो
भाभीतानावेढे.
रुक्मैयाकृष्णयुद्ध.



अथ बडा रुक्मिणीमंगल प्रारंभ

★

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुचरणकमलेभ्यो नमः ॥ अथ भक्तपदमदासजीकृतरुक्मिणीमंगलं प्रारभ्यते ॥ दोहा ॥ गौरीसुतगणनायका, ऋद्धिसिद्धिदातार । करजोरेकरेबीनती, दासपदमबलिहार ॥ १ ॥ हरीभक्तिकरतेहुते, सदा लगाये ध्यान । कृष्णाज्ञा जबहीं भयो, गावन लगे सुजान ॥ २ ॥ रुक्मिणीमंगलपदविषय, अपनी भाषामाहिं । ऐसीसुन्दरतिन लिखी, बांचतसबहरषाहिं ॥३॥ गवरीनंदन बीनवाँ, सुरपति सुरतसुजाण॥ कृष्णतणोंवीहावलौं रिधसिधप्रसिधप्रवाण॥४॥ रागमारू ॥ रिधसिधप्रसिधप्रवाणभणीजेकृस्नतणौं रेविहावा । सुंडाडंबरसीसचंद्रमा लालालौचनवारौ ॥ १ ॥ थूहलगाथ ठमकैचाले सिरसौहंदौभारौ ॥ गवरीनंदनविघनविहंडनदुख खंडनसुखसारौ ॥ २ ॥ दाँताँसनमुखदिनकरझलखेउरफुलाँदो हारौ ॥ पहलेबेदपुराणअगोचरवरणीजै जसथारौ ॥३॥ मूसा बाहनकरधनुफरसीपहलेपूजातेरी ॥ पदमभणेंप्रणमेपायेलागँ-आसापूरौमेरी ॥४॥ दोहा ॥ ब्रह्मसुतानेबीनवां, सरस्वतिहंसा-रूढ ॥ बाणीमाताबेगद्यौ, मौमनमायामूढ ॥१॥ रागमारू ॥ बाणीमाताबेगकरौंनीमुखमंडनव्याकरणी ॥ येकणकरधनुबी-णासौहेदूजेपुस्तकधरणी ॥ १ ॥ तीजेअमीकमंडलझलखैचौथे सोहेथालौ ॥ आदअंतअवतारभवानी सेवगनेप्रतिपालौ ॥२॥ छंदपिंगलाभेवनजाणंनहिंजाणूंव्याकरणी ॥ केवलभगतिकराँ केशवकीकलमलमायाहरणी॥ ३ ॥ कासमीरमुखमंडन देवी

दुखखंडनसुखदाता ॥ पूरणब्रह्मपदमकेस्वामी बरद्यौसारद माता ॥४॥ दोहा ॥ जेमाताज्वालामुखी, जेजेजगतकरी ॥ बर देअपणाभगतकौं, तुमसेकाजसरी ॥ १ ॥ पहलेध्याईपंडबां अरजुनछोटैभीव ॥ नगरकौटनागररच्या, उंडीदिवाईनीव ॥२॥ तुमगुनविद्यासरस्वति, जाचतनरसबकोय ॥ यहबरदीज्येपद मने, रुकमणिमंगलहोय ॥३॥ रागमारू ॥ बचनतुमारौसुमद्यौ दुरगाधौलागढकीराणी ॥ बावनभैंरूचौसठजोगणालुगडिया अगवाणी ॥१॥ कृपाकरौतेरेजनऊपर निजमुखबेदबखाणा ॥ सतजुगमेंतेंरक्षाकीनीकलजुगमेंसहनाणी ॥२॥ कंठां आणवि- राजौदुरगाहृदैग्यानमृदुबाणी ॥ ब्रह्माधरब्रह्माणीसोहैइंद्रघराँ इंद्राणी ॥ ३ ॥ केशवकेघरलक्षमीसोहैरिषीमुनीजनध्यावै ॥ बडेबडेराक्षसतुमहनियायहवेदनमैंगावै ॥ ४ ॥ अंबअराधेसेनर सुखियाबचनसिद्धहोयजावै ॥ तेरीमहिमाकबलगबरणूँ जन पदमयइयौगावै ॥५॥ दोहा ॥ संसारसागरअधिकजल, सूझतवर- ननपार ॥ गुरगोविंदकिरपाकरौ, गावोमंगलाचार ॥१॥ गुरगोविं- दभताइये, हरिथरप्याब्रहमंड ॥ येकखंडब्रहमंडमेंजेथरप्यानव- खंड ॥२॥ सुरतेतीसूंवीनवाँ, ब्रह्माविस्नुमहेस ॥ जटाजूटगंगाबहै, कंटविराजेसेस ॥ ३ ॥ सावत्रीपतिवीनवां, आदब्रह्मअवतार ॥ सकलसृष्टिज्यानेरची, पंथचलावणहार ॥ ४ ॥ रागमारू ॥ ब्रह्मावेदनिगमरोनायक भूलांनेसमझावै ॥ चितदेसुनेकृस्नको मंगल सौख्यमुक्तिफलपावै ॥ १ ॥ मंगलसुने महासुखउपजै मनइक्ष्याफलपावै ॥ कायाकष्टकदेनहिंव्यापै जनपदमइयो

गावै ॥ २ ॥ दोहा ॥ ब्रह्माजीकोसुमिरिये, जलथलकियो विचार ॥ च्यारवेद्‌चवदेभवन, सबकोसिरजनहार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ च्यारूँवेद्‌भवनचवदेमें सबमिलसिरजनहारो ॥ नारदसारद सनकसनंदन संकरसेसपियारो ॥ १ ॥ चवदे इंद्रराजसबकरिहैं, दिनब्रह्माकोसारो ॥ बृधऊमरब्रह्मावणिबेठो प्रहररुद्रकोन्यारो ॥२॥ ब्रह्माभवनतीनकोनायक अग्यासबबरतावै ॥ हिरदेधरिकेसुनिहैं मंगल भगतिमुगतिफलपावै ॥३॥ मंगल सुण्याँ भगति होय आवै प्रभुको दास कहावै ॥ कायानिर्मलसहजहोइजावै पदमइयोजसगावै ॥ ४ ॥ दोहा ॥ परमेश्वरकोंवींनवाँ, श्रीपतिअलखअभेव ॥ तीनूलोक उपाविया, भवनचतुर्दसदेव ॥ १ ॥ रागमारू ॥ भवनचतुरदस देवदामोदर जलथलजीवउपाया ॥ दसअवतारधर्‍या अबिनासी आप गरभ नहिं आया ॥ १ ॥ परमेश्वरकूबीनवाँजी थरप्यापृथीआकासा ॥ चंद्रसूरतारोजिनथरप्या पाणीपवन प्रकासा ॥ २ ॥ परमेश्वरकूँबीनवाँजीजिनथरप्याब्रहमंडा ॥ जल थल जीव उपावियाजी सप्तदीप नवखंडा ॥ ३ ॥ मेघमालजिनथरपियाजी करदियादिवसरुराते ॥ रजनीमें तारादरसाया बिनसायापरभात ॥ ४ ॥ शेषनागसिरधरणीथरपी जलपातालपठाया ॥ ऊपरजलधरनीचेकीनाबिचबिचदेश बसाया ॥ ५ ॥ दानाँमारणदेवउधारण जुगजुगमें हरिकीयाँ ॥ देवनिरंजन आग्या दीज्ये भक्त आपकी लीयाँ ॥ ६ ॥ सोइसोइरूपधर्‍यानारायण सोइसोइपरगटजाणौं ॥ कृस्नको-

पसिसपालउधाऱ्यौ रुकमणिब्यावबखाणौं ॥ ७ ॥ कबलग
कहूँकहाँलौंबरणूंशेषपारनहिंपाया ॥ पदमकहैतेरिलखीनजावै
बिनथंभेमँडछाया ॥ ८ ॥ ब्यावतणीमृदुवाणीबोलाँ रागरंग
सुरगावाँ ॥ चंदनचर्चचतुरभुजपूजाँदासपदमबलिजावाँ ॥ ९ ॥
दोहा ॥ गौरीपतिनेबीनवाँ नादेसुरअसवार ॥ जटाजूटगंगा
बहै, कंठभुजंगाँहार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ कंठभुजंगाँहारे
विराजै अरुसौहेमृगछाला ॥ चंद्रालिलाटरवीज्यूचिमकैपन्नग
भूषणसाला ॥ १ ॥ सेलीसिंगीडमरूकरमें औरबणी श्रम
माला ॥ ब्रह्माप्रगटकरेसृष्टीकूंविष्णु पोषणवाला ॥ २ ॥ पर
मगतीविसनूसतुमरीराक्षसवचनदिराया ॥ जौजौ राकसहुये
भवनमेंतुमहीवचनसुनाया ॥ ३ ॥ नंदीगण अरु स्यामकार-
तिकबीरभद्रमनभाया ॥ आदिप्रभूअवतारधारिके सबकूंआन
निभाया ॥ ४ ॥ अजर अमर अविन्यासीकहिये सर्वरिषिन
मनभाया ॥ पदमकहैप्रणमौशिवशंकर रुंडमाललटकाया
॥५॥ रागमारू॥ गौरिगंगाकौकंथभणीजेहसहसबचनउचारे॥
जटामुकुटसिरगंगखहलेखलगअसुरांसिरडारे ॥ १ ॥ माथे
सेलीगलरुंडमाला करमें डमरूराजे ॥ भांगधतूराविषमअ-
हारीकंथगवरिकौछाजै ॥ २ ॥ उडुगणपतिजाकेसीसबिराजै
सुरतिबिचारन होई । पूरणब्रह्मपदमके स्वामी पारवतिपति
सोई ॥ ३ ॥ दोहा ॥ परमगुरुगुरुदेवजी, रहौकृपालसहाय ॥
तादिनकरमस्तकधरचौ, भागजुप्रगटचौआय ॥ १ ॥ राग
मारू ॥ गुरगोविंदकूंवीनवाजी अविन्यासी आदेवा ॥ तन

मनगुरपैंवारणाँजी करूँगुराकीसेवा ॥ १ ॥ गुरपूरेपरमातमा जीगुरतुमदीनदयाला ॥ जबतुमकृपाकरौस्वामीजीमिटजाय कालअकाला ॥ २ ॥ गुरबडेपरमारथीजी सीसहाथधरदीन्हाँ ॥ ध्यानधरचौगुरदेवतुमारौ जनअपणाँकरलीन्हाँ ॥ ३ ॥ गुरु मेरे माता पिताजी गुरु है भाईबंधा ॥ अगम अगोचर तुरतभताया तौडदिया जमफंदा ॥ ४ ॥ देवगुरुतुम आग्या दीज्यौजडबुधदेवौबहाई ॥ पदमकहैगुरग्यानभतोवाभक्तिमुक्तिफलपाई ॥५॥ गुरुगोविंदके सरणें आयौ कुलकीलज्जाफेरी ॥ पूरणब्रह्म पदमकेस्वामी आसा पूरौ मेरी ॥ ६ ॥ राग मारू ॥ कंठातिलक बण्यौं हिरदामैं मन आया बिसवासौं ॥ जबतुमकृपाकरीस्वामीजीकटगइजमकीपासौं ॥ १ ॥ जमका पाससहीतुमकाटेसरणतुमारी आयौ ॥ जबतुमकृपाकरीस्वामी जी तबगुरुनामसुनायो ॥ २ ॥ दुखखंडनसुखदायकस्वामी गुरतुमदीनदयाला ॥ दासपदमपर किरपाकीज्यौ अंतरकरौ उजाला ॥ ३ ॥ दोहा ॥ यादकियौहरिपदमने, लियाहजूरबुलाय । अग्यादीन्हीस्यामने, पीतांबर पहिराय ॥ १ ॥ रागमारू ॥ पायलग्यौ हरिकेपदमइयौ बैठे जादवराई ॥ कृस्न रुकमनी कीरतगावौ निजमुखआपसुनाई ॥ १ ॥ रुकमणिकहैसखातुम सुनियौरचियौ चित्तलगाई ॥ यौमंगलपरगटतुमकरियौपुरी द्वारकामाँई ॥ २ ॥ अग्यालेपदमइयौ आयौ निजमुखमंगलगा ॥ ज्यूँअग्यादीकृष्णरुकमणी किय उचार सुखदाई ॥ ३ ॥ सुरततासू अग्या दीज्यौ रायरग सुरगावाँ ॥ पारब्रह्म तम

पारलंघावौं रुकमणिब्यावरचावा ॥ ४ ॥ दोहा ॥ रुकमणि मंगलगावताँ, हुव पावत्तरगाम ॥ कायाशकलाससझरे, हौत सुचीसबधाम ॥१॥ नरनारामंगलसुने, हरिचरणाँचितल्याय ॥ नारीअमरापुरबस, नरबकंठाजाय ॥ २ ॥ ब्यावलौभागीरथी श्रीभागवतपुराण ॥ बोलेराणीरुकमणी, सुनियौभगवतसजाण ॥ ३ ॥ कूडमतीनाभाखियो, कथियासो हापरवाँण ॥ यह कीरत श्रीकृस्नका; समझरकरा बखाँण ॥ ४ ॥ म्हेंम्हारीम-तसंकह्न, लाज्यौस्यामसुधार ॥ पदमभणेंप्रणमँसदा, भक्ताँ प्राणअधार ॥ ५ ॥ गननायक गणराजक बिनवाँ बारं बार ॥ आरंभ्या पूरणकरौ रचद्यौ मंगलचार ॥ ६ ॥ राग मारू ॥ गवरानन्दगणेस मनाऊ सबके सीस नवाऊं ॥ सुरतेतीसूं अग्या दीज्यौ रुकमनिमंगलगाऊं ॥ १ ॥ कृस्न रुकमणीअग्यादीन्ही निकटहजूरबुलायौ ॥ नंदकँवरराधा बरजूको पदमइयोजसगायो ॥ २ ॥ दोहा ॥ सदाभवानी दाहिनी, कीज्यौमोरिसहाय ॥ कीरतगाऊँ श्रीकृस्नकी, ली-ज्यौआपबनाय ॥ १ ॥ रागमारू ॥ लीज्यौआपबनायभवानी निजसेवककरजानौं ॥ कृस्नकौपसिसपालसंधारण रुकमनि ब्यावबखानौं ॥ २ ॥ पूरबजनमकीसीताकहिये लछमीजनम सुजानौं ॥ रामचंद्रअवतारकहाजे वसुदेवपुत्रबखानौं ॥ ३ ॥ जहाँजहाँभीरपरी भगतनमें परमधामसूं आये ॥ पदमभणेप्र-णमपायलागुँ जादवनाथकहाये ॥ ४ ॥ इतिमंगलाचरणअष्ट-पदी । अथ कथाप्रारंभः ॥ रागमारूको दोहा ॥ दक्षिणदेशसु-

हावणौं, राजाभींवनरेस ॥ गढचौरासीगंजणा, शेषपचायण देश ॥ १ ॥ रागमारू ॥ शेषपचायणदेशभणीजे पांचपुत्रयेक बाई ॥ त्रिभुवनतारणजगतउधारण सिंधुसुतायहआई ॥ १ ॥ कुलीछतीसुंजातभणीजे घरघरमंगलचारौ। चावउछाव सकलनगरीमैंब्राह्मणवेदउचारौ ॥ २ ॥ रतनजडितकेभवनबनेहैं मोतियनल्लवाँलागी ॥ कुन्नणपुरके भवनदेखिके भयेविप्रअनुरागी ॥ ३ ॥ तिनकेपुरबजनमलियोलिछमीघररुकमण अवतारा ॥ भींवनरेश्वर अधिकदानदियनौपतबाजैंद्वारा ॥ ४ ॥ पंडितवेगबुलायाराजाजनमनखत्रदिखाई ॥ ब्राह्मणकहैनखत्तरकरडा नामरुकमणीबाई॥५॥ वारशनिश्चरसिद्धजोगहैस्वातनखत्तरजाई ॥ ६ ॥ लक्ष्मीकौअवतारहुवोहै रुकमणनाँवधराई ॥ राजासे जौसीइमबोलैअठसिधनौनिधछाई ॥ ७ ॥ गलीगलीमें नारकेलहैं बागरहेगरणाइ ॥ घरघरबंदनबारलगाईसुगंधरहीलिपटाई ॥८॥ राजाभींबघरबँटतबधाईहाटबाटरंग छाया ॥ चौहटडासिणगारकरायासखियनमंगलगाया ॥९॥ हगमगरहैअधिकचतुराईपुरुषनबालगोपाला ॥ लछमीमंद्र बसेसबहीकेब्राह्मणकियेनिहाला ॥ १० ॥ अधिक अधिकसुन्दरचतुराईघुडलागिण्यानलेखा। कुन्नणपुरासिणगारऔपमा गावैपदमबसेखा ॥ ११ ॥ दोहा ॥ सुजससुण्यौंस्वरलौकमे नारदअपणैकान ॥ वीणामैंझीणासुरा, करतचलेगुणगान ॥ ॥ १ ॥ छन्द ॥ एकसमेनारदगुसाईंभवनभीषमके गये ॥ करजोरराजाभीमठाडौमुनिकैसेआवनकिये ॥ १ ॥ आरती

बहुभाँतिकीन्हीजौरकरपूजाकरी ॥ ताहिदिनराजाभीषमने आसिकामांगीखरी ॥ २ ॥ रागमारू ॥ नारदकहैंसुनोनृप मेरोलछमीरुकमणबाई ॥ द्वारावतीसगाईकरद्यौ औरठिकाणौनाहीं ॥ १ ॥ छपनकोटजदवनकौराजा नंदजुको लालकन्हाई ॥ श्रीगिरधरसूँकरोसगाई जादवजोडेनाई ॥ २ ॥ दानौमारणदेबउधारण लियोमनुजअवतारी ॥ देहवचनरणवासपधारेदासपदमबलिहारी ॥ ३ ॥ छंद ॥ रुकमणीकीमातबोली पुत्रीचरणालागरी ॥ मनभावताबरदेहिंनारद पूर्वप्रगटेभागरी ॥ १ ॥ मनमसकुचककछुहरखिकै करजौरतबठाढीभई ॥ कृस्नवरतौ कूंबरौयहआसिकानारददई ॥ २ ॥ राग मारू ॥ नारदबचनकहैरुकमणकौंनंदनँदनवरथारौ ॥ सावरिसूरतमाधुरिमूरत पीतपितांबरवारौ ॥ १ ॥ रुकमणिकहै सुनौरिषिराजाक्याहरिकीसहनाणाँ ॥ गोकुलमाँहीग्वालघणे राकैसैंनिश्चयजाणाँ ॥ २ ॥ मोरमुकुटकानाँबिचकुंडलकौस्तुभ मणिसहनाणाँ ॥ शंखचक्रअरुच्यार भुजाहैगरुडासनअहनाणा ॥३॥ च्यारुंहिंभुजाच्यारहीआयुधनंदजसोदाप्यारो । पदमभणैरुकमणिकंछुपकाहबरसाकृस्नमुरारो ॥४॥ छंद ॥ रुकमणीकौंबरदेनारदआपमुनिभोजनकिये ॥ ताहिदिनतैंकंवरि रुकमनिहरिमिलनकेव्रतकिये ॥ १ रुकमनीयंहदैठानी कृष्णमोकूबरजुले ॥ दासपदमकगयेनारद अंबकाहरिवर मिले ॥ २ ॥ रागमारू ॥ राणाकहइकतपधारो प्यारीरुकमणबाई ॥ होसरवग्यआपकूंसूझैबरद्यौमोहिबताई ॥ १ ॥ नारद

कहै चंदेरी राजादंतवक्रसेभाई ॥ जरासिंधसेकाका कहिये चहुँदिशफिरेदुहाई ॥ २ ॥ करेराजसिसपालधरापति नवखं डमैंनहिंछाँनौं ॥ पद्‌मभणेनारदइमभाखे सत्यवचनवरमानौं ॥ ३ ॥ दोहा ॥ नारदकहँराणीसुणाँ, चंदेरीकौराय ॥ डाहल सूसंगणकरौ, दीन्हागुपतबताय ॥ १ ॥ नृपकंकृष्णबतावियो राण कूंसिसपाल ॥ नारददुवध्यानाखग्यो, करदानाँकोकाल॥ ॥ २ ॥ दानवबधियादेवदुख, पृथ्वीकरीपुकार ॥ भूकौंभारउ-तारणे, लियोकृष्णअवतार ॥ ३ ॥ वार्ता ॥ राणिकूंयाप्रकार सौंकहकेनारदजीअपणेस्वस्थानमें जातेभये ॥ दोहा ॥ राव रणवासपधारिया, मिलीसहेलीद्वार ॥ किंणरीबाईडीकरी, किं-डरीराजकंवार ॥१॥ सखीभणसुणराजवी, साँभलभींवसुवार । याछैबाईरुकमणी, भीषमगृहअवतार ॥२॥ जबराजासाँसाँकि-यो, चिंताबहुतकराय ॥ द्रकहैम्हारोजीवणौं, जनमअकारथ जाय ॥३॥ बाईरुकमणिकारणैं, राजाजोवैबींद । पलपलदेखत तनघटे, नैणनआवैनींद ॥ रागमारू ॥ तालछपकौ ॥ नैणानी दपलकनहिंझपैचितवतरैनेंविहावै ॥ चंद्रवदनचूडामणिकारण सुरतसाँवरोआवै ॥ १ ॥ असुरामैंसगपणमतिकीज्योवेतौंहैंस-बफीटा ॥ मथुरामल्लअखोरजीत्यादेवद्वारकादीठा ॥२॥ वसुदेव नंदनअसुरनिकंदन तीनलोकको राजा ॥ पदमभणें राजाइम भाषैसरेहमारेकाजा ॥ ३ ॥ सोरठा ॥ भीषमसुताजनमियाँ, कृस्नसमर्पणियाँ ॥ कहतसुनतपातककटे, मंगलरुकमणियाँ ॥ १ ॥ दोहा ॥ चंद्रबदनचूडामणी, भीषमगृहअवतार ॥

बंधूरुकमइयोभलो, मंत्रिशिरोमणीसार ॥ २ ॥ रागमारू ॥
कुन्नणपुरमेंभींवनरेश्वर पांचपुत्रअधिकारी ॥ जिणसूंछोटीये-
रुरुकमणीलछमीकेअवतारी ॥ १ ॥ रुकमइयोअररुकम
कँवरहै रुकमकसेबलभारी ॥ रुकमारथरुकमांगदकहिये
छट्टीराजदुलारी ॥ २ ॥ राजाभींवकँवररुकमइयोमंत्रकरेवाँ
बेठा ॥ इककन्याकूंसोबरजुगतासोवरकिन्ननहींदीठा ॥ ३ ॥
रुकमइयोकहसुणोराजाजीथेतोसगलीजाणों ॥ म्हाँनेंतोबा-
लकबुधआवे पिछली तुमहिपिछाणों ॥ ४ ॥ राजाभणेसुणोरु-
कमइयाबरबनवारीजानों ॥ छप्पनकोटजदुवनकोराजाजाद-
बबंसबखानों ॥ ५ ॥ त्रिभुवनमांयनिधैकरदेख्योउनसमको
इयनलागे ॥ पदमभणे राजायूँ बोलैरुकमैयाके आगे ॥ ६ ॥
दोहा ॥ कँवरकनोधरयूँभणें, टीकमयहडोजाँन ॥ गोकुलगऊ
चरावतो, भलोसरायोकान्ह ॥ १ ॥ रागमारू ॥ ब्रंदाबनमें
गऊचरावे भिडवाल्याँरेसाथे ॥ कामनिमोहै बंसिबजावे जी
मेउणरेहाथे ॥ १ ॥ परनारीकेपल्लेझूमेमांगेदानमहीको ॥ तुम
जुकहोत्रिभुवनकोराजाचोथोखंडअहीको ॥ २ ॥ छत्रिबंसह-
तनापुरवोख्याफिरबडवाल्योजानो ॥ जिनकाकुलकीलज्जा
आवे तिनकोकहाबखानों ॥३॥ दरशनकालोवोलकूडोतनमन
धरुअभिमानो ॥ पदमभणेरुकमइयोभाषैभलीसरायोकान्यों
॥४॥ दोहा ॥ भींव भण सुतमोहरा, थे छो मूढगिंवारा ॥ औरांके
भुजदोयछ, हरजीकेभुजच्यार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ चत्रभुजने
च्यारूँभुजसोहैंगरुडासनगोविन्दा ॥ ब्रह्मादिकसनकादिक

थरप्यासूरजअहनिसचंदा ॥ १ ॥ बासुकिकेशिरधरणीथरपी जलपातालचलायो ॥ जलथलपवनअपरबलपानीबिचबिच मुलकबसायो ॥ २ ॥ ज्यूंमरजादआपहरिबाँधीहुकमीकाँम चलायो ॥ पदमभणेंप्रणमेपायेलागूंविनथंभआभोछायो ॥ ॥ ३ ॥ दोहा ॥ कँवरभणसुणराजवीं, सांभलभींवभुवाल ॥ पुरवचंदेरीराजवी, बरबरस्यांसिसपाल ॥ १ ॥ रागमारू ॥ दम्मघोषराजाकोनंदन धनको वार न पारा॥ शिवकिरपातेंलिछमीपांई सोहेराजदवारा ॥ १ ॥ भंडारीकोठारीसोहे हस्तीपुरी अपारौ ॥ आपांसें अधिकाबरलीजे अडवडियांआधारौ ॥ ॥ २ ॥ सबलांसेतीसगपणकीजे पाणींपहलीपाजे ॥ कँवरभणें सुनज्यौराजाजीगवल्योसूकुललाजे ॥ ३ ॥ दम्मघोषरौपुत्र भणीजे इसोबली येकदानौं ॥ जिनसङ्गचढपंचायणक्षौहण रूडीवाकीजानौं ॥ ४ ॥ जाकूंनिवेनिनाणुंराजापूरबतणौंन रेशा ॥ पहलीतोसबजादूजीत्याकौसलियासबदेशा ॥ ५ ॥ समंदतणेजायसरणैंबैठौ नगरबसायोमांहीं ॥ डरतौघोबाहर नहिंआवेमानूंमिलगयोछाईं ॥ ६ ॥ कालजमनकैंआगेभागौ थांसूंकिसडोछांनौं ॥ पदमभणे रुकमइयो भांडे भलो सरायो कान्हौं ॥७॥ दोहा ॥ भींवभणेसुतमांहरा, तुमहोनिपटअयाँन ॥ नखपरगिरवरधारियो, कुबज्याराख्योमाँन ॥ १ ॥ सीताँरीबाहरचढयो, सायरबाँधीपाज ॥ धनुषबाँणकरधारिके, देवसुधान्याकाज ॥ २ ॥ रागमारू ॥ सायरपाजसहीकरबाँधीबाँदररीं छमिलाया॥ कुभकरणमहिरावणमन्याआगअसुरसँताया॥१॥

रावणरूपदेखसीताकोअसुरकुवदबुद्धिआई ॥ रावणकेदशमस्तकछेदे बंधतेतींसछुडाई ॥ २ ॥ बीभीषणनेराजतिलकदेकनकमाल पहिराई ॥ जनकसुताजबलेकर आया घर घर बँटी बधाई ॥ ३ ॥ असंख्यजुगाँवतारभगतहितसाखवेदमेंगाई ॥ पदमभणेंभीषमयूँभाखेवह अबजादूराई ॥ ४ ॥ दोहा ॥ भींव भणेंसुतमाँहरा, रुकमणियहबरसाज ॥ जिनेअघातसुरमारिया, वृक्षअमोलिकभांज ॥ १ ॥ रागमारू ॥ वृक्ष अमोलिक प्रभुनेतान्यासकटासुरसंघान्या ॥ नरकूबरदोऊँबलवंतातिनकोमूलउखान्या ॥ १ ॥ जमनाँजलम कालीनाथ्या बलि इ जगरकूंमान्यौ ॥ कंसमारधरणींसिरचून्यौजदुवनको कियोउबारौ ॥ २ ॥ वीरकुवालयाकुंजरमान्यौ मुष्टिकमल्लअखाडे ॥ असुरकंसचाणुँर पछाडचो असुरातणे पँवाडे ॥ ३ ॥ येहअवतारपँवाडाभाख्या यूँम्हेयेताजाणूँ ॥ छपनकोटजादवकोराजा जिणरोबंसबखाणूँ ॥ ४ ॥ तीनलोक अरु चवदा भुवनमें नहिंकिसीसेछानौं ॥ पदमभणेभीषमयूंभाखे बरबन वारीजानौं ॥ ५ ॥ दोहा ॥ कंसजतेडीपूतना, जहरलगायो गात ॥ सिसुमारनआवतभई, सुन इचरजकी बात ॥ १ ॥ राग आसावरी ॥ लालकीमैंमुखदेखनकौंआई ॥ टेक ॥ रातबसीअसुरनकीनगरीदेहमादुखपाई ॥ पुरषनका मूँढा नहिंदेख्याअडसटतीरथन्हाई ॥ १ ॥ जब मैं ध्यानधन्योवैकुंठमेंवैकुंठखालीपाई ॥ २ ॥ येताबालकदेख्याबृजमें इनमें जोतसवाई ॥ जोम्हेथाराबुराचींतऊँ आंखिनकी सुंहखाई

॥ ३ ॥ चितमुदजाणजसोदाराणीपलनादिया बताई ॥ विष
लगायथनमुखमेंदीयोसूतखैंचेयदुराई ॥ ४ ॥ पडीजायजब
डोढजोजनमेंअसुरनसूक्याआई ॥ पदमभणें प्रणमेंपायेलागूं
माताकी गतिपाई ॥५॥ छन्द ॥ ब्यावबैरअरुप्रीतलायकबरों
बरसूकीजिये ॥ राजतखतबिराजकेक्यूंग्वालकूंसुतदीजिये ॥
जातकुलकेहींणसबमिलब्याहकैसेंदीजिये ॥ मानबचनभुंवा-
लभीषमभूलयहमतिकीजिये ॥ दमघोषको सिसपालराजा
ताहि कन्या दीजिये ॥ जातसूरसुजातसुन्दरजायसगपण
कीजिये ॥ तायकन्यादेतसोभावचनमोरपतीजिये ॥ १ ॥
रागमारू ताल छपको ॥ भरीसभामेंइंदरकोप्याबृजसंभेटन
आई ॥ याबृजऊपर जलवरषावौ सबकूं देवौ बहाइ ॥ १ ॥
आवरल्लनकौंआदिलेकेच्यारुंपुत्रबुलाई ॥ बरस्यौंघनअन्तर
सुरधारा परबतलियो उठाई ॥ २ ॥ राजा भींव भणें रुकम-
इयाकिंणराजाकौं दीजैं ॥ औछेसगेसगापनकरताँमाँनबड़ाई
छीजै ॥ ३ ॥ पूरेसगेसगारतकरताँ वाकेसरणेरीजै वासुदेव
नंदअसुरदलगंजन उनकौं कन्यादीजै ॥ ४ ॥ विलमनकरो
हुकमउरधारौ पीछौज्वाबनदीज्ये ॥ पदमस्यामतेरागुणगावै
कामभलेराकीज्ये ॥ ५ ॥ दोहा ॥ चककिकनौधरउठिचल्यौ
घरजायपूछीमाय ॥ तखतचंदेरीछोडिके, सगपण अकुलक-
राय ॥ १ ॥ रागमारू ॥ सातबरसकीबाईरुकमणीसखिसँ-
गखेलणजावै ॥ कौटिकअरुणअंगकीसोभा विद्युतरूपलजा
वै ॥ १ ॥ राणीकेमनचिंताउपजीकुवरिबडीअबहोई ॥ पुत्र

बुलायरुकमनैंभाषेबरसौधीज्योकोई ॥ २ ॥ राणीकहैसुणौं
रुकमइयारुकमणिबींदबिचारौ ॥ साखाँसिरैसरीखौ सगप-
णकारजसुधरेथारौ ॥ ३ ॥ कहरुकमइयौसुणहेजननीराजा
मंत्रिपठावाँ ॥ बड़ाघराणाँबाईव्यावाँतौजगमैंजसपावाँ ॥ ४ ॥
चंदेरीसिसपालधरापतिजिणनेकोकुबुलावाँ ॥ पदमभणैयूँ
कहअभिमानी राजदुआरेजावाँ ॥५॥ रागमारू तालछपको ॥
रावऔरबरहेरेमातः थारेमनकाँईभावै ॥ माखनचौरछाछ
कोदानी तिनकौंरावसरावैं॥ १ ॥ गजदलठाटगढाँरौतपूरौत-
खतचंदेरीसोहै ॥ च्यारकूंटनवखंड बिचालेइसडो औरनको
है ॥ २ ॥ नेमधरमकी सबविधजाँणै नगरधरमकी पाजा ॥
सुँदरबरसिसपालभणीजेतायनझैंपैराजा ॥ ३ ॥ रुकमइयाका
वचनसुणेसुणहिवडामाँहींसाल्यौ ॥ देखोमतिराजाभीषम
कीकरेजँवाईग्वाल्यौ ॥ ४ ॥ मातासुतमिलमंत्रविचारोदोष
न लागे कोई ॥ करोसगाईदेरनकीजैहोनीहोयसोहोई ॥ ५ ॥
रुकमइयाकावचनसुनेसुनगाढोमतोउपावो ॥ विप्रबुलायरु
लगनलिखावोचंदेरीपहुँचावो ॥ ६ ॥ दोहा ॥ रावरणवासप-
धारिया, राणीसूंबतलाय ॥ रुकमकँवरउत्तरदियो, करताको-
टिउपाय ॥१॥ रागमारू ॥ तालछपको ॥ करताकोटिउपाय
नरेस्वरविधनाओछीबाणी ॥ राणीभणैसुणोराजाजीम्हेथा-
रीमतजाणी ॥ १ ॥ राणीभणैसुणोराजाजीयेहीबातमनपे-
खौ ॥ रुकमईयौथारीपतराखैबैठाबैठा देखौ ॥ २ ॥ राणीभ-
णैसुणौराजाजीथारीबातनभाई ॥ थाँनेराजाबडपणदीन्हौं

बैठकरौठकुराई ॥ ३ ॥ दोहा ॥ येकजघरमेदौमता, भलीका-
यसेंहोय ॥ पुरुषजुपूजैदेवता, भूतजुपूजैजोय ॥ १ ॥ भीमउ-
वाच ॥ रागमारू ॥ बाँसबीडाअपणोंकलजारैयेसौपुत्रतुम्हा-
रो ॥ पितावचनमूरखनहिंमानैरुकमकँवरअपगारो ॥ १ ॥
राजाभणैसुणौंराणीतुमयेहबातनाँसोई ॥ पदमभणेप्रणमेपाये
लागूंकरदेखोसबकोई ॥२॥ राग आसावरी ताल दीपचंदी ॥
कहातेरेनंदनँदनमनमान्यौ ॥ टेक ॥ राणीअरजकरेराजासैं
वृद्धभयोहमजान्यौं ॥ १ ॥ जातपाँतकुलवाकेनाहींसौरुकम
णिबरठान्यौं ॥ २ ॥ ब्रंदावनमैंगऊचरावैकाँधेकामरकान्यौं
॥ ३ ॥ पदमभणराणायूभाखे मौरमुकुटवाकोबान्यौं ॥ ४ ॥
॥ रागसोरठ ॥ भौलाराणीबावरीहेगिरवरधारीनेपरणास्यां
॥ टेक ॥ सठरुकमइयौंयेकनमाने कह सिसपालबुलास्यां ॥
॥ १ ॥ वौसिसपालचंदेरीकोराजाम्हेत्रिभुवनपतिध्यास्यां ॥
॥ २ ॥ जाहरिम्हाँरेभवनपधारेघरबेठागतिपास्यां ॥ ३ ॥
प्राणतजूंपणपणनहिं छाडंरुकमाणरथबेठास्यां ॥ ४ ॥ पदम
स्यामजोहरिनहिंआवैतोमरस्याँविषखास्यां ॥ ५ ॥ दोहा ॥
राणीसूंराजाकह, सुणौंप्राणआधार ॥ तीनलोकपातकृस्नकी,
रुकमणिहैबरनार ॥१॥ रागमारू ताल छपको ॥ तीनलोकके
नायक कैसो केता किया पँवाडा ॥ मारे दानव देवउ-
बारेअनगिनदैत्यखँपाडा ॥ १ ॥ बालरूपहोयहता पूतनापह-
लप्रवाडाकीया ॥ पाईमज्यासिरीधरजोसीविप्रजानजिवदी-
या ॥ २ ॥ मल्लअखाडेहस्तीमाऱ्याकरसे दशन उपारो ॥

कालीनागनाथकरल्यायानखपरगिरवरधारो ॥ ३ ॥ माऱ्यो कसकेसगहकेसोजनप्रहलादबचायो ॥ उग्रसेनपरकिरपाकी नीराजाकरबैठायो ॥ ४ ॥ दोहा ॥ भगतजानिहरिअवतरे, राजादशरथ धाम ॥ परणीसीतापैजकर, धनुषचढायोराम ॥ ॥ १ ॥ रागमारू ॥ धनुषचढायकियादोयटुकड़ा राजासबमुखजोहै ॥ सुरनरमुनिजनरहेअचंबे ब्रह्माकामनमोहै ॥ १ ॥ रावणकादशमस्तकछद्या कियौबिभीषणराजा ॥ परसराम छत्रीबंस काट्या शस्त्र अवधपुर साजा ॥ २ ॥ वाराहरूपहोय प्रथिल्यायो जाणैंसकलजिहाना ॥ मच्छरूपहुयवेदनिकाऱ्या ब्रह्मा करे बखाना ॥ ३ ॥ बावन होयकर पृथ्वी मापी बलि पाताल पठायो ॥ नृसिंहरूपहोय हत्यौहिरणाकुस जन प्रहलादबचायौ ॥४॥ जहाँ जहाँभीरपरी भगतनमें वहां आप चलि आयो॥ पदमभणैं बुद्धाअवतारी बहुता काम बनायो ॥ ॥ ५ ॥ राग सोरठ ताल ठूमरी ॥ राजा बरहेऱ्यो कारोकानौं ॥ टेक ॥ जानीतुमारीअकलरावजी वृधसमविषछानोंका ॥ १ ॥ साठीबुद्धगईअबथाँकीपुत्रकहैसोमाँनौं ॥ २ ॥ वृंदाबनमेंधेनुचराई मांग्योमाहिकोदानौं ॥ ३ ॥ भटकतफिरचौं गोकुलगलियनमें कैंसोरावबखानौं ॥ ४ ॥ अबहीतजौरात्र हटअपना लोगहँसीघरहानौं ॥ ५ ॥ अरिभयमाँनबस्यौसिंधूमेंवोम्हाँसूंनहिंछानौं ॥ ६ ॥ यौंसिसपाल चंदेरीकोराजा लाखगढाँकौंरानौं ॥ ७॥ उनकौंतजाग्वालधीदेतैंलाजनेक उरआनौं ॥ ८ ॥ ब्याहनआवैंचंदेरीधरापति यह तुम निश्चय

जाना ॥ ९ ॥ पदमभणैंराणीयूँभाखे थेमानौंमतमानौं ॥ १० ॥
दोहा ॥ राणीकह राजासुणौं, यहीअरजमहाराज ॥ तुमबेठा
माला भजौ, कँवरसुधारे काज ॥ १ ॥ राजासूं राणिकँवर,
मंत्रीजोडैहात ॥ करजो-योविनतीकँरी, सुणौंनरेश्वरवात ॥ २ ॥
राग मारू ॥ सुणौनरेश्वर बात हमारी ब्याहतणीबुधराखो ॥
भलीबुरीमेंरहौनिराला वोझकँवरसिरन्हाखौ ॥ १ ॥ रुकमइ-
योअतिमरखराजा कहीसुनीनहिंमाने ॥ कुलअभिमानबडाई
राखे बेद भेदनहिं जानैं ॥ २ ॥ असुरतणांदलऊपरहरख्योछां-
ड्यो त्रिभुवनराई ॥ पूरणब्रह्म पदमकेस्वामी जिन यह सृष्टि
उपाई ॥ ३ ॥ रुकमणीवचन ॥ दोहा ॥ बंधुमातमानीनहीं,
पिताकहीसौबात ॥ कृस्नतजेसिसपालकौं, पाणीग्रहणकरात
॥ १ ॥ रुकमइयाकी बातसुण, रुकमणि चली रिसाय ॥ नैन
झडे आँसूपडे, सरवरन्हावणजाय ॥ २ ॥ कहतोनीरप्रवाहल्यूं,
कैआवैगोपाल ॥ प्राणतजूंयाबीरपै, नहिंपरणूं सिसपाल ॥ ३ ॥
राग मारू ॥ साँवणकीबडतीजसहेल्याँसबमिलन्हाँवनचा-
ली ॥ रुनकझुनकपगेनवरबाजैसुघडसख्याँसँगहाली ॥ १ ॥
औरसहेल्याँईराँतीराँ रुकमणबीचपधारी ॥ जबजलमाहीङ्-
वणलागीयादकियागिरधारी ॥ २ ॥ भुजापकडहरिबाहरली-
नींयाकाँइबातविचारी ॥ कौनदेशमेंजनमतुम्हारो कौन घरा
अवतारी ॥ ३ ॥ कुनणाँपुरमें जनम हमारा भींवघराँअवता-
री ॥ नानीखींचण मायसौ लखणी दादाजातपँवारी ॥ ४ ॥
बाचादेहभींवकीकँवरीजबथेघरांपधारो ॥ बाचातौम्हेजबहीं

देउंरूपचत्रभुजधारो ॥ ५ ॥ रूपचत्रभुजधाऱ्याहरिनेसोभ
अनतअपारो ॥ औराँनेतौ घुडला सोहै कृष्णगरुडअसवार
॥ ६ ॥ शिवबाचाअरुब्रह्माबाचाबाचाकृष्णमुरारी ॥ जनम
जनमकासाहबमेराहूँअरधंग्याथाँरी ॥ ७ ॥ कहेकृस्नजीसुण
रुकमणी थेतोखुसीरहीज्यो ॥ माबेटाकोइमतोउपावै काग
बेगोदीज्यो ॥ ८ ॥ कहैरुकमणी सुणो कृष्णजी याथेमलीसु
णाई ॥ लगनसाँकडेसावोदेवै कागजपहुँचेनाई ॥ ९ ॥ काग
लिखमिस्सरनेदीज्यायो येकमजलआयरेसी ॥ येकघडीअ
रयेकरातमैंकागदआयरदेसी ॥ १० ॥ बाचादेयभौंवकीकँवर
रंगमेंहलमें धाई ॥ औरसहेल्याँकबकी आई तेक्यौं बार लगा
॥ ११ ॥ जलमे माता न्हाँवणलागी आ गये कृस्नमुरारी ॥
वाँदेखतबाहरनहिंनिकसीलाजकरोअतिभारी ॥ १२ ॥ फि
फिटहेम्हारीबाईरुकमणीकुलकँकाठलगायौ बडाघराँरीबेट
होयकरजायग्वालबतलायौ ॥ १३ ॥ फिटफिटहेम्हारीमा
यसुलखणी उठउठजायपरारी ॥ पदमभणेंप्रणमौंकहरुक
मणम्हारौबरगिरधारी ॥ १४ ॥ दोहा ॥ पंडितबेगबुलाइया
लीन्हानिकटबिठाय ॥ लगनलिखावौराजरा, नीकासोधबना
य ॥ १ ॥ राग मारू ॥ सगला दोषनछोडौजोसी निरमल
सावौकाढौ ॥ पत्रीदेखरपाटौमांडौघडीमोहौरतसाधौ ॥ १ ॥
जौसीभणैं सुणौंराणीजी निरमलसाहौकाढ्यो ॥ इणसाबामें
चूकनहोपिण सुकनाँस्वामीआडौ ॥ २ ॥ दोहा ॥ कँवरकहै
मंत्री सुनौ, रावबुलावोतेज ॥ लगनलिखायोबाईराजको

देवाँचँदेरीभेज ॥ राग मारू ॥ मंत्रीभेजदियोहलकारौ सुरसतभाटबुलायौ ॥ रुकमकँवरजीयांदकियाछैंसुनतवचन उठधायौ ॥ १ ॥ सुरसतभाटसवेलौआयोचोपदारगुदरायौ ॥ जायसभामेंमुजरोकीन्हौंटीकोहातधरायौ ॥ २ ॥ बाईरुक-मणिकोलगनलिख्योछे नृपकोमती सुनावौ ॥ जावौगुपतक-होमतिकिणनैंतीखाखडनैं धावौ ॥ ३ ॥ विसटालासूंकामन होंछैंसिसूपालकरदीज्यौ ॥ कहपद्मइ्योकँवररावसूं अरुमुख वचनांकीज्यौ ॥ ४ ॥ दोहा ॥ टीकौडाहलतेडियौ, पुरमें मंगलचार ॥ राजाभींवअरुरुकमणी, दोनूकरैंविचार ॥ १ ॥ ॥ राग मारू ॥ बोलैरुकमणिसुणमहाराजाथेधार्‍यौ गिरधा-री ॥ रुकमइयेरानीडाहलसूंकरीसगाईम्हारी ॥ १ ॥ बोलै राजासुणबाइरुकमणिपरणास्यांवनवारी ॥ छपनकोटिजाद-वसंगआसीबलदाऊहलधारी ॥ २ ॥ तेतीसक्रोडदेवताआ-सीशिवनंदीअसवारी ॥ सिसुपालाकीसैन्यांमारेभूकाभार उतारी ॥ ३ ॥ भगताँहेतधरै अवतारोदासजाणकरआवै ॥ सबलाँनैछौंडैगिरिधारी अबलांमानबधावै ॥ ४ ॥ दुष्टानैंतौ कालौदीखैभक्तांभधरगोरौ ॥ पदमभणैमीषमयूँभाखैबरबन-वारीतोरौ ॥५॥ दोहा ॥ सुरसतभाटचढाबिया, तुराअमोलक आँण ॥ पवनजबेग उतावला, वेगावगपिलाँण ॥१॥ रागमारू॥ तुरीपलाणावेगकरौनैंवाटांबिलमनकीज्यौ ॥ बटवाल्यासैबा-तनकीज्यौवेगाकागददीज्यौ ॥ १ ॥ सुरसतभाटचंदेरिनैंचा ल्याफूल्यौअगनमाई ॥ विधिवानारिड्डसकती कन्यासौंही

आडी आई ॥ २ ॥ तिलकबिहूंणोंमिलौपांडियोउरधाके
नाँरी ॥ मालमुकदमैंमिल्योचौधरीउँधेघडेपिणियारी ॥ ३
मुंडमुंडियामिल्यामैडियाबिनमुद्राकाजोगी ॥ छुरीमार
तराडामिलियासाँम्हांमिलियासोगी ॥ ४ ॥ ल्यालीजरख
डियामिलियाखोटासुगनखवांरी ॥ सुरसतबाटमैंउभोलीन्ह
एसबसुकनविचाश ॥ ५ ॥ इतशतौउणआँख्यादेख्या आँ
सुण्याभीकानां ॥ म्हारैतौघरकुसलरहोज्यौ पडौबींदकीज
नां ॥ ६ ॥ येतौसकुनपालसबहूवाजायरकरसूंकांई ॥ सुर
तसकुनसोंचमनमाँहींसुतलबअगलौनाँहीं ॥ ४ ॥ दोहा
सुरसतसकुनबुरा हुआ, चंदेरेकी ओर ॥ बाँवीबोलेकोचर
फौहीकूकेमोर ॥ १ ॥ राग मारू ॥ तखतचंदेरी जायरपौंच
भीतरभेदजनायो ॥ कागदलेडाहलकरदीन्हौंदूतकठासूंआय
॥ १ ॥ दसहजारहेवरलिखभेज्या कागदरुकमपठायो
कुंदनपुरमैंकँवरसूरमौंसबहीसीसनिवायो ॥ २ ॥ कुंदन
पुरकाटेवासुनक फूल्योअंग न मायौ ॥ पदमभणेंप्रण
पायलागूंटीकोरुकमणपठायौ ॥ ३ ॥ दोहा ॥ कागदडाह
बाँचियां, मनमें कियो विचार ॥ ये कागद नहिं भींरा, काग
लिख्याकँवार ॥ १ ॥ राग मारू ॥ राजाभींवजी ग्वालसरा
कँवरसरावैथानैं ॥ साँचीबातकहाँम्हेथाँनैं कागदलिखियाछा
॥ १ ॥ रावजरासिंधतेडियाजी भेला हुवा सब आई ॥ दो
राजाछत्रमती जब बैठा तखत बिछाई ॥ २ ॥ विसटाल
कीबीनतीजी सुणौंनरेस्वररावौ ॥ कुदनापुर निहचै जुधहोस

ाखरसेलसँभावो ॥ ३ ॥ जरासिंधजबयूउठबोल्या सुणल्यो तभामँझारा ॥ जादूकटकविडाराँपलमैंपरणाभींबकंवारी ॥ ।४॥ उमरावांजबबिडोलीयो पाखरसेलसँवारी ॥ इतनीसु-नकरदम्भघोषजा आयेसभामँझारी ॥ ५ ॥ कुंदनपुरकोटेबौ-आयोसबकूबाँन्सुनावो ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागुजोसीबेग बुलावो ॥ ६ ॥ दोहा ॥ डाहलजोसीतेडिया, लीनौंतुरतबु-ठाय ॥ कुंदनपुरकी पत्रिका, म्हाँनैं बाँच सुणाय ॥ १ ॥ ाग मारू ॥ सतकाबचनकहाँसनराजानिगमहोयनहिंझूटा ॥ कुसैमोहोरत लिखी पत्रिका आवो भाग अफूटा ॥ १ ॥ जोसी कहै सुनौराजाजी कह्यो हमारो कीज्ये ॥ मृतकजोगमें सावौलिखियो आग पाँव नहिं दीज्ये ॥२॥ डाहलराजाबलकर बोल्यो जोसीथे घर जावौ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँजोसी और बुलावौ ॥ ३ ॥ दोहा ॥ पीपाजोसीतेडिया, रंगतखतबै-ठाय ॥ कुंदनपुरकीपत्रिका, म्हाँनैंबाँचसुनाय ॥ १ ॥ राग मारू तालछपको ॥ पीपाजोसीटेवाबाँचै सुणरेडाहलराई ॥ बौतौ आप कृष्णकी नारी थारेलायकनाँहीं ॥ १ ॥ क्यौंनैरा जाकरौसागतीक्याँनैंजानबनावौ ॥ रिषिपंचकमैंलिखीपत्रि-काफेरालेणनपावौ ॥ २ ॥ डाहलराजाबलकरबोल्योजोसी थेघरजावौ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूंजोसीऔरबुलावौ ॥३॥ दोहा ॥ सैंमनजोशीतेडिया, रंगतखत बैठाय ॥ कुंदन पुरकी पत्रिका, म्हाँनैंबाँचसुणाय ॥ १ ॥ राग मारू ॥ पोथी खोलरपाटामांडा घढ़ीमोहौरत काढौ ॥ यह साबा मैं चूकन-

हीं है सकुनस्याँमहीआढो ॥१॥ दसूंदोषसावाकाछाँटूँरासाँव
गंभिलाई ॥ कुँवररावकाकरूँजोरवा नवग्रहकरो सहाई ॥ २ ॥
लातपातयामित्रउपग्रहहुतीबेधभी नाहीं ॥ क्रांतिसाम्ययेका
गलरीखै मृत्युपंचकहैमाँहीं ॥ ३ ॥ संमनजोसीमनमैंडरपै
सिसपालोबलखावै ॥ जैहुंसावोखोटोकहसूंनगरीबारकढा
॥ ४ ॥ थालोड़ीपरभद्राअटकीपतराखेम्हारोसाँई ॥ पदमभ
णैंजोसीइमसोचैफेरालेणनपाई ॥ ५ ॥ दोहा ॥ रावरसोडैप
धारिया, लीन्हहो अपने साथ। कुंदनपुरका भाटनैं, भलाजि
मावोभात ॥ १ ॥ राग मारू ॥ बहुबिंजनपकवानमिठाईमि
सरीखीरमिलानी ॥ कुन्दनपुरकासरसभाटकीखूबकरीमिज
मानी ॥ १ ॥ घुडलापाँचसातदसदीन्हां भलो मनोरथ
कीन्हो ॥ पदमभणैंसिसपालभाटकोमुखमाँग्योसेहिदीन्हो
॥ २ ॥ दोहा ॥ रावरनवासपधारिया, वाभीसूं बतलाय।
टीकोआयोरुकमालरो, थारैमनकांइभाय ॥ १ ॥ राग मारू ॥
सुरसतभाटसंगलेआयोडोड्याँभीतरधायो ॥ कुंनणापुरको
टीकोआयोभावजनैंवाँचसुनायो ॥ १ ॥ बाभी भणै सुणो
म्हासदेवरयाकांईबातउठाई ॥ नांवजनाँहींभींवराजको
म्हारमैंननहीं भाई ॥ २ ॥ बाभीभणैंसुणोंजीदेवरकुंनणपुरम
तिजावो ॥ इणअवसरथेरहोजीवताफेरहिरावकहावो ॥ ३ ॥
थेपीयरउठजावोबाभीम्हेंकुंदनपुरजास्यां ॥ भीषमकँवरिपर
णघरल्यावाँथाँरेपगाँलगास्यां ॥ ४ ॥ म्हेपीयरतोजबसैंचा
ल्याजबथेजानबनणावो ॥ अबही बातसमेटोदेवरक्यूंथेलो

गहँसावौ ॥ ५ ॥ आतुरहोयसिसपालोबोल्योकडवाकांईसु-
नावौ ॥ छपनकोटनैंबाँधरल्याऊंतौमनैंरंगचढावौ ॥ ६ ॥
थारोरंगम्हेजबहींजाणाँ जबथेपरणपधारौ ॥ सोवनचूडलौ
घरघरपडसी अपजस होसी थारौ ॥ ७ ॥ वा अरधंग्याहरि
की लछमी थे देवरमतिजावो ॥ म्हारी कहीबुरीमतमानो
लाज खोयघर आवो ॥ ८ ॥ बहुतक कही येकनहिंमानी
दंमघोषराजारो ॥ पदमभणैंबाभीयूंबोलैभलोनहोसीथारो ॥
॥ ९ ॥ दोहा ॥ बाभीकासुणकरबचन, लागीउरबिचलाय ॥
रोसभऱ्योपीछोफिऱ्यो, मनानक्रोधसम्हाय ॥१॥ रागमारू ॥
बाभीमैंगुणअधिकाजाण्याजदम्हेमिलबाधाया ॥ कुंणनपुर
भीषमकँवरीकाटेवाबाँचसुणाया ॥ १ ॥ सुणकरटेवारोसभरी
अतिनैणानीरबहाया ॥ होतबहौणहारकाँईथारौइसडावचन-
सुनाया ॥ २ ॥ रङ्गमहलसिसपालपधाऱ्याउत्तरतापछिता-
या ॥ बाभीनुगरीसेतीपूछचौकडवाबोलसुणाया ॥ ३ ॥ इण
नुगरीसूबालाँनाहींकरस्यौंमनराचाया ॥ पदमभणैडाहलअ-
भिमानीक्रोधभरेभरधाया ॥ ४ ॥ दोहा ॥ डाहलकोमनऊँ-
मग्यो, जरासिंधपैंजाय ॥ कागदआयोबिद्रभदेसतैं, थानैंकि-
स्योसुहाय ॥१॥ पंडितम्हांनयूंकहे, टीकोद्यो फिरवाय ॥ बाभी
म्हाँनैंयूंकहै, जास्यौतौपतजाय ॥ २ ॥ कहौतौटेवोझेलल्यौं,
कहौतौद्यौंफिरवाय ॥ जरासिंधराजाबली, तुमहींकरौ सहाय
॥ ३ ॥ राग मारू ॥ जबैजरासिंधयेसैबोल्याबोल्याछैगरबाई॥
उठकरपाँवधऱ्योधरणीपरतबधरणीथरँराई ॥ १ ॥ दसूंदिशा

मैंचीरीभेजौद्योरेनंगारेडंका ॥ भलीभाँति परणायरल्या
तोरैजरासिंधवंका ॥ २ ॥ द्वातकलमकागदमंगवावौमंत्री
बैवुलावो ॥ गादीरूपतखतकुलमंडनजरासिंधपैआवो ॥ ३
जबेजरासिंधयेसैंबोल्याबोल्यागहबरदानौं ॥ चहूंदिशामैंक
गदफेराँज्यूंभटआवैजानौं ॥ ४ ॥ चापरकरौबेगखतफाडौके
कौरावखुमाणां ॥ येकलाखसाढयासाँचरियाछुटापव
बिवाणाँ ॥ ५ ॥ मौजाँघणींपरेबाँथाँनेलिखियाजायबचावौं
रविकेनीचेबिनबढवाल्यानवखंडाँफिरजावौं ॥ ६ ॥ रामर
तौपीछेलिखज्योबेगलिखौअसवारी ॥ येअवसरयेसौहीज
णाथाँनैंसरमहमारी ॥ ७ ॥ कागदलिखोबाँचताँपहलीकाँ
घणीबखानो ॥ जीमाउँठेहरचलूंचँदेरीइतनीहीकरमाँनो
॥ ८ ॥ सायबलगसबहीचढआवोभलीबणाबोसाजा ॥ पा
चलंतापहुँच्यारहियोलिखीजरासिंधराजा ॥ ९ ॥ दोहा
टीकोआयोरुकमालरो, गढपतियाँरंगचाव ॥ हँसिहँसिमाँ
राजबी, बंधुनैंसिंधराव ॥ १ ॥ राग मारू ॥ बंधूनैंसिंधरा
लिखावो थेदलथंभनआवो ॥ मंत्रीनेम्हाराजकहतहैहमेसर
खेंजावो ॥ १ ॥ सिंधमंत्रीजबचालियाजीभेटच्यापवनबिव
ना ॥ मॉनसरोवरपारकेराजाराजकरेसुरताना ॥२॥ कर सुल
तानसहीकोराजासिद्धमंत्रीचढचावो ॥ सबलतेजदंताध
राजासूतौजायजगावो ॥ ३ ॥ मंत्रीजायदियापरवानाअन
उछाहबचावो ॥ कुंदनपुररुकमालकँवरकोटीकौलेभटआयो
॥ ४ ॥ टीकामैंदुबध्यासीदीखैनांवभीवरौनाहीं ॥ थाँसे

तनमंधजकीयाम्हाँसूराजीनाहीं ॥ ५ ॥ सुनमंत्रीकावच-
नजयहडायूँदंताधरबोलै ॥ रविकेनीचेनवखंडमाँहींनाहसिसि-
ालोतोलै ॥ ६ ॥ चाँपरकरौबेगचढवाकीसबैसवाँरोहाथी ॥
नोऊँखंडानैजाधरराजाचढ़्यादंतधरसाथी ॥ ७ ॥ दोहा ॥
ादहुवानवखंडमें, चढ़ियादेशविदेश । नौतमखानाबाजियाँ
यरहरकंप्याशेष ॥१॥ रागमारू ॥ कंप्याशेषमहेशगिरिकंप्या
छिपगये जम्मदवारा ॥ कुंडनदेशनरेश्वरचढ़ियादलाँवारन-
हिंपारा ॥ १ ॥ गिगनमंडलमेंनौवतबाजैबादलवरणांनेजा ॥
हरकवचआयुधकरधारेचढ़ेदंतधरराजा ॥ २ ॥ मधुरबोल-
नकीबहुतगुँजाराकामणिसबही मोहैं ॥ तखतां ऊपरनचैता-
यफारंगबरातासोहै ॥ ३ ॥ हिंदलतादरवारपहूंतावाँटियारंग
अपारा ॥ छत्रांछत्रपतीमिलसोहै अरुविरदांकाभारा ॥ ४ ॥
वणेंचावसिसपालजऊठचोतडभडऊठयासारा ॥ जरासिंध
सूबाथाँमिलियाजाजमहुवाजुँहारा ॥ ५ ॥ डेराआयबागमें
दीयादंतधराकेराजा ॥ पदममणैंप्रणमैंपायेलागूँबाजैनौबत
बाजा ॥ ६ ॥ दोहा ॥ खतपहुंच्यासिसपालका, वाचैचतुरसु-
जाँण ॥ देशबंगालेगढपती हुईपलाँणपलाँण ॥१॥ रागमारू ॥
हुईपलाँणपलाँणबंगालेकरडाकागदझालौ ॥ दारूँधाकअरा-
बौसारा चंदेरानाचालौ ॥ १ ॥ मंत्रीभणैबँगालेराजा बुधकी
बातविचारी ॥ उनराजाभारतलिखभेजा जानदूसरीत्यारी
॥ २ ॥ सुणकेमंत्रीबचनयेहडारोसभरयारीसानाँ ॥ सिसपा-
लापहलीजंगझालाँतौवंगालेशनाँ ॥ ३ ॥ ग्यारहलाखबांणभ-

खाया आयुधअधकाझालौ ॥ बड़ेसाथचंदेरीचालौ दलदे
णनेंहालौ ॥ ४ ॥ सतराकुलीअसुरचढिछुटयाहुवादसूँदिश
ला ॥ चकवेचढया चौसरबाज्या हुवाबंगालेभेला ॥ ५
डेराआयदियाबागाँमौंमिलकरबैठाराजा ॥ पदमभणेंप्रण
पाये लागूँ बाजैं नौबत बाजा ॥ ६ ॥ दोहा ॥ घो
गूँधरघुमघुमैं, दौबादलमैं सार ॥ कछभुजकौचकवेचढ
कुम्भकरणआकार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ कुम्भकरण आक
खंडकोराजरीतठुकराई ॥ अडवडियाआधारगुमानींदम्भघ
षराभाई ॥ १ ॥ ताजीखींचैलाखखँदारी हिरनूहीरहजारी
कछभुजकेराजाकीशोभाअजबबणींअसवारी ॥ २ ॥ हिरण
हिरहजारीछुटाअबलकखंदअमानाँ ॥ पृथ्वीबीजसमौंदलथ
भनचढयाराजकुलदानाँ ॥ ३ ॥ सबदलआँनमिल्यौ
देरीदानाबटेबधाई ॥ कछभुजकाराजासूंबाँथाँमिल्यौजर
सिन्धराई ॥४॥ डेरादियाबागकेभीतर कच्छभुज्जकेराजा
पदमभणेंप्रणमैंपायेलागूंबाजैनौबतबाजा ॥ ५ ॥ दोहा
साँचरियादलसूरवां, कोटिगयंदाँभार ॥ साँवतसंगलदीपर
सढयाजानसिणगार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ चढचजाणासिण
गारज्जुगतसूंचारूंखूंटअवाजा ॥ संचरचढयाचंदेरीसाम्ह
सिंहलदीपकराजा ॥ १ ॥ समदाँबीचफिरेदरियाई अस
जातकाघोडा॥बाजीशीसझपेटीघालैडाणभरेजलहौडा ॥ २
माहींऔरमुरातबसोहैकोइचढियाकोइपाला ॥ घोडाहींस
मतागाजैसौलैलाखसुंडाला ॥ ३ ॥ कूदेमल्लफलंगाँमारेहात

गनदिशघालै । कछियाकाछअजवअडरडताखवांखसीकरचा-
लै ॥ ४ ॥ ढलकेढालफरूकेनेजादद्नाँकाआया ॥ देखौतीन
दिवसचंदेरीदाँनाँअंतनमाया ॥ ५ ॥ डेरादियाबागके अंदर
संगलदीपकेराजा ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूंबाजैनौबतबा-
जा ॥ ६ ॥ दोहा ॥ मारूदेशमंडोवरा, मुरडचल्यादलपाण
पवनतुरीपाखरधऱ्या, जंगीहौदाभाण ॥१॥ राग मारू ॥ जानीं
जोरभलाचढछुटाववजेनादघणघोरा ॥ उडतापंछीउडणनपा-
वैराजाचढ्यामंडोरा ॥ १ ॥ ठिमाठिमानैनेवरठमकेपवनरूप
केकाणा ॥ हस्तीऊपरफबैंअँबाडीचढैराजसुलताना ॥ २ ॥
आभामाँहिफरूकेनेजासीरसामिलचढिधाया ॥ दलभंजन
दानांकुलमंडनचढचंदेरीआया ॥ ३ ॥ डेरादियाबागकेअंदर
मंडोवरकेराजा ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँ बाजैनौबतबाजा
॥ ४ ॥ दोहा ॥ हौलरभईदिवानमें, चढियायेरमझूल ॥
राजाचढचोकनौजको, सिंहबदनअवधूल ॥ १ ॥ राग मारू ॥
अवधूलदालाँपतिराजाउमदाजाँनबनाई ॥ साँचरिचल्याचं-
देरीनैदलचढताँवारनलाई ॥ १ ॥ दलपंगलसँगलईबाइसी
अंधकारधंधकारा ॥ चंदेरीकन्नौजबिचालेबंदगयायेकलंगारा
॥ २ ॥ काँकडजायसबीदलपहुँचासाँढ्याबेगपठाया ॥ जरा-
सिंधसूँजायकरकहियोसिंधरावचढिआया ॥ ३ ॥ तडभडभई
बडेदरबाराँसबहीसाम्हाँधाया ॥ रंगमहलसिसपालडाहलक
सिंधरावचढिआया ॥ ४ ॥ आदरमानबहुतसाकीन्हाँ भुजा
पकड बैठाया ॥ आधीगादीछोडजरासिंधतखतापरबैठाया ॥

॥ ५ ॥ डेरादियामहलकेमाँहीकन्नोजपतकेराजा ॥ पदमभं
प्रणमैंपायेलागूंबाजैंनौबतबाजा ॥ ६ ॥ दोहा ॥ मरहटरा
वाडिया, मौरीभँवरभुजंग ॥ चढयासिचानैकेहरी, हुवाहमं
लारंग ॥ १ ॥ राग मारू ॥ रंगजआभौलालगुलाबीचढ्य
जानरॉमाझी ॥ तडभड़ियाआयासबराजाजानभलेरीसाझं
॥ १ ॥ पैंडेपैंडेनचैंउरबसीचलतीकरैंबिहारा ॥ देववधुमा
चढीबिवानाँगावैंमंगलचारा ॥ २ ॥ बाडीबागहवाईछूटेउडत
चलैंहेमामाँ ॥ जरासिंधमेवाडपतीकीहोदे हुई सलामाँ
॥ ३ ॥ डेरादियाबागकेमाहींमेवाडपतीकेराजा ॥ पदमभणें
प्रणमैंपायेलागूबाजैंनौबतवाजा ॥ ४ ॥ दोहा ॥ गिरवराँगि
रसागराँ, तारातखततंबोल ॥ खतपोंहोच्यासिसपालक
दूतगयारमकोल ॥ १ ॥ राग मारू ॥ दूताँजायदियापरवा
नादम्भघासराभारी ॥ थाँचाल्याँसिरबंधेसेहरोबेगकरोअस
वारा ॥ १ ॥ लिखियाँबाचैंराबडाहलारदिनदोयपहलीआ
ज्यौ ॥ मांढेजानदुसरीआसीजुधकोसांमौल्याज्यौ ॥ २
मिसलतहुईरावदरबाराँचढयौरावबडबंका ॥ चहुँदिशाचढ
चाँवरीफौजाँहुवानगौरडंका ॥ ३ ॥ चढचकडौलचंदेरीआ
याताराताबोलकेराजा ॥ पदमभणेंप्रणमैंपायेलागूंबाजैंनौबत
बाजा ॥४॥ दोहा ॥ कुलीछतीसूसाहनी, दलाँवारनहिंपार ॥
कदमींकाराजाचढा, फौजाबहुतसिंगार ॥ १ ॥ राग मारू ॥
मंगलदेशमल्हारकूलढीमंजलदेशमल्हारा ॥ साततखतले
केअबछूणींचढियाक्रोधअपारा ॥१॥ काबुल और कंदारक

राजादेशदेशकिलगाणाँ ॥ रूमसूमनौंतासबदीन्हाछाँडचले कमठाणाँ ॥ २ ॥ प्रीयादेशबुखाराटाँकापरबतराजसभाका ॥ बहुदलपतीसिंधकाराजासबदतणींलेसाजा ॥ ३ ॥ उजबए चढयालाखलेदूणाँसोभारंगसभाका ॥ बजैत्रमालफरूके नेजा हुवादिखणदिसहाका ॥ ४ ॥ यूँकरताँचंदेरीआयादस-दानाँकाछाया । जोजनसातजरासिंधराजातखतछोडके धाया ॥ ५ ॥ डेरादियामहलकेमाँहींतारातँवोलकेराजा ॥ पदमभ-णैंप्रणमैंपायेलागूंबाजैंनौबतबाजा ॥ ६ ॥ दोहा ॥ सिद्धश्री सर्वओपमा,सकलगुणागुणसार ॥ तखतचंदेरीराजवी, सैंणाँ लिखूँ जुहार ॥ १ ॥ राग मारू ॥ सैंणाँलिखूँजुहारराजवी सब मंत्रीजुडआवौ ॥ नूतासाथसमरलिखभेजोगढमुलतानप-ठावौ ॥ १ ॥ मतवालाजेसिंधकेराजाजंगजीतभिडदानाँ ॥ बखतभाँणराजारजपूतापुरपाठनकरानाँ ॥ २ ॥ चंचलचह-नपहनइदकेरासायरयेहडाबानाँ ॥ मौकलचापचल्याचंदेरी खतजायदियादिवानाँ ॥ ३ ॥ नलचाखोलदिया दरवाजा सिद्धश्रीरमानाँही ॥ जरासिंध सिसपाललिखीहैघणींबडाई ताहीं ॥४॥ अबकेकान्हकुंदनपुरआवैनीकाअवसर आयो ॥ कंस बैरभिडवाल्यासेती राजभींवजगायो ॥ ५ ॥ सबहिसाथ मतवाला ल्याज्यो जबलगतुमरिदवाई ॥ पायचलंतापहुँ-च्यारीज्यो लिखी जरासिंधराई ॥ ६ ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ सिंधबलीराजाभणैं, भलौसिंगारौंजान ॥ गादीहीकसमस्त की, तपैबगतसुलताँन ॥ १ ॥ राग मारू ॥ तपैबगत

सुलताँनराजवी संगचढयाबहुदानाँ ॥ ऊगैभाँणछिपेरवितँ
फेरदियापरवानाँ ॥ १ ॥ दशोंदिशाकाराजाचढिया गढबंक
उलगाणाँ ॥ दानाँद्वारदिवीचकबंधी फिरगयाडाकविवाण
॥ २ ॥ मंगलदेसमुलकमलयागरिपाँचूँ देशपलाणाँ ॥ राज
चढेहुकमकेताबैसातलाखबीवाणाँ ॥ ३ ॥ जंबूदीपगुजरात
लेठीनवसतनेजाधरिया ॥ मानखान पोहोलाभकुलंभीभीत
भूपसाँचरिया ॥ ४ ॥ सेसाजलभूपालसिंभरीरूपखंडकार
जा ॥ करनाटकडूँगरपुरदानाँहुबाबरातीसाजा ॥५॥ धाराद्र
णदेसधुरमंडणकौंकनदेशगलारौ ॥ सेतुबंधरामेश्वरराजाअ
बाराहमलारौ ॥ ६ ॥ आभानेरअलकंदअखंडीअरुपुन्यौंपरब
धी ॥ दिलीदीपसुनपतकाराजाअसुराँजानउमंडी ॥७॥ नाग
रचालनिमंदीराजाखाँनदेसमुगलानाँ ॥ कासीरूपचंदकार
जानवलदेशसुजाणाँ ॥८॥ हतनाँपुरगिरनेरगुमानीरक्तबीज
रानाँ ॥ मानोस्यामसेरपरबतसैंचल्यादूसरादानँ ॥९॥ अल
रियाअंबालदेशराडाकीडींगादीसै ॥ मदरासीबंगालीतिलं
दाँतपंजाबीपीसै ॥ १० ॥ दानाँदलडाहलकूंभावै धरतीधरे
पावैं ॥ जमधंटकाजोरावरराजाखतभाँणकेताबैं ॥ ११
हबसीऔरहिडंबीकालाजवराभँवराआया ॥ सिंधीअरबउम
टचढिधायाभँवरपटाँबलखाया ॥ १२ ॥ साँतरहुईसहसन
कोटी गाढीजानसिंगारी ॥ असीलाखहलकासुंडाला रा
तणीअंबारी ॥ १३ ॥ सायरझालसँमदज्यूंऊठै घटाघूमत
आई ॥ ओलाज्यूंगोलाऔलरियापडीनगारीघाई ॥ १४

चंदरुसूरछिप्यारजसेतीहोगईरातअँधेरी ॥ बिबरादियारा-
वडाहलनैंमोकलचल्याचँदेरी ॥ १५ ॥ चावकरैंचंदेरीरा-
जाजरासिंधमनभाया ॥ नवयोजनमैंजरीबाफता जरासिंध
बिछुवाया ॥ १६ ॥ सतरकोटदरखानीचाकरबखतभाणबैठा-
या ॥ राजाकरैजाँनरामोहोलाचोपदारगुदराया ॥ १७ ॥
जरासिंधसेराजालखियायेकघाटसौआया ॥ पदमभणैंप्रण-
मैंपायेलागूँ देवसँयोगमिलाया ॥ १८ ॥ दोहा ॥ मदछकि-
यामाताफिरैं, जाणँबाभडाभूत ॥ कलहजबाज्याँकाहला,
जाणकजमराद्गूत ॥ १ ॥ अधिकउम्हाऊअचपला, सायरजि-
स्यासपूत ॥ झटकासूँबटकाहुव, थलबटकारजपूत ॥ २ ॥
(अथसिसपालाकेस्नानउबटणकीकथा) ॥ दोहा ॥ चंदन
चौकीउबटणाँ, दुलेहनाँसिसपाल ॥ निनाणवैंराजाजुड्या,
झलकेमोतियनमाल ॥ १ ॥ भावजमहलपधारिया, घूँमत
डासिसपाल ॥ मदमातौइमभाखियो, थारेउठीकाँईझाल ॥ २ ॥
॥ राग मारू ॥ ब्यावउछावमंगलनहिंगावोमुखडोक्यूमुरझा-
यो म्हारैतोशिरबँधेसेहरोथारेमननहिंभायो ॥ १ ॥ भावज
भणैसुणोरायजादाकुंदनपुरमतिजावो म्हाँसूं छोटीबहिन
सुलखणीं तिन्हेंपरणघरल्यावो ॥ २ ॥ म्हाँनैटीकोरुकमालप-
ठायो कीन्हीं घडीबडाई ॥ आयालगनम्हैंकिणबिधछोडाँ
म्हारीहैहलकाई ॥ ३ ॥ अबलगतोकछुहुईनहोसीचायकरो
हलकाई ॥ जोकुंदनपुरचढकरजासो रहैनमानबडाई ॥ ४ ॥
रुकमणिकोवरकृष्णसाँवरोत्रिभुवननाथभणीजे ॥ थेक्यूंदेवर

जानबणावोकान्हकँवरपरणीजै ॥ ५ ॥ कालेकृष्णकीकरौब-
डाईसोकाँईथारैलागै ॥ दलदेखतडाहलराजाकोदौड पयादाँ
भागै ॥ ६ ॥ तखतचंदेरीरावकहावो माथेछत्रफिरावो ॥ बँध
मौडथेपाछाफिरस्योकहाबडाईपावो ॥ ७ ॥ सुणहादेवरबद
बद्काँछाँबिनपरण्याँहीआसो ॥ बडेबडेतौभूपमरवोकुलकूँ
काँटलगासो ॥ ८ ॥ ब्रह्मानेंसावित्रीसोहैइंद्रघराँइंद्राणी ॥
शंकरनैंपारवतीसोहैकेशवकमलाराणी ॥ ९ ॥ बाभीकहीबुरी
करमानीभलीनमानीकोई ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँहोनी
होसोहोई ॥ १० ॥ दोहा ॥ बाभाकहसिसपालनैं कुंदनपुर
मतिजाय ॥ देवरम्हारी मानल्यौ, आस्योजानखपाय ॥१॥
रागसोरठ ॥ स्याणांजाण्यांराज बाभाथानेसाणांजाण्यांराज
॥ टेक ॥ छिप्यारह्याइतरादिनछाँनैंनीकाँजण्याँआज ॥ १ ॥
जोकोइसीखतुमारीमानैंकैसैंसरैवाकोकाज ॥ २ ॥ आईसगाई
कैसैंमोडाँ जायजगतमैंलाज ॥ ३ ॥ बडाघराँकाजायाउपनाँ
पूछकरांथांनैंकाज ॥ ४ ॥ ऐसीबातविचारोमनमैंपाणीपहलाँ
पाज ॥५॥ म्हांरौघरविख्यातजगतमैंजास्याँसेन्याँसाज ॥६॥
जुधकरस्याँकुंदनपुरमाँहींग्वाल्योजासीभाज ॥ ७ ॥ पदम
भणैंबाभीसन्देवरहोणीहोसीराज ॥ ८ ॥ दोहा ॥ दुमनौंमह
लांउंतऱ्यो, बाभीलड सिसपाल ॥ मधुरबैणबिखमाँनियाँ
रोसभऱ्योरीसाल ॥ १ ॥ राग मारू ॥ जबसिसपालोपाटैबै
ठोमरदनतेलकरायो ॥ रंगमहलमैंकरेउबटणोसबहीसाजमँ
गाया ॥ १ ॥ भूषणवसनरतनकागहणाँ दीखैरूपसवायो ॥

बाँधसेहरावनडाबैठोसारैसहरसरायो ॥ २ ॥ दासिखवासी लणअवारेपंडितबेगबुलावे ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँबाभी-मनानभावे ॥ ३ ॥ दोहा ॥ पंडितजोसीमिलघणाँ, मोहोरत लगन कढाय ॥ मंगलगावैंकांमण्याँ, आनंदघणाँ उछाय ॥ ॥ १ ॥ राग मारू ॥ ॥ जरकसपागजरीरीजामों झलकत तुररोसोहै ॥ रतनपदारथके आभूषण निरखत कामन मो-है ॥ १ ॥ सिसपालासिरबँध्योसेहरोजानसबीजुड़आई ॥ जरासिंधकहकरौसताबीदुलहोबेगचढाई ॥ २ ॥ दुलहोबण्यो निमतजान्याँकोमूरखमनहरषावै ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेला-गूँकुलकूंकाटलगावै ॥ ३ ॥ दोहा ॥ नीकासीसिसपालकी, शोभाकही न जाय ॥ रतनजडाऊ सेहरो, मोतियनलूंबलगाय ॥ १ ॥ लूंबजसोहैमोतियाँ, घुडलाँसौवनसाज ॥ अणीचमक-ताज्यूंफिरैं, घूमतडागजराज ॥२॥ रागमारू ॥ जब सिसपा-लकिहुईनिकासी भावजउरीबुलावो ॥ काजरकोम्हारोनेगक-रावोआँखिन आँन अँजावो ॥१॥ लिखीहोयभावजयूंबोली खोटीबातविचारी ॥ कायकोदेवरकजरोआँजूँथारीजगमें होयखँवारी ॥ २ ॥ लिछमीऊपरबांधसेहरोथेमिलजाँनबनाई ॥ इणमैंयेकनजीतोआवेसूजीकाँईबुराई ॥ ३ ॥ बेगमजातनहीं गमथाँनैकाँइंथेग्वालबखानो ॥ अदबेजातअहीरकोजायोन-हिंकोइराजारानो ॥ ४ ॥ राजाभींवकोनाँवनहींछैकँवरजमे-लीपाती ॥ याँकवरीथेपरणपधारोतबहिंसरावाँछाती ॥ ५ ॥ कहसिसपालसुणोंभाभीजीथेथारेपीयरजावो ॥ म्हाराराजमैं

ठौडनहींहैबणहणबैलजुतावो ॥ ६ ॥ जबथेजानबणाई देवर
म्हेम्हाँरेपीयरजास्याँ ॥ कुंदनपुरसूपरणपधारोलाडीनिरख-
णआस्याँ ॥ ७ ॥ देवरजाथेमानोनाहींकारजसरसीकाँई ॥
वालिछमीहरिकीअरधंग्यापरणोंतोरामदुहाई ॥ ८ ॥ रिम-
झिमकरतीमहलाँचढगईरोसभरीउरमाहीं ॥ थेकुंदनपुरजा-
वो परणवाथांरेकाजलसारूंनाहीं ॥ ९ ॥ काँइबोलोविषबा-
णीभावजकडवावैणनभाखो ॥ बिनकजरेईपरणपधारांकाजर
थारोराखो ॥ १० ॥ राग सोरठा ॥ बाभीऊभीरंगझरोखेदेवर
नैंसमझावैरे ॥ टेक ॥ भींवकँवरिकेरूपलुभानोवातोहातन
आवैरे ॥ १ ॥ त्रिभुवनपतिसोंबैरघालकैनाकोइजीतीजावैरे
॥ २ ॥ चौमासामैंउडेआगिया पांखघणींफरकावैरे ॥ ३ ॥
मनचायेतोकरैउजारोसूरजखोडखडावैरे ॥ ४ ॥ कुंदनपुरसं-
भागरआवै मूरखमनपिस्तावैरे ॥ ५ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपाये
लागू मौतबीजघरआवैरे ॥ ६ ॥ दोहा ॥ बाभीउतरीमहलसैं
देखजाँनकाभाय ॥ लाइनबरसिसपालनैं, बेरबेरसमझाय ॥
॥ १ ॥ रागहवाकी ॥ बनडोखबबण्यो बनडाकीअजबबहार
बनडो ॥ टेक ॥ दंतवक्रअरुरावजरासिंध सिसपालासिरदार
॥ १ ॥ लटपटपागकेसरियाबागो फेंटोअजबधजदार ॥ २ ॥
पदमभणैंप्रणमैंपायलागू बाभीसुरमोसार ॥ ३ ॥ रागसोरठ ॥
मतकरहोदेवरनीकासी वाँहाँआवैगाव्रजवासी ॥ टेक ॥ हल-
सूंतोथारीरेखसँवारैंमूसलसूंपधरासी ॥ १ ॥ राणीरुकमणि
कृष्णकँवरकी तुमरेकबहुँनआसी ॥ २ ॥ तुमहरिजीकीहोड

करतहो काँहाँमघहरकाँहाँकासी ॥ ३ ॥ जिनराजनकोजोर करतहो काँमपड्याँ भगजासी ॥ ४ ॥ बंधमोड तुम पीछा फिरहो अहो करेजगहाँसी ॥ ५ ॥ बडेबडेराजामरवासीकुल कूंकाटलगासी ॥ ६ ॥ पदमभणैंभावजइमभाखै पीछेहीपिस-तासी ॥ ७ ॥ राग सोरठ ॥ हटजाभावजहटजायेघटजाय लौमाँनतेरौ ॥ टेक ॥ उनकान्हांकी करौ बडाई नंदमहरको चेरो ॥ १ ॥ मथुरामाहींजनमलियोहै गोकुलहुवौबडेरो ॥ २ ॥ सतरेवारकोबदलोमांगूअबकेअवसरमेरो ॥ ३ ॥ पदमभणैं सिसपालोबोलै अबहींकरूंनबेरो ॥ ४ ॥ राग सोरठ ॥ देवर कयानैंमूछमरोडोथेम्हारौकयोमतमोडो ॥ टेक ॥ जबजाणाँथे लाडील्यावौकरौबाँधगठजोडो ॥ १ ॥ व्रजनंदकोजुधमधमैं कूपहै आँखमीचमतदोडो ॥ २ ॥ मेराकह्यातुमयादकरोगे जब उलटामुखमोडो ॥ ३ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूंनाँह-कतामनतोडो ॥ ४ ॥ रागसोरठ ॥ ॥ बाजैछजंगीढोल चन्देरीमैंबाजैछे ॥ टेक ॥ केसरियौबागौबण्यौ माथे बाँध्यो मोड ॥ ग्यारेलाखपालखीडाहलकेजरासिंधसगजोड ॥ १ ॥ चन्देरीमैंपंचायणबाजैपडेनगारांठोड ॥ पदमभणैंप्रणमैंपाये लागूँदलचढ्यादिखणीकी ओड ॥ २ ॥ राग सोरठकीलूर ॥ पियाडरलागेम्हाराराजथेजायकरौलाराड ॥ पियाडर० ॥ ॥ टेक ॥ पांचसातमिलभामनींलेतसासपरमास ॥ सिंधरा-यन्रपकीसुतादौडगईपिवपास ॥ १ ॥ भागोलादीसेपरतक जीज्यूँदरपणप्रतिबिंब ॥ कौणसूरधीरीधराँ जीवारुक्मणी

रणखंब ॥ २ ॥ हलधरऊठेहाँककेजीकौनलडेबलवाँन ॥ सिंह रूपहरिधारिहैं कोपकडेधनुबान ॥ ३ ॥ जरासिंधनरहैसही जीहरिनिंदाकूंआग ॥ तुजकूंदोषनराजूवीजीउठीभावनीजाग ॥ ४ ॥ लज्याखोयेघरआवस्योजीसबदललेसीमार ॥ कुंदनाँपुरभारतरच्यौजीकनकचूडकरधार ॥ ५ ॥ आसकरैछैंजोगण्याँजीसालगिरदमँडजाय ॥ शिवमालाऊणासुणीजीसोपरीकरवाय ॥ ६ ॥ धाकाधाकणकामण्याँजीकनकचूडकरधार देवरजिठाण्याँबापडीजीपचहारीसबनार ॥ ७ ॥ राजकरौनी राजवीजीतबलचंदेरीचंद ॥ पदइमसीभगवानसैंजीकोजीत्यामतिमंद ॥ ८ ॥ रागसोरठ देस ॥ येरीमतबरजौनारम्हानै दास नहीं छै थाँनैं ॥ टेक ॥ कुंदनपुरसुंकागदआयोभींवराज केछानैं ॥ १ ॥ म्हेजगजीतजोरावरराजापकरगहाँदेवाँनैं ॥ २ ॥ जरासिंधजोरावरराजातीनलोकमैंजानैं ॥ ३ ॥ नंदरायकी धेनुचराई नितहिसरावैवाने ॥ ४ ॥ बीनबजाईकामनमोही काहाबडपनकान्हाँन ॥ ५ ॥ जोवौग्वालतुच्छहमसेती जुध में नहीं जिताने ॥ ६ ॥ पारब्रह्मतौमुगतहोयगी कैसेंमुडाघराँनैं ॥ ७ ॥ तिरियाकहीतनकनहिंमानीमौतजआईहाँनैं ॥ ८ ॥ पदमभणैंपीछेपिसतासीजायपडचाँप्रभुपाँनैं ॥ ९ ॥ दोहा ॥ चढयाचहूँदिशडाहला, हुईहलाहलजान ॥ दलकोक्यादसुंदेसरा, नौबतधुरनिसाँन ॥ १ ॥ राजारंगचढाइया, कियाकेसज्यांसाज ॥ तलमलाटतुरीयाँकरै, घूमतडागजराज ॥ २ ॥ राग सोरठ ॥ येजीमहाराजाबींदमानौं ॥ थानैंभावजदेछैता-

नो ॥टेक॥ सिरीकृष्णबलदेवजीहरिहलधरदोउबीर ॥ ताकी सरबरकौंकरै थारेकोणसुभटरणधीर ॥ १ ॥ झेला ॥ वोछैनं-दमहरकौकानौं ॥ सोतोनाँपृथ्वीपरछानौं ॥ जिननखपरगि-वरवरधार्‍यो ॥ जिनइबतव्रजहिंउबार्‍यो ॥ १ ॥ बावनहोयब-लिकूंछल्या सुरपतिमाँनबधाय ॥ हतीपूतनाप्रानसैं दिविबि-मानपठाय ॥झेला॥ जिनमार्‍योअपनोमामौं ॥ वैंनाताकछ नजाना ॥ तुमसुनौबैंनयेककाँनाँ ॥ जिनमार्‍योरावणदानाँ ॥ ॥ २ ॥ उनकेसबहीदेवसंग पाँडवसेजोधार ॥ थारेयेसासुभ-टकोसनमुखझेलैसार ॥झेला॥ नरसिंहरूपजिनधारचो जिनप्रहलादउबारचो ॥ जिनहिरणाँकशकूमारचो ॥ प्रभुने खसैंउद्रबिदारचो ॥ ३ ॥ मल्लअखारेमारियाँगजकेदशनउ-पार ॥ ऐसेबलिकसाँम्हानैंमतिजावोसिरदार ॥ झेला ॥ जि-नयेसाकियापँवाड़ा ॥ वलिदानवतिन्हैंखपाडा ॥ थारोदास पदमजसजाण्यौं ॥ प्रभुतुमरोबिरदबखाण्यौं ॥ ४ ॥ रागदे-शकीहोरी ॥ गिरधरकहताँलाजनलाजे ॥टेक॥ मामौंमारभ-योसुरमौंघरहिमेंराजेगाजे ॥ १ ॥ मल्लहोयकरमल्लपछाडचा कहाबीरतासाजे ॥ २ ॥ हमसैंजगजुडचाजुधहोसीजवजरी ठसौबाजे ॥३॥ हमरीओरजरासिंधराजासबराजन सिरताजे ॥ ४ ॥ जबउनलागेप्रानपियाराफटेकफुरकेभाजे ॥ ५ ॥ पद-मभणैबाभीसैंदेवरयूँकहमहलाँजाते ॥ ६ ॥ दोहा ॥ महलप-धारौथाँहरे, केपीहरउठजाय ॥ बिनपूछचाँभाखौमती, बेगम जातकवाय ॥ १ ॥ आतुरहुयमहलाँघिरी, नैंनरहेझरलाय ॥

होनहारहोवैसही कोटजकरौउपाय ॥ २॥ साहाणीबेगबुला-
विया, हुकुमहुवोदरबार ॥ कुन्दनापुरनेसाकती, घुड़लाबेग
सिंगार ॥ ३ ॥ साहाणींसबमेलाहुवा, जुडयाजुभूपअबल्ल ॥
सिसपालजरासिंधबोलियाछाडअणींराविदल्ल ॥४॥ अथघोडाँ
कीजात॥रागदंडक ॥ सौवनीसाजपलाणिरेपलाणि राजाक-
हसांणियांसौवनीं० ॥ सीहडासूरसीमंगसीमारवागिरझडास-
रसासंजावरे ॥ घोडाआपटियाभूतियाभूसलाखानाजादीदेसि
यामोतीडामसकीडाकावलीचमाकियाकिलंगणा किलचिया
लौटणालखरियाहजारियाबजारिया गुमानियापलाणिरेपला
णिराजाकहैसाणिया ॥ १ ॥ बरबरागिरवरानागीनाँसागराहल-
दियामहँदिया उचेसुराचलेखरारथजूताकेकाणस्याइयासपे
दियाढढ़णाजलहराघणबदलासिणगाररे ॥ राजाकहसाणियाँ-
सौवनीसाजपलाणिरेपलाणि ॥ २॥ ऊँचाआलौलाचंचला
अचपलाबीबियाखीजियारीझिया रावसाणींवारनलावरे ॥
चीरीचहुँदिससाँचरीआरावासबरायरे ॥ सिसपालजरासिंध
उमँगियाजाणबण्यागजराजरे ॥ दौडजलदताकीदसंसाह
णाल्यावोवाजरे ॥ राजकहसाणियाँसौवनींसाजपलाणिरेप-
लाणि ॥ ३ ॥ अथ सवारीवर्णन ॥ दोहा ॥ पवंगपलाण्या
नौलखा, हुयघुडलाँअसवार ॥ करीनिकासीकँवरकी, घणछ-
कलीयाँलार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ चडघाडीसिसपालकुदावै
हातासांगफिरावै ॥ अरजुनभींवगवाल्यासाथेम्हादेख्याँसर-
मावै ॥ १ ॥ इसडौकुणदुथणींकोजायोम्हारैजोडैआवै ॥

जरासिंधसेजोधादेखतजीवलेयभगजावै ॥ २ ॥ देवाँदइतन-हींकोइदानाँछेपनकोटकमांहीं ॥ पंडवजोधाग्वाल्याकेसंग आयकरैंलायकाँइ ॥ ३ ॥ म्हेनहिंमुडाँभिडाँजमसेती कालपुर पनैमाराँ ॥ चंडीचक्ररुद्रयेकादशसनमुखहोसँहाराँ ॥ ४ ॥ काँकडचढतासकुनविचारेहिरणजडावाआया ॥ खरडावाको चरनरसोंगीजंबुकसाँम्हाधाया ॥ ५ ॥ घायलाहजकनफडा-जोगी अरुलकडचाँकोगाडौं ॥ तिलकबिहूँणाब्राह्मणमिलि-यासरपफिरचोसबआडौं ॥ ६ ॥ छाणौंहातधुकंतौधूँवोसा-म्हाँमिलियासोगी ॥ खोटाशकुन कह्योनहिंमान्यौंहोनहार सोइहोगी ॥ ७ ॥ जीवणिसारसचील्हचिकारैमिल्योपीसि-यौआटौ ॥ पदमभणतशिवकर्णसुभटसिसपालश्रवणदियो दाटौ ॥ ८ ॥ रागमारू ॥ देशदेशकाराजाचढियाघुडलाँरेठ-मकार ॥ कंप्याशेषसमँद्रखलमलियाधूडौंल्याआधारे ॥ १ ॥ निनाणवैंछत्रफौजकीशोभाहसत्याँडोरसवाई ॥ सोवनिसाज फिरेअहराखी राजामनाँउछाही ॥ २ ॥ दीखेभूपसाँगभलकं-तासिसपालाबतलावे ॥ दम्भघोसकीआँणभणीजैनिजराँऔर-नआवै ॥३॥ पिचाणवेंछौंहणचढ़ाचालैभूतलमेयहठाटाँ ॥ ढ़ल-केढ़ालफरूकेनेजाऊजड़गिणैंनबाटाँ ॥ ४ ॥ छत्तीसूँबाजासँग घुरतासुरणाईरणतूरा ॥ पवनपहेलाबहुतसुहेला पुरुषजछाँई-सूरा ॥ ५ ॥ अलबलियाअसवारअचपलामालावीजलझंपै ॥ फौजाँचढीरावडाहलकीशेषधरदालकंपै ॥ ६ ॥ येकयेकसैंइध काचालै सहजाँसाँगउजाली ॥ यूँकरताकूंदनपुरआयालिये

रूकमइयेझाली ॥ ७ ॥ नगरनवेलेडेरादीयाचीरीचहुँदिस चाली ॥ मातासैंजुभणैंरुकमइयो मनमैंकरौंकुसाली ॥ ८ ॥ साठलाखकुंजरसिणगारचा तुरियाँ अंतरपाई ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं जानकुंदनपुर आई ॥ ९ ॥ दोहा ॥ साम्हेलेसिसपालके, चढियोरुकमकँवार ॥ घुडलासिलेसँवारिया, चालाकाअसवार ॥ १ ॥ रागसोरठ वा विहाग ॥ बनानैंडेरा देवैछैजीरुकँमकँवार ॥ नवलमहलकंचनमणिजडिया थंभारतनजुहार ॥ मोतियनझालरडोहीपडदादुलहानैंदियोछैउतार ॥ १ ॥ साँईवानचाँदणीताणीरावटिअंतअपार ॥ नवनवखनदलबादलतंबू जढियाछैरतनजुहाँर ॥ २ ॥ सोलाचौबहुचौबछचौबा चौबबतीससँवार ॥ सुघडफरासबिछायतकीन्हीं मध्यसिंघासनढार ॥ ३ ॥ डेराँडेराँधरमिसरूंदाँतकिया अंतअपार ॥ सौंजसौंजचा औरगेंदवा लीना सब संसार ॥४॥ जाणअजानटल्यौनहिंकोई ॥ दीन्हाँसहमनुहार ॥ कहरगाम रुकमालकुँवरयूँकियोबहुतसतकार ॥ ५ ॥ हरख्यालोगसकलनगरीकाबिलखीराजकँवार ॥ पदमभगतशिवकरणभणइमैंइणबिधजानउतार ॥ ६ ॥ दोहा ॥ ईंधणघासरुदाना पाणीऔरपठायापान ॥ ठामठाममैंदाघीसक्करजुगतउतारी जान ॥ १ ॥ राग मारू ॥ जितनापाँवधरचाधरणीपर सोम्हारैंसिरधास्या ॥ बाजारागछतीसोंबाजैंहीरालालअँबास्या ॥ १ ॥ रुकमइयोकहसुणौंराजवीथेम्हारामाँनबधास्या ॥ धिनधिनआजदिहारौऊगौथेमलघराँपरधास्या ॥ २ ॥ उभय

ओरजाचकविडदावैंमंगलगावैंनारी ॥ रुकमइयोसामानभ-
रावै कौरवराकीत्यारी ॥ ३ ॥ कँवरबौतसासाँमाँकीयासी
धाधिरउअपारौ ॥ जाँनआईसिसपालकोकौरवराकीवारौ ॥
॥ ४ ॥ कँवरजसेसमेलियौ कारवराकालारा ॥ सतरालाख
देकौरवरामैंगहणाअनतअपारौ ॥ ५ ॥ भलोमोहौरतकाढ
ज्यौतौरणहोयअँवारौ ॥ पदमभणैंप्रणमैं पायेलागूंबेगाआपप-
धारौ ॥६॥ कौरवरौदेकँवरसिधायौकरेबडाँसूंबाता ॥ थेम्हा
रेरावजीभलाँईपधार्‍याआछीआईम्हारीसाता ॥ ७ ॥ ससि
बरणौंसिसपालभणींजैं येसौ राव न काइ ॥ चंदवदनसीसो-
भाजाकीनैनभरभरजोई ॥ ८ ॥ दोहा ॥ हसत्यानजाफर
हर्‍या, घुडलागूंघरमाल ॥ सौवनसाजजुभलकिया, चँवरढु-
लैंसिसपाल ॥ १ ॥ गौखचढीदलजोवियो, राजा भींवसेन
जीरीनार ॥ बरनैंदिखाऊँबाईथाँ, हरौआवोम्हारीराजकँवार
॥ २ ॥ खिजतीरुकमणियँभणें, मामतभाखौआल ॥ चवदा
भवनकाराजवी, बरबस्याँगोपाल ॥ ३ ॥ राग मारू ॥
चवदाभवनराराबभणीजैबरबरस्याँपरवाणी ॥ केयादेहदहूँ
दावानल परणूँ सारंगपाणी ॥ १ ॥ सारंगदृष्टिपरेज्यूँसारंगयूँ
डाहलियोदीखे ॥ नीरविनानलनीज्यूँसकेयूँहरिबिनाबिसूके
॥ २ ॥ मानसरोवरहंसादेख्याँ कागनिजरनहिंआवै ॥ समंदराँ
सूसीरपड्यो जब नाड्ल्याँकुण न्हावै ॥३॥ गलमोतियनकी
मालापहरीमिणियाँकौनबिसावै ॥ हस्तीऊपरबैठाचालेतुरँग
कहामन भावै॥४॥जामुखडातैं अमृत पीयोपरतनजहरपियावै॥

जिनलेपाटपीतांबरपहऱ्या काँबलिया न सुहावै ॥ ५ ॥
चौमासेमैंउडेआगियापांखघणींफरकावै ॥ मन चायेतो-
करै उजारो सूरजखोडखुडावै ॥ ६ ॥ पीतांबरसैंप्रीत
पहलकीतारकमोहनमोहै ॥ पदमभणैंयाऊभीन्हालेगोखचढी
दलजोहै ॥ ७ ॥ रागझिंझोटी ॥ क्यौंकँवरीबिलखी जोफि-
रोमनमौजकरौदुखकूँबिसरौरी ॥ भावजहातलियेहरदीपट
बैठअटानपटामसरौरी ॥ अंगकेआलसदूरकरौमुकताफललले
सिरमांगभरौरी ॥ भूषणभांति अनेकभरे झट चीरकुँलेसनगा-
रकरौरी । व्याहनआयोचँदेरिधरापतिछूटिलटाललकारफिरौ-
री ॥ १ ॥ हेजननी मतिमंदमहादुख भारचढेमुखबंदकरौरी ॥
सुमेरडिगौधरतीजो फटौ रविचन्दगिगन्नसोंआनपरौरी ॥
गंगजमनउलटीजोबहै सिसपालसेतीकरनौजजुरौरी ॥ मेरी
मतौनँदनंदनसूंकोउजानोंभलौभावैंमानाबुरौरी ॥ लाजकेऊ
परगाजपरौ ब्रजराजमिलेसोइलाजकरौरी ॥२॥ रागमारू ॥
काँइतूंभूलीरुकमणिबाईसोचकरैमनमाहीं ॥ यौडाहलचंदे-
रीकोराजाकान्हौयासमनाहीं ॥ १ ॥ रुकमणिभणैंसुणोमोरि
मातासुणियेबिनतीम्हारी ॥ सिंधराघरमेंसालजपैठो यो इच-
रजमोयभारी ॥ २ ॥ अवकेसायकरौसाँवरियाभीरपरीअति-
भारी ॥ पदमइयोतेरोजसगावै भगताँप्राणअधारी ॥ ३ ॥
राग सोरठ मल्हार ॥ माईमानै भावैनहींसिसपाल ॥ टेर ॥
मनमेरोगिरधरसूंवसियो डाहलियो जंजाल ॥ माई०
॥ १ ॥ गुपतसँदेसौलिखूँस्यामनैदीनानाथदयाल ॥ २ ॥

सारदूलकोभोजनस्वामीलियाँजात है स्याल ॥३॥ जोमनगो-
पियनकोबसकीन्हौंबंसीकीटेर उचार ॥ ४ ॥ पदमकहैप्रभुत-
पतबुझावौ कुंदनपुरपगधार ॥ ५ ॥ छंद ॥ तेरोमिल्यामन-
कीभावना सखिहुई पूरनआसरी ॥ दिलगीरमतहोयरुकम-
णीतू बानेबैठौआयरी ॥ १ ॥ आपोलियाँ सँनाहिंपरचूघुरावेद
नवायरी ॥ कंचनकायामैंआगजारूँ होमडारूँहाडरी ॥
॥ २ ॥ दूसराअवतारधारूँरहूँकेशवसंगरी ॥ साथीहमा-
रासाँवरासखिम्हैउणरीअरधंगरी ॥ ३ ॥ कहैरुकमणीश्याम
सरणैंबचनबंदगोपालकी ॥ जनमदूजेतीसरेबरबरूँमित्रद-
यालरी ॥ ४ ॥ रागसोरठ ॥ प्यारीलीन्हींकंठलगाय नैनायूँ
झरे ॥ टेक ॥ राणीकहैअतीसुखपावाँमनमैंबोहोताचावे ॥
चिरंजिवौबंधू रुकमइयो यह डौबरथारेल्यावे ॥ १ ॥ रुकमण
कहैसुनौरीमाता कहौनैबातविचार ॥ चवदाभवनकोराजवी-
वौम्हारोभरतार ॥ २ ॥ म्हारोबरअतहीसुघडवोछैराजकवाँ-
र ॥ तुमगोरीबाईकेशवकालौवोछैनंदकोगँवार ॥ ३ ॥ यहरा
जाखद्योतसमानासरश्यामससैंप्रीती ॥ पदमभणैरुकमणवर
मोहनमतकहा बात अनीती ॥४॥ राग खट ॥ बाई रुकमयूँ
भणैरुडोबरम्हारोबनवारी ॥ टेक ॥ अंतरचौवामोरसिखर
गिरअंतरदायणमूसे ॥ हरिसिसपालअहेडाअंतरपारिजात
अरडूसे ॥ १ ॥ अंतरसूरनसत्तरअंतरअंतरधरणिअकासा ॥
हरिसिसपालअहेडाअंतरचंदनरूँखजवासा ॥ २ ॥ अंतररैन
दिवसहरिअंतरअंतर विषअभिचुरडे ॥ हरिसिसपालअहेडा

अंतरनागरबेलीकुरडे ॥ ३ ॥ अंतरपापपुण्यहरिअंतरअमृत
विषरीबेला ॥ हरिसिसपालअहेडाअंतरभणैंपदमइयोते-
ला ॥ ४ ॥ राग खमायची ॥ बाननहौंमारिराजकँवारी ॥
॥ टेक ॥ रुकमइयेसिसपालबलायौफेराँहोयअबारी ॥ १ ॥
रुकमणनेककयौनहिंमानैंघरमैंहोयखँवारी ॥ २ ॥ क्रोधवंत
रुकमइयौबोल्यौपकरबैठावौनारी ॥ ३ ॥ प्रानघातअबकर-
हूँअपनाँमरसूँखायकटारी ॥ ४ ॥ पदमइयामरुकमणअबस
मझीजानतहूँबीराघाततुमारी ॥ ५ ॥ रागकाफीकी ठूमरी ॥
बीराम्हाँसूबुरीरेकरी ॥ लियोलियोसिसपालबुलाय० ॥टेक॥
बुद्धितिहारीचालणींतुसतुमलियासम्हाय ॥ औगुणतौतैंहि-
तकरराख्योगुणकूदियोबहाय ॥ १ ॥ अंबमोरनीचानिवएरं-
डऊपरजाय ॥ करओछासूंप्रीतिडी फिरपीछेपसताय ॥ २ ॥
मनमोतीघनैनको जाणौयेकसुभाय ॥ फाटपीछेनाँमिले
कोटजकरौउपाय ॥ ३ ॥ हरदीजरदीनाँतजे खटरसतजेन
आम ॥ असलीतौऔगुणतजेगुणकूंतजेगुलाम ॥ ४ ॥ बटसं-
पातलछाँइयाँ ऊगंताँदोयपान ॥ वौमनतौजबहीगयो तबहि
बुलाईजान ॥ ५ ॥ डूंगरियाको बाहलौ औछाँतणौसनेह॥
बहताँबहैउतावला तुरतहिखावैछेह ॥ ६ ॥ कडवाकदेनभा-
खिया मीठाबोलणियां ॥ पदमइयोस्वामीभणैं भाखैरुकमणि-
यां ॥ दोहा ॥ राजाभींवअबोलिया, कँवरसूँबोलैनाह ॥ सभा
देखसिसपालकी, दुखपावैमनमांह ॥ १ ॥ रागमारू ॥ मनहीं
मांहिंबहुतदुखपावैकान्हकँवरकदआवे ॥ म्हारैतौमनआनँदउ-

पजैमनरुकमणकेभावै ॥ १ ॥ आडीभौमद्वारकाढूरीसंदेसा
पहुँचावै ॥ कुंदनपुरआयोसिसपालोहरिकूंजायसुनावै ॥ २ ॥
रुठडवदनकँवरउठबोल्यो राजाकाईजोवौ ॥ ऐसारावओरन-
हिंकोईम्हांनेकांईबिगोवौ ॥ ३ ॥ राजाभींवझझकनेऊठयारु-
कमइयातोयमारूं ॥ कदवेकृष्णकुंदनपुर आवैंकदहूंरोसबि-
सारू ॥ ४ ॥ केमरहूंअपणीअपघातां जोसिसपालोपरणें
पदमश्यामसुखदायक नायक रहू श्यामके सरणें ॥ ५ ॥
दोहा ॥ सुणंबचनभपालके, लीन्हींतरीमँगाय ॥ पांचलाख
असवार ले, चढया जानमैं आय ॥ राग मारू ॥ चढया-
जानमैंआयकँवरजी पांचलाखअसवारो ॥ राजाभींवकृष्ण
वरपरखे थारोकाँईबिचारो ॥ १ ॥ भलोविचारभलीम्हेकर-
स्याँ वांनैंतोम्हेजाणा ॥ नाँवसुण्याबाहरनहिंआवे काईघणो-
बखाना ॥ २ ॥ भींवरावकोजोसीतेडयौतुरतघडीअसवारो ॥
भलौमोहरतकाढीज्यौम्हानैंफेरांहोयअबारो ॥ ३ ॥ जोसी-
लगनविचारियाजी आजमोहोरतनाहीं ॥ डेराजावौ
कहोकँवरनैं थानैंसूज्योकांई ॥ ४ ॥ कहैजरासिधकहोजोसी
नेंम्हतौंचढकरआया ॥ म्हांरेनाँवनहींछोसावोक्यांनेकँवरबु-
लाया ॥ ५ ॥ जोसीकहैजरासिंधराजा कौनबडोथेबूझ्यो ॥
कह्योकँवरकेकांकणबाँध्योथांनेकांईसूझ्यो ॥ ६ ॥ काल्योगवा-
ल्यौ करौबराबर वो म्हारेकदतोलै ॥ म्हेतौसारासिंहसरीखा
यूँसिसपालोबोलै ॥ ७ ॥ जबब्रह्माजीघडीलगाई सप्तदिवस-
कीएको ॥ बातकरौबीवादकरौमत निजरभरेभरदेखो ॥ ८॥

सातदिवसको दिवसबणायोसातदिवसकीरातौ ॥ इतरे तौ
श्रीकृष्णपधारेतितकेफिरलेजातौ ॥ ९ ॥ कालाश्यामसकलनैं
सूझे भगताँमूधरगोरौ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं दधिमाख-
णकोचोरौ ॥ १० ॥ दोहा ॥ माताबूझैकँवरनैं, बाईथेबिल-
खाकाई ॥ सभादेखिसिसपालकी, सुखपावोमनमाहीं ॥ १ ॥
रागमारू ॥ मनहींमाहिंबहुतसुखपावौं ॥ ज्यूंम्हेइसुखपावा ॥
साँहणबाँहणहस्तीघोड़ा भलीभांतिमुकलावा ॥ १ ॥ हरख्यो
कँवरबहुतमनमाहीं जानभलीपुरआई ॥ कांकणबांधसिसपा-
ला आया मांहजरासिंधराई ॥ २ ॥ वोमथुरामैंजनमलियौहै
घेररपरौकढायो ॥ बाहरबासकरणनहिंपायोसमँदरबीजबसा-
यो ॥३॥ सतरेबारवोआगेभागो बारआठरवींआई ॥ मनहटछा-
डकरोऊबटणो मानौरुकमणिबाई ॥४॥ नटवरभेषग्वालन्यां
मोहीझूठोमाखनखायो ॥ मामौंमारसूरवौं हूवा कबकोराव-
कहायो ॥ ५ ॥ नाकबिंधायबजायतालियाँ छोकरियांसंगना-
च्यो ॥ फंदीदेयगुलाचांखाई काछनटवरीकछ्यो ॥ ६ ॥
कन्यांबहलस्वादनहिन्हाके बेदपुराणांभास ॥ माताबंधूअरज
करेछै पतभाईकीराखै ॥ ७ ॥ जबगुनवंतीगुनकरबोलीका-
न्हकुँवरवरम्हारो ॥ पदमभणैरुकमणयूंबोलै कयो नामानूंथा-
रो ॥ ८ ॥ राग सोरठकी लर ॥ येसेभणैरुकमणीबाई ॥ सो
हीबींदहमाराबाई ॥ टेक ॥ मच्छरूपहरिधारे ॥ शंखासुरदानौं
मारे ॥ जिनवेदब्रह्माकौदीन्हाँ ॥ सतजुगमेंसाकाकीन्हाँ ॥
॥ १ ॥ कच्छरूपहरिधारे ॥ मधुकैटभदानाँमारे ॥ देवनकूंअ-

मृतपायौ ॥ असुराँकौजहरपिलायौ ॥ २ ॥ बाराहरूपहरिधारे ॥ हरिणाक्षसदानाँमारे ॥ जिनवसुदंताधरराखी ॥ जाकासुर नरमुनिजनसाखी ॥ ३ ॥ नरसिंघरूपहरिधारे ॥ जिनहरिणा-कुसकूँमारे ॥ प्रभुनखसौंउद्रबिडारे ॥ तबजनप्रहलादउबारे ॥ ॥ ४ ॥ जिनबावनरूपहरिधारे ॥ राजाबलिकेघरेपधारे ॥ जिनदोयपैंडभरवाई ॥ तीजीकूंठौरननपाई ॥ ५ ॥ पर्सरामरू-पहरिधारे ॥ जिनसहस्त्रबाहुसंघारे ॥ जिनक्षत्रिनिक्षत्रकर डारे ॥ जिनब्राह्मणराजदिलारे ॥ ६ ॥ जिनरामरूपहरिधारे ॥ जबरावणदानाँमारे ॥ सागरपरसिलातिराई ॥ जबलंकबिभी-षणपाई ॥ ७ ॥ कृष्णरूपहरिधारे ॥ कंसासुरदानाँमारे ॥ बसुदेवकीबंधछुडाई ॥ देवनकीकैदमुडाई ॥ ८ ॥ बुद्धरूपहरि धारे ॥ जीवनपरदयाबिचारे ॥ थारोजसपदमइयौगावै ॥ कछुभक्तबधाई पावै ॥ ९ ॥ रागसोरठा ॥ स्वामीरुकमणपाप कमायो ॥ जाकेबरसिसपालोआयो ॥ टेक ॥ केम्हें भूखा बिप्र उठाया ॥ अनदौसाँदौसलगाया ॥ केमेंकुलकीभ्राँतज कीन्हाँ ॥ दुरबलकूंदाननदीन्हाँ ॥ १ ॥ केमेंहरिकीभगतन जाणीं ॥ सतसंगतनाहिंपिछाणी ॥ केमेंचरतीगऊबिडारी ॥ केमेंकँवारिकन्यामारी ॥ २ ॥ केमेंसासूनणदसताई ॥ केमें पुत्रबिछौवामाई ॥ केठोकरसंगऊउठाई ॥ केमेंझूठीचुगलीखाई ॥ ३ ॥ केसाधाँरीनिंद्याकीन्हीं ॥ केम्हेंझूठीहामलदीन्हीं ॥ दिवलासूँदिवलौजोयो ॥ पगल्यासंपगल्यौधोयो ॥ ४ ॥ केम्हें आलोपीपलतौड्यो ॥ केमेंउपलासूँउपलौधौड्यो ॥ यहपा-

पांकरीकमाई ॥ जाँसूँबरसिसपालकहाई ॥ ५ ॥ केम्हैंकाटी
रतकुवाकी॥ केंम्हैंझुठीदीन्हासाखी॥ कांइपापणपापकमायो
जासूबरसिसपालौआयौ ॥ ६ ॥ केम्हैंमाख्यौसगौजवाँई
केकन्याकोद्रव्यलेखाई ॥ येसैंपदमभणैंजदुराई ॥ अंतरजाम
करौसहाई॥ ७॥ रागविहाग॥ दधसुतजायरेविणदेस ॥ टेक
देसकहियेनंदनंदनसकलभूपनरेस ॥ १ ॥ कहोतोपतियाँलि
खूँक्याँनें तुमहिसुघरसुरेश ॥ २ ॥ नंदनंदनजगतवंदनधरय
नटवरभेस ॥ ३ ॥ काजअपनसुधारस्वामीबस्तओखीपे
॥ ४ ॥ चीरफारूंकंथाओढूँकरूँजोगनभेस ॥ ५ ॥ सेलीसि
गीभस्मिमुद्राछुटेराखूँकेस ॥ ६ ॥ प्रेमअमृतसीतलधार
यौहियेउपदेस ॥ ७ ॥ कमलनैनीबिरहनीका कहियोएकसं
देस ॥ ८ ॥ स्यालतौसिसपालडाहलछायरह्योयादेस ॥ ९
दासपदमपरकिरपाकीजेकाटौकरमकलेस ॥ १० ॥ दोहा
द्विजदेख्योंनृपभीष्मकौ, रुकमणिराजकँवार ॥ यह पतिय
लेजाउगो, नहचेकियौविचार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ सैनादेव
जबबिप्रकूंजी आयौद्विजवरनेरौ ॥ सीसनवायचरणगहिबोल
सुनों बैन येक मेरौ ॥ १ ॥ तुमब्राह्मणपुरीद्वारिका जाव
येहिपतियाँलेजावौ ॥ त्रिभुवननाथबसेबहाँमाधवसंदेसोपहु
चावौ ॥ २ ॥ जोहरिवेगपधारैं कुनणपुर तौगुणभूलूँनतेरो
पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं तेरेदुखकौकरूंनिबेरो ॥ ३ ॥ दोहा
कहोबाईकैंसेकरूं, भूभारीदिनतीन ॥ कबजाऊंद्वारावती
म्हैंनृधब्राह्मणदीन ॥ १ ॥ यहशंका तुछोडदे, वह सामथक

ार ॥ दीनानाथ दयाल हैं, बिगरी लेत सुधार ॥ २ ॥
ाग मारू ॥ इबतहीगजराजटेरसुनहरिकहतेहीधायौ ॥ कहाँ
ैकुंठकहाँवोसरवर येकपलकमें आयौ ॥ १ ॥ इबतहीगज-
ाजउबारचौ वैकुंठधामपठायो ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं
द्विजसुनकेहरखायो ॥ २ ॥ रागखमावची ॥ आवोमेरेब-
नां, अंगनानिपाऊँ ॥ टेर ॥ अंगनानिपाऊँ चरणपखालूं
ाचमनकरिपीऊँ ॥ १ ॥ जिनगलियाँतुमहमरेआवोपलक-
सेंपगझारूं ॥ २ ॥ ऐसाहैकोइकृष्णमिलावेतनमनवापरवा-
ूं ॥ ३ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं चितसेंनेकनटारूं ॥ ४ ॥
दोहा ॥ नैननकीपातीकरूं, अँसुवनकोछिरकाव ॥ श्याम
नेहीआवियौ, देपलकाँपरपाव ॥ १ ॥ पावधरोपलकांपरैं,
अतिआतुरहोयआव ॥ पुत्रीभीमकठोरहै, येसैंमनसमझाव
२ ॥ राग सोरठ ॥ ॥ म्हेंतोथांनदीनबंधुदीनानाथ
ान ॥ टेक ॥ म्हैंतौतुमरोविरदसुनकेगहलीनोंहटमाँन ॥
१ ॥ लिख्योलगनबरातआई दियो मंडप ताँन ॥ २ ॥
ाजदलसिसपाल आयौ बाजाबजतनिसान ॥ ३ ॥ निना-
वैंराजछत्रधारी जरासिंधसमान ॥ ४ ॥ हेवरगयंदबहौ
ल्यौ वहुकियो अभिमान ॥ ५ ॥ जबसुनूंगीकृष्णआवत
बकरूंजलपान ॥ ६ ॥ बधुरुकमइयेब्याहरचायो छाँडकर
लकान ॥७॥ कोटितारे महापापी अज्यामेलसमान ॥८॥
िसदिनमेरेध्यानतुमरो अहोसारँगपान ॥ ९ ॥ आवनहो-
तोआँवसाँवरा असुरतौडेतान ॥ १० ॥ पदमकेस्वामीवेग

दरसद्यो नातरतजिहै प्रान ॥ ११ ॥ राग केदारौ ॥ होद्वि
द्वारकालौंजाय ॥ टेक ॥ द्वारकामेंश्यामसुंदर संदेशोप
चाय ॥ १ ॥ प्रेमपतियाँलिखीकरसूं बेगदीज्यौजाय ॥ २
चित्तमेराक्ससीसुन्दर संगरहूँजदुराय ॥ ३ ॥ रुकमइया
ब्याहरथरप्यो पितापूछिनमाय ॥ ४ ॥ लिख्योलगनबरा
आईदियोमंडपछाय ॥ ५ ॥ कुंदनपुरमें होतइचरजस्या
रोकीगाय ॥ ६ ॥ स्यालियौसिसपालडाहलसिंघ भ
लियाँजाय ॥ ७ ॥ छत्रधारीभूपराजाम्हारोनग्रघेरचोआय
॥ ८ ॥ जोडदलसिसपालआयो जरासिंधहैसाय ॥ ९
म्हैहूँनिर्बलबलनकोइ कहूंबेदनकाय ॥ १० ॥ हंसकोम्हेअं
लीयोकागक्यूंमंडलाय ॥११॥ मेरोतौकछुनाँयबिगरेबिरद
मरोजाय ॥ १२ ॥ गरुडचढगोविंदआवो पदमबलिबलिजा
॥ १३ ॥ रागसोरठ ॥ गरुडचढआवोजीगोविंद ॥ टेक
भींवरावकीभीरचढौहरपणराखौनँदनंद ॥ १ ॥ इण अवस
दुरजनदुखमेटौ कीन्हो कंस निकंद ॥२॥ बलिछलके पात
लपठायो खुसीभयाहरइंद ॥ ३ ॥ बाँकीनेंसूधीकरदीन
कुबजाहुईमहमंद ॥ ४ ॥ मुजनुगणींकागुणऔगुणकूं जा
तहौ ब्रजचंद ॥ ५ ॥ पदमभणैशिवकर्णविनयसुन इब
रख्यौगयंद ॥ ६ ॥ रागसोरठ ॥ प्रभुजीथेआज्यौजाँणअना
॥ टेक ॥ पतियाँलिखतमेरीछतियाँफटतहैं कलमनठहर
हाथ ॥ १ ॥ भाईरुकमइयोकपटकमायो औरमिलीमेरीमा
॥ २ ॥ छलकरकेसिसपालबुलायो बहुतसुभटलेसाथ ॥ ३

निकसतप्रानहियौकमलानौकंपतमेरोगाथ ॥४॥ सिसपालासि-
रबंध्योसेहरो उतरीआनबरात ॥५॥ येकनिमखकीढीलनकी
ज्यौंजादवल्याज्यौसाथ ॥६॥ भनशिवकरणपदमदरसनविन
निकसेप्रानयहजात ॥ प्रभुजीथेआज्यो ॥७॥ रागजैजैवंती ॥
जायदीज्यौजीमोहनकूंम्हारीप्रेमभरीसीपाती ॥ टेक ॥ समै
देखकेबातचलइयो कहज्यासभासुहाती ॥ १ ॥ ॥ कृष्णनाँव-
सैंप्रीतलगी है कलनपडतदिनराती ॥२॥ जो नहिं आवैं प्रान-
तजूंगी करके मरूँ अपघाती ॥ ३ ॥ यामनमेंनहचेकर
जाणौं आनसंगनहिंजाती ॥ ४ ॥ म्हैंअपनौंमनठानरहींहूं
और कछन सवाती ॥ ५ ॥ ॥ तेरेबिरदकौलौगहसेंगे समैगई
नहिं आती ॥ ६ ॥ यहसिसपालकालसोलागे जमसे लगतब-
राती ॥ ७ ॥ पदमकेस्वामीवेगदरसद्यौसीतलहोयगी छाती
॥ ८ ॥ राग केदारो ॥ करद्विजद्वारकालगगवन ॥टेक॥ रुक-
मणीकीले अँगूठी चलैजैसंपवन ॥ १ ॥ कुन्दनपुरमेंन्याव
नाहीं अबगतिलागीहवन ॥ २ ॥ इचरजएकसिंहनींसेस्या-
लचाहैरमन ॥ ३ ॥ जोडदलसिसपाल आयौ पौलतारेणछवन
॥ ४ ॥ पदमसामीभणैंरुकमणि बिलमैंकारनकवन ॥ ५ ॥
॥ दोहा ॥ पाती लिखद्विजकूंदई, चरणनिवावैसीस ॥ यह
पतियाँरसनाँकहो, जबभेटोजगदीस ॥ १ ॥ ब्रह्मनींअती-
व्याकुल भई, नैनरहैजलधार ॥ जीभभडलीछालापडया,
कृष्णपुकारपुकार ॥ २ ॥ राग लावनी ॥ रुकमनीजोकरुणा
करे लगनलिखबिप्रहातधरदीन्हा ॥टेक॥ गजने कया पत्रि-

कालिखी नाथसुमर्णकियोअपणाँमनमे ॥ तुमधायेपव
केबेगचक्रजायदियौग्रहाकेजलमे ॥ टींटोडीकरेपुकारना
मेरेबचारहेदोउदलमें ॥ मेरेसुतकेनहिंहैंपंखयेजीलेकैसेंउ
गिगनमें ॥ झेला ॥ तुमसुनियौटेरमुरारी ॥ म्हेंभींवँघरेअ
तारी गजघण्टाटूटापरींइंडनपरमहरकरीरंगभीना ॥ रुक
नीजोकरुणाकरेलग्नलिखबिप्रहातधरदीन्हा ॥ १ ॥ अच
मचकपगधरतलचकगतशोभाबरणिनजाई ॥ हैरूपरंगमेंजं
केललतपतसीरुकमनबाई ॥ छतियाँपेसोवेचक्रअधरदाड
सीदंतललाइ ॥ दीपकसिनासिकाझिलेनैनबिचभ्रकुटी
शोभा छाई ॥ झेला ॥ येजीअरजसुणौंब्रजबासीब्रजराजदर
की प्यासी ॥ बनीबनाब्रजराजसाँवरामहर करौरंगभीनाँ
रुकमनीजोकरुणाकरे लग्नलिखाविप्रहाथधरदीनाँ ॥ २ ॥
तीनदिनोंकीअवधकालसिसपालडाहलगलफाँसी ॥ म्हेंध
तिहारौध्यानकुंदनपुरआवोनाथब्रजवासी ॥ बिनदेख्याँन
चैनचित्तमेंरहुंनितभौतउदासी ॥ तुमआयेबिनमहाराजज
मेंहोयबिरदकीहाँसी ॥ झेला ॥ येजीअरजसुणौंगिरधारी
म्हेंचरणकमलबलिहारी ॥ हरिनंदसुतब्रजराजसाँवरा
दरसदेदेनारुक० ॥ ३ ॥ सोरठ ॥ हरहर जोसीतेडि
आप्यापंचकिरोंड ॥ हरिबिनहतलेवोजुडेतोम्हानेंलागेमो
खोड ॥ १ ॥ रागमारू ॥ पातीगूझलिखीगूणवंतीसंदेसौ
चाज्यौ ॥ बाटाँजातबिलममतकीज्यौबीस्वंभरनैल्याज्यौ
॥ १ ॥ पीतांबरसूंप्रीतपहलकीसौहूंसबहींजाणूं ॥ रावणमा

रामप्रतिपाली सौगुणबादबखाणूं ॥ २ ॥ रामरूपहोय आगे परणीसुरनरआरुबेठा ॥ तोडयोधनुषकियादोयटुकडा जब-त्रिभुवनपतिदीठा ॥ ३ ॥ सातजनमसाथीसाँवरिया टीकम-थारीतरणीं ॥ प्रथमप्रवाडाजनकसुताघर रामरूपहोयपरणीं ॥ ॥ ४ ॥ सातजनमसाथीसाँवरिया इसकारणमनमोयो ॥ गौखचढीहरआँसूडारैनैंनभरेभरजोयो ॥ ५ ॥ कृष्णकुंजाय-रकागद देहूंइणबिधरंगचढाऊ ॥ रुकमणकंथकुंदनपुरल्याऊं अनंदबधाईपाऊं ॥ ६ ॥ निश्चयजायद्वारकामाहींकृष्णकुंदन-पुरल्याऊं ॥ पदमभणेंप्रणमैंपायेलागूंआनँदमंगलगाऊं ॥ ७ ॥ ॥दोहा॥ श्रीगणेशकौंसुमिरिके, द्विजहरख्यामघजाय ॥ सकु-नहुवासबहीभला, आनंदउरनसम्हाय ॥१॥ राग कालिंगडो ॥ आजरासकुनभलाहोम्हाँनेसाम्हाँमिलियाराज ॥ टेक ॥ सूधे तिलकम्हाँनैंविप्रजमिलियौ मंगलगावतिदासी ॥ सकलश-स्त्रलियाँक्षत्रीमिलियौ मिलसीद्वारकावासी ॥ १ ॥ गाडाभ-रयाधानकामिलिया और छतीसूंबाजा ॥ कँवरचढ्याकेका-गाँमिलिया मिलसीद्वारकाराजा ॥ २ ॥ मंगलमुखीजसाम्हौं मिलियौ बेंडोलेपिणियारी ॥ हिरणडारम्हाँनेंहरख्यौमिलियौ मिलसीकृष्णमुरारी ॥ ३ ॥ सकुनविप्रनेंहुवाजनीकाहरीमि लनसहनाणा ॥ पदमभणैप्रणमैंपायेलागूकीन्हाविप्रप्रयाणाँ ॥४॥ राग मारू ॥ रुकमणतोब्राह्मणनेपेखे संदेशोरेपठायो ॥ जोजनपाँचसातजायसूतो शिवजीकेमनभायो ॥ १ ॥ सिरी कृष्णसिंहासनबैठाशिवजीमतौ उपावै ॥ कुंदनपुरते ब्राह्मण

चाल्यौ वौ इतलाकआवै ॥ २ ॥ भणैंकृष्णजीसुणौस
सिव थेमनकीसबजाणौं ॥ मालबिराणौघरमेंघरिके सूतौ
टीताणौ ॥३॥ भणैंसदाशिवसुणौकृष्णजीथेतौअंतरजामी
ब्राह्मणकहियेदुर्बलबिरधा नाहिंविप्रमखामीं ॥ ४ ॥ पारख
कूंआग्यादीन्हीथे ब्राह्मणकूंल्यावौ ॥ ब्राह्मणसूताकाचीं
द्राल्यावतमतीजगावौ ॥ ५ ॥ जायपारखतदईपरकमाँवि
बिवानबिठाया ॥ धरविमानमआयउतार्‍या सोवतनायज
गाया ॥ ६ ॥ आयउतार्‍यातरीगोमती छिडक्यासीतलप
णी ॥ पद्मभणैंप्रणमैंपायेलागूं जबलगविप्रनजाणीं ॥ ७
राग मारू ॥ उठ्योविराम्हणनिरखणलागौ देख्यागढ़किह्
सा ॥ बारेजोजनसरबसोनाका गढमढपोलप्रकासा ॥ १
राजद्वारस्वामीजीपूछै बोल्यवचनकुमारा ॥ कोहैदेसब
नयानगरीकहोनीकौनबिचारा ॥ २ ॥ यहरतनागरपासग
मती जादूजुगतनरेसा ॥ हरख्यावदनथरीहरजोसी कीन्ह
नगरप्रवेसा ॥ ३ ॥ हरख्योविप्रभींवराजाकाद्वारावतीहूँ अ
यो ॥ भींवकँवरिकाकारजसरसी यहाँब्रजराजबतायो ॥ ४
छपनकोटकीअतिठकुराई बाजाअनहदबाजैं ॥ कंचनझल
कोटकाँडरा गढाँगढाँकेराजैं ॥ ५ ॥ थेतौमिसरजगतकागु
हौलेकरआयासावो ॥ केशोरायकँवरकीपोली सीधाचाल्य
जावो ॥ ६ ॥ पोलीजायप्रीतसूँठाडो भीतरभेदजणायो
कागदलेकरकृष्णकरदीन्हो आसिरवादसणायो ॥ ७ ॥ जब
रिमिसकरपूछणलागा विप्रकहाँसूंआयो ॥ बिद्रभदेसकूंदन

पुरनगरी भींवकिकँवरिपठायो ॥ ८ ॥ भणैंकृष्णजीसुणोवि-
राम्हणआयाकेदिनमाहीं ॥ सावौबहुतसाँकडोल्यायासझ-
तौदीखेनाहीं ॥ ९ ॥ कहैंविराम्हणसुणोकृष्णजीकँवरजुकुव-
दउठाई ॥ कौक्याराजचँदेरीराजा जानदूसराआई ॥ १० ॥
कहैंकृष्णजीसुणौंबिराम्हण आछीबातबणाई ॥ राजाभींवके
एक रुकमणी दोयदोयजानबुलाई ॥ ११ ॥ रुकमणतणी
बीनतीथेतौसुणियोजादूराई ॥ पदमभगतपरकिरपाकीज्यो
संसो मेटो आई ॥ १२ ॥ दोहा ॥ हरि पूछे हरिदासन
कहोदेश नगरकीबात ॥ आनँदमेंथारोराजवी, कहोरुक-
मणिकुसलात ॥ १ ॥ विद्रभदेशसुहावणो, रुकमणि
तणौंनिवास ॥ मंगलगावैंकामण्याँ, लीलारासविलास ॥ २ ॥
राग मारू ॥ लीलारासगोविंद गुण गावैं धरमतणौंविवहारौ ॥
जितलगहदराजाभीषमकी सरबसुखी संसारौ ॥ १ ॥ बाडी
बागमहलऔरमंदिरकूवाबासतलायो ॥ अष्टसिद्धिनवनिद्धि
सरससे आनँदमंगलगायो ॥ २ ॥ पूजाविवदबेदधुनउचरेज-
ग्यजपेमनहरषे ॥ परसनइंद्रकोटतेतीसू मुखमांग्यूँजलवरषे
॥ ३ ॥ कँवरकुलखणेकयोनमान्योचीरीदेईचंदेरी ॥ डाहल
जानजोरपुरआयो ॥ कँवरिगहापणतेरी ॥ ४ ॥ येहीअरजएक
करूंबिनती सुनलीजैअबमेरी ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूंस-
रणगहीप्रभुतेरी ॥ ५ ॥ दोहा ॥ हरिपूछेहरीदासने, केहडे
रूपकँवार ॥ कहोसत्यद्विजवरसही, भाखोबैणबिचार ॥ १ ॥
दधिसागरमेंऊपजी, कमलासुनोंबिचार ॥ जाणैंदेवीजानकी,

बहुरिलियोअवतार ॥ २ ॥ रागमारू ॥ दोउकुलवंशसमा-
राजाजैसेचन्दउजारो ॥ ऊगेरबीछिपैंसबउडगणकँवरीरूपउ-
पारो ॥ १ ॥ बिरछाँमेंज्यूँपारजातहै मानसरोवरसारो
परबतमेंजैसेहेमसिखरहैडंगरअनतअपारो ॥ २ ॥ घोडा-
ज्यूँऊचीस्रवा अहिरावतगजसारो ॥ देवगणामेइंद्रभणी-
रंभारूपसँवारो ॥ ३ ॥ ब्रह्मघरसावित्री सोहै रुद्रघराँ-
द्राणी ॥ आदविष्णुअरधंगीसोहैइंद्रघरांइंद्राणी ॥ ४ रु-
मणतणेरूपकी शोभा कहतनआवैपारो ॥ सिंधुसुतालक्ष्म-
सीशोभाबत्तीसूआभारो ॥ ५॥ रुकमणितणेरूपरीसंख्याक-
तनआवेबाणी ॥ कबलगेकहूँकहाँलौंबरणूँ बैश्यपदमबाखाण-
॥६ ॥ (अबश्रीकृष्णगोत्रपूछते हैं) ॥ दोहा ॥ कौणसा-
किणरीसुता, किणघरजनमी आय ॥ गोतमातनखसक-
विधि, द्विजबरद्योसमुझाय ॥ १ ॥ विप्रउवाच ॥ रागमारु
नानीणीचणमायसोलषणी दादीजातपवारी ॥ बंशपवार-
त्रभीषमका जिणरीराजकँवारी ॥ १ ॥ इणविधगोतभींवकु-
भाख्याआपकहेगिरधारी ॥ पदमभणैंहोब्राह्मणयूंबोलैच्य-
रौंगोतबिचारी ॥ २ ॥ दोहा ॥ हरीदासनैंहरमिल्या, ह-
खहुवामनमाय ॥ दरबारानौपतघुरी, आनँदउरनसमाय
॥ १ ॥ द्वारावतीकीकामणी, लीन्हींसकलबुलाय ॥ द्वादश-
डशवर्षकी, फिरीचहूँदिशआय ॥ २ ॥ रुकमणिकीचरचासुण-
गूंघटमैंमुसकाय ॥ छपनकोटजादूजुस्या सबमिलबैठाआ-
॥ ३ ॥ इतनीसुनिआनँद भयो, मोतियनचौकपुराय ॥ चंद-

चौकीसाजसब; जादूपतिबैठाय ॥ ४ ॥ दुरबासाअक्षततिलक, कलशगणेशपुजाय ॥ हरियेहरिकेतिलककर, कामणिमंगल गाय ॥ ५ ॥ रागमारू ॥ जबहरियेफैंटासूखोली रुकमणिकी सहनाणी ॥ हीरारतनअधिकअतिजड़िया इसीअँगूठीजानी ॥ १ ॥ जबहरियेकूँपहराई हरिअंतरमें जाणी ॥ यामुँद्रीतोजनकसुताकी अपनी औरपिछानी ॥ २ ॥ त्रेताजुगमैं हणुमतदीन्हीआसहनाणीम्हारी ॥ लंकाजारीबागबिधुंस्यो जदकीबातचितारी ॥ ३ ॥ रुकमणिकीयहबीनतीजी सुनियोजादूराई ॥ दासपदमपरकिरपाकीज्यो संसौमेटोआई ॥ ४ ॥ ॥ दोहा ॥ जबहरिहलधरकंकह्यो, डेराभवनोदवाय ॥ कंचन चौकीडारकै, सैन्यालेवोबुलाय ॥१॥ तातोपाणीउबटनो, मरदनअंगकराय ॥ सौडगलीचागेंदवा, जाजमद्योबिछवाय ॥ २ ॥ हरख्योद्विजबरबैठियो, मनकरमान्योचाय ॥ दरसणकीन्हा श्यामका, फूल्योअंगनमाय ॥ ३ ॥ रागबिहाग ॥ हरिनैपत्रिका द्विजदई ॥ टेक ॥ रुकमणीकीलिखीपातीसीसपैंधरलई ॥ १ ॥ बांचपतियाँहरषमनमेंआनँदउपजेसई ॥ २ ॥ जानसिगारौ बलभद्रभाईचित्तचालनभई ॥ ३ ॥ द्वारिकामेंहोतमंगलभौमरतनाँछई ॥ ४ ॥ दासपदमअनंदघरघरचरचाइणबिधभई ॥ ५ ॥ लावनी ॥ रुकमणीबचनकीरचना ॥ पतियाँबांचतछैलछकनियाँ ॥ टेक ॥ पढ़प्रथमसिद्धसिरीसीलसर्बउपमाजनुजगतकेहरी ॥ पुनिपुनिप्रणामअपरंचचरनदरसणचखचाहघणेरी ॥ इतकेसुणसाँचेसमंचारम्हेंअरधंग्यात्रियतेरी ॥

जनमानजनमकीलगीलगनपगपरीप्रीतकीबेरी ॥ झेला
रुकमइयेकुमतउपाई ॥ दुष्टनकीसैन्यबुलाई ॥ पितुबच
निरादरकरत अक्रमीं माननतनहींसिकनियाँ ॥ रुकमणीव
चनकीरचना ॥ १ ॥ जमकीसीधारबरातकालसिसपालसंग
सजिआई ॥ दुरयोधनसमदुरबुद्धिकोटखलउमँगेजगदुख
दाई ॥ ममप्राणघातहितकरतप्रतिग्याप्रभुतामानबडाई
पितुभीषमकोप्रणराखोल्योतुमखबरतुरतयदुराई ॥ झेला
कुंदनपुरघेररहेहैं ॥ सबनैंकरशस्त्रगहेहैं । हरिभक्तपिताकीपै
घटेनारदमुनिसत्यकथनियां ॥ रुकमणी० ॥ २ ॥ पापी य
प्राणपुकारकरेघनश्यामदरसकेप्यासे ॥ हटतजैनघटतैंकदै
ठरबनबैठेविकटमेंवासे ॥ वासेमुखरहैंउदाससहैंदुखरोवतदी
उसासैं ॥ सुधलीज्यौगिरधरनलालमतिरखियोआसनिरासैं
॥ झेला ॥ निशिदिवसबरससेबीतें ॥ दुखसुक्खजगतकीरीतें
म्हेदासितुमारेसरणतुम्हारोमनभ्रमक्यूँललचानियाँ ॥ रुकम
णी० ॥ ३ ॥ पनघटेमिटैकुलकाणबिरदउलटेकुललोगहसें
अबअंसकलानिर्वंशहुईतोउभक्तनपदपरसंगे ॥ सिसपालतुच
समकोटिनखलममतेजतुरतभुलसंग ॥ मनवचनकर्मपूजेमहे
शतौहमहरिभवनबसंगे ॥ झेला ॥ अबतौसुनपरमनिहोरे
म्हेंपायपरतहूँतोरे ॥ हरिनंदकहैद्विजचंदचतुरदुलहनकनिब
धकँगनियाँ ॥ रुकमणीबचन० ॥४॥ राग विहाग ॥ जरद
येबाचतहीपतियाँ ॥ टेक ॥ ऊपरलिखेप्रेमकेअक्षरधरकध
कधरकेछतियाँ ॥ १ ॥ हमरीबिथाहमरातनजानैं बांचिनज

यप्रेमपतियाँ ॥ २ ॥ पदमश्यामशिवमहरकरोप्रभुबीतेजाय दिवसरतियाँ ॥ ३ ॥ राग मारू ॥ हरियामूँगमँडोवरा-ल्यावौउज्जलभातकरावो ॥ चोखाचावलघिरतघणेराबूरोमा-हिंमिलावो ॥ १ ॥ छप्पनभोगछतीसूंबिंजन एकसूं एकस-बायो ॥ चोखाघृत्तश्वेतधेनूका बूरोमांहिरिलायो ॥ २ ॥ साबूनीमिसरीकोंसीरोघणाघिरतकोघायो ॥ घेवरपाकजले-बीखुरमामालपुवासरसायो ॥ ३ ॥ लाडूपेडाबरफीमुरकीब-हुपकवानमँगायो ॥ मोतीचूरमगदकालाडूद्विजरुचरुचकेपा-वो ॥ ४ ॥ केलामूँगाँभाँतभाँतकेपापडबडासुँगौडी ॥ सकल-पाकअतिसुंदरबणियाँसबसेअधिकफुलौडी ॥ ५ ॥ कोलोंपे-ठौबैंगणतोरूआँबासेआचारौ ॥ खारकदाखबिदामखोपरौ-खटोफोग फुलगारौ ॥ ६ ॥ दोहा ॥ ऊठो जोसी जीमल्यो, हुई रसोई त्यार ॥ सखियन मंगल गाविया, कृष्ण करे मनुहार ॥१॥ मिलकर आई सहचरी, गावत मंगलाचार ॥ जोसीबैठाजीमवा, मुदितभयेनरनार ॥ २ ॥ राग मारू ॥ रुचरुचजीमौविप्रभीवराथाँलायककछुनाहीं ॥ निर्मलझारा गंगाजलकी अचवन दियो कराई ॥ १ ॥ थाँरेकुमी नहीं-काहेकी अनदाताम्हेंधाया ॥ पदम भणत जोसीमन भाया नीकाविप्रजिमाया ॥ २ ॥ दोहा ॥ बीडीपान कपूरकी, दीदखडीबलबीर ॥ मालमोतीमूदडी, और पटं-बरचीर ॥ १ ॥ (गारी गावै राग बेरवा) ताल ठुमरी ॥ पाँडेजीथेम्हारेमलआया ॥ टेक ॥ काँईजीकमावैथारैभवि-

जीरीनारीजिनसिसपालबुलाया ॥ १ ॥ रुकमणिकँवरी
भींवकीजादूमानबधाया ॥ २ ॥ एकसखीयेसैंउठबोलीप
सातकाथेजाया ॥ ३ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँ कितश
पकहाया ॥ ४ ॥ राग बरवो ॥ साजनियाँआयारी सखीमें
अँगना ॥ टेक ॥ ल्यावोरीसखीद्योबैसणियाँ ऊँखलमूसा
याँ ॥ १ ॥ ल्यावोरीसखीखटडियाबिछावोदेसांकातणियाँ
॥ २ ॥ ल्यावोरीसखीभोजनियाजिमावो खटरसबिजनि
॥ ३ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं गावैंप्रकेगुनगनियाँ ॥ ४
पाछीगारीनारदगावे ॥ राग बरवो ॥ सुनसमदणचतुरसुज
णआयोम्हैंतेरै अँगना ॥टेक॥ म्हैंहूंब्राह्मणराजाभींवको तूँमे
जजमानखुसीहोयदेदछना ॥ सुन० ॥ १ ॥ राजसुहागभ
कापूरीकलिमेंतेरोनाँव सदाबोलैबमना ॥ सुन० ॥२॥ मो
यनथालभरदछणाँल्याईकरआदरसनमान ॥ येहीशोभा
गना ॥३॥ गूँघटकापटखोलनिजरभरहैखूबी ॥ देआदरमि
मानजायातुमदोयललना ॥ सुन० ॥४॥ जोचायासोदियाँ
प्रकूंबोहोतकियासनमान। खूशीहोयमन अपना ॥५॥ पद
केस्वामीमगनभयोजैसेमेहबरषेघनगाजेगिगना ॥ सुन०
॥ ६ ॥ दोहा ॥ हलदहातकेसोतणी, सबमिलकरेबखाण
सबकेमनआनँदभयो, हरषेसारँगपाण ॥१॥ रागमारू ॥ मो
यनचौकपुरायआँगनमें सखियनमंगलगाया ॥ मलिया
कीचौकीऊपरसिरीकृष्णबैठाया ॥ १ ॥ ऋषिदुरबासाअक्ष
दीन्हाकलशगणेशपुजावै ॥ पीठीसोवहलाडलूडावै हँस

मंगलगावै ॥ २॥ हरकीनारकरैंकौतूहलआनँदउरनसम्हावै ॥
कहाकहूंयाछबिकी शोभा महिमापारनपावै ॥ ३ ॥ बहन
सौदरासाजआरती राईलूणउतारै ॥ तनमनप्राणकरेनौछाव-
रबारबारबलिहारै ॥ ४ ॥ गावैगीत बजावैंबाजा बाँटतरैं सब
धाई ॥ हलदहातकीसुन्दरशोभा पदमश्यामबलिजाई ॥ ५ ॥
छंद ॥ सारदआदमनायगनपत ध्यानशंकरको धरैं ॥ ब्रह्मा
वेदबिचारिकेध्वनिआरतीनारदकरैं ॥ इन्द्रआदिमहेंद्रआयेदेव
सबजैजैकरैं ॥ आनकुलगुरुपूजिगणपतिकलशलेथांभेधरैं ॥
सिद्ध चारणभाटगाँध्रबआसिखादेवैंखरे ॥ दासपदमसुगंध
पीठींहरषके मुसचौपरे ॥ रागवसंत ॥ हलदीकोरंगसुरंगनि-
पजैमालवै ॥ टेक ॥ कंचणबरणकेसँरसूईपीरौतामेबहुतसुगंध
॥ १ ॥ याहलदी शंकरमोलावै पारवतीमनकोड ॥ २ ॥
याहलदीब्रह्माजीमुलावैसावित्रीमनकोड ॥ ३ ॥ याहलदी
सुदेवजीमुलावैंदेवकीजी मनकोड ॥ निपजै० ॥ ४ ॥ याह-
लदीशिवकर्णभक्तहित पदमइयामनकोड ॥ निपजैमालवै ॥
॥ ५ ॥ राग बरवो ॥ म्हेंगाँधीप्रभुरावरो भोरहिंउठधायो ॥
॥ टेक ॥ बहुतसुगंधी पासकेसुगंधबनायो ॥ मरवा दौनामौ-
गरौंचंपो पिसवायो । म्हेंगांधी० ॥ १ ॥ कपूरकचरीपानडी
छरछरीलोमिलायो ॥ नागरमोथोमानसीजामेंअमरिलायो ॥
॥ २ ॥ अगरतगभरपूरहैं मगमदमनभायो ॥ केसरजावक
जायफर कापूरठिलायो ॥ ३ ॥ चंदनतेलइलायचीऐसोमेल
मिलायो ॥ हेमकलशशिवकर्णभरेपदमइयोल्यायो ॥ ४ ॥

रागखमाचकी ठुमरी ॥ रूपखुल्योघनश्यामउबटणासुं
लोचढयोछैबना ॥ टेक ॥ रतिबसभईअपछरामोहीपेखत
जीनिहाल ॥ १ ॥ थिरभयोपवनरवीरथथंबे देवनपुष्पप्रह
॥ २ ॥ कोटिमनोजरूपपै वारूं सरभरेकरेहनआन ॥ ३
बलबलजायदासपदमइया राईलूंणअवाँर ॥ उबटणासू ॥ ४
राग खट ॥ साँपडश्यामसिंघासनबैठा सखियनबनाबनावे
॥ टेक ॥ जरकसपागजरी रोजामोहरिजीनेपहिरावेरी ॥ १
जरीदारमौजडियाँसोवैंसबसखियनमनभावेरी ॥ २ ॥ क
रकटारीबाँकडीसोहैबीजलसाररी ॥ ३ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपा
लागूं आनँदमंगलचाररी ॥ ४ ॥ राग ठुमरी ॥ बनापरमोत
वारूंहे सोवारूंसोहीथोडाबनापर० ॥ टेक ॥ शिरसोने
सेहरोबिराजेमोहनरूपनिहारूंहे ॥ १ ॥ बहनसोदरा
आरतीराईलूंणअवाँरूहे ॥ २ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूंजीव
जन्मसुधारूंहे ॥ ३ ॥ दोहा ॥ व्यासभणेंश्रीदेवसे, सुणज्य
श्यामसुजान ॥ तुमलंकेसुरमारियो, दियोविभीषणमान ॥१
॥राग मारू॥ दियोविभीषणराजराजवीभगताँमानबधावो
दिल्लीपतिमंडलसुतराजाजिनकूं नतबुलावो ॥ १ ॥ व्यास
हीकैसोमनमानी व्यासदेवतुमजावो ॥ इस्येमोहोरतलिख
पत्रिकासिद्धजोगसबआवो ॥ २ ॥ करमनुहारलिखाबल
जातुमराजनकेराई ॥ झगडाजरासिंधराजासैंऊपरकी ज्य
आई ॥ ३ ॥ अरजुनभींवनकुलसहदेवाधरमपुत्रबडमानी
सिरीकृष्णकेबँधेसेहरोसबमिलआवोजानी॥४॥ चाँपरबेगक

चढवाकीहतनापुरदरसायो ॥ खबरहुईपंडुराजानैं व्यासदेव जीआयो ॥५॥ नौतोखोलदियोजादूकोमोहबचनप्रतिपालौ॥ झगडोजरासिंधराजासैंसबमिलजानीचालो ॥ ६ ॥ धरमपुत्रराजायूँबोले अबकोईमंत्रबिचारो ॥ उदधिपुरीचलणोहींचाहियेकोइजीतोकोइहारो ॥ ७ ॥ रामभणैंकुंताँसौहंतीजननी बुद्धिबतावो ॥ पारब्रह्मकाचरणगहोगेहारिकदेनहींआवो ॥ ॥८॥ केशोअपनाअपनकेशोकायेहकारजकरआवो ॥ पीठदेर भारतमतभाजोमेरोदूधलजावो ॥ ९ ॥ जोडचाहातपुत्रमातासैंसुणीआदकीमाया ॥ यहतनमनकेशौपरवाराँ तौकुंताँकाजाया ॥ १० ॥ क्षोहणीसातजलंधरबगतर गिगनखैहजायलागी ॥ मेघअडंबरझिलकेसौहै चढजोधबडभागी ॥ ११ ॥ यादवथकितहुवादेख्याँतैं दलपांडवकाभारी ॥ वेदव्यासकी करौआरतीबोलेकृष्णमुरारी ॥ १२ ॥ कंचनथालभऱ्यामोतियनकाराजपोलसिणगारी ॥ वेदव्यासकीकरीआरतीपद मभगतबलिहारी ॥ १३ ॥ छन्द ॥ जादूजगतनरेशबोल्यासि लेखानौंआनरे ॥ १ ॥ तेडेसाहनस्वारथी निजसारथीनिजसंगरे ॥ २ ॥ पीडपलँगपलाणपाखरमोहनामकरंदरे ॥ ३ ॥ नातलाउतुरंगताजीघोरजातभमंडरे ॥ ४ ॥ कुमेतकालाकानडाकिलनीलरानोरंगरे ॥ ५ ॥ छुटाघोडासोहनीतूसाहनी दलसाररे ॥६॥ करडकुहुडाकाबराऔरमाकरीमल्लानरे ॥७॥ दाणियाँपरेवरा औहंसरासूचालरे ॥ ८ ॥ मुलतानियाँअरु परबती पंचरतनकल्यानरे ॥ ९ ॥ दावडाधौसावड़ानिद्ध-

दडादथरफौडचंगोडरे ॥ १० ॥ ऊंचाअलौलाअचपलाचं
लाऔरचपलरे ॥ ११ ॥ नौलखाउडगनबैंगिया कपूरिया
कुरंगरे ॥ १२ ॥ सुवा खडासौरठामूँगियारुसुरंगरे ॥ १३ ॥
सबखघोडाकहरकाबाबरबरानाआणरे ॥ १४ ॥ हिणहिणा
मुजंगमुसकीलीलागरडपलाणरे ॥ १५ ॥ मोतीबरणाआर
किया सुनेराणरुगोढरे ॥ १६ ॥ उजलधौलाकेशरबरणापाण
पंथपलौटरे ॥१७॥ कुदलताजीतीतरा चीला अरु जंगरे ॥
॥ १८ ॥ गिरह्यणाओरहऱ्यापटणामोरवारुसमंदरे ॥ १९ ॥
येकपनकीचालबराबरयेकपवनपहलेआयरे ॥ २० ॥ येक
पवनसूँचलेसतगुणाखासारथजुतवायरे ॥ २१ ॥ एकमदमा
ताफिरेआवनीकृष्णकेमनचावरे ॥ २२ ॥ पदमस्वामीमन्नह
रषे घोडाजातबखाणरे ॥ २३ ॥ राग मारू ॥ हलदहेसिय
और अबलियारथजोड्याकेकाणा कालूकबूतराकूंकूखंधा
चीण्यालीलाआणा ॥ १ ॥ बोहारकच्छियाविगडपाहाडीली
लापंचरतनकल्याणा ॥ सावकरणसूवावरश्यामातीतरखण
आणा ॥ २ ॥ उज्ज्वलवरणकिसोराघोडामेघाबरणाजाणा ॥
काछेलाकुरवाँनरोडियाकृष्णचाबकियाआणा ॥ ३ ॥ खंध
अरुगोटपरवानीअटकपूटिकाआणा ॥ अश्वकाबलीखुरास्य
नरा पीलाघोडाआणा ॥ ४ ॥ गोडबिलासारंगजलालाअ
यासेमिबँगाली ॥ तुरकीताजाअरुचीणाईयेराकीकनकँजग
ली ॥ ५ ॥ मोंहुवाहँस्यासँजावरसुरखारंगजामणींआण्य
पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँ जाण्याजिताबखाण्या ॥ ६ ॥ दोहा

बलदमँगावौबहुगुणा, रथसंयूताजाण ॥ कोटिगडाजुतावज्यौ बहलाँतणाबखाण ॥ १ ॥ राग मारू दखणदेशराहुडबहो- डा ढूँडढारिसुथाणा ॥ देशमालवेछोटाटेंगण पूरबकापछि- याणा ॥ १ ॥ कछभुजदेशराटकावल्यारींडाकी अधिकाई ॥ मध्यदेशराखरासोहना बहलांघणींबडाई ॥ २ ॥ बागडदेश राभींडाल्यावोमेवाडीरेलखेरा ॥ मारूधरसींगालाल्यावौब्रज- भौमीकागौरा ॥ ३ ॥ गौडदेशकाचीतमकालागुजरातीबड- काना ॥ देशबंगालेछोटागेणा जूपेबहुतअमाना ॥ ४ ॥ कास- मीरकाधौलापीलासेराज्यूंखुरसाणा ॥ पदमभणैंप्रणमैंपाये लागूं बहलाँतणाबखाणा ॥ ५ ॥ घोडाबहलमँगायाभारीउठाँ- करोतैयारी ॥ लखसाँढयासिणगारसरीखाअनडभिडाअस- वारी ॥ ६ ॥ छप्पय ॥ ऊंठगलाऊपरा बलादारबालाडे ॥ दीयोहुकुमदीवाणकहरताकीदकराडे ॥ साँडीवालसताबच- ढिसाँयाचलाया ॥ राहरूतेरवारधूतडरचौहधकाया ॥ आँणि- याँधरेअखाडमलखौ दघडायाखूटडा ॥ नखतोडनेडाला यानिडरआँणझेकाराऊंठडा ॥ १ ॥ रीबघडारातावेणबण- बाडातबौलंता ॥ कालाभूराकेसचाल अपजोरचौलंता ॥ जौडे नीरसयजायबलेखरगोसबिचाला ॥ पडमजबूतपहाडमंदबह- तामतवाला ॥ जेकल जडंगचौडाजबर लाँबालगसलंडगसा ॥ धूनाअतीतधूडीधडंगभराभूतभडंगसा ॥ २ ॥ वडवडाटबौ- लंता गजबकरतागरडाटा ॥ फडफडाटफेफराचठट चरखी चरडाटा ॥ ऊँटसमेलाआयमिलेभेला मदमाता ॥ हरदवरा-

हाकिया जेमजोगेंद्रजमाता ॥ गूंगागजाडागहलागडंगरडराव-
णचढरोसरा ॥ ल्यावताँबारलागेनाहीं समाचार सौकोसरा
॥ ३ ॥ मलाऊंठभरकाभ्रसुंडजबराअंभारी ॥ ल्याया नीठ-
लठौररीठहरसुंडेरबारी ॥ कोईकहावेकाबलीअडखिमखाय-
उबासा ॥ बहैढाणबवरेलजकेभाईजमरासा ॥ ध्रसुंडापा-
हाडधराटधररगडगडाटऊभागजे ॥ अतरीअवाजबोलण-
असीबडेराजसुथरीबजे ॥ ४ ॥ पडपौतापवनराजोममा-
ताजाखौडा ॥ लुलूघौलुगथगाततारवडबेताखौडा ॥ कस-
तौफाकूँचियाँ लालफूँदा लटकावैं झेलेसीस झौलियाँ
मछरकरता मनभावैं ॥ घरराट करे गाजे घटा सारा येकण-
साथरे ॥ करे हलाँरी झबक सुण जगे बिसंभर नाथरे ॥ ५ ॥
बुगदी बबर बिलौचजिकेमुरधरराजाया ॥ मारूध-
राराऊपनामोलथलवटमोलाया ॥ जालौरीजातरामस्तअंग-
मोलजघणेरा ॥ जेजोडेजूटचाउडे घोडाअधकेरा ॥ पाहाड
उठायजाखीप्रगट डाकीलीधाडोलता ॥ गाढागुसेलरूसेलग-
घबीफरेलबागोलता ॥ ६ ॥ ऊँचाथुहाउतंगसीसटामंकसरी-
खा ॥ लडबेबडीबलायतकेखडबेअतितीखा ॥ खसेटलाटल-
खाय छजेअँगईडरछोटा ॥ बडभागणवाँमरा आणधरदिया
अँगोटा ॥ खीजियाँदातपीसेखडा अंधखंअहंकारमें ॥ नोहता
जोधसोबैघणा श्रीकृष्णतणादरबारमें ॥ ७ ॥ रेबारीरावला-
जडंगडाकीजोरावर ॥ रूँवालीरीछसा भूतबिडरूपभयंकर ॥
ऊनाबसतरओढयेकमणदूधआरोगण ॥ काँकडहंदाकीस

त्रिशूलचढरह्यातमोगुण ॥ जंगलीजरखहैताजिस्याकालाजम-
रूपीकहै ॥ चरावैऊँठजादवतणा रातदिवस दौलारहै ॥ ८ ॥
॥ रागमारू ॥ इणविधिऊँठयेखटाकिया मल्लअखाडेल्याया ॥
जमराद्रूतजिस्यारैबारीघेरबरोधारधाया ॥ १ ॥ भूराभगदड
भूतभमंडी दौडैंघणाउताला ॥ अंगउघाडेबाभरूबरणादैंतसू-
रीखाकाला ॥ २ ॥ जंगीऊंठसलीताँकारण चढवाकाजसहे-
ला ॥ लंबीनालबहैऔचकता टोडअरीदलपेला ॥३॥ हस्ती-
घुडलाऊँटबहलरथसाहणबाहणताता ॥ काहरकोटपालखी-
कारणहुडदंगामदमाता ॥ ४ ॥ जगमगयानकृष्णकीसोहै शो-
भासकलसरावै ॥ पदमश्यामशिवकर्णमनोहर बनडाकेमन-
भावै ॥ ५ ॥ छंद ॥ ध्यायगणपतीसरस्वतीनवमातृकापूजा-
इये ॥ कुलदेवदेवीइष्टिकामिलनारमंगलगाइये ॥ १ ॥ कनक
थालरुरतनझारी यमुनजलभरवाइये ॥ मलियागिरिकीरत-
नचौकीबनाकुँवरबैठाइये ॥ २ ॥ केसरअगरकपूरअंतर
अगरमुष्कीरलाइये ॥ यवचूर्णहरदीतेललेरसुगंधसकल
मिलाइये ॥ ३ ॥ मरदनसखीमिलस्वागणीदधिसहितमलन-
कराइये ॥ चढायतेलन्हवायहरिकोपीतांबरपहराइये ॥ ४ ॥
हिरमुकुटऊपरसेहेराकाटिफेंटबागोल्याइये ॥ मुखमलकोजो-
डाजरकसी लेश्यामकूंपहराइये ॥ ५ ॥ कूंकूंकटोरै हेमकेश-
रगोरोचनपाइये ॥ गजमोतियाँकेकरोअक्षततिलभालबना-
इये ॥ ६ ॥ निवधौकगुरुदेंआसिकानवमातृकापूजाइये ॥
करआरतीशिवकर्णपद्मसुबसुमंगलगाइये ॥ ७ ॥ राग खट ॥

साँपड३्यामसिंगासन बैठा सखियनबनाबनावैरी ॥ टेक ॥ पचरँगपागकेसरियाबागोमोहननैंपहरावैरी ॥ १ ॥ केसरतिलककरचोकेशवके अरुशिरमौडबँधावैरी ॥ २ ॥ गलमोतियनकीमालासोहैदुपटोफेंटबँधावैरी ॥ ३ ॥ जादूजातिकीकरौनिकासी घोडाबेगमँगावैरी ॥४॥ पदमश्यामसुखदायकनायक अबक्यूंढीललगावैरी ॥ दोहा ॥ जादूसबमिलकोकिया, सबमिलबैठा आय ॥नौतातणीजुहारहै, जाजमदेवोबिछाय ॥ ॥ १ ॥ रागमारू ॥ सतराजीतसत्तकीशोभा सबमिसजादूआया ॥ जबरकृष्णजीनौतोलीयो यादवकुलसबलाया ॥१॥ हीरारतनजुवाहरमोतीकंचनथालभराया ॥ पदमभणैंप्रणमैंपाये लागूंसखियनमंगलगाया ॥ २ ॥ रागठुमरी ॥ बनापरमोतीवारूंहें जोवारूंसोइथोडाबनापर ॥ टेक ॥ सिरसोनेकोसेहरोबिराजैमोहनरूपनिहारूँहे ॥ १ ॥ बहनसौदराकरैआरती पलपलप्राणजुहारूँहे ॥ २ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं आगे जनमसुधारूँहे ॥ बनाप० ॥ ३ ॥ राग ठुमरी ॥ आजकीघडियाँहैरँगीली ॥ टेक ॥ निरखलियोनवरंगबनाँनैभरभरनैननियाहैं ॥ १ ॥ सोनेकोसुरज आजभलऊगोजादूपतबनाबनियाहैं ॥ २ ॥ चितवनमैंचितछीनलियोरी अनियारीअनियाँहैं ॥ ३ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँगावतगुणगुणियाँहैं ॥४॥ रागमारू ॥ इंद्रघराँसूंघोडीआई घोडीरोमोलचुकाबोजी ॥ येकुणघोडीरोमोलचुकावें एकुणबखसेदामोजी॥१॥ येकुणघोडीरोआयकपायकयोकुणहै असवारौजी॥ साँणीघोडीराआ-

यकपायककान्हकँवरअसवारौजी ॥ २ ॥ इंद्रघराँसूँघोडीआई घोडीरोरूपबखाणोजी ॥ खुरिखुरतालीकंचनकेरीसुरचाँनेवर जाणोजी ॥३॥ लालल गामजडी कडियालाँहीराजडतपिलाणो जी ॥ झिलमिल२मोतीझलकेजीणबनातीआण्योजी ॥४॥ रतनपदारथमोहरापौयाकेसाँमोतीसार्‍याजी ॥ साजसिंगारसाहणील्यायो घोडीधरत्याँपाँवनधार्‍याजी ॥५॥ रायजाते तब करीनिकासी घोडीकेरेपवनसूँबाताजी ॥ पदमभणैंप्रणमैंपाये लागूँकान्हकँवररँगराताजी ॥६॥ दोहा ॥ नीकासीकेसौंतणी, जाचकमाँगैंदान ॥ रतनजडितकोसेहरो, द्यौऔलग्यानेदान ॥ ॥ १ ॥ राग मारू ॥ करसोला सिणगारकामणीयेकयेकइधकारी ॥ सिरीकृष्णकेसुरमौसार्‍यौ हलधरजूकीनारी ॥ १ ॥ सुरमाँसारभईमुसकानीहमरानेगचुकावो ॥ नवलबनाकीछबिपरवारीचढकुंदनपुरजावो ॥ २ ॥ गोकुलअरुवृंदावनमथुराब्रजकीभूमिलिरावो भावजम्हारेसुरमोसार्‍यो घणीबधाईभरपावो ॥ ३ ॥ काँइजीकरूंथारीमथुरानगरीबातोआप रखाज्यो ॥ लेकरलाडीपरणपधारोपहलीपायलगाज्यो ॥४॥ भेरमृदंगसुबाजाबाज्या रागछतीसूं साजा ॥ कुंदनपुरने करीतयारी चवदाभवनकेराजा ॥ ५ ॥ खडीअपछरानिरत करतौंहंचिरंजिवोयाजोडी ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं आप चढेहरिघोडी ॥ ६ ॥ राग ठुमरी ॥ बनापरमोतीवारूंहे ॥ जोवारूंसोहिथोराबनापर० ॥ टेक ॥ शिरसोनाकोसेहरौ बिराजेमोहनरूपनिहारूँहे ॥ १ ॥ बहनसौदराकरेआरतीप-

लपलप्राणजुवारूँहे ॥ २ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं आगे जनमसुधारूँहे ॥ ३ ॥ दोहा ॥ नीकासीकेसौतणी, जाचक माँगैंदान ॥ रतनजडितकोसेहरौ, द्योऔलग्याँनैंदान ॥ १ ॥ सब जानीजादूचढे, उग्रसेनवसुदेव ॥ रतनजडितहरिसेहरो, मोतियनबूठामेह ॥ २ ॥ डेरादीन्हाँबागमैं, भेलाहुवासबसाथ ॥ रुकमणिसावौसाँकडो, बेगचढोपरभात ॥ ३ ॥ भरेदमामाबाजिया, परीनसाणाँघाय ॥ चढियोत्रिभुवनराजवी, दास पदस बलिजाय ॥ ४ ॥ ब्रह्मादेव पधारिया, हरिसौं पूँछे आय ॥हरजीकहकारजकरो, जानभेलीहोयजाय ॥ ५ ॥ राग मारू ॥ जबब्रह्मानैंघडीरचाईसप्तदिवसकी एकौ ॥ कारजकराँबिहारीकेरौसबीनिजरभरदेखौ ॥ १ ॥ छपनप्रहरको एकदिवसकरब्रह्माघडी लगाई ॥ सुरनरनागदेवद्विजजानीभयेयेखटेआई ॥ २ ॥ थिरभयाचंदसूरथिरहूंवायाविधलख्यो नएकौ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँकरल्योकाजअनेकौ ॥ ३ ॥ राग मारू ॥ धऱ्योध्यानहिरदमैंमाधौं संखपचायणपूरा ॥ तीनलोककेसुरनरमुनिजनजानबालज्यूँलूरा ॥ १ ॥ देवाँरैदलनौबतबाजे दानारादलचूरौ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँ सबमिलमंगलपूरौ ॥ २ ॥ राग मारू ॥ एकब्रह्माकी आईअसवारी दशछौहणदलआया ॥ सुरनरमुनिजनऔरऋषेश्वर देवतणादलछाया ॥ १ ॥ नवौंनाथचौरासीसिद्धांशिवशंकर चढ आया ॥ बलदभींडियेकरीसवारीमुंडमालदलकाया ॥ २ ॥ नउंक्रोडदुर्गाचढिआईधवलागढकीराणी ॥ बावनभैरूँचोस-

ठजोगनलुकडियाअगवाणी ॥ ३ ॥ इंद्रपुरीसूंचढयाइंदरा
जा दलकापाया ॥ बाजाबाजे अंबरगाजे इंद्रतणाँदलआया
॥ ४ ॥ ब्रह्माविष्णुमहेशभणीजेछपनकोटकुलसाखा ॥ टाट-
रटोपजँजीराबगतरसाजभरीसतलाखा ॥ ५ ॥ असीलाखकुं
जरसिणगाऱ्या श्वेतबरसूंडाला ॥ थलकेढालफरूकेनेजा
चालीपरबतमाला ॥ ६ ॥ नवसौसहसानसाणदड्डके सावक
रणबहुछूटा ॥ सहसअठयासीऋषिचढआयानेमनाथलेपूठा
॥ ७ ॥ शंखनादजबबाजनलागे नवसैसहसनगारा ॥ कंद-
नापुरकूँकरीसाखतीपैदलदलअसवारा ॥ ८ ॥ अधकाफौज
सबलशस्त्रादिक सपैंटियाफरवारिया ॥ बारहछौहणलेबलभ-
द्दरहरिपीछेसाँचरिया ॥ ९ ॥ चवदालाखभऱ्याचीणीकाघि-
रतलाखपच्चीसा ॥ चावलमूँगभऱ्यामैदाका करहालाखछ-
तीसा ॥ १० ॥ केइहोदाअरुकेइअंबाडीकेइबैठासुखपाला ॥
कानामोतीझिलकतसोहैंढलकरहीहैंढाला ॥ ११ ॥ कनक
तणीतहनालजडाईघालीघूँघर माला ॥ दलाँ चहूँदिशि
हुईहलाहलतेजीछूटउताला ॥ १२ ॥ सिद्धजोगमेलियोमो-
हौरतहरिबैठारथमाहीं ॥ रतनजडितकोरथजुडवायोराणीरु-
कमणिताईं ॥ १३ ॥ साढीतीनसौछत्रझलक्कैंमेघाडंबरभारी ॥
रवितलदूजाऔरनकोईकृष्णतणीअसवारी ॥ १४ ॥ त्रिभुव-
ननाथ हरषिमनमाहींब्याहनभींवकँवारी ॥ पदमभणैंप्रणमैं
पायेलागूँऐसीजानसँवारा ॥ १५ ॥ दोहा ॥ सबीजानजादु
जुडे, सुरनरमुनिजनमाँह ॥ दिष्टदईसबदेखिके, गणपतदे-

ख्यानाँह ॥१॥ राग मारू ॥ औरजानमें सबही आया गण-
पतजी नहिं आया ॥ गणपतजीकूंबेगबुलावो नारदमुनीपठा-
या ॥ १ ॥ नारदजायकहीगणपतनैं बेगाआपपधारो ॥ पद-
मभणैंनारदयूंबोलैसंकटबिघननिवारौ ॥ २ ॥ राग सोरठ ॥
गणपतआयाहींसरेनवलबिहारीजीरोब्यावगणपत ॥ टेर ॥
धवलागढसुँआवोविनायकदुखदालिहरे ॥ १ ॥ सूँडसुँडा
लौढूँदढुँदालोशिरपरछत्रधरे ॥ २ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं
खालीखासभरे ॥ ३ ॥ दोहा ॥ गणपतिसण्योसँदेशणो, आ-
नँदउरनसम्हाय ॥ मूसालियासिंगारके, चढजानमें आय ॥१॥
॥ राग मारू ॥ गणपतजीनेदेखआवतानारदकहिथेभालो ॥
गणपतजीनेपाछामेलोगढपोल्याँरखवालौ ॥१॥ सूडसुँडालौढूं-
दढुँदालोभोजनघणोअहारी॥ गणपतजीनैपाछामेलौलाजेभीं-
वकँवारी ॥ २ ॥ मोटीपीड्याँलगैंथंबसीमस्तकमोटाकानौ ॥
गणपतजीनैंपाछामेल्हो भूंडीदीखैजानौ ॥ ३ ॥ हलधरकयो
बचनसबसेथेगणपतजीनैंभाखौ ॥ सूनीपुरीसल्हामेंनाहीं गण-
पतजीनैंराखौ ॥ ४ ॥ पीछोजाम्हारागणपतगरवागढपोल्याँ
रुखवारौ ॥ थेम्हारेहलधरकीजागाँ घणोभरोसाथारौ ॥ ५ ॥
यहसुणबचनकृष्णकेगणपतहरषचल्योमनमाहीं ॥ आगेबडी
लड़ाइहोसीजायकरतोकाँइ ॥ ६ ॥ नारदमुनीजनमकोचु-
गल्योजायगणेशसिखायो ॥ लाजाँमरतापाछाकाढ्याकिण-
थानैकोटभोलायो ॥ ७ ॥ कोपकियोगौरीकेनंदन मूसानिया
बुलाई ॥ म्हारीतोपतथेअबराखौहुईघणीहलकाई ॥ ८ ॥ टूटै

धुरीअडै पाचरिया पैदलचणनपावै ॥ खोदमेदनी पोली करद्यौ जदम्हानैजसआवै ॥ ९ ॥ मूसाजायमेदनीखोदीगण-पतआज्ञापाई ॥ पैदलपाँवधरननहिंपावैसबरथपियाथकाई ॥ ॥ १० ॥ टूटैधुरीअडैपाचरियारथाँभडाभडनाथी ॥ घोडा ऊँटगरकसबहोवैंगुडबहलाँऔरहाथी ॥ ११ ॥ जबश्रीकृष्ण कहीहलधरसूंसुनियोसमृथभाई ॥ योतोकरमकियोगणपतनैं गणपतल्यावोमनाई ॥ १२ ॥ मंत्रीजायकही गणपतनैंबेगा जानपधारौ ॥ चालचालम्हारागरवागणपतथाँबिनकृष्णकँ-वारौ ॥ १३ ॥ कृष्णकँवारोम्हारोकाईसारोगढपौर्‍याँ रखवा-रो ॥ म्हेवाँरेहलधरकीजागाँ घणोभरोसोम्हारो ॥ १४ ॥ सब-ही देव शिरोमणशंकरजिनकेपुत्रकहावौ ॥ हलधरकृष्णमना-वणमेल्याअबक्यूँबारलगावो ॥ १५ ॥ म्हेंक्यूँचालाँ म्हाने हलधरमेल्याराखीकाँईबडाई ॥ म्हेतोवाँरेदायन आया सारी जानसराई ॥ १६ ॥ सबपहलाँसिवरणगणपतको पहलीकि-रतकवाई ॥ सबसेआदतुमारी पूजाफिरदेवनकी बडाई ॥ १७ ॥ सूँडसुँडालोढूँददुलालौमस्तकमोटाकानो ॥ म्हाँचाल्याँसब जादूलाजैं भूँडीदीसैजानौ ॥ १८ ॥ मोटी पींडीलगैथामसी भोजनभणाअहारी ॥ म्हारैचाल्याकृष्णलजावै लाजैभींवकँ-वारी ॥ १९ ॥ जायकहोथेहरिहलधरनैंमंत्रीपाछाजावो ॥ म्हाँचाल्याँसबसाथलजावै चढकुंदनपुरधावो ॥ २० ॥ मंत्री आयकृष्णसूंबोल्या गणपततौनहिंआया ॥ पदमभणैंढूँदालो गणपतम्हासूंयूँबतलाया ॥ २१ ॥ राग सोरठ ॥ गणपतआ-

याँराजसरैगो ॥ म्हाँरेनवलबिहारीजीरोब्याव ॥ गणपत० ॥ ॥ १ ॥ थाँचाल्याँसुमंगलहोवैदुखदारिद्रहरैगो ॥ गणपत० ॥ ॥२॥ सूँडसुँडालौदूँददुदालौशिरपरछत्रधरैगो ॥ गण० ॥ ३ ॥ पदमभणैहलधरकरजोडैचाल्यांकाजसरैगो ॥ गण० ॥ ४ ॥ ॥ दोहा ॥ जायगणेशमनविया, पूजाकरीसिंदूर ॥ पर काजाँसमरथ्थहौ, सब बाताँपरपूर ॥ १ ॥ थानेरूस्याँनासरै, सुणगौरीकापूत ॥ मंगलदाताआपहौ, हरिसैंबांधोसूत ॥ २ ॥ राग मारू ॥ सौमणमूँगसवासेमणचावलघिरतनिवैमणल्यावो ॥ इतरारोतौकरूँकलेवोजीमणसंगलेजावो ॥ १ ॥ चावल मूँगघिरततौ इणबिधसौमणलगैमिठाई ॥ इतरोतोम्हेकराँ कलेवौपछैजीमाँपंचमिठाई ॥ २ ॥ सिरीकृष्णरुकमणनेपरणैं म्हाँनैक्यूं लेलारो ॥ बींदबीनणीपरणपधारैं गणपतरहैकवारो ॥ ३ ॥ पहलीब्यावविनायककरसीपीछैऔरबिहावो ॥ बोलैनारदसुणोकृष्णजीगणपतनैंपरणावो ॥ ४ ॥ दोहा ॥ विघनहरणमंगलकरण, सदारहैथिरथाय ॥ सुर तुम करो मनावणे, बैठोरथकेमाँय ॥ १ ॥ राग मारू ॥ परण्यापरण्या जानपधारोम्हैंछूँअकनकँवारो ॥ आगेकामणगारीगावैंलाजै गोतहमारो ॥१॥ थेतोसगलापरण्यापात्यागालकँवाराँनैंगावैं ॥ कहैगणपतीसुणौंकृष्णजीमनैंकालीकुत्तीपरणावैं ॥ २ ॥ हलधरबचनकहैगणपतसूँ क्यूँनहिंजानपधारो ॥ पाछैब्यावहोय श्रीपतकोपहलीहोसीथारो ॥ ३ ॥ बिनभूपालब्यावनहिंकरसूँगणपतबचनसुनायो ॥ जिणघरकन्याहोयकँवारीसोम-

हिपालबतावो ॥४॥ धारानग्रएकपीहोपरावहै तिनसूँन्यावविचारो ॥ येकजकरश्रीपतजीकरचोमंगलचारउचारो ॥ ५ ॥ गणपतमन्यादेखकरपकरचोदूजो हलधरभाई ॥ पदमभणैं प्रणमैंपायेलागूँगणपतरथ बैठाई ॥६॥ दोयमुकामदियाधारामें चवदाभवकेराजा ॥ गणपतजीको टीकादीन्हो बाजनौबत बाजा ॥ ७ ॥ जैजैकारमंगलधुनगावै तांबागलघररावै ॥ तेलबाँनगणपतजीबैठाशोभावरणिनजावै ॥ ८ ॥ पोहोपराव घरआनँदउपज्यो नगरीहरषबधावै ॥ पदम भणैंप्रणमैं पाये लागूंगणपतराबनडागावै ॥ ९ ॥ राग सोरठ ॥ गणपतजीबनडौआयाजी ॥ टेर ॥ मोतियनमालमोतिनकोसेहरोसूरज जोतसवायाजी ॥ गण० ॥ १ ॥ धारानग्रकीसबहीकामण निरखतरूपसवायाजी ॥ गण० ॥ २ ॥ करफरसीमूसेअसवारोचंदनखोलबनायाजी ॥ गण० ॥ ३ ॥ पदमभणैंप्रणमैं पायेलागूंआनँदमंगलगायाजी ॥ गण० ॥ ४ ॥ राग मारू ॥ मंडपहेमतणाराजाकैचँवरीहेमबणाई ॥ रिधसिधसूंगणजोडोकीयोसखियनमंगलगाई ॥ १ ॥ रिधसिधतणाबीदनेदेख्यायेसैंकहैंनरनारी ॥ देखोबिधनारिद्धसिद्धकोबड़ेरूपसूंडारी ॥ २॥ और अंगसपुबण्योपुरुषकोकुंजरकोउणियारो ॥ हलधरकहैसुणोकामणियाँथेकाँईरूपबिसारो ॥ ३ ॥ सबदेवनमैंदेवशिरोमणगणपतनाँवकहावै ॥ श्रीपतिसूँहैरूपअधिकोईशिवकोपुत्र कहावै ॥ ४ ॥ राजापुष्पकहैहलधरसूँ और रूपअधिकाई ॥ अधिकसूंडकुंजरसीदीखैशोभाबर्णिनजाई

॥ ५ ॥ श्रीपणिवचनकहैराजासूंऔररूपबरदाई ॥ रिधसिधनारिबहुतसुखपासीइनकीबहुतबड़ाई ॥ ६ ॥ जबैसहेलैंतोरनबाँध्योकामणिमंगलगाया ॥ कंचनथालभरेमोतियनसें कंचनकलशवँधाया ॥ ७ ॥ केसरअगरकपूरचौपरेसासूआरत्यौल्याई ॥ देखिसूँडजबगणपतजीकीमंदमंदमुसकाई ॥८॥ येहरूपबरण्योनहिंजावैसोंनासूँडबणाई ॥ एकससीमिलचावललीन्हाँ रिधसिधसूँबलाई ॥ ९ ॥ पींडोसरसबाँधचावरकोघूँघटबदनछपाई ॥ चावलहलददईगणपतकेसखियन मंगलगाई ॥ १० ॥ राग सोरठ ॥ येसायेगजराजबनानै कामणकरबाआई ॥ कामणकरबाआईलालजिनेंहरखिनिरखिगुणगाई ॥ टेक ॥ धारानगरकीपाँचसातमिलबकालोडीरोल्याँई ॥ नींबूऔरमेंडफलल्याया कछुककरीचतुराई ॥ १ ॥ काथेपानसुपारीराचे राचेरिधसिधबाई ॥ छपनभोगछत्तीसुँविंजनलूणमिल्याँसरसाई ॥ २ ॥ रिद्धसिद्धकेबलमेंरहसी भूलैनहींभुलाई ॥ डोराकेदसगाँठाँदीन्हीगाढीघणीघुलाई ॥ ॥ ३ ॥ चरखीमौरजुजरबाछूटेबाणहवाई ॥ गजानंदकी याछबिऊपरपदमश्यामबलिजाई ॥ ४ ॥ राग मारू ॥ पांच पदारथधरचाथालमें आरतियोकरवायो ॥ गजानंदजीचँवरचाँआयाँचवऱ्याँचँवरढुयायो ॥ १ ॥ रिधसिधनारिकरैंसितणकारो मनमेंअनँदअपारो ॥ सारीसखियाँयूँउठबोलीफेराकरणपधारो ॥ २ ॥ गजानँदसूँकियोगणजोडो ब्रह्मावेदउचारौ ॥ सुरतेंतीसुँ हरखहुवाहैं बरसत पुष्प अपारौ ॥ ३ ॥

रिद्धसिद्धसूँकियोगणजोडोमेघाडंबरछायो ॥ जैजैकार भयो त्रिभुवनमें सबहीं मंगल गायो ॥४॥ गजानंदजबरिधसिधपरणे जोडबैठाहत्तलेवो ॥ वासुदेवकहैराजासूँहतलेवोरेछुटेवो ॥ ५ ॥ पोहोपराजघरआनंदप्रगटचोमनवांछितफलपायो ॥ रणतभँवरकोदियोपरगनोहतलेवो छुडायो ॥ ६ ॥ रतनपदारथबोहोतहीदिया हतलेवाकेमाही ॥ पाँचपरगनादियाकँवरनैं भलीभाँतिमुकलाई ॥ ७ ॥ बडीबडारभातहीदीन्हासबदेवनकेताईं ॥ सुरतेतीसूँकरीजैंव्हारीछपनकोटपहिराई ॥ ॥ ८ ॥ जैजैकारभयोनरनारीसुरदुंदुभीबजाई ॥ पदमभणैं प्रणमैंपायेलागूंसखियाँगारीगाई ॥ ९ ॥ राग ललित ॥ सुणगणपतजीरेजँवाई ॥ थारेकुणबाबलकुणमाई ॥ टेर ॥ थारी माताराजकँवारी ॥ थारोबाबलभयोख्यारी ॥ १ ॥ थारीभीलणरूपभईमाई ॥ वाः बाबलछलबाआई ॥ २ ॥ शिवमोची बणके आया ॥ थारीमाकै मोचणील्याया ॥ ३ ॥ येसैंपदम भगतगुणगावै ॥ सबसखियनतालबजावै ॥ ४ ॥ राग मारू ॥ परणगजाननरथमैंबैठाहरजीवचनसुनाई ॥ १ ॥ भलीभांत सूँकरिसमठूँणीरिधसिधनै मुकलाई ॥ २ ॥ जैजैकारमंगल धुनगावैतांबागलघरराावै ॥ ३ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूंकृष्णकुंदनपुरआवे ॥ ४ ॥ दोहा ॥ हरियलसूवाबोलियां, हरे अंबकीडार ॥ कुंभकलससाँम्हाहुवा, और मृघांकीडार ॥ १ ॥ (अथ कुंदनपुरकीकथा प्रारंभ) दोहा ॥ सुपनभयाज्यूंरुकमणी, निरखतसुंदरश्याम ॥ जो तुम द्वारकानाथहो, कौनतु-

म्हारोनाम ॥ २ ॥ नामहमाराअनंतहै, पुनिअबिनाशी एक जौन कहैं म्हारे बिरदकूँ, ताकी नायँ डिगणदूं ॥ ३ ॥ राग सोरठ ॥ माईरीम्हेंसुपनामपेंरणीगोपाल ॥ टेर ॥ रैन किबाताँकहाकहूंसजनीसुपनामैंभईहूँनिहाल ॥ १ ॥ जोथाँनैसुपनोआयोबाईजी सुपनोछैआलजंजाल ॥ २ ॥ मोरमुकुटपीतांबरसोहै अरुबैजंतीमाल ॥ ३ ॥ रुचरुचहरिजीकंठ लगाई हाताँछैमहँदीलाल ॥ ४ ॥ छपनकोटयादवजुडआये दुलहोछैनँदजीकोलाल ॥ ५॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं बरपायोरिछपाल ॥ ६॥ रागसोरठको कहरवो ॥ आप्याहैसखिकंचनकिरोडमतीयेपतीजोकुडे ब्राह्मणाँ ॥ टेर ॥ ब्राह्मणहेसखिकिसाडदास हरिदानासूँडररह्या ॥ झेला ॥ दानैंवाँसेंह्योडरतो हरिनसक्योआयरी ॥ केवेसुंदरआभचढगोकेरह्यो अलसायरी ॥ केउनमोह्याकूबरीकैरह्यारंगमेंछायरी ॥ कंचनसीकायसंकलपै करडारूँकूँभंगरी ॥ शंकरआगेसीसमेंलूंरहूं केशवसंगरी ॥ लौडकसोरठा ॥ थारेतोकारणसाँवरा कष्टसयाजघणा ॥ पदमभणैंविट्ठलदलआवै मोमुजफरक्याहेमतणा ॥ १ ॥ रागबिहाग ॥ नाथनहिंआयेरीसजनीम्हेझुरकरहीमघजोयनाथनहिं ॥ टेर ॥ वोद्विजतोमुतलबकोगरजूरह्याकहांई सोय ॥ १ ॥ जोप्रभुजीकहूँनाँयपधारे करहूंकौन उपाय ॥ २ ॥ बाँचकेपतियाँमेलहदईरी केजुगयेबिसराय ॥ ॥ ३ ॥ पदमकेस्वामीबेगनमिलिहैं हंससहीउडजाय ॥ ४ ॥ राग खट ॥ कोइजीकहोम्हारेनाथनैंजी थारीनारनिहारेवाट

॥ टेक ॥ भाईरुकमबुलायोडाहलनैं आयोलैदलथाट ॥ १ ॥
तीनदिहाणाद्विजकूंबीता कीन्हींढीलनिराट ॥ २ ॥ मायसि-
सपालस्यालसोदीखेकरतकलेजैकाट ॥ ३ ॥ नाथबिनाँम्हें
बिपभखमरिहूँ औरनहींकोइघाट ॥ ४ ॥ छिनछिनमोकोंक-
लनपडतहैपलनीचैपलखाट ॥ ५ ॥ पदमकेस्वामीजबहींप-
धारैंतबहींमिटेऔचाट ॥६॥ राग सोरठ ॥ अजहुँनआयेस-
खीपूछ्योनसँदेस ॥ टेक ॥ करुणाकरुंहीरमारगआवे फुर-
कतभुजबामेस ॥ १ ॥ केतोब्राह्मणपूगोनाहीं योहीमोयअँ-
देस ॥ २ ॥ ओछेजलकी माछलीज्यूँरहीजीवअवसेस ॥ ३ ॥
पदमकहैयूँभणैंरुकमणीआज्योम्हारेदेस ॥ ४ ॥ राग सोरठ
कीदेस ॥ म्हारोअवगुणकरकरमानो ॥ प्रभुपूरबप्रीतपिछानो॥
टेर ॥ म्हेतोदासीजनमजनमकीऔरतरहमतजानो ॥१॥ पदम
भणैंरुकमणकीविनतीबेगोकरोपयानो ॥२॥ दोहा ॥ हींणीभई
विसंभराँ देखोबातविचार ॥ अबकीबेरनआवोप्रभुता, क्यूँ
सिरजीकरतार ॥ १ ॥ त्रासआसभारीलगी, कदपरणैंकर-
तार ॥ पलकपलकसमजातहूँ, आतुरमिलोबिचार ॥२॥ कर-
सण सूकबिरखाभई, अमृतबरस्यानीर ॥ मीनमरेसागरभरे,
कोणकाजबलबीर ॥ ३ ॥ बिहेअगनहिरदाजले, जलेधरण
आकास ॥ सीलसमुद्रजुआनके,हरिबेगबुझावोत्रास ॥ ४ ॥
आँखडियाँमँदजोवतां, पंथिनहारनिहार ॥ जीभडल्याँछाला
पड्या, कृष्णपुकारपुकार ॥५॥ हिरदाफाटेपंकज्यूँ, छिनछिन
लेतउसाँस ॥ पदमइयोंस्वामीभणैं, अबपूरोप्रभुआस ॥ ६ ॥

रागसोरठ ॥ थाँनैंपूछुँपंडितजोसीम्हारेनाथमिलणकदहोसी ॥ टेर ॥ जोसीजीम्हाराभाई ॥ म्हाँनैंपतडोबाँचसुणाई ॥ म्हैंपतडोपूजूँथारो ॥ थे कारजसारौम्हारो ॥ १ ॥ जोसीकहै सुणौरीबाई ॥ म्हैंतोसाँचहिसाँचबताई ॥ हरजीनेबेगमिलावाँ ॥ कछुआनंदबधाईपावाँ ॥ २ ॥ पदमइयाब्राह्मनजारे हरजीकीबाटनिहारे ॥ उडउडरेहरियलसूवा ॥ प्रभुजीनैबहुदिनहूवा ॥ ३॥ राग सोरठ ॥ म्हाराहरियलबनकासुवटाथाँनैकृष्णमिलैतौकहजोरे ॥ टेर ॥ चूँचमढाऊँथारिसावना तू जायसँदेसोदेज्योरे ॥ १ ॥ रतनजडवाँपींजरोम्हारेहिरदामाहींरहज्योरे ॥ २॥ मोतियनचनचूगावस्याँ थे पाछाआकरकैजोरे ॥ ३ ॥ पदमश्यामफिरदेवोसँदेसौतौलाख बधाईलेज्योरे ॥ ४ ॥ राजाभींवउवाच ॥ राग मारु ॥ राजाभींव करेअंदेसोहरिजीक्यूँनहिंआया ॥ महाकुपात्रकँवररुकमइयौडाहलकौकबुलाया ॥ १ ॥ तुमअंतर्यामीयादवपतिमेरामनकीजाणौं ॥ विरधापनकीलाजदयानिधिनेकदयाचितआणौं॥२॥ हँसिसीलोगबिरदतुमरेकोजासीवचनहमारों ॥ जोडाहलरुकमणनैंपरणैंमरस्याँखायकटारों ॥३॥ रुकमणिप्राणतजैनीप्रभुजी यहनिश्चयकरजाणो ॥ म्हैंभीप्राणपलकनहिंराखुँ तातैंघणीनताणो ॥ ४ ॥ यहममवचनप्रतिग्यामेरीहरिआयाँजलपीस्याँ ॥ नहितरश्वासखैंचतजदेही एकपलकनहिंजीस्याँ ॥ ५ ॥ तबआकाशवाणीप्रभुबोलै भींवजेजमतजाणो ॥ पदमभगतशिवकर्णकहतहरिकीयोआजपयाणो ॥६॥ दोहा॥

वाणीश्रवणआकाससुण, हरख्योभूपतिभींव ॥ ज्यूंगरजनसुण
मेघकी, मृत्युदादुरसंजींव ॥ १ ॥ हरषीबाईरुकमणी, सबस-
खियनकोसाथ ॥ भयोबधावोभवनमें, आवेंगेब्रजनाथ ॥ २ ॥
रुकमणिकरेबिसूरणा, श्यामपहूंताधाय ॥ कुंदनपुरइचरजभ-
यो, जानदूसरी आय ॥ ३ ॥ राग सोरठकी ठुमरी ॥ आयो
आयोरेसाँवरियोरुकमणकारणे ॥ टेर ॥ नृपभीषमकेबातच-
लाई ॥ शठरुकमइयेकुबदकमाई ॥ चीरीभेजबुलायोडाहल
वारणे ॥ होआयो० ॥१॥ डाहलदेखनगरिहरषाई ॥ जदरुक-
मणिमनमेंदुखपाई ॥ लीन्हींकाढकटारीमरबाकारणे ॥ होआ-
यो० ॥ २ ॥ रुकमणचीरीबेगलिखाई ॥ द्विजहरियाके हात
पठाई ॥ बाँचलकृष्णपधाऱ्याअसुरसँघारणे ॥ होआयो० ॥
॥३॥ दासपदमस्वामीइधकारी ॥ मारअसुरदुखमेटोभारी ॥
लोकलाजसेंसाथीगिरवरधारणे ॥ होआयो० ॥ ४ ॥ राग
सोरठ ॥ द्विजकूँअपनेरथबैठाये ॥ हरिरथसाजि कुंदनपुर-
धाये ॥ टेर ॥ बोहोसेन्याँजादूकुलल्याये ॥ पीछेतेंहलधरजी
आये ॥ १ ॥ निरखतमगनभयेनरनारी ॥ देहधरेकोयहफ-
लपाये ॥ २ ॥ संकभईडाहलकुलमाहीं ॥ जुडभूपमिलसभा
भराये ॥ ३ ॥ गहिद्विजभुजहँसिकेयदुराई ॥ मधुरबैनमुखसूंफर
माये ॥ ४ ॥ कहोक्यूँनअबउनसेजाई ॥ तुमकूंलेनहकूंपठाये
॥ ५ ॥ करप्रणामद्विजउतरयोआई ॥ अतिआनँदउरमाहिं
समाये ॥ ६ ॥ दासपदमपलपलबलजाई ॥ हरिके गुणमधुरे
स्वरगाये ॥ ७ ॥ राग मारू ॥ करप्रणामद्विजरथतेउतरयोगव-

नभवनकोकीनों ॥ शीसनिवायचरणगहबोलीकहाँकृष्णरँ
भीनों ॥ १ ॥ कहद्विजराजसुणोरीबाई तेरेमनकाकारजसा
रे ॥ त्रिभुवनपतिकोसँगलेआयोवहव्रजराजपधारे ॥ २ ॥
आवनसुनीश्रवणमाधवकीसुधापेटभरपीन्हा ॥ पदमभणैंप्रण
मैंपायेलागूंप्राणदानद्विजदीन्हा ॥ ३ ॥ दोहा ॥ सुनें वचन
द्विजराजके, अतिहरषीमनमाँय ॥ कहाबधाईदेहुँद्विज, देवेकूं
कछुनाँय ॥ १ ॥ राग मारू ॥ सँगल्या मेरे प्राणप्रियाकूं
त्रिभुवनकेपतिको ॥ योऋुणतेरोकबहुँनउतरेधारूंजनमअने
को ॥ १ ॥ तनअरप्योश्रीकृष्णचन्द्रकूंचितमनचरणामाहीं ॥
योसिणगारदेऊँतोथोडो भक्तिबढोजगमाहीं ॥ २ ॥ येसेंकह
बहुरतनपदारथदीन्हौदानघणेरौ ॥ पदमकहैरुकमणवरदी
न्हों कोउजाचैनाकुलतेरो ॥ ३ ॥ दोहा ॥ तुमबोहेरेसबजग
तके, किनहुनजाचौबीर॥ जोजाचोतोरुकमणी, केजाचोबल
बीर ॥१॥ हरिषिचलेद्विजदानले, चलणनसक्कैभार ॥ पीछे
मुडमुडकहतहैं, बाइअंबका बेगपधार ॥ २ ॥ राग ठुमरी ॥
आजअबखुसीभईरुकमणबाई ॥ टेक ॥ नेमधरमतपसुफल
भयेसबआजमहाआनँदन्हाई ॥ १ ॥ सँगकिसहेलीपूछेहेली
आजकहाइतराई ॥ २ ॥ औरदिनामुखसेनहिंबोलौ आजतौ
बाँटौरेसबधाई ॥ ३ ॥ मेरेतौआनंदभोसखिघरआयेयदुराइ
॥ ४ ॥ पूरबदेशचंदेरिकोराजादेखतही उठजाई ॥ ५ ॥ इंद
कोपकियोब्रजऊपरघोरघटाचढिआई ॥ ६ ॥ प्रभुनखऊप
गिरवरधारचो डूबत बिरजबचाई ॥ ७ ॥ हिये हुलासत

हरषमनखुशीआनमिले यदुराई ॥ ८ ॥ दास पदमपर
किरपाकीन्हींराखौकेशरणाई ॥९॥ राग मल्लार ॥ कृष्णकुंदन-
पुरआयेरी ॥ टेक ॥ उमंगेदलबालचहुँदिशितैं गोविदगुरु
डलेधायेरी ॥ १ ॥ नान्हींनान्हीबुँदियाँपरतभवनपैहरेबादल
छायेरी ॥ २ ॥ मातेगजगरजतगोविंदकेसुनदानवसकुचा-
येरी ॥ ३ ॥ शौचपड्योसिसपालतणेंदलकवरकमलबिलखा-
येरी ॥४॥ बाईरुकमणिअतिमतबाढ्योफूलीउरनसम्हायेरी ॥
॥ ५ ॥ दादुरमोरपपइयाबोलैकोयलशब्दसुनायेरी ॥ ६ ॥
सूबासारभवनमेंबोलेमोतियनचौकपुरायेरी ॥ ७ ॥ दासपद-
मथारोबिरदबखानैमनइच्छाफलपायेरी ॥ ८ ॥ दोहा ॥ हर-
ख्योविप्रचूडामणी, कृष्णतणीदलल्याय ॥ भींवरायश्रवणासु-
णी, आनँदउरनसम्हाय ॥ १ ॥ राग मारू ॥ ऊठ्योरावपहरि
पीतांबर बोलजबोल्याचंगा ॥ अडसठतीरथघरहीमाहीं
आलसियाँनेगंगा ॥ १ ॥ हरिहरजोसीकहीरायसैबोलैभींव
इमवाणी ॥ जोतुमद्वारावतीपधारेकहोकृष्णसहनाणी ॥ २ ॥
मोरमुकुटपीतांबरसोहैहरिहेचित्तबिनाणी ॥ च्यारहिंभुजा-
च्यारहीआयुध कौस्तुभमणिसहनाणी ॥ ३ ॥ हरख्योभींव-
रायश्रवणासुण सांचवचनपरमाणी ॥ पदमभणैंप्रणमयपाये
लागूंबातसांचजबजाणी ॥ ४ ॥ राग मारू ॥ बिसकरमानैं
आग्यादीन्हींमंदरअधरछवाया ॥ इकीसजोजनधरतीसेती
तंबूडा ढलकाया ॥ १ ॥ ऐरावतकूंआग्यादीन्हींचेटकएकदि-
खावौ ॥ सिरीकृष्णकी आग्यालेकर गहरीलीदछँगावौ ॥२॥

सुनतवचनऐरावतजबही गहरीलीदछँगाई ॥ जरासिन्धक
तंबूटूटग्यादलमेंपडी भगाई ॥ ३ ॥ जीतैनहिंसिसपालहारसीं
जादूकरेंजुहारी ॥ सोसोबचनकह्यादंतराणीसौसौहोसी
सारौ ॥ ४ ॥ बरजतबांधसेहरोआयो शठनाकियो बिचार
पदमभणेंडाहलअभिमानी रहसिसपालकँवारा ॥ ५ ॥ राग
मारू ॥ संक्याहुईनगरमैसारै आया कृष्णमुरारी ॥ जरासि
धसिसपालभूपसबमिलकेकरौबिचारी ॥ १ ॥ आयोबिनाबु
लायोग्वाल्यो करेब्यावमेंख्वाँरी ॥ बिघनपडेबिनरहेनको
योहैंकुबदीभारी ॥ २ ॥ रोसभरयोरुकमइयोबोल्योथेक्यूंडर
पौराई ॥ अरबखरबलाखाँधनखरचूँ जंगीढोलघुराई ॥ ३
रुकमणिजुगतभलीपरणाऊँचन्देरीपाहोंचाऊँ ॥ पदमभगत
रुकमालभणेंछे आनँदमंगलगाऊं ॥४॥ राग धमाल ॥ कर
निथालौडीरोचावकँवरजी ॥ टेक ॥ बडेबडेराजायूँउठब
ल्याब्यावतणेंबिवहार ॥ १ ॥ रुकमइयेसिसपालबुलाय
कोप्याकृष्णमुरार ॥ २ ॥ उणतोसाजकरीसाम्हेलैलीदपर
मुखछार ॥ ३ ॥ हेवरगाज्याकृष्णतणाँदलब्राह्मणल्यायोछैगो
पाल ॥ ४ ॥ बाजाबाजैंअंबरगाजै जबकंप्यासिसपाल ॥ ५
कोप्योतीनभवनरोनायक वरखीलीदअपार ॥ ६ ॥ राज
भींव घर बँटत बधाई रुकमणिकरेसिंगार ॥७॥ म्हेतोजादूकृ
ष्णबुलायोरुकमइयेसिसपाल ॥ ८ ॥ पदमभणेंप्रणमैंपा
लागूंआयोजादूचाल ॥ ९ ॥ दोहा ॥ कुंदनपुरबिसटाल
फिरे, करसाँकोनबिचार ॥ हरिऔरदानव भिडयां, होसी

जुद्धअपार ॥ १ ॥ राग मारू ॥ राजाभींवपचौलीकोंक्याबे-
गहजूरबुलाया ॥ अवलजरीसिरपाँवमँगायापंचौल्याँपहराया
॥ १ ॥ कहैरावजीसुणोपंचौल्याँसिसपालेढिगजावौ ॥ डाह-
लनैंतोपाछौफेरौरुकमणिकृष्णविहावौ ॥ २ ॥ कहैपंचौला
सुणमहराजा पाछाकिणबिधचालैं ॥ जरासिंधजोरावरराजा
आयुधइधकाझालैं ॥ ३ ॥ फौजासिरैफौजकालाडा सेल
साँनअतिभारी ॥ जरासिंधजोरावरराजाजुधकीकरैतयारी
॥ ४ ॥ चढकरसाँणबाढअतिदीयाभालाँअणींकढाई ॥ जंग
जरूरलेहिंसिसपालौघुडलाँकरैचढाई ॥ ५ ॥ कहैंभींवजीसु
णौंपँचौल्याँथेकाँइभोलेभूला ॥ अबकेजीवतजाणनँदेलाको
प्यारीकृष्णजीदूला ॥ ६ ॥ पाँचपँचौलीमतोउपायोसिसपालै
बतलावाँ ॥ कुंदनपुरकीराडमिटैतो अपाँइँभलाकहावाँ ॥ ७ ॥
पाँचपँचौलीहुवायेखटामिलकेमतोउपायो ॥ आगे जायकँ-
वँरयूँबोल्यो कृष्णगवाल्योआयो ॥ ८ ॥ म्हेतोउणरौनाँवन
जाँणानाँम्हेकछूबुलायो ॥ भागौफिरैग्वालगोकुलको बिनको-
क्यौंहीआयो ॥ ९ ॥ योतोअपणींकरैबराबरजुधकेसाम्हैआ-
यो ॥ टेकचढचौरुकमणपरणाउँतोभीषमकोजायो ॥ १० ॥
कहसिसपालोसुणोकँवरजीनोकाँआपबिचारो ॥ भारतजोड
ग्वालियोआयोहैकहोकोनबिचारो ॥ ११ ॥ भणैंकँवरजीसु-
णोसिसपालाइणरोकाईंबिचारी ॥ भारतकियाँग्वालियाजी-
तैंपीछैराडहमारी ॥ १२ ॥ सिसपालासूँकँवररुकमइयागु-
झसेगहबतलाया ॥ फिरताँरुकमकँवरकैसाथै डौडचांतोडी

आया ॥ १३ ॥ कँवरमुडद्योपंचौलीआया भीतरभेदजणा-
या ॥ १४ ॥ आदरभावबहोतसो कीयोअपणेढिगबैठाया ॥
राजाभींवतणींकहौबातां काँईसंदेसोल्यायाया ॥ १५ ॥ बिसटा-
लूजबयेसैंबोल्यासुणसिसपालाराजा ॥ रामरूपहोयआगेपर-
ण्यासागरबाँधीपाजा ॥ १६ ॥ वोईछैजुओरमतजाणोंतौं
किस्योकसूझै ॥ कुंभकरणमहरावणमारयाक्यौनबडाँनैबूझै
॥ १७ ॥ म्हेसिसपालबडाकाँईबूझाँ सतरेबारभगायो ॥ अब
थाऊभाँपकडमँगाऊँतोदम्मघोषकोजायो ॥ १८ ॥ कहैंपंचौ-
लीसुणोंसिसपाला क्यानैंपांणदिखावै ॥ वहतौगिगनमंडल
दियोडेरातूंक्यूंजानमरावै ॥ १९ ॥ कहसिसपालसुणोपंचौ-
ल्यांजानजीवसूंमारो ॥ म्हेराजकँवारिपरणीजनआयाथेमत
औरबिचारो ॥ २० ॥ थेईऊँचाडेराकरल्योतौम्हेथांमैंजाणाँ ॥
दुरलभगवनजींवतोजाणौंकाँईघणौबखाणाँ ॥ २१ ॥ पिचा-
णबेखौहणकौ पाँणदिखावैकाँईहरकेघोडाथोडा ॥ मारयाँ
मरयाँभलानहिंकहसीटल्याँनहोवैल्होडा ॥ २२ ॥ म्हेक्यूँटलाँ
जोरावर जोधाटलसीकान्हगवाल्यो ॥ माखणचोरपराय
खायारावमांहींटाल्यो ॥ २३ ॥ कहैपँचौलीसुणसिसपाल
काँईनिसातूँआयो ॥ म्हेतौथारोनावनजाणाँससेभाटबुला-
यो ॥ २४ ॥ तबसिसपालोकुमनौंबोल्यो करताकरेसुहोसी ॥
अबजोम्हैंफिरजाऊँपाछौदेसदोसमोयदेसी ॥ २५ ॥ थेतौ
जाणौंमिटैलडाईयातोइसीलखावै ॥ नंदकँवरगिरधरबरऊपर
पदमभक्तबलिजावै ॥ २६ ॥ दोहा ॥ पंचौलीसबमुडचले,

भींवरायढिगआया ॥ योतोएकनमानहीं, करहोकोटिउपाय॥
॥ १ ॥ रुकमनीवाक्य ॥ राग सोरठ ॥ योतोबररूडौहैम्हारी
माय ॥ टेक ॥ तुमजौकहतीगऊचरावैग्वालनकेसँगजाय॥१॥
शिवसनकादिकअरुब्रह्मादिकसीसनिवावैंताय ॥ २ ॥ अब
लागतौकछुबिगड्योनाहींडाहलद्योफिरवाय ॥ ३॥ पद्मस्या-
ममोहियेहिअँदेसोसबदलदेगो खपाय ॥ ४ ॥ दोहा ॥
सिसपालैमतौउपावियो, दूत्यांलिखीबुलाय ॥ कँवरिप्रमो-
दौ भींवकी, येसो करो उपाय ॥ १ ॥ राग सोरठ ॥
सिसपालैदूतीबुलायकै लीन्हीनिकटबैठाय ॥ टेक ॥ कह
सिसपालसुणोहेदूत्याँ थेकुन्दनपुर जावौरी ॥ भींककँवरि
राजीनहिंम्हाँसूँजिनकूंजायमनावौरी ॥ १ ॥ दूत्यांकहैसुणौं
महराजाम्हांकागुणबतलावाँजी ॥ अम्बरताराधरतील्यावाँ
फिरअंबरधरआवाँजी ॥ २ ॥ जेवडियांकासरपवनावांफिर
जेवडियांदिखलावाँजी ॥ सूकीनदियां ॥ पूरबहावाँपटपरनाँव
चलावाँजी ॥ ३ ॥ हत्तेलीमैंसरसूंबावां नखपरछिमकजिमा-
वाँजी ॥ टाटीऊपरहोलाभूनांकडवेतेलबुझावाँजी ॥४॥ दूत्याँ
कहैसुणौंमहराजहुकमराजरोपावाँजी ॥ अपणेंचढणका
रथ्यदिवावौबैठकुंदनपुरजावाँजी ॥ ५ ॥ कहसिसपालसुणौं
येदूत्याँथेराजीकरआवौजी ॥ तौथाँनैंम्हेदेवाबँधाईपाँचपर-
गनापावौजी ॥ ६ ॥ अपणेंचढणकारथ्थदिवायाबाँणकबणीं
नवेलीजी ॥ पदमदूतीकाहुवानँगारालीन्हीसंगसहेलीजी ॥
॥ ७ ॥ राग मारू ॥ पाँचलाखकोदूत्याँपहरयौसातलाखकौ

लीयो ॥ भीवँकँवरिराजीकरआवाँदेखौम्हारोकीयो ॥ १ ॥
सबपुरबकाराजाबैठापासजरासिंधराई ॥ भरभरमूठीद्रव्यलु-
टावैरावरिकरतबडाई ॥ २ ॥ जबदूतीकुंदनपुरआवै रुकमणि
सैंबतलावै ॥ घमघमकरतीमहलाचढगइचरणाँसीसनि-
वावै ॥ ३ ॥ गहणोमेलहरकरीबीनतीजाँणअपछराआई ॥
रंभारूपदेखदूत्याँको राजकँवरिमुसकाई ॥ ४ ॥ धिनधिनहो
पूरबकाराजाधिनथेरुकमणिबाई ॥ धिनवोबंधूचतुरुकमइ-
योयेसीजानबुलाई ॥ ५ ॥ गहणोंमेंलरपायेंलागीकीन्हीविन-
यघणेरी ॥ सिसपालसरीखौबींदनदजौम्हारेसरीसीचेरी ॥६॥
सवाक्रोडधरतीकोराजा उणरेधरतीथोडी ॥ गहणोंपहरोराज
भोगवौबणिहैविधिनाँजोडी ॥ ७ ॥ बाईथेम्हासूँबोलोक्योनी
मुखडेबैणनभाखौ ॥ गहणौपहरौराजभोगवोपतभाईकीराखौ
॥ ८ ॥ भाईभलौभलानैंल्यायौ थाँनैहोसींलावौ ॥ गहणौल
औरकेघालौ औरकँवरिपरणावौ ॥ ९ ॥ औरकँवरिवोपरणैंना-
हींयेसीऔरनकाई ॥ निरखतरूपरावनहिंरीझेरंभाराजबताई ॥
॥ १० ॥ रंभाघडीइंद्रराजाकैंवहआवेतौल्यावौ ॥ हूँ अरधंग्य
हरिकीदासी थेक्यूंलोगहँसवौ ॥ ११ ॥ हँससीलोगलडाइ
होसीवोवानैंकदपूजै ॥ कांकणबाँकृष्णचढिआयापरतलडा
सूझै ॥ १२ ॥ जनमजनमकोनाथसांवरोश्यामसुंदररंगभी-
नों ॥ अबजावोबकवादकरोमतम्हैंथाँनैउत्तरदीन्हों ॥१३॥ यो
सिसपालचंदेरीकोराजामोत्याँबिचमेंहीरो ॥ थनेकाईबुरा
सूझीपरखल्यायौथारोबीरो ॥ १४ ॥ क्रोधवंतजबभईरुकमणी

ईकोइहाजरचेरी ॥ द्यौबाँसाँकीवेगउटावौकीज्योसझाघणेरी ॥
॥ १५ ॥ चेरयाहुकमसुण्यौबाईकोमहलाँनालगुडाई टूटादांत
मौगनाफूटाजबदूत्याँगरलाई ॥ १६ ॥ फाटाबसनगिरयासब
गहणाँलुकतीछिपतीआई ॥ आवतदूत्याँसबहीजाणीजावत
कोईनलखाई ॥ १७ ॥ रावजरासिंधपूछणलागा काँइकाँइ-
बिवरा ल्याई ॥ पानतँबोलकरीमनुहारीसुखमेंघणीलल ई ॥
॥ १८ ॥ म्हेंपावाँपडकरीबीनती प्रगटकहीकहिछानै ॥ कंचन
कोडसुमेरदिखावो वानहिंपरणेथानै ॥ १९ ॥ आतुरहोयसिस-
पालोबोल्योउतरीकरीबडाई ॥ बिसटालोथारोसोभरपायो
गहणोगमायघरआई ॥२०॥ गहणौंभलौजीवतीआई म्हेम्हा-
रिकीनीपाई ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूंदूत्याँटाँटकुटाई॥२१॥
राग मारू ॥ रोसभरयो अरु बलकर बोल्यो रूपकँवरिके-
बीध्यौ ॥ सोचकरेअरुमनमेंकलपै ज्यूंलकडीघुडबींध्यौ ॥१॥
टोहोसिसपालोबोल्योपकडकँवरिनैल्यावौ ॥ जैकोइथाँरे-
आडोदेवै जिणनैं मारहटावौ ॥ २ ॥ पाँचलाख असवारक-
रका वहतोआपाँमाँहीं ॥ भींवरावकोआडौआवैतौबासां-
मारउडाइ ॥ ३ ॥ इतनोवचनसुण्योरुकमइयेयेसोमतोउपा-
यो ॥ जमींदौचकरद्यूंभिडवाल्यां तौभीषमकोजायो ॥ ४ ॥
लिखतांलगनकँवरनहिंपूछीटीकोमतैपठायो ॥ पदमभणैंडा-
हलअभिमानी येसैंकहबतलायो ॥ ५ ॥ अबरुकमणीनैंसम-
झावै ॥ राग मारू ॥ काजलघालोमहँदेल्यावो कंकनहातबँ-
धाई ॥ तेलफुलेलउबटणोल्यावोयूँसमझावैमाई ॥ १ ॥ यूंस-

मझावैमायरुकमणीकह्योहमारोकीजे ॥ जिणकीकन्याकुलते-
धीटीजिनकोकौनपतीजे ॥ २ ॥ राणींभणैअंबिकापूजणबाई
जातकँवारी ॥ अपणेकुलकीरीतिपरापरी सावाँहोतअँवारी ॥
॥ ३ ॥ पूगोहुकमनगरकेमाहींसखियनसहसबुलाई ॥ खबर
गईचहुँओरअंबिकाजातरुकमणीबाई ॥ ४ ॥ छन्द ॥ ॥
भवनभवनतेकामणआईचलीमंगलगावती ॥ हारडोरगलप-
हरसुंदरदीखेसकलमनभावती ॥ १ ॥ केसरअगरकपूरछिर-
केचदनचौकपुराइये ॥ बरदेदेवीअंबिकामोहिंकृष्णसोवरप-
इये ॥ २ ॥ रागजंगलो ॥ सबसखीसहेल्यांप्यारी ॥ रुकम-
णकूंबोहोतासंगारी ॥ टेक ॥ सिरसीसफूलगुँथदीया ॥ छिब-
भांणकीसीलीया ॥ मस्तकपैआडभारी ॥ छबिदेखकेबलिहारी
॥ १ ॥ मींढीमेंअंबलीडारी ॥ मानूंनागनीसीकारी ॥ माथे
जोबिंदलोसोहै ॥ जानुंचंदसौमनमोहै ॥ २ ॥ नैननमेंसुरमौ
सारचौ ॥ भूहेंमानूँधनससुधारचौ ॥ नकबेसरीजनुसोहै ॥
छबिदेखिकेमनमोहै ॥ ३ ॥ जरकसीलहँगोपहरचौ ॥ ओ-
ढयोजरकसीलहरचो ॥ जामेंहीरामोतीजरिया ॥ रविकोट
छविकूँहरिया ॥ ४ ॥ करफूलसोहैभारी ॥ जुलप्यांजुनाग
नकारी ॥ रविरातकीछबिहारी ॥ इतचंदकीउजियारी ॥ ५ ॥
कंचनकंचुकीपाटी ॥ छबिदामिनीकीदाटी ॥ बरनैकवीकहो
कैसें ॥ रुकमणसिंगारीयेसें ॥ ६ ॥ गलहीरहारजुभारी ॥
जावेपदमभगतबलिहारी ॥ ७ ॥ राग जंगलो ॥ जावोजावो
सहेल्यां मोरी देवीजीनेंपूजआवोरी ॥ टेक ॥ देवीजीके

रसणजावो ॥ सबसखियानैंकौकबुलावो ॥ गावोभामनीस-
गीता ॥ सखिआजम्हेजगजीता ॥ १ ॥ मोतियनसैंथाल
ाज्यौ ॥ रविचंदसेछबिछाज्यौ ॥ छबिअंतसबही सोहै ॥
जाकूँवर्णनकरकविकोहै ॥ २ ॥ जुरेगजरथताजीथाटा ॥
छबिछायोराजबाटा ॥ मानुंफूलीफूलनक्यारी ॥ भईदेवीपु-
जवाकीत्यारी ॥ ३ ॥ राग चरचरी ॥ कँवरिअंबिकाजा-
सी ॥ बाईजीकँवरिअंबिकाजासी ॥ टेक ॥ सोलासहस-
सखियनकेझुमकेगजगतचालचलासी ॥ १ ॥ सोलाकला
चंद्रमाऊगोमानूँइंद्रघटासी ॥ २ ॥ झलकेंचीरविविधसखिय-
नकेफूलरहीबनरासी ॥ ३ ॥ नवलखतारांबीचरुकमणीपूरण
चंद्रछटासी ॥ ४ ॥ छौहणपांचचढौपाखरियाजरासिंधयूँभा-
सी ॥५॥ काल्योग्वालझपटलेजासीकुलकूँकाटलगासी ॥६॥
जबसिसपालौसुभटबुलायाबेगचढौबनरासी ॥ ७ ॥ ग्वाल्यो
कुबदकरेइणअवसरफिरपीछेपछतासी ॥ ८ ॥ रुकमणिअर-
जकरेअंबेसूँहूँगिरधरकीदासी ॥ ९ ॥ पदमश्यामसुखदायक
नायक बरपाँऊँअविनासी ॥ १० ॥ राग दंडक ॥ अंबिका
पूजनकँवरीचाली ॥ टेक ॥ उमाकोभेटपकवानश्रीफललियाँ
बस्त्रभरमंतियाँसाझथाली ॥ १ ॥ भवनकीपौरपरआयठाढी
भईजारलखसँगलियाँसघरआली ॥ २ ॥ चहूँदिसझाँकती
अगरनेंचालतीचतुरबरनारिपियापंथहाली ॥ ३ ॥ भामन्याँ
मैंमिलीदामनीसीदिपैकोटिकन्दर्पदुतिदेखिलाजे ॥४॥ मंग-
लाचारउच्चारकरसहचरीभेरिअरुतूरनीसाँणबाजे ॥ ५ ॥

मिलीद्विजनारिगुणगारिपुरनारिजुथहरखउच्छाहमनमाहिं भारी ॥ ६ ॥ आपनेधामतेनिखसआवतभईकँवरिकेसंगकीकरतयारी ॥ ७ ॥ सुवाकेचंचुसीनासिकापेखियेइन्द्रअहरापतिचालचोरी ॥ ८॥ लेटणीनागणीभणजियेऔपमाँकेहरीलंककटिलायगोरी ॥ ९ ॥ सिरीफलसारिखाउरजाहिवडेलसीसाँबनीकंचुकीचीरझीणें ॥ १० ॥ केसमोतीझलकमाँगकूँकूँभरीभालपरसोहतीदीपवीणें ॥ ११ ॥ पाँवकीआगलीबीछियाबाजडाँ मुरचियानैंवरचांनादभारी ॥ १२ ॥ पहरपट्टोलणीहीरकीचौलणीनारकेलौयणाँमृघहारी ॥ १३ ॥ रतनमणिराखडीवेणीबासकलडी बाँहराँभुजवराँलंकलेले ॥ १४ ॥ दूजकोचन्द्रमाँमुख्खपरपेखियेचलैविरअंगनासँगतमेले ॥ १५ ॥ आयजबरुकमणीद्वारपरठाढीभईअसुरसिसपालपठियेअफूटा ॥ १६ ॥ कृष्णपगधारके जुगलजोडीबडीपदमकेस्वामिकूंनाथतूटा ॥ ॥ १७ ॥ रागबरवो तालठुमरी ॥ देवीजीनैंपूजवाचलीराजाभीषमजीरीलली ॥टेक॥ औरसखीगुलाबकीहोरुकमणिचंपाकीकली ॥१॥ चोवाचंदनअगरअरगजाहोछिडकतअलीगली ॥ पदमइयोस्वामीभणेहौअसरनरौकिगली ॥२॥ रागधनाश्री ॥ अरेरथहाँकदेरेभाई ॥ टेक ॥ कियासिंगाररथ्यजाथबैठीसुरजकिरणसवाई ॥ जिततितचितवैरुकमणीभूपगिरदहोयजाई ॥ ॥ १ ॥ नैनबांनतीखालगैंघावकोऊकेनाहीं ॥ पदमकहैरुकमणिबडभागणदुरगापूजनजाहीं ॥ २ ॥ लावनी ॥ बाईरुकमणिराजकँवरिअंबापूजणचलिसंगसखिनके ॥ टेक ॥ बर

बालकउम्मरबालनरमतनचंचलपरमहठीली ॥ वरकंचनकी
सीबलसूरतमनमोहनघनगरबीली ॥ नमदुलिहनभेषसँवार
भालबिंदीकुललाजलजीली ॥ करकंचनथालविशालजटित
मणिअणिमादिकचरचीली ॥ झेला ॥ सोगुनरतिरूपरंगी-
लीचखचितमनअतिचटकीली ॥ अंजनअनूपमृगमीनमधु-
पगंजनइवमदसबहीके ॥ बाईरुक० ॥ १ ॥ रुकमइयेदुरम-
तिजतनकरनचहुँदिवसबहुतसुभटपठाये ॥ बलप्रबलवीररण-
धीरश्रवणसुणअनुशासनउठिधाये॥ सिसपालकुटिलकीसैन्य
सत्रकरशरकोदंडचढाये ॥ बरबरचरमकरसूलशक्तिधररज
नभमंडलछाये ॥ झेला ॥ सबनेगुरुदेवमनाये ॥ गजरथहयबे-
गमँगाये ॥ पैदलअनंतउनमंतलियेकरखडगचलेसबइनके-
॥ बाईरु० ॥ २ ॥ गुरुजनयुवतिनकेमध्यगमनकरिभीषम
नृपतिकिशोरी ॥ जलधूपदीपनैवेद्य अग्निघनसारपुष्पदलरो-
री ॥ मंगलधुनिगावतबारमुखीबाजतनिसानचहुँओरी ॥ तन
कृष्णदरशलालसालगीमनचितवतचंदचकोरी ॥ झेला ॥
शोभाविशालमतिभोरी ॥ कविवरनैंसोइछबिथोरी ॥ शिवस-
दन सिधारीकरिप्रनाम मनअँनदबढचोदुलहनके ॥ बाईरुक-
मणिराजकँवरि० ॥ ३ ॥ करकमलपद्मजलपदप्रछालिअच-
वनकरकँवरिसबनेली ॥ गणपतिपूजेपुनिगवरपतीसंगपुजावति
कुँवरिसहेली ॥ आरतिकरनकरपूरलिये करदलजनुकमलच-
मेली ॥ वरमाँगकृष्णमहेशशेषगिरिजातथास्तुधुनपेली ॥
॥ झेला ॥ मतिगतिशिवपायनबेली ॥ निर्खतमइअचकअके-

ली ॥ झनझनकझनकझनकारपगननूपुरबजिकनकमनिनके
॥ बाईरुकमण० ॥ ४ ॥ नभचंद्रकिरणमनहरणचरणजाव
कयोडनअरुणाई ॥ चलेचालचपलबालकमरालछबिपिंडलि
गोलगुलाई ॥ किंकनअनूपधुनललितलंकलचकनिलखिरति
सरमाई ॥ सुभचित्रविचित्रितचीरचारुभलकंचुकिकुचछबि
छाई ॥ झेला ॥ करकंकनअतिद्युतपाई ॥ बरणतकवियुक्ति
लखाई ॥ हँसलीहमेलगलहारमालहीराबिसालमोतियनके ॥
बाईरुकमणि० ॥ ५ ॥ अरबिंदमधुरमुखअधरामृतदाडमक
णदंतबतीसी ॥ नासासुढारबेसरबुलाखलटकनतारूपरती ॥
सी ॥ दृगसीलसुर्मअंजनसुरखेमहिमा जलमीनगतीसी ॥
भ्रुकुटीपिनाककरुणावतंसपन्नगीचपलचलतीसी ॥ झेला ॥
हरिजनमुनिग्यानमतीसी ॥ सुरगणनलखीअदितीसी ॥ लखि
कोरकटाक्षणदुष्टमृतकसेपरिगयेदिसबिदिसनके ॥ बाईरुकम
णिराजकँवरिअंबापू० ॥ ६ ॥ रागचरचरी ॥ भोरभयोजबच
लीअंबिकापूजनराजदुलारी ॥ टेक ॥ सामग्रीकेथालभराये
गंगाजलकीझारी ॥ धूपदीपपुष्पनकीमाला डोडालूँगसुपारी
॥ १ ॥ रथथनकीसाजतमंगवाईलियागजाँदललारी ॥ घुड
लाँघूघरमालघलाये ॥ हसत्याँअंबाबारी ॥ २ ॥ छौहणपाँच
सातसँगदीन्हीफौजजरासिंधलारी ॥ काल्यौग्वालफिरै आभ
मानीरखियोबहुतहुँस्यारी ॥ ३ ॥ जरासिंधसिसपालचढावे
संगसुभटअतिभारो ॥ चहूँओरजोधाजोरावरचतुरंगीअस
वारी ॥ ४ ॥ रथमेंबैठरुकमणीचालीमनमेंसकुनबिचारी ॥

पदमकहैबाँवोअंगफरुकैंमिलसीकृष्णमुरारी ॥ ५ ॥ दोहा ॥ सकुनमनावेरुकमणी, मनमेंहरखबधाय ॥ कृष्णमिलेसंकट टले येसोबरदेमाय ॥ १ ॥ राग मारू ॥ रुकमणिभणेसुणो रीदेवीकाटोजमकीफाँसी ॥ दीनानाथमिलावोमोकूं जनम जनमथारीदासी ॥ १ ॥ एकदिनाँरजनकघरहातीजनकसु-तारेकहानी ॥ संकटमेंभवसंकटकाटचोधारचारूपभवानी ॥ ॥ २ ॥ काहेकूँमेरेपाँवपरेहेहमतुमकाहदुरानी ॥ दीनाना-थदयालकृपानिधिचढसीऔरतिहानी ॥ ३ ॥ सोलहसहस सहेलीसोहेमानोंइंद्रघटासी ॥ गूंघटकापटखोलदियाजबको-टभानुपरकासी ॥ ४ ॥ आतुरहोयरुकमणीबोलीकाटोजम कीफाँसी ॥ पदमश्यामसुखदायकनायकबरपाऊँअविनासी ॥ ५ ॥ दोहा ॥ रुकमणिपूजेअंबिका, भरमोतियनकोथाल ॥ मथुरापाऊँ सासरो, बरपाऊँ गोपाल ॥ १ ॥ रागसोरठकी ठुमरी ॥ भवानीम्हौंननंदनँदनपरणाय ॥ टेक ॥ करजोडचां बिनतीकरूँसुणोंअंबिकामाय ॥ तूंकहियोत्रिभुवनकीमाता बरदीजोयदुराय ॥ १ ॥ माताभ्रातडाहलवरहेरचोसुणजग-दंबामाय ॥ राजाभींवकृष्णवरथरप्योआयेकुंदनपुरमाँय॥ २ ॥ मोमनबसेसोहितुमजानतबरदेजादवराय ॥ सुनजगदंबेदेर करोजिन जलदीस्याममिलाय ॥ ३ ॥ अतिआतुरभईरुकम-णीपरीगोदमेंजाय ॥ पदमकेस्वामीकृष्णमिलावोदेवीमंदर माँय ॥ ४ ॥ राग होरी तालदीपचंदी ॥ राखौलाजगुसायाँमें-रीराखौ ॥ टेक ॥ जोरदलसिसपालआयोअसुरअंबिकाघेरी

॥ १ ॥ त्रेताजुगमैंतपकहियअबसंगसखाबोहोतेरी ॥ २ ॥
तुमतौकहियोबडबिसवारीसाखजहाँतहाँतेरी ॥ ३ ॥ अंबाऊ-
परमारगजोवाँजोवाँबाततिहेरी ॥ ४ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपाये
लागूँजनमजनमकीचेरी ॥५॥ राग रेखता ॥ डरीमेंदेखकेंदा-
नाँकहातुमदेरहैकान्हाँ ॥ टेक ॥ नारदकेवचनसबजोई ॥
मिलेबरअंबिकासोई ॥ कहायेदेवहैंझूंठे ॥ केलखिअबगुन
फिरपूठे ॥ १ ॥ केडाहलसंकमनआई ॥ कहींपरबसपरे
जाई ॥ भरोसोयेकहैभारी ॥ आवेंगेबेगबनवारी ॥ २ ॥ अंबि-
कापूजने आई ॥ दिखेनहिं नैनजदुराई ॥ अवसरयहफेरना
पावौ ॥ पदमकेनाथअबआवौ ॥ ३ ॥ राग रेखता ॥ दरस-
बिनबहुतअकुलाती ॥ बिरहकाबाणजूखाती ॥ टेक ॥ जर-
दीरंगतनहूवा ॥ जपूँतुजनावँज्यूँसूवा ॥ हमारीलाजअबतो-
कूँ ॥ बहोदुखहोरह्योमोकूँ ॥ १ ॥ सिलागजगीधतेतारे ॥
केसीऔरकंसकूंमारे ॥ क्यूं आई लाजअबप्यारे ॥ देखदलदै-
त्यकेभारे ॥ २ ॥ अबेहरिबेगतुमआओ ॥ मोकूंअबदरसदिख-
लावौ ॥ कहाअबजायगोमेरो ॥ लजैगोबिरदहैतेरो ॥ ३ ॥
भींमतुमकोबतायेहैं ॥ तुमीसेध्यानल्यायेहैं ॥ सुनोअबबीन-
तीमेरी ॥ रहूँमैंचरणकीचेरी ॥ ४ ॥ पदमजनदासहैतेरो ॥
रखोशिवकर्णमोयचेरो ॥ बिथाक्यूंदेतहोमनकूँ ॥ मिलाअब-
बेगरुकमणिकूँ ॥ ५ ॥ राग देश ॥ माधोजीआयाँराजसरे ॥
॥ टेक ॥ बोहोसखियनबिचराजकँवाँरी बिलखेबदनफिरे ॥१॥
सठरुकमइयौकह्योनमानैंकूडीसाखभरे ॥ २ ॥ जलमेंराख

अगनमेंराखीनरसिंहरूपधरे ॥ ३ ॥ बलराजाकेभवनपधारे बावनरूपकरे ॥ ४ ॥ भारतमेंभवरीकाइंडाघंटाटूटपरे ॥ ५ ॥ जहाँतहाँभीरपरीभगतनमेंरक्षाआयकरे ॥ ६ ॥ बानाँकीपत राखसाँवरा रुकमणिअरजकरे ॥ ७ ॥ पदमकेस्वामीआँनबुझावौ हिरदेअगनजरे ॥ ८ ॥ राग बिहार ॥ साँवराक्यूँनलईसुधमेरी ॥ म्हैंतोचरणकमलकीचेरी ॥ टेक ॥ गजअरु ग्राह लरे जलभीतर काटीजमकीबेरी ॥ १ ॥ भरतमेंभवँरीकाइंडा गजकीघंटागेरी ॥ २ ॥ ऐसीचूककहाप्रभुमोमें असुरअंबिका घेरी ॥ ३ ॥ दासपदमपरकिरपाकीज्योजन्मजन्मकीचेरी ॥ ४ ॥ दोहा ॥ केदेवलचढगिरपडूँ, देऊँदेहजलाय ॥ शीश धरूंशिवसाम्हने, केमरूंकटारीखाय ॥ १ ॥ हुंअबलाथेसबलहौ, कितगयेमेरीबार ॥ बडाबिडदआगेकिया, प्रगटवेद विस्तार ॥ २ ॥ ग्रास्योगजतबग्राहनैं, डूबतसारीदेह ॥ सूँड रहीबाहरतनक, कियो जु थाँसें नेह ॥ ३ ॥ तोकूंपूजूँअंबिका कृष्णमिलनकेकाज ॥ बाँवेंअंगफरूकतौ, आजमिलैब्रजराज ॥ ४ ॥ अबसुधलेउसुतनंदके, विनतिकरूंकरजोर ॥ दैत्यमथनरुकमणिमिलन, आवोनंदकिशोर ॥ ५ ॥ छंद ॥ रुकमणीपटदूरकीन्हों सैन्यासबमूर्छितभई ॥ आवो दीनानाथजी दूयहअबसरपाऊँसही ॥ १ ॥ रागलावनी तालचौताला ॥ कर करुणाबहुतबिलापतापदेखनलगिओरगिगनके ॥ टेक ॥ पुनि टेरतकरुणावचनकानकरुणानिधानसुनमेरी ॥ गजराजगरज आतुरपयानज्यूंमृगीअहेरिनघेरी ॥ बिरहाकुलकरतविलाप

हायम्हेजन्मजन्मकीचेरी ॥ दरसणद्योदीनदयालकाटितनसं-
कटविकटपहेली ॥ झेला ॥ हानाथलगीकहाँदेरी ॥ क्यूंसुरत
बिसारीमेरी ॥ स्यंदनसमेतखगकेतनिकटप्रगटेहरिपतिगोपि-
नके ॥ करकरुणा० ॥ १ ॥ जबदेखसुंदरश्यामसरोरुहनैनमु-
कुटशिरसोहै ॥ भ्रुकुटिविशालकुंडलकपोलमुखचंद्रमुनिनमन
मोहै ॥ बनमालपीतपटकटिलपेटिउपमाकहअसकविकोहै ॥
कुंदनपुरबासीदेखचकितभयेसबकोमनललच्योहै ॥ झेला ॥
रुकमणिचरणचितजोहै ॥ हरिकेगुणमेंमनमोहै ॥ गुणगिरा
ज्ञानगोतीतप्रेमसुखकहिनजायतिहिछनक ॥ करकरुणा०
॥ २ ॥ ब्रजमोहनबालपतंगउदयलखिलगइकमलकलीसी ॥
भये सकलमनोरथ सिद्ध अंग जनु चंपकबेलिफलेसी ॥
दंपतिसमीप अतिदिव्यदिपतिद्युतिदमकत घनबिजलीसी ॥
हरियथासूतताहश्यरुकमनीराजतकनकदलीसी ॥ झेला ॥
सुखशोभाशीलभलीसी ॥ चंदाचकोरअवलीसी ॥ करपकरि
अंकभरिरथचढायहांकेहरिबेगपवनके ॥ करकरुणा० ॥ ३ ॥
चहुँओर भयो अतिशोर रुकमणी हरि श्रीकृष्ण पयाने ॥
रुकमइया निजदलसहित तेजबलसाहस सकल लजाने ॥
भटवृथाकलपनादंतवक्रसिसपालउलूकलुकाने ॥ मग रोंकि
करोरणकहतभयेसबनिजनिजबलअनुमाने ॥ झेला ॥ सब
भुजउठायपणठाने ॥ करधनुषबाणसंधानें ॥ हरनरानकृत-
रिचरित्रसुन घटिगयेगर्वआरनके ॥ करकरुणाबहुतबिला०
॥ ४ ॥ दोहा ॥ दृष्टिबाँधकरहरिदुरे लखेनहींनरनार ॥ पैंजब-

धावणभगतकी, लियोमनुजअवतार ॥१॥ राग बरवौ ॥ मुकुटकीझाईपरीअंबिकाकेमंदिरकेमाँह ॥टेक॥ धायहरिजी वेग पधारेइच्छाफलदातार ॥ १ ॥ पूजअंबिकाबाहरनिकसी सीतलनिजरनिहार ॥ २ ॥ अचरेकापटदूरकियाजबदुष्टगये सबहार ॥ ३ ॥ रथचढियाजादूपतआया हूबाजैजैकार ॥ ४ ॥ रथतेजादबजबहींउतरेलंबीभुजापसार ॥ ५ ॥ भुजापकरके लईरुकमणीलीविमानबैठार ॥ ६ ॥ रुकमणिहरिकादर्शनकीन्हामुक्तीफलदातार ॥ ७ ॥ दासपदमबिनतीकरबिनवें दानाँ करोसँघार ॥ ८ ॥ दोहा ॥ रथबैठाश्रीकृष्णजी, अर्जुनसेरथवान । भक्तसायकेकारणे, आयेश्रीभगवान ॥ १॥ रागमारू ॥ इतनीसुनरथआयोप्रभुजीको देखतसेनासारी ॥ अंबिकाकी पौरखरीसबसखियाँनिरखतहँसेमुरारी ॥ १ ॥ करगहरुकमणिरथबैठाई सेनासबमुरझाई ॥ हाहाकरतसकलभिडभागे नेकनिजरनहि आई ॥ २ ॥ फोडेमूँडखरीसबसैन्याँ आपसले तलवाराँ ॥ रुकमणदलकेबीचउठाई अंबिकाके दरबाराँ ॥ ॥ ३ ॥ चक्रितभये रहेभटरोवतकहोअंबेकहाकीजे ॥ मुखअबकहादिखावेंउनकूंअपघातसबकीजे ॥ ४ ॥ पणराखण भीषमकेकारण आयेकृष्णमुरारी ॥ पदमभणैंसखियनकोरुकमणयहसमाचारउचारी ॥ ५ ॥ दोहा ॥ रथचढतीरुकमणिकहै, सुणसखिम्हारीबात ॥ जायकहोबंधुमातने, रुकमणिकृष्णलेजात ॥१॥ राग कालिंगडाको कहरवो ॥ कहियो माताजायकहियोमाताजयश्यामदरशरुकमणभयो ॥ टेक ॥

जायकहोबंधुमातसैंजी ल्यावोदैत्यचढाय ॥ रथबैठाईरुकम-
णीसेनापरिमुरझाय ॥ १ ॥ दौडसख्याँरुकमणतणीजी सघले
खबरकराय ॥ रुकमणिकूँहरलेगयादासपदमबलिजाय ॥२॥
दोहा ॥ नरनारीसबहीकहैं, दरशदियोनँदलाल ॥ दैत्यमथ-
नरुकमणिमिलन, लेगयेश्रीगोपाल ॥ १ ॥ पाँचक्षौहणदलभा-
गके, गयेडेराकेमाँय । हरीरुकमणीग्वालनैं, अबकोइकरोउपा-
य ॥ २ ॥ रागधनाश्री ॥ दौडोदौडोरेग्वाल्योलियाँजाय ॥
॥ टेक॥ रावजरासिंध और दंताधर सनमुखझेलौ आया॥१॥
रुकमकँवरयेसैंउठबोल्यो कुलको धरमघटाय ॥ २ ॥ रुकम-
णिनैंप्रभुरथबैठारीभीषममनहरषाय ॥ ३ ॥ पदमभणैंप्रणमैं
पायेलागूँगयेगयेजादवराय ॥४॥ दोहा ॥ सुणोकँवरमंत्रीकहै,
रुकमणलेगयोग्वाल ॥ बँधेकँगणडाहलरह्यो, होसीकौनहवाल
॥१॥ राग जंगलो ॥ लेगयोरुकमणीहरके ॥ साँवरियोजादुक-
रके ॥ टेक ॥ सुणसिसपालोअतिव्याकुलभयोउठगइचितमें
सरके ॥ १ ॥ जरासिंधसेजोधाचढियाधनुषबाणकरधरके ॥
॥ २ ॥ काल्योग्वालभागनहिंजावै बेगोल्यावोपकरके ॥ ३॥
बडेबडेराजनसिरपगधरलेगयारेपटझपटके ॥ ४ ॥ पदमभणैं
प्रणमैंपायेलागूँबारबारजदुबरके ॥ ५ ॥ दोहा ॥ लक्ष्मीपति
लक्ष्मीमिलइ, देवीतणेंदिवाँण ॥ खबरभईसिसपालनैं, हुई
पिलाँणपिलाँण ॥ १ ॥ ढोलदमामाबाजिया, कसणेलागाबा-
ण ॥ सूराँरलीबधावणा, कायरतजेपिराण ॥ २ ॥ झालरबा-
ज्याँहरिभगत. रिणबाज्याँरपूजत ॥ इतनीसुणनहिंउठचले,

आठूँगांठकपूत ॥ ३ ॥ गलियारांँबाँकेफिरें, गेंददालढलकाय॥ जबरणबाजेलोहराँ, शूरबीरहर्षाय ॥ ४ ॥ सूराँराघरशिखर है, बाजेअनहदतूर ॥ सारबहंतापरखिये, वहकायरवहशूर ॥ ॥ ५ ॥ औररागसबरागणी, सिंधूडोसुलतान ॥ सिंधूजबैअ- लापिये, घुडलाँपडेपलाड ॥ ६ ॥ अथ फौजाकी चढाई ॥ दोहा ॥ धीरोरहरेग्वालिया, थारिआवपहूँची आय ॥ महीन हींगोकुलतणो, चोरचोरकरखाय ॥१॥ रागसोरठ ॥ बालपणा कीबाणनभूलोचौरचौरदधिखातो ॥ यातौकिसीकुंजनकी गोपीबाँहपकडलैजातो ॥१॥ धूजीधराशेशदलकंप्योचहुंदिसा माच्योचालो ॥ माथेहींसपडीनीसाणाँचढयोरावसिसपालो ॥ २ ॥ सेनाचढादेख दूलहाने रावपरेवाबोले ॥ सेवगच्छता श्यामकयूँझालैयूँदंताघरबोले ॥ ३ ॥ दलभंजनराजायूँबोले इसीबातकाँइँभारी ॥ माखणचोरताहुकेऊपरथेकाइँकरोस- वारी ॥ ४ ॥ देखोहातखडामरदाँकाम्हेंभारतमेंजावाँ ॥ रुक- मणिसहितपकडभिडवाल्योआननिजरगुदरावाँ ॥ ५ ॥ लो- चनरगतधूकमरचढियाहुवावाणटंकारा ॥ नेजाफरकेभूमय कंपेदरस्याकालदवाँरा ॥ ६ ॥ औझडझडीसिंधुथरहरिया भयनवखंडेजाणीं ॥ उकलीकलाअगनजबऊठी रवितांईरामा- णीं ॥ ७ ॥ फौजाँसिरेफौजकोलाडौपाखरसेलसम्हावैं ॥ बीलाद्योदलनायकराजा ॥ जादूजाणनपावैं ॥ ८ ॥ दानालिख भेजेहलधरकूं बिदामतीहोयजाज्यौ ॥ योअवसरभागणको नाहीं सनमुखजुधमेंआज्यौ ॥ ९ ॥ लखसमधानीअर्जुबोले

म्हेतोसिलेसँवारी ॥ थेदलनायकआघाआवोम्हारेसबीतयारी ॥ १० ॥ सेनापतिकेसोपै आये बीडाद्यो वनमाली ॥ सनमुखहोयकरमस्तकमेंल्योडाहलदलम्हेजाणी ॥ ११ ॥ केशवरावकहैदेवनतंअबकेबेरतुमारी ॥ सारसंभावोजुधमेंजावोहोसीफतेतिहारी ॥ १२ ॥ बाजतधौसमनोघनगाजे सावकरणयूँछूटा ॥ सहसअठ्यासीक्रुष्याँतणादलनेकनाथरेपूठा ॥ ॥ १३ ॥ बावँनेमनाथदलसोहैदाहनेलखसंधाणी ॥ छपनकोटिजादूलेलरेहलधरजीअगवानी ॥ १४ ॥ बिधबिधतणाअरावाछूटेहुईभाडकीधाणी ॥ रोसभऱ्यादानाओलरियामचीरावघमस्याणी ॥ १५ ॥ आभेचंदेसूरजनहिंसूझे निसवासरगमनाहीं ॥ देवदलाँदानाओलरियामहाप्रलेकीनाई ॥ ॥ १६ ॥ ओलाज्यूँगोलाओलरियामारपडीदलहल्लाँ ॥ नायकमँड्यारावडाहलका होदाकरदियाचल्लाँ ॥ १७ ॥ फरचटघणीतरीओलरियासेलगदागुपतानी ॥ चक्रबाँधकेरणभूमीमें परतकलडेभवानी ॥ १८ ॥ औझडरूपझडापडमाचीअगनीबाणसँपाडे ॥ धूजीधराधमाधममाचीमँडियामल्लअखाडे ॥ ॥ १९ ॥ सरसलडैसंग्रामसूरवाँडाहलकाअभिमानी ॥ छलकायुद्धकरेमहमंता चक्रबहेअसमानी ॥ २० ॥ बेटोम्मघोषराजाको कुम्भकरणज्यूँ ऊठ्यो ॥ भणेंपदमदेवाँकेबाणाजैसेवरषाबूठ्यो ॥ २१ ॥ दोहा ॥ चौकदिशादलबंधिया, बाजैशंखसमाज ॥ देवाँदलसिंधूहुवा, मानोंइंद्रआवाज ॥ १ ॥ रागमारू ॥ इंद्रआवाजगगनरजलागीछिपगयेचंदरभाणा ॥

लंकाकोटरामदललागे वहदलपहसहनाणा ॥ १ ॥ रामचंद्र अवतारकृष्णहैलछमणहैबलराजा ॥ किसकंदाकेसौपंडवाँके बाजैंनौपतबाजा ॥ २ ॥ धीरजनायधरेमहमंताजादूमल्लअखाडे ॥ सतरेवारकाबदलामाँगा अबके धराप्रवाडे ॥ ३ ॥ चढसँगरामसताबीआयाश्यामतणादलकेवा ॥ दंतरायदावानलदानालियासाँकडेदेवा ॥ ४ ॥ जबकिलकारऊठयाबनवारी श्यामसुधारणकाजा ॥ अर्जुनआनचौहटेघेरचादंतधाराकेराजा ॥ ५ ॥ गदाचक्रतिरशूलभलक्के खडगाँतीरकबाडी॥ रौधरहुवाराकसाँबींधा सिंहरूपयूँजाणी ॥ ६ ॥ कालकंठहोयकालचिमक्या सरसायलभयमानीं ॥ देवचढयाधौलागिरकंप्या संकयाडाहलआँनीं ॥ ७ ॥ सुरदलचढयाअसुरदल कंप्या साँवतसूरसमेला ॥ अर्जुनकहैदिल्लीपतराजा करौडा हलाँमेला ॥ ८ ॥ नौहैनाथचौरासीसिद्धाँकालेबाँणसम्हाले ॥ हलधरजीहतियारसम्हावे हलमूसलकरझाले ॥ ९ ॥ छौहण येकयेकहलमाहीं हलधरजीसंघारे ॥ दानाँआयपडयाधरणीपर राणीवचनचितारे ॥ १० ॥ धौंकलधस्याभींवभारतमें मंडगयाहात्यामाँहीं ॥ मौंडेसूँडबघावैहातीयुद्धमँडयोरविताई ॥ ११ ॥ लखसमदाणींअर्जुनजोडैं बाँणाँतणाचपेटा बिझउगयाडाहलमहमंता सूरकिरणकीकेटा ॥ १२ ॥ सहस अठयासीरिष्यातणाँदलमच्या बाँणघमस्याणाँ ॥ हौदाआयपऱ्याडाहलकानेमनाथरेबाँणाँ ॥ १३ ॥ फौजासिरेफौजको लाडौपाखरसिलेसँवारी ॥ राजाजूझपऱ्योधरणीमें दंतधरार-

णभारी ॥ १४ ॥ राजापडियारणथंभबाज्या फतेजादवाँपाई ॥
हाथेखपरत्रिसूललियाँकर खेतजोगण्याआई ॥ १५ ॥ योधा
मिल्याराबडाहलका आयुधफेरूँझाले ॥ यौअवसर जीतण
कौ नाहीं चंदेरीनैंचालौ ॥ १६ ॥ हाऱ्याफिरैंराबडाहलिया
जीत्यहैंब्रजवासी ॥ कहपदमइयौंहारडाहलकीहुईजगतमें
हाँसी ॥ १७ ॥ दोहा ॥ खबरहुईसिसपालने, दंताधरपडसा-
थ ॥ खौहणपाँचूखपगई, खेतजादवाँहाथ ॥ १ ॥ बंधूमरताँ
बिगडगइ, सवीजानकीबहार ॥ मेल्हाचलोकुंदापुरी, बाभी
को सिणगार ॥ २ ॥ रोसभऱ्यो सिसपालजी, लोचन
लालगुलाल ॥ वेरबहोइंदंतरौ, तौराजासिसपाल ॥ ३ ॥
दारूदेवा कररह्यो, भुजापटक्केदूत ॥ चुगचुगमारूंजादवाँ,
तोदम्मघोषरोपूत ॥४॥ केमरबोकेमारबौ, मरबौयेकणबार ॥
मेलचल्याकुंदनपुरी, बाभींतणौंसिंगार ॥ ५ ॥ बंधूपडताजा-
नकी, उतरगईसबबहार ॥ बाभीहंदाबोलणाँ, निकलकले-
जेपार ॥ ६ ॥ हाँसीहुई तिहुँलोकमें, श्रवणासुनीडाहाल
सैननतेबिनतीकरे, धृगधृगधृगसिसपाल ॥ ७ ॥ राग मारू ॥
धृगधृगधृगसिसपालडाहलाझूठोबाणसंभावै ॥ भुजापटकऊ-
ठ्योभिडदानौंफूल्योअंगनमावे ॥ १ ॥ हाथेनैबाँथेबलवंतो
सिंहजाँणदधकारी ॥ मारमारकरतौअभिमानीसारसारकर
डारी ॥ २ ॥ देखोआजकेहडीकरहूंवैरदंतरोसारू ॥ कणक-
णदलकरद्यूंभिडवाल्यो सायरलागसंघारूं ॥ ३ ॥ पेटीसाँध
तूनकरधरसिया आयलग्या जम्मदाणा ॥ औझडपडद्याथाट

घाडामें जीवण हुवा केकाणा ॥ ४ ॥ जब धँस पडे जंगके माहीं दारूंधीकचिकाना ॥ तूडतडकताताौहुयेट्टौ छूटाकेह-रिजाना ॥५॥ कलकलहुई कालदलचढिया घूमकोटचौफेरा ॥ तातातुरीकुदावतचाल्या आनदियायमघेरा ॥ ६ ॥ ढलकेढा-लफरूकेनेजापूरबकीपतस्याई ॥ छौहणतीसजलंधरबगतर नखचखसंजडि आई ॥ ७ ॥ छूटेबाण उछंटेदारूं घूमकोटद-रवाजा ॥ पेलदियारिखकेदलऊपर कालकंधराराजा ॥ ८ ॥ क्षत्र्याँतणीखोहणचढजानेहुवाजबघरघनश्यामा ॥ सेनाचढी लाखजंझीरामदपेल्यामस्ताना ॥ ९ ॥ चकदललपटचपटचहुँ-ओरारुक्यापंथचहुँकेरा ॥ देवीमाँसूँलेकरभागौ अबपडजा-सीबेरा ॥ १० ॥ भारतभावभेदसूँकीज्यौ दानेंबुद्धिसिखाई ॥ छलकरजायभाजभिडवाल्या याँकेलाजनकोई ॥ ११ ॥ सत-रेबारभागगयोआगे याकीकौनबडाई ॥ अबकेकरूंकालसंमे-ला निकलजायगुमराई ॥ १२ ॥ हलहलकरसिसपालोहल्यो ठेलदियाभिडदानौं ॥ कूदपड्योदेवाँकेऊपरबागछोडमरदा-नौं ॥१३॥ हाथींठेलदियामारतमेंमेल्हीअंबावाडी ॥ ताकेमां-हिंछत्रपतिराजासूरजकिरणसँभाली ॥ १४ ॥ जबराजाजौरा-वरझपटी कपटीकालदँताला ॥ अरजुनभींवतणोदलदेख्यो घोबीडासिसपाला ॥ १५ ॥ जरापूतजमराजाबोलै हमपे जमकीफांसी ॥ छपनकोटनैंअचवनकरल्याँ तोमेरानावनि-कासी ॥ १६ ॥ नरअंतरदेवाँमेंअंतर रगतपीवतोहारी ॥ मुर-डचल्योहलधरके ऊपर रावणकोअवतारी ॥ १७ ॥ कुणहैक्रू-

षणकौणहैहलधरकोहैपांडवराजा ॥ मोहोरेआनममिल्याडाह-
लके हतनापुरकाराजा ॥ १८ ॥ हमहींकृष्णहमहिंहलधरहैं
हमहींकेशवराजा ॥ तुमतो मौड बँधेफिरजावोहमहतनापुर
राजा ॥ १९ ॥ चीकरभागिडालिगयोतोमर टूटी बीचठिका-
णी ॥ फरसीजायखतीधरणीमें वे पांडवपरवाणी ॥२०॥ धूक
सिधस्याधणबीधूजी शिवशंकरभयमाना ॥ झलिगयो बाणो
अतीपतीसौधनुषमाझिभरमाना ॥ २१ ॥ अरजुनवरुणाग-
दाभीमकी दायनआयोरानो ॥ फरसीजाय ॥ खतीकुजरके
भागगयोमुडदानो ॥ २२ ॥ फिरतोफिरेदिवाणेआयो बलहं
तौसिसपालो ॥ दसूंदेशराजाचढि आवो नहीं युद्धको टालो
॥ २३ ॥ बाजेनादभुजाफरकंती जालमधनुषचढायो ॥
कानकानकरतौसिसपालो देवतणेदलआयो ॥ २४ ॥ लछम-
णसेसबेसअवतारी आवकहंतौआयो ॥ हलमूसललेकरधध-
कार्‍यो सूतोसिंघजगायो ॥ २५ ॥ सिंघरूपहालेनाचाले
भारभाद्रूज्यूंबाणा ॥ मुरडचल्योदूसासनसूधो नेमनाथनि-
स्साणा ॥ २६ ॥ झलमलमचीअगनझलपाटे नेमनाथदल
माहीं ॥ तबहींइंद्रावलेपहुँचे लेतौकालउठाहीं ॥ २७ ॥ धूजी
धराअँबरअरदोनूं वाखरबाणकुमेरा ॥ बगतरपहरमँडयोसि-
सपालो लागीलायसुमेरा ॥ २८ ॥ जूझरह्यादौवाँदलमहीं
घावघणेराघाले ॥ सबलतेगसिसपालबलीकी नाथबिनाकुण
झालैं ॥ २९ ॥ संक्याहुईदिवाणामाहीं ॥ पारब्रह्मपरचायो ॥
सुरगुरुभीरपरीजबसिखमें परमधामसेंआयो ॥ ३० ॥ सुर-

गुरुकहदेवनकूंधावोऔरउपायनकोई ॥ लंकाबंधकरीतेतीसूँ वौदानाँहैयोई ॥ ३१ ॥ सर्वदेवअस्तुतकरतेहैं श्यामइश्यामपुकारो ॥ धनुषधारिकरुणाँनिधिऊठेपदमततणेंआधारो ॥३२॥ दोहा ॥ बुद्धभणें बृहस्पतिगुरु, मोशिरमोटाडाव ॥ तीनूँझगडाझालसी, ऋषपांडवबलराव ॥ १ ॥ भींवभणेंकुंतीसुता योदलदेसांमोड ॥ पीठदीखावाश्यामने, लागेमोटीखोड॥२॥ सार संभावोसूरवाँ, घणसाथाबोहोठट्ट ॥ दावानलसिसपालपैं, वहपांडगहगट्ट ॥ ३ ॥ पांडदलसिंधूहुवा, साकाबिदरभदेश ॥ छरालगतहैपंडने, दिल्लीदीपनरेश ॥ ४ ॥ दुखभंजन भयभंजना, बृहस्पतीकहैबनाय ॥ दानादेवभिडायकें, सूतौलंकलगाय ॥ ५ ॥ राग मारू ॥ साराँगधनुषसाजिबनमाली सुरनरसबैबुलाया ॥ पाटपतीपरतंग्यापूरण हँसिहँसिकंठ लगाया ॥ १ ॥ चिंतातजौदेवदलनायक धवलछत्रसिरधारूं॥ कंबलकंधकरूंअसुराँकोभूकोभारउतारूं ॥ २ ॥ तडभडहुई तंतकावाज्या नेमनाथदलमाहीं ॥ हलधरजायभिडोअसुराँसेथेपछेकरोलाकाँई ॥ ३ ॥ बाजेशंखघुरेरणसिंगारिख्याताँतणाँदलकंठचा ॥ नोपतबाजरहीनोनाथाँस्यामदलेबरसंठचा ॥ ४ ॥ रिषपररीझरहेबनवारी आदरकरकेलीनाँ ॥ अपणे करकाबाँणकृष्णजीनेमनाथनेंदीनाँ ॥ ५ ॥ माँझीगाजरह्या भारतमेंअर्जुनभींवभलाई ॥ वहपाँडवहतनापुरवाला पहुँच्याहात्यामाहीं ॥ ६ ॥ हौदाहाँकिलियाँहात्याँका सैन्य चढीमतवारी ॥ जिणबेल्याँपंडराजानैं बीडादेबनवारी ॥ ७ ॥

मिसलतइसीकरौसिरदाराँसबहीसारसँभाया ॥ दलसूँधातैं
ऊँधाकरद्याँ तौ कुंतीकाजाया ॥ ८ ॥ पांडवदलचढियामहमं-
ता अर्जुनभींव उपाला ॥ कूदपरचालंकामेंजैसे कपिकिसकं-
दावाला ॥ ९ ॥ कारजआजस्याममुखआगे करहँभींवमहमं-
ता ॥ बीडाझालदिलीपतचाल्या ज्यूँलंकाहनुमंता ॥ १० ॥
बिकरालीकोपीबलवंतीच्यारभुजांमुकलाती ॥ बावनभैरूं ॥
चौसठजोगण फिरैंअसुरदलखाती ॥ ११ ॥ दोहा ॥ गिरी
सिखाजलऊझल्या, छिपगया चंदरुसूर ॥ मनौंगोबरधनऊ-
परैं, इन्द्रचढ्याअकरूर ॥ १ ॥ रागमारू ॥ ईंद्रचढ्याअक-
रूरस्यामदलनवग्रहनौपतखानाँ ॥ कहबलदेवउधारकिसी
ज्यूँकिलकारेहनुमाना ॥ १ ॥ कौसअसीमाँहींजादूदलगज-
गरमोगरठाटौ ॥ मुरडचल्याभेलाहोयजानीऊजडगिणेनबा-
टौ ॥ २ ॥ अपरमपारसाथहै सुथराविबलदाहाके बानाँ ॥
हींडतहाथीदलकेसाथे भारथदेवरुदानाँ ॥ ३ ॥ सुरदलचढ्या
असुरदलकंप्याझुकिगयादेवपिवानाँ ॥ बारहक्षौहणलेबलभद्र
पूगोजादवहुवारवानाँ ॥ ४ ॥ बरखैंलोहसारधनतूटैमुदगरमू-
सलपेलैं ॥ आपइखायपडेमूर्छांगतहलकीत्रासनझेलैं ॥ ५ ॥
पटकेखौंनआँगलीखूनीसैंनदईपलकारी ॥ हौदेजायखतीडाह-
लकैकेशौतणीकटारी ॥ ६ ॥ छपटीकरेगणेशाधूँमेंमंगलमार
मुकेरे ॥ दानाँकाछत्रसीसतेतौंडे गहिकरफरसीफेरे ॥ ७ ॥
अर्जुनहाथसाथरासुथरा डाहररूपसमानाँ ॥ येकबाँणलखाँ-
दलसाथेपडतादीखेदानाँ ॥ ८ ॥ दानाँमाहींचढगयाजादूगर-

ताँकीचडमातौ ॥ बरखेबाँणमेघकीनाईंदिनसेहोगइरातौ ॥९॥
लपटछपटहूवासबजूझेहुवाबाँसकताँईं ॥ तिरताफिरेछत्र
लोहूमेंज्यूँनवकाजलमाँईं ॥ १० ॥ गजसिरखरषेसेलकटा-
ख्याँनवनेजाँताहँपाणी ॥ फाटीपालभेलमरजादाँमानसरोवर-
जाणीं ॥११॥ भेलदियोअसुराँदलमातौ नटवरभेषगवाल्या ॥
ल्हसकर लूटलियो डाहलकों गोकुलकेभिडवाल्या ॥ १२ ॥
कुंजरपडयालाखनवहूणा गमनाहींकेकाणाँ ॥ देशदेशराजा
केदेखनपडियारह्यानिसाणाँ ॥ १३ ॥ कहताँघणीसरीनहियें-
कौसिरधूणेसिसपालौ ॥ लाडीगईलाजवीलेई मूढौकरगइ
कालौ ॥ १४ ॥ वहमसलाबाभीकाआवे खोयदइलाजबडाई ॥
मेलाचल्या कुंदनपुरआगे दंतरायसाभाई ॥ १५ ॥ हीणहोय
सिसपालौभाग्यो किसीकपरण्यांप्यारी ॥ मेल्हचल्योसि-
सपालपाघडीदम्मघोषराजारी ॥ १६ ॥ हलधरकहैसर्वदेवनसे
वेगकरौ असवारी ॥ उलटाबोहोड अखाडैल्यावौफेरकराँगा-
धारी ॥ १७ ॥ अरजुननेमनाथहलधरसूंकहैसिरीपतराजा ॥
भागाँलारधावनहिंघालाँ छैआपानेलाजा ॥ १८ ॥ नेजाछा-
डगयाफरकंतानौपतसहताबाजा ॥ पदमभणेभारतमेंभागौ
चंदेरीकोराजा ॥ १९ ॥ दोहा ॥ सुणभाग्योसिसपालने,
तनमनलागीलाय ॥ जरासिंधअचरायलौ, मालरह्यो बिल-
खाय ॥ १ ॥ धरअंबरधूज्यानहीं, तडभडहुवानदेव ॥ जरा-
सिंधऊभाथकाँ, कहाजीत्यौबलदेव ॥ २ ॥ राग मारू ॥
कहाजीत्यौबलदेवखडारहसिंधपहूँच्यौआई ॥ दंतरायसो

मोकूंजाणीकहैजरासिंधराई ॥ १ ॥ फिरगइफेरसमूद्रांतांई
बाज्याअनहदबाजा ॥ तोमैं बैरकंसको माँगू एकपंथदोय-
काजा ॥ २ ॥ होयतडाभडसेनाउमडीकलजनमदर्शाया ॥
दानाते झटापब्रूठेधर अंबर थरराया ॥ ३ ॥ जमके रूप
जरासिंधआयोनेजाधजाचढाई ॥ खड्गत्रिशूलभलक्केभाला
ज्यूँदामनघनमाहीं ॥ ४ ॥ नारदनाचिरह्योमण्डलमें ख्याल
रच्योघरजाणी ॥ दलभंजनराजाजबआयो साको भयो
दिबाणी ॥ ५ ॥ कायावज्रवज्रकेहाथी वज्रबाणदलजोई ॥
जरासिंधराजाके सन्मुख बलीनमंडेकोई ॥ ६ ॥ कलहदा-
नकुंदनपुरह्वा बाजरह्यारणतूरा ॥ थँबगयारथसूरजराजाका
देखतमासासूरा ॥ ७ ॥ चहुंदिशिचक्रबहेदानाका बाजे
अनहदबाजा ॥ मानोजलंधरसंकरजैसो मंडियोमहासमाजा
॥ ८ ॥ धूजीधरागगनबीधूजे शेषनागथरराया ॥ मानोकुम्भ
करणलंकासोंइणअवसरचढिआया ॥ ९ ॥ जबदेवांकाहिर-
दाकंप्याधनुषबाणलेनाहीं ॥ देवाँदलाँदानवाँझूझेजरारलीता
माहीं ॥१०॥ लाँबीभुजासहसरघुवरकी वाकीसरणविचारो ॥
पदमभणें प्रणमैं पाये लागूं ध्यानचतुरभुजधारो ॥ ११ ॥
दोहा ॥ जुधमेंबाजाबाजिया, जरापहूँतीआय ॥ किताकजो-
धागिटगई, किताकमुखकेमाय ॥ १ ॥ राग मारू ॥ बीसजो-
जनमैं पांवजराकादशजोजनमेंहातो ॥ पांचजोजनमेंशीश
भणीजै दोयजोजनमेंदांतो ॥ १ ॥ नेमनाथराहलकाभलका-
जाकेसन्मुखधाई ॥ भाजपडयासबमूँढाआगेराडडाकणीआई

॥ २ ॥ गौरीसहितसदाशिवभाग्याभाग्याजादूराई ॥ सुर ते
तीसांरणतेभाग्याजरापहूँतीआई ॥ ३ ॥ रंगसंग्रामकदेनहिं
हारयाकदेनहारयाखाँडे ॥ दानासैंहमजुधकरजीत्यामाद्या
मौडीराँडे ॥ ४ ॥ हरिहलधरनैंहुकमकियोहैजाग्याधिननैं
मारो ॥ याँतैंथारौंडावनआवैदूणीदेहबधारो ॥५॥ हलधरलेहल
मूसलचाल्योजरासाम्हनेआई ॥ हलतैंव्याधअफूटीफेरीमूस-
लशिरठहकाई ॥ ६ ॥ जरामारमृत्युमंडलगेरीसुरांपुष्पबरषाई ॥
कृष्णकँवरदुलहाकेऊपरदासपदमबलिजाई ॥ ७ ॥ दोहा ॥
द्वाँरादलजमसुता, हरिजनमानीरीस ॥ भीरचढयोबलदेव
की, गरुडचढयोजगदीस ॥१॥ राग मारू ॥ गरुडचढयोजग-
दीशधनुषधर चंद्रबाणकरधारी ॥ दसमस्तकबीरसूँभुजभंज-
रामरूपबलिहारी ॥ १ ॥ छपनकोटजादूचलआयाबडाछत्र-
कीछाया ॥ सरणसरणतेतीसूँलाखाँचरणाँशीशनिवाया॥ २ ॥
ब्रह्माँसुतनारदयूँबोले अरजहमारीलीजे ॥ जिणवरतैंदाना
जीत्यासोवरम्हानैंदीजै ॥ ३ ॥ सन्मुखहुवाजगतपतनायक
रदेवानैंदीन्हा ॥ संकटमेंजुसायहरिकीन्ही जराजोरहरली-
न्हा ॥ ४ ॥ सुरतेतीसहुवादलनायक सैन्यासबचढिआई ॥
ततेंदलदेवनकाचढियाउतैंजरासिंधराई ॥ ५ ॥ उल्कापात
अग्निजबऊठीभारअठारेढूजे ॥ अष्टकुलीकानायकचाल्या
चंद्रसूरनहिं सूझे ॥ ६ ॥ अष्टसिद्धअरुनवनिधराणी कुलीनाग
लन्यारा ॥ च्यारूँगैंददिरगपालासूँ अनपडयाशिरभारा
॥ ७ ॥ पाटपती दोनूदलभिडियाँ रीकिलियारे निसाणा ॥

लंकाकोटरामदललागा वहदलवेहीबाणा ॥ ८ ॥ हतनापुरका राजा बोले सुवसुदेवकुमारा ॥ भाग्यांदूरद्वारिकानगरी कीजैकोणविचारा ॥ ९ ॥ मिसलतहुईदेवदलमाहींसुरनर मुनि सब आया ॥ सिंघरूपदानांकेसन्मुख अर्जुनभीवखिनाया ॥ १० ॥ बाँकीअणीबंकफौजाँकी नेमनाथथेझेलौ ॥ हलधकहैहुक्मकेसौकाक्रुख्यातणां दलपेलौ ॥ ११ ॥ धर्मपुत्रराजायूँबोल्यो धर्मींमँडगयासाका ॥ पहलचोटअर्जुनसे भिडियाकियायादवाँहाका ॥ १२ ॥ अर्जुन बाण रु गदा भीमकीचूरकियादलमोधा ॥ गेरदियाहसत्याँऊपरसैं जरासिंधकाजोधा ॥ १३ ॥ आयुधघणाहातनहिंचालैनेमनाथदल जोडा ॥ घोडा ऊँट रथ्थ हात्याँका टूककिया यकठोडा ॥ ॥ १४ ॥ हाथींपेलदियाभारतमैं फौजाँचढहंकारी ॥ हलमूसलदानापरटूटेमहाप्रलयकरडारी ॥ १५ ॥ सुरपतिरावज्रबंबाडे मानौबीजचमक्के ॥ शिरवराहपातालशेषकेमाथेजाय ठमक्के ॥१६॥ ओलाज्यूंगालाओलरिया मारपडीदलहाली ॥ नायकपडद्या रावडाहलका हौदाकरदिया खाली ॥ १७ ॥ गौरीसुतबिन्यायकराजाशिवकावज्रसँभावे ॥ रापटरोलकरै सुंडालौपकडसूंडघूमावे ॥ १८ ॥ गुपतीचक्रचलैनाथाँका कोईगुपतकोइछानैं ॥ कैलासीशंकरकोगणपत कह्योनकिहकोमानैं ॥ १९ ॥ नारदमुनीगरुडब्रह्माकाकालबाणइमधारे ॥ मानोहनूमानलंकाकोचहूंओरसूंजारे ॥ २० ॥ चहूँदिशिचक्र बहैचंडीका लूगडियाअगवाडी ॥ बाँध्याचक्रयूंसेनाऊपर

ागरकोटकीराणी ॥ २१ ॥ किलकैंकोपकरैं बलवंतीबावनचौ-
ठन्यारा ॥ बिकरालीदानादलवेगीआनपरीजमद्वारा ॥२२॥
टेंछत्रबगतराँफूटे धजासबैढलआई ॥ ससतरसबैंबहैंचौधा-
ापडीनौतांघाई ॥ २३ ॥ झटकाहोयबटकतनटूटैंटूटैंपाखर
ोडा ॥ लटपटसीसपडैंदानांकागराहुवायेकठोडा ॥ २४ ॥
तांरगतबहैदानांकौ नदीभादवामांहीं ॥ जोजनपाँचसा-
झडपडिया गलगोटागलबाँहीं ॥ २५ ॥ हातीहसतारह्याधँ-
लहरऔरसौवनींसाजा ॥ चौटीआनदईकुंदनपुर दसूंदिसा
राजा ॥ २६ ॥ अग्निबाणघमचक्रांचालैं छूटेंजंत्रहवाई ॥
तांखपरत्रिशूललियाँशिवरणमेंजोगणआई ॥ २७ ॥ खेचरि
ूचरि औरसंखणींगिरजबसबेचढधाई ॥ चुंणचुंणसीससदा
शिवशंकररूंडमालढलकाई ॥ २८ ॥ लौटैंपडैंतडातडऊठैंरोक-
लियारउथाणाँ ॥ सतरैलाखसखतपाखरिया खालीहुवापि-
लाणाँ ॥२९॥ बावनभूपधजाबंधराजा सैन्याकी गम नाहीं ॥
लाखाँपतीकिरोडाँहाथीजायपडयाजंगमाहीं ॥३०॥ घरेहांण
ाँसीजगमाहीं बातच्यारजगचाली ॥ ग्यारहलखपलखी
ाहलकी हुईखेतमैंखाली ॥ ३१ ॥ भागचलाचलहुईचँदेरी
णींरथांकाबीता ॥ सातलाखतौरथघोडांकाहुवाखेतमैंरीता
३२ ॥ तौबात्राहमचीडाहलकै पडियाघायलकँपैं ॥ मागैं
ीरबोकनहिंपंडै मुखसूं बैणनजंपै ॥ ३३ ॥ घूमैं पडया राव
ाहलकायरज्यूँबतलाया ॥ छटीरातकालेखटलैंना दाणा
णींल्याया ॥ ३४ ॥ कोटउपायकरीबलवतांपेचयेकनां

लाग्यौ ॥ चंद्रबाणकैसौकरदेख्योजरासिंधबीभाग्यौ ॥ ३५ ॥
भलीभाँतकीजानखपाईभूपमरायासारा ॥ जरासिंधजबहीं
भगचाल्याऊंधापडयानँगाराँ ॥ ३६ ॥ जहांतहांजादवराजा
का बाजैनौपतबाजा ॥ पदमभणैंतिहुँलोकामाहीं संखपचाय-
णबाजा ॥ ३७ ॥ दोहा ॥ संखपचायणबाजतां, राजाघणौं
उछार । पतराखीमहराजनैं, असुरराँकियोसंघार ॥ १ ॥ राग
मारू ॥ असुराँकियौसँघारस्यामदलजीत्यात्रिभुवनराई ॥
भागगयासिसपालजरासिंध खबरकँवरपैआई ॥ १ ॥ कोप्यौ
कँवरभीवराजाकोसबहीभूपबुलाया । चाँपरकरौबेगचढवाकी
जुधसामानभराया ॥ २ ॥ मिसलतहुईकँवरदरबारामंत्री
करेविचारा ॥ पारब्रह्मसौंजीतांनांही धीरजभलीकँवारा ॥
॥ ३ ॥ कबको भूपभयोभिडवाल्यौनंदमहरकोपाल्यौ ॥ बाण
विद्याकबहूँतैंसीख्यो गायांतणौंगवाल्यौ ॥ ४ ॥ भागौकाल
जनमकेआगेजलमेंजायबसायौ ॥ लाजनमरेसरमनांयाके
फेरविवाहनआयौ ॥ ५ ॥ सेरभयोसिसपालभागतां हमते
मांडचोपालौ ॥ रुकमकँवरकौनामसुणंतांमिटजायकालअ-
कालौ ॥ ६ ॥ राजभेदतैं रुकमणि लेगयो सूतौसिंधजगा-
यौ ॥ जमींदौचकरद्यूंभिडवाल्या तौभीषमकोजायौ ॥ ७ ॥
फौजाँघणीं हलीला हाथी रविरथकायोबाणा ॥ जोजनसा-
तमांहिं सांचरियौ कँवरतणांदलपाणा ॥ ८ ॥ तीसलाख-
पवनांधरपाखर इसीसाखतीजाँणी ॥ कँवरचढयासायरका
टूटयाजोजनजोजनपाँणी ॥ ९ ॥ चाँपरकरौवेगचढवाकी-

ांतरसबैसँवारी ॥ भागजायजादूभिडवाल्यौ बेगकरोअस-
ारी ॥ १० ॥ दलमैंजापहुँच्योदूसासन जाँणइंद्रघररायो ॥
बरकरौभिडवाल्यासेतीरुकमकँवरचढिआयो ॥ ११ ॥ चहुँ-
दिशिचक्रबहैकँवरांकानभकोटूटोतारौ ॥ सनमुखकँवरलडे
भीषमको सारबहैचौधारौ ॥ १३ ॥ चालैं बांणजँझीरागोला
उलटपलटअँधियारौ ॥ माच्यौरीठकृष्णदलमाहीं निकस-
ायोदलपारौ ॥ १२ ॥ इंद्रजीतराजाभीषमकोकालपहूंच्यौ
आई ॥ सनमुखगदाउठायकँवरजी जायरथ्थपरबाई ॥ १४ ॥
जीगदासांधकेबाहीध्वजासाथढलिआई ॥ तीनलोककेकरता
रता उनबीसंकयाखाई ॥ १५ ॥ कुणझेलैरुकमालकँवरकी
ारब्रह्मबिनधारा ॥ भींवघराँअहडाईसाजैं समैतणाँअवतारा
१६ ॥ सांधरह्यासबहीकरबंध्याछपनकोटदलबाणाँ ॥
गग्याबिनभारथनाँझेलै सूरजसाखबिमाणाँ ॥ १७ ॥ जब
लधरजीयेसैंबोल्या बीडाद्यौजदुराई ॥ हलसैंपकडधरूँमूस-
की खोयद्यूँमाँनबडाई ॥ १८ ॥ केसोकहेहुकमनाँथाँनैंरैंचै-
भींवघरचालौ ॥ रुकमइयानैंम्हेनहिंमाराँ म्हारोलागैसालौ
१९ ॥ करजोडयाँ कँवलाँकेसबसे अरजकरतहैं राणीं ॥
कमकँवरकेहातनलावौ परतंग्याम्हेजाणीं ॥ २० ॥ कविरु-
ाच ॥ रंगमांहीकियोबिछंगनअबलामांनबधायौ ॥ मूंड
छअरुमस्तकमूंडयौरथकीपीठबँधायौ ॥ २१ ॥ मारचौमां-
कँवरनांमारयौ दोनूबातउबारी ॥ कहैपदमराजाभीषमको
करलियौबलकारी ॥ २२ ॥ दोहा ॥ खेतसम्हालौलखपति,

नैंनभरेसिसपाल ॥ छोहणापिच्याणवेंदलहत्यो, पडयोधरण
बेहाल ॥ १ ॥ राग मारू ॥ पडयोधरणबेहालसबीदलधीरज
कौनबँधावै ॥ म्हारोचलणौनहींचंदेरीजरासिंधचढिजावै ॥१॥
उणमांहींबहुरावतणांदल सौदकरेसिसपालौ ॥ कुंणकुणलडि-
याकुंणकुंणभागामंत्र्याखेतसम्हालौ ॥ २ ॥ सावधानमंत्री
सांचरिया आयरावरुदराई ॥ छौहणपांचअंबकाऊपर पडयौ
दंतधरभाई ॥ ३ ॥ छौहणिसातजडीबगतरकीदेसबंगलैवां-
कौ ॥ झड़पडिया चूडीज्यूंदानां रह्योयेकनांफाँकौ ॥ ४ ॥
नेजाझलकंताईरहगया रहगयानौपतबाजा ॥ अर्जुनकेरेहात
ऊतर्‍यौ भांणकच्छकौराजा ॥ ५ ॥ असीलाखकुंजरझडप-
डियानिवैलाखकेकाणां ॥ भींवसेनकेरह्यामौरचे संगलदीप-
काराणां ॥ ६ ॥ मूंढेपडयौरावमेवाडौपाघदेसनैंचाली ॥-
सूंनीपडीकचेरीजिनकीजाजमहोगइखाली ॥ ७ ॥ देखौकौंण-
हुईदलमांहींहोगइखेलबिनाणीं ॥ बिनभरतारांसतीहोगई
मंडौवरकीराणीं ॥ ८ ॥ जांनगयासिसपालरावकीमचीराव
णाघांणी ॥ तारातखततँबौलपतीकीघरांबिलख्वैराणी ॥ ९ ॥
सिंधरावसिसपालसरीखौख्वबरकनौजखिनावौ ॥ नवथिरप-
नांकरौतखतकी बालकियाबैठावौ ॥ १० ॥ गाहिटहुईगरकस-
बफौजां याछत्र्यांनैंछाजै ॥ बघतभांणमुलतानपतीके नवा
घडयाबाजै ॥ ११ ॥ दानांफिरेभागताआगेबुरीबलायनैंछे-
डयौ ॥ लांबीसूंडसदाशिववालै सारौकटकनबेरयौ ॥ १२ ॥
चांपबांघिहलधरजगमाहीं महाभारथपरभारी ॥ रूपसूंमरो

तासमदानौं पूरीकरदइसारी ॥ १३ ॥ हलकीत्रासदेखननैंभा-
गौरावओडिसेवालो ॥ नौपतकोसलईभिडवा घरजायकियौ
ऊजालो ॥ १४ ॥ भरखप्परकालीकिलकाणींनिरपमतीचक-
राणी ॥ बाराछौहणफौजमतवाली अचवनकरगइपाणी ॥
॥ १५ ॥ वलखबुखारेकाबलवंताउजबखलाखअठारा ॥ त्रिया
दीपकाराजापडिया नोछौहणसंन्यारा ॥ १६ ॥ मंत्रीआयक-
ह्यौराजासूंखबरऔरबीआई ॥ पकडलियौरुकमालकँवरनैं
हुईघणींहलकाई ॥ १७ ॥ मूंडचोसीसमूँछबीमूंडी खोयदइ
माँनबडाई ॥ कृष्णछाँडिसिसपालकियोवर थाँमाँकरआपाई
॥ १८ ॥ भलीहुईतीनूँऊबारिया बोहोतभईकुसलाई ॥ रात
समैंचंदेरीचालाँ द्यो चौकी बैठाई ॥ १९ ॥ दसूंदेसकाराजा
पडियाकरताबोहोतउवारो ॥ पदमभणेंसिसप लकहैमेरोजी-
वतभँडगयोसारो ॥ २० ॥ रागकालिंगडो ॥ येदलदाँनवाँरे-
लाल जोधासबैपडयामुखमोड ॥ टेक ॥ माखणखातोछिन-
कमैं रेदेतोमटकीफोड ॥ नंदमहरकोकानडौरे अबतोदेबाल
गोदोड ॥ १ ॥ आयाथाकछुऔरनैंरेहोयगईकछुऔर ॥ कप-
रिफारेगांठकेरे अबदेखचल्यौयाठौर ॥ २ ॥ निनाणवैंराजा
मरेरे हस्तीलाखकरोर ॥ रावसांडियोभजियोरेघरथेकुसल
कहौम्हारिऔर ॥ ३ ॥ तूँराजाभूलौं ककोरे डाहलमतकोई
करोउपाय ॥ रुकमणिसीथारैघणींरे उणनूपडयोग्वालले-
जाय ॥ ४ ॥ बुरीहुईसिसपालमेरे देख्यौकुंदनपुरकीकूँट ॥ ब्रह्छ-
ण आवैखाणनैं रे वाकेलागझाडरबूँट ॥ ५ ॥ हरिनिंद्याफल

पावियोरेमूरखकरतौवचनकठोर ॥ पदमकहैसिसपालडा-
हलारेतेरौकुंजसछायोचहुँओर ॥ ६ ॥ राग सोरठ ॥ हो
जीहरिवीरम्हारोअतिदुखपावै ॥ टेक ॥ भीषमनृपकौरव
रुकमइयौ अबयाकूंकौनछुडावै ॥ १ ॥ बंधूम्हारोबाँध्यो
है हरिनें कौन खबर पौंचावै ॥ २ ॥ जब वहाँ खबरसुनै
पितुमरौसटकूंआँणछुडावै ॥ ३ ॥ करुणाभरीरुकमणी ठाडी
नैनाँनीरबहावै ॥ ४ ॥ हाथजोडरथनीचैआई हरजीकीओर
लखावै ॥ ५ ॥ होव्रजराजलाजमेरिराखो येजगमोयबुरावै ॥
॥ ६ ॥ पदमश्यामप्रभु मनमैंहरखे वचनसुनतसकुचावै ॥
॥ ७ ॥ दोहा रोसभरीराणिरुकमणीं, रथसेउतरीआय ॥
बंधुहमारोबाँधियौ, कोईनसखेछुडाय ॥१॥ रागभैरवीकाफी ॥
म्हाँनैंलागोवीरकातारथेमतमारोहलधरकाबीर ॥ टेक ॥ बाँह
डलीफटैरुकमइयाकी आखरम्हारोबीर ॥१॥ साखनहीं थारै
आँखलाजनहिंकहिंजाणौंपरपीर ॥ २ ॥ बरजरहीबरज्यौनहिं
मानौ आखरजातअहीर ॥ ३ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूंनैंणाँ
खलक्योनीर ॥४॥ दोहा ॥ हलधरदेखो रुकमणी, त्रिलखीराज
कँवार ॥ अरजुनऊधौभगतसहि, येसैंकहैंविचार ॥१॥ अरजुन
ऊधौभगतसैं, बिसटालादियापठाय ॥ बिसटालाँरीबीनती,
प्रभुसुनिथौजदुराय ॥ २ ॥ इणराहातकिसीबिध छूटै, हाताबा-
योसार ॥ कह्योनमाँन्यौराजभींवकौ रुकमबडोजूझार ॥ ३ ॥
इणराहातकिसीबिधछूटैं घणाँबजायाककोल ॥ कह्योनमानूँ
भगताँथोराँ म्हनैंघणाँजबोल्याबोल ॥४॥ राग मारु ॥ सठकी

नांसठताईदेखौ रुकमणिओरनिहारौ ॥ भगतकरैछैबीनतीजी रावरोबिरदबिचारौ ॥ १ ॥ भगतांरीहरिमाँनीविनतीरुकम-इयौमुकलायौ ॥ भुजापकरिकेआगेलीन्हौंचरणाँआपलगायौ ॥ २ ॥ म्हेंअपराधीकयोनमान्यो थेसहीजगोकुलकानौं ॥ भींवसेन तौ बरज रह्यो छौ म्हें हरि मरम न जानौं ॥ ३ ॥ म्हैंजान्यौं जगदीस सनातन पारब्रह्म नहिं छाँनौ ॥ पदम भणैं प्रणमैं पाये लागूं अब तौ ठाकुर मांनौ ॥४॥ (अथ चंदेरीकी कथा प्रारंभ) ॥ दोहा ॥ सखीसंग भाभी भणैं, मौ मन घणौं उदास ॥ बिलखा छै रंगमा ल्हिया, जाणुं बिलखा छैं रणवास ॥ १ ॥ चंदेरी सूँनी पडी, फरकत दाणी गात ॥ काँसैं भोजन चाँपियो, घरे नहीं कुसलात ॥ २ ॥ महल चढी सिसपालकै, चहुँजोवैअकुलात ॥ तखतचंदेरीराजवी मांनू,घरेपधारचारात ॥३॥ (अथकुंदनपुरकी कथा) ॥ दोहा ॥ सिसपालौबिलखोभयौ, सगलीजाँनखपाय ॥ जरासिंधसूँयूँकहै, मरूँकटारीखाय ॥ १ ॥ राग मारू ॥ छुरीकटारीबेगमँगावो खायछुरीमरजाऊँ ॥ घरमें भाभीसुगणीभावज मूँढोकठै दिखाऊँ ॥१॥ कहैनेवगीसुणौंसिरदारौंमिसलतइसीलगावौ ॥ थारेकमीनहींकाहेकी साँगतऔरमँगावो ॥ २ ॥ लेयबधाई चलेनेश्गी ड्योड्यांभीतरआयौ ॥ सैंनभगतनेंदेसआँवतौ पटराणीबतलायौ ॥ ३ ॥ काँइकाँइतौथानेंदियौकौरवरौंकाँईसाम्हेलेपायौ ॥ कांईतौहतलेवेदीन्हेंकाँइसमहूँणींआयौ ॥ ॥ ४ ॥ कौरवराणोमूसलदीन्हौं साम्हेलोबील्यायौ ॥ समहूँ-

णीपरपडीबीजली हतलेवैहरिआयौ ॥ ५ ॥ हलसूं तो म्हारी हुईआरतीमूसलरौलमचाई ॥ कहैनेवगीसुँणपटराणींसगली जानखपाई ॥ ६ ॥ पहलेगोलैउडीसीधणी दूजेचिराकछुडाई ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँहुईघणींहलकाई ॥ ७ ॥ दोहा ॥ अतिआतुरसिसपालकौं, जरासिंधदेधीर ॥ जीतहारयेकठौर नहिं, फिरतीरहँभटबीर ॥ १ ॥ कहैजरासिंधरावयूँ, घरचालौ सिसपाल ॥ इणअवसरजीताँनहीं, सानुकूलहैकाल ॥२॥ राग सोरठका रेखता ॥ काँईकरूँरीमइयामौरीकैसेंजाऊँचंदेरी ॥ टेक ॥ म्हैंनौजकुंदनपुरआयौ ॥ म्हारोंसगलौसातखपायौ॥१॥ म्हानुभाभीबहुतसमझायौ ॥ म्हारेदाययेकनहिं आयौ ॥ २ ॥ आगेभाभीसुलखर्णींनारी ॥ मनैंदेखतदेंसीगारी ॥ ३ ॥ योतो रातपडयाँघरआयौ ॥ खिडकीमैंमूँहछिपायौ ॥ ४ ॥ भाभी यूँकहकबतलायौ ॥ ज्याँरोपदमभगतजसगायौ ॥५॥ दोहा ॥ रातपडयांघरआवियौ, पडदादियाँखँचाय ॥ मुखाँकँवरबोले नहीं, अनपाणींनहिंखाय ॥ १ ॥ जेसपनौसाँचौभयौ भाभी करेउपाय ॥ संगलेसखीसहेलियां, महलबनाँकेजाय ॥ २ ॥ मुखदिखलाओकँवरिको, देखतसुखहोयमोय ॥ कराँबधावाँ-गरली, यूँजाणैंसबकोय ॥ ३ ॥ कितौकदीन्होंदायजौ, काई मिझमानींकीन ॥ गजघोडाभूषणबसन, बरतनकिताकदीन ॥ ४ ॥ राग मारू ॥ कितरादिनमिझमाँनींजीम्याकिस्यो दायजौल्याया ॥ दासीदासचरणसेवनकूँकिताकसाथखिनाया ॥१॥ राजाभींवमिल्योंकिणबिधसैंकिणविधफेरालीन्हाँ ॥

कितरौथारौखरचकरायौपेरावणींकाँइदीन्हाँ ॥ २ ॥ सुण्या
वचनभाभीरामुखसूँमनमेंअतिपिस्तावै ॥ नीचौसीसदियौगौ-
डामैंफिरकरज्वाबनआवै ॥ ३ ॥ थांरौमनभावैकुंदनपुरफेर
खिनावाँजाज्यौ ॥ अबकेफेरेकरीउँतावलअबकेढीललगा-
ज्यौ ॥ ४ ॥ म्हैंतौदेवरसबसुणपाईआछौजसकरआयौ ॥
पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूंततीनलोकजसछायौ ॥ ५ ॥ दोहा ॥
घायलडोल्याँदायजा, उतरेपुरमैंआय ॥ रुदनकरैंबहुरानियाँ,
जाँणकमंगलगाय ॥ १ ॥ रँगराँलियाँरोवैंत्रियैं, घरघरलंबी-
लहर ॥ घायलडोल्या दायजौ, यासुखबिलसे सहर ॥ २ ॥
रंगछिडक्योचवतोरुधिर, जाँणकसूमलजोड ॥ घरघरगावै
घरिया, दंतीचुडलाफोड ॥ ३ ॥ राग मारू ॥ बनडीदेखण
आईकँवरजी पडह्योपरौकरावौ ॥ रंगरँगीलीकाब्याहकँवर-
जीमुखसूँकेयसुनावौ ॥ १ ॥ कहाकहादानदियौरुकमइये
किस्योकदायजोल्याय ॥ मौडबाँधकेसज्याकुंदनपुरकिसी
भलीकरआया ॥ २ ॥ हातघस्याहतलेवौकीन्हौंकितगयो
सिरकोताजे ॥ धिगधिगसारौजगतकरतहैयेहीकँवरथाँनैं
छाजे ॥ ३ ॥ हौम्याठाटबाटघरआया येहीदायजौजानौं ॥
भलीभईघरआयाजीवतायेहिलाडोकरमानौं ॥ ४ ॥ पेसारौ-
दूगतिसूँकीज्यौघेरजीवताआया ॥ सैन्यापतिदंतासाराजा
उनकोकितछौडचाया ॥५॥ भलीकरीजादूराजानैंबुधहरलीनी
मारी ॥ लटपटपागसेहरौबँधियौलैगयोग्वालउतारी ॥ ६ ॥
भूलरकह्यौबुरीमतमाँनौं बेगमजातहमारी ॥ भींवसुतापरणीं

जपधारचा बोलैंमहलाँप्यारी ॥ ७ ॥ म्हाँसूंलोगओलभादेवैं हँसहैं लोगलुगाई ॥ पदम भणैं धिगजीवन डाहलकिसी कबनडी आई ॥ ८ ॥ दंडक ॥ दंताधर कित छौडसिसपालभागिआये हँसैंबहुनारियांकीधहाँसी ॥ आपकुसलपूछे भाबी आपसूं भीमसुतडौलकहौकदीआसी ॥ गया थाअठीसूं असंकदलमेलनें बाजता ॥ सघणनीसाँण बाजा ॥ गयाजिणडाँणआयानहींधूमतानवलबनडीकोरथकठैराजा ॥ कौडराषजानकितरैंखौयासबै परणउमादअंगसुगंधपीठी ॥ बतावोम्हानैंवारुकमपंवारनीदेषवाचाहम्हेनाँहिंदीठी ॥ नग्रचंदेरीकीहँसैंमृघनौणियां लौयण्याझूंडमिलगीतगाया ॥ डोलियांघायलांउत्तरैडायजौइस्यौबीबाहकरघरे आया ॥ १ ॥ छंद रेखता ॥ सुनौंसिसपालहौदेवर ॥ कहाँतैंनेंखोदिया जेवर ॥ सुनौंसिसपालकीआबी मुखायूँबोलतीभाबी ॥ ॥ १ ॥ चंदेरीआयक्याकीयौ ॥ जहरविषखायकिनलीयौ ॥ सुनौंतुमरावसिसपाला ॥ लगायाबंसकूंकाला ॥ २ ॥ मैंनेंतोयबहुतसमझायौ ॥ समरतैंभागकरआयौ ॥ कब तुम कियौपेसारौ ॥ नगरमेंचावथौथारौ ॥ ३ ॥ कहातरागहनकीबोली ॥ कहाँतेरेअंगकीचोली ॥ कहाँतेरेपाँवकीजोडी ॥ कहाँतेरीचढणकीघोडी ॥ ४ ॥ कहाँसिरपावरँगभीनौ ॥ काहुनेंदानकरदीनौ ॥ कहाँतेराऊँटअरुघोडा ॥ कहाँतेरेपालखीजोडा ॥ ५ ॥ कहाँतेराजानकासाथी ॥ कहाँद्रगपालसेहाथी ॥ किस्यायेकदायजोदानीं ॥ किसीयकहूइपहरानीं ॥६॥

लक्ष्मीभींवघरजाई किसेहग्गाँमतेब्याही ॥ कहोक्याकि-
याइतआई ॥ मार्‌यानहिंजहरविषखाई ॥ ७ ॥ ॥ सीखमाँनी
नहींमेरी ॥ लगायौदागचंदेरी ॥ कहाँगईफौजसबतेरी ॥
केहलधग्मारसबगेरी ॥ ८ ॥ कहाँतेरासाजअरुबाजा ॥ कहाँ
निन्नाणवैराजा ॥ कहाँतेरारथ्थअरुगाडी ॥ कहाँवारुकम-
णींलाडी ॥ ९ ॥ महलमैंबोहोतसमझायौ ॥ मुख्खतैंजावनहिं
आयौ ॥ धरणिमैंचौगिसिसपालौ ॥ मूढोतोहोयगयोकालौ ॥
॥ १० ॥ तुच्छतैंग्वालियोजाण्यौ ॥ करतानहींआपपीछा-
ण्यौ ॥ हुई क्या होयगी औरै ॥ मतीनाभूलियोभौरै ॥ ११ ॥
राज्यसीजग्यजावोगे ॥ वहाँसेनाँहिंआवोगे ॥ चक्रयेकवनैं-
गौथारी ॥ नमाँनैंबाततूम्हारी ॥ १२ ॥ मानींनहिंबातेतूंमरी ॥
तवैभइयहदसातेरी ॥ पदमकरजौरिकैगावै ॥ कियौसौआप-
नौंपावै ॥ १३ ॥ दोहा ॥ लछकाणौबोलेनहीं. नीच करलि-
यानैण ॥ धरतीतिणखासूंखिणै, मुखाँनजंपैबैण ॥ १ ॥ राग
ठूमरी आसावरी ॥ बनांजीबनरीजोवनआई ॥ किसैमहल
बैठाई ॥ टेक ॥ आसामुखीउदासीसबहीयेतो छैघरकनाई ॥
येतौपरणपधारयालाडी माँगेरैंसबधाई ॥ १ ॥ जरासिधके
पडीदडादड हलधरजंगमचाई ॥ रुकमइयाकीमूंछमुडाई
अक्कलकहाँगमाई ॥ २ ॥ कहाँतिहारेरंगकेढोलेकहाँरुकमणि
बैठाई ॥ सवाक्रोडकौरतनमूँदडौ देऊँमुखदिखलाई ॥ ३ ॥
आभीदेतउलौहणोजीठट्ठाकरतधमकाई ॥ पदमइयौस्वामी
मणैंतैंसगरीजाँनखपाई ॥ ४ ॥ राग सोरठ ॥ तंगीतंगी

वचनसुनावौ बोलौबोलणाँ ॥ टेक ॥ वचनथांराघटमाँईनैं भूलनैंभाभीजीराझोलणाँ ॥ १ ॥ लाजगईकुंदनपुरआगे बाततांणैंकुणतोलणाँ ॥ २ ॥ पिचाणवैंक्षौंहणदलअपियौ जायपडयाजोधाधणाँ ॥ ३ ॥ पद्मभणैंभाभीसैंदेवर वचन नहींछातीछोलणाँ ॥ ४ ॥ राग बरबो ताल ठूमरी ॥ मैंदीतूंल गायाहरियो ॥ होसिसपालादेवरियो ॥ टेर ॥ हाथाँकेमहँदी पायांकेमहँदीजी ॥ कजलोसारचाँईरयो ॥ १ ॥ टेर ॥ बांद सेहरोगयौकुंदनापुरजी ॥ कांकणबाद्यांईरयो ॥ २ ॥ टेर ॥ जेवरपहरचढयोघोडीपरजी ॥ ागीपहरयांईरयो ॥३॥ टेर ॥ डुपटो औड बण्योतुंबनरोजी ॥ कीलंगीटांग्ययांईरयो ॥४॥ ॥टे ॥ त्रिभुवनपतीकीकरीबराबरजी ॥ अंगसुवाऱ्यांईरयो ॥ ॥५॥ टेर ॥ मेरोकहणोषारो लाग्योजी ॥ अबरुकमणविना क्यूंरयो ॥ ६ ॥ टेर ॥ पद्मभणैंप्रणमैंपायेलागाँजी ॥ लाज गमायांईरयो ॥ ७ ॥ होसिसपाला० ॥ राग सोरठ ॥ जलि- यानैंकाँईजलावोहोभावजजलिया० ॥ टेक ॥ तैंबरज्यौंम्हैं माँनीनाहीं हौनींकौनमिटावे ॥ १ ॥ क्षोहणपिचाणूँसबदल खपियौमेरोईमनपिस्तावै ॥ २ ॥ पदमभणैंभाभीकेचरणाँ सिसपालौसीसनवावे ॥ ३ ॥ राग काफी आसावरी ॥ तैंतो मोरीमाँनोनहींसिसपाला ॥ जोधाकहाँगयेरखवाला ॥ टेक ॥ त्रिभुवनपतिकीकरीबराबरचाल्यौचालकुचाला ॥ तैंतोमो- री० ॥ १ ॥ कहाँगयेतेरेसाँहणबाँहणकहाँगयेऊँठरसाला ॥ कहाँगयेसिरपेचकिलंगी कहाँगईमौतियनमाला ॥ तैंतौमो०

॥ २ ॥ कहां गयेवसनपागसहिजामौ कहाँगयेसालदुसाला ॥
पदमभणैंभामीयूँबोलेतीनलोक प्रतिपाला ॥ तैंतोमो० ॥३॥
(अथकुंदनपुरकीकथा)॥ रुकमणींमाता अंदेसौकरै ॥ छंद ॥
कोटभाँणप्रकाशसुंदर ग्वालकेसँगकाबणैं देवजिनकालेख
लिखिया येहवचनराणीभणैं ॥ १ ॥ अंबकाम्हेघरपुजाती
जाणदेतीम्हेंनहीं ॥ येहीअंदेसौरह्योमनमैंचलनरुकमणनाक-
हीं ॥ २ ॥ प्रीतकीयेकबातसजनी रुकमणींहमसेंकही ॥ द्वा-
रिकासेंकृष्णआये वाकेसँगरुकमणींगई ॥ ३ ॥ माँडवौम्हारौ
रह्योकँवारौअबकहोकैसीबनैं ॥ दासपदमविचारकेमनरुदन
कररांणीभनैं ॥ ४ ॥ रागमारू ॥ राणींभणैंसुनौंराजाजीअब
कछुकरोविचारौ ॥ कृष्णदेवरुक्मणिनैंलेगयो माढौरह्यो
कँवारौ ॥ १ ॥ राजाभणैंसुणोराणीजी म्हारोकाईसारो ॥
कृष्णचंद्रथारेदायनआयौडाहललागोप्यारो ॥ २ ॥ राणींभ-
णैंसुणौमहाराजा हौंणहारकुंणमेटे ॥ म्हेतोहाँपडदारामाणस
करमकियाथारेबेटे ॥ ३ ॥ थाँरेकह्यासुणौराणीजीम्हेतोहरिगु-
णगायौ ॥ केसवकृष्णद्वारिकावासीभगतजाँणहरिआयौ ॥
॥ ४ ॥ आगेभीडचढ्याभगताँकीपणप्रहलादकोराख्यौ ॥
पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँवेदपुराणाँभाख्यौ ॥ ५ ॥ दोहा ॥
अबहीकौकौकँवरने, मनकौकपटनिवार ॥ दीनानाथदयाल
है, बिगडीलेतसुधार ॥ १ ॥ कँवरसताबीकौकियौं, भींवराव
औराणि ॥ जायपहूंतौहरिहलधरकूं, निम्रतकरमृदुवाणि ॥२॥
म्हारीकहज्यौवंदनां हरिहलधरसमजाय ॥ दासभींवकी

बीनती, दरसणदेवताजाय ॥३॥ भगताँकारजवपुरधरचौ, भलौ सुधारचौकाज ॥ अबहरिपरणपधारज्यौ, राखियौम्हारीलाज ॥ ४ ॥ लघूकँवरलघुताकरी, बेगपहूंतौजाय ॥ हातजोड हरिसाम्हनै, ऊभाअरजसुनाय ॥ ५ ॥ छोटाकँवरकीबीनती, सुणज्यौजादूराय ॥ व्यावरचावाँकुँवरिकौ, परणघराँलेजाय ॥ ६ ॥ राग मारू ॥ कामनिकहैकँवारीजायाँ होयम्हारीहल काई ॥ भींवसेनकीपतराखीज्यौम्हेरुकमणिकाभाई ॥ १ ॥ बाइरुकमणिकोब्यावरचावाँ तोरणथाँबगडास्याँ ॥ साँहण बाँहगहस्तीघोडा भलीभाँतमुकलास्याँ ॥ २ ॥ कुँवरकही सोविनतीमानींत्यारीसबैकराई ॥ कौठारचाँनैंआग्यादीन्हीं मनसावस्तुभराई ॥ ३ ॥ छपनभाँतकासीधाआया औरघणीं इधकाई ॥ भाँतभाँतकीलई मिठाई डेराँद्यौपहुँचाई ॥ ४ ॥ कुंदनपुरश्रीकृष्णपधारचाभींवकरैमनुहारी ॥ खानपानपक- वानमिठाइसबविधकरीतयारी ॥ ५ ॥ सीधाक्रोडजच्यारभ- णींजै गुँझाफीणीलाडू ॥ बहुप्रकारकीकरीतयारी कैंकलेवो जादू ॥ ६ ॥ अगवाणींसारीविधिदीन्ही कंचनथालीझारी ॥ पदभणैंप्रणमैंपायेलागूँमंगलकरौतयारी ॥ ७ ॥ राग मारू ॥ बिसकरमानैं तुरत बुलावौ बोल्यात्रिभुवनराई ॥ जैसाकुंदन पुरभींवरायका यासैंअधिकरचाई ॥ १ ॥ सिरीकृष्णकी आग्यालेकरकंचनपुरीबनाई ॥ सुंदरसुंदरमहलबनाया नीका चित्र मँडाई ॥ २ ॥ रवितलदूजा और न कोई श्रीपति की सरबराई ॥ ऊँचीऊँचीबनीअटारी खंभारतनजडाई ॥

॥ ३ ॥ हीरापन्नालालल्गायामोतियनचौकपुराया ॥ राजा भींवकोसबहीपरकरमाधौपुरमेंआया ॥ ४ ॥ रुकमणिकी मातासँगसखियां हिलमिलमंगलगाया ॥ चौरासीदरवाजा दीरघ मणिमाणकजडवाया ॥ ५ ॥ सातजोजनअरुकुंदना-पुरकीयेसी सोभालाई ॥ कंचनपौलबनीअतिनीकीरतनाँ-कीचितराई ॥ ६ ॥ सरसवाटिका भइचंदनकी गंधरही महकाई ॥ घरघरतोरणध्वजापताकाबांदरमालबँधाई ॥ ७ ॥ बैठकमध्यबनीअतिसुंदरआनँदउरनसम्हाई ॥ अठारेभारब-नासपतीले चहूंओरलगवाई ॥ ८ ॥ सुंदरकूंपतलावबावडी पंछीबैनसुहाई ॥ माधौपुरकीअदभुतसोभाजनपदमइयेगाई- ॥९॥ दोहा ॥ कंचनबाँधौसुंदरी, भीषमराजकँवार ॥ मार्गनि हारोनित्तही, दरसणहोयमुरार ॥ १ ॥ भींवनृपतघरमाँढवो, जादूपतकाजाँन ॥ दुलहनिराणीरुकमणी, दुलहौस्यामसुजाँन ॥ २ ॥ दुलहोउतरयोबागमें, सबहीसाजबनाय ॥ कुंदनपुरकी काँमणी, हरजीनैंदेखणजाय ॥ ३ ॥ पगाँजुबाँजैपैंजुनी, निरखत चालेछाँह ॥ रुँणझुंणबाजैंबीछिया, बाजैअणवटमाँह ॥ ४ ॥ मूँगफलीसीआँगली, बेलणबेलीबाँह ॥ दरसणपायोस्यामके पापप्रलैहोयजाँह ॥ ५ ॥ अतिउमग्योउरनिरखिकै, नैनमिले जदुराय ॥ पदमइयोस्वामीभणैं, मंदमंदमुसकाय ॥ ६ ॥ रागबरवाकीठुमरी ॥ चलसखीदेखनजाइये स्यामसायजा देबनां ॥ टेक ॥ मालिनलाईसेहरोदुलहाकेसीसपैरानां ॥ १ ॥ बागौसोहेकैसरचाँ सायजादेबनां ॥ २ ॥ वाकेमाथेपँचरँग

पागरी सेहरौअतिसोहनां ॥३॥ याजोरीकेऊपरेथारादासपदम बलिजानां ॥४॥ दोहा ॥ महलांमहलाँरंग हुया, सजसोलासिणगार ॥ डेरेचालोकृष्णके, बडाघराँकीनार ॥ १ ॥ रागमारू कंचनथारलियोमिलिसखियांभोजनसरसघलावो । बूराभात मिश्रीकोसीरो हरिनेजायजिमावो ॥ १ ॥ सोलासहस्रसहेली चालीविडदथालकीत्यारी ॥ लालरेशमीलहँगासोहैंचाल चलैमतवारी ॥ २ ॥ चोवाचंदनऔरअरगजाभरिगंगाजल झारी ॥ कृष्णबनाकेडेरेचालो शैनभगतकीनारी ॥ ३ ॥ जाय जानकेडेरेठाडी भोजनदियोजिमाई ॥ पदमभणैंप्रणमैंपाये लागूँहरिनिरखणनैंआई ॥४॥ गीतयुवतियाँको॥ टेर ॥ गोपाल लाल म्हेतोथाराडेरानिरखआईजीवसदेवजीरालाल ॥ म्हेंतो थाराडेरानिरखडआईजीगोपाल ॥ टेर ॥ गोपाललालम्हेंतो थारीजन्मजन्मरीदासजी वसुदेवजीरालाल ॥ म्हेंतोथारे जन्मजन्मरीदाजीसीगोपाल ॥ १ ॥ गोपालवृजपरइन्द्र-कोपचढो अतिभारीजी वसुदेवजीरालाल ॥ राखलईवृजकर परगिरवरधारीजीगो० ॥ २ ॥ गोपाललालघरपंडुवाकेआमल-डोसोलायोजीवसुंदेवजीरालाल ॥ कृपाईजदभंद्योबीजउगा-योजीगोपाल ॥ ३ ॥ गोपाललालपदमभगतथारा हितकरके जसगावैजी वसुदेवजीरा लाल ॥ म्हेतोथाराडेरानिरखड आईजी गोपाल ॥ ४ ॥ राग देस कुंदनपुरकीनारमोही थेकुंदनपुरकीनार ॥ टेक ॥ टूनाँसाकछुकीयाम्हाँपर नैंनन सुरमाँसार ॥ १ ॥ हिलमिलकेबाहो सखियाँ आई दरसण

कियानिहार ॥ २ ॥ रूपबिलोकतबईबावरी कुंदनपुरकी नार ॥ ३ ॥ पदमभणैं प्रणमैंपायेलागूं बसरह्योहियेमँझार ॥ ४ ॥ दोहा ॥ राजासुताभेलाहुआ, कौक्यामंत्रीसार ॥ साहेलासाकतिकरो, बिलमनल्यावोबार ॥ १ ॥ इंद्रायण बाजाभींवकै, राजलोकरुणकार ॥ सातजोजनअरुकुन्दनपुर, घरघरमंगलाचार ॥ २ ॥ राग मारू ॥ धूपदीपआरती उतारे सखियनमंगलगावै ॥ राग छतीस अलापेगंध्रवजाझाँ पारनपावै ॥ १ ॥ नौछावरनाँनाँबिधकरियेसुभबायकबोहो बानें ॥ चौरासीदरवाजादीरघ सकलबंध्याकेसानें ॥ २ ॥ हाटबाटचौहटसिंगारे औछाडेरबजाराँ कनकमहलराजा भीषमके जडियानंगजुहाराँ ॥ ३ ॥ चोवाचंदनऔरअरगजा मृगमदकेसरघोी ॥ रुकमकँवरखेलणनैंलागो छपनकोटसहोरी ॥ ४ ॥ बाजेंनौपतघुरैंदमाँमाँभींवकराअसवारी ॥ तीसलाखमखनाँकेऊपर मेल्हीअंबाबारी ॥ ५ ॥ छडीदारदरवाँन खिजमतीसहनाईरणतूरा ॥ पृथ्वीरंजगिगनकेलागी दीखणरहगयासूरा ॥ ६ ॥ भींवरायमिलबानैंचाल्योपाँचूंपुत्रबुलाया ॥ छोडदालखीहुंयापयादा जबजादवबतलाया ॥ ७ ॥ भींवरायनेआंवणदीज्यो केसोयूँबतलाया ॥ छप्पनकोटिभींवराजाकै जादवसनमुखआया ॥ ८ ॥ तेजीलाखतुरीअहराखीकिरडाकाछीलीनाँ ॥ रुकमइयेराजाभीषमकै जायसाम्हेलेदीनाँ ॥ ९ ॥ गौडकरेघूमंतागाजेअरुमहमंताहाती ॥ सातहजारहाथीभीषमजीदीहतण्यांमदमाती ॥ १० ॥ भींवराय

तबपायेलागौदेवपुष्पबरषाया ॥ उग्रसैंनवसुदेवरायनैंगादी-लेबैठाया ॥ ११ ॥ जादूतखतभयोदख्यौंतैं भींवरायकासा-जा ॥ नेंमनाथहलधरबतलायाबडौधजाबँधराजा ॥ १२ ॥ छपनकोटजादूजुडबैठा साम्हेलेसबराजा ॥ पदमभणेंप्रणमैंपा-येलागूं बाजैंनौपतबाजा ॥ १३ ॥ दोहा ॥ साम्हेलाकीसाखती तोरणकीताकीद ॥ सावाकरसाँगोधलू, घोडीचढावोबींद ॥ ॥१॥ चंचलचपलचमक्कणीं, चालतअटपटचाल ॥ मनमोहन मनमोहियौ, उचकचढेनँदलाल ॥ २ ॥ राग ठुमरीकाफी ॥ बनौंघोडीखूबनचावैहे ॥ बोलोघूममचावैहे ॥ टेक ॥ पगपैं-झुनठुमठुमकरैंहौंरुमझुमघूंघरमाल ॥ चाबकसूंचिमकेघ-णीं ओतोअलबलयौनंदलाल ॥ बनौं० ॥ १ ॥ मसतकति-लकसुहावनौंहैचंचलनैंनचकोर ॥ तैंमनमोहनबसकियौओ-ली।चतवनमैंचितचोर ॥ बनौं० ॥ २ ॥ आंटपलेटेकुंडियेहौ नागरनखरेचाल ॥ ठेकाउँताभरेवलीयातोंकूदतनौनौताल ॥ ॥ बनौं० ॥ ३ ॥ धिनकुंदनपुर धिनघडीजी धिनघोडीतुज भाग ॥ पदमस्यामशिवकरणमनोहर नृत्यनिरखअनुराग ॥ ॥ बनौं० ॥ दोहा ॥ सहलेसबभेलाहुवा, धरमनिसाण बजाय ॥ जाँनसिंगारीरावनैं, बागाजरीबणाय ॥ १ ॥ राग मारू ॥ बागाजरीसावटूचीरा शस्त्रवस्त्रअतिल्याया ॥ साम्हे-लेराजाभीषमजीधरमनिसाणबजाया ॥ १ ॥ दोनूँदलजबभे-लाहूवा गाजहुईअतिभारी ॥ हलधरखुरीरलावज्यौंजीभींवत-णीं असवारी ॥ २ ॥ छपनकोटजादूचढचालया जानींबासे

आया ॥ ब्रह्माँआयरलियौसहेलौसाजनकरबैठाया ॥ ३ ॥
आछौदूधधेनुधौलीकौ हरिका चरण धुवाया कनकथालखँग-
वालीझारी बडेबडेरेबधाया ॥ ४ ॥ उडतगुलालअंबरनहिंदी-
खै बांहभरीभरजौरी ॥ कहैपदमहरितोरणआया भींवरायकी
पौरी ॥ ५ ॥ राग सोरठ ॥ तोरणआवियाब्रजराज ॥ टेक ॥
चढदलदेवविमाणाँमाँहींपुष्पाबिरखालाया ॥ १ ॥ कुंदनाँपुर-
कीकामनिहारिकोसुंदरवदनलुभाय ॥ २ ॥ प्रहलादकीतंग्या-
राखीनरसिंधरूपबनाय ॥ ३ ॥ बलराजाकेद्वारपधारे बावन-
रूपधराय ॥ ४ ॥ घुरैंनिसाँणत्रमागलगाजे रँगभींनीछबि-
छाय ॥ ५ ॥ तोरणचढसिरिकृष्णपधारे दासपदमजसगाय
॥६॥ रागमांड ॥ सखियारेतोरणआयाहैं नंदकिशोर ॥टेक॥
तौरणरतनजडाविया भींवसेनजीरीपौर ॥ चिरियातोसोहैं
सोवनीं सोहै सुवरणमौर ॥ तौरण० ॥ १ ॥ हरीडारिहाजर
करि पुष्पां कलीरेरुहमोर ॥ हरकलिवीहरहातमैंउरआनंद-
जोर ॥ तौरण० ॥ २ ॥ पुरनारीचहुँओरतें आईमिलकर
दौर ॥ निरखतमानूँ चित्रसी जैसेचंदचकोर ॥ तौ० ॥ ३ ॥
जरकसबागौपागपै सौवैमोतियनमौर ॥ पदमभणैंपुरकाम-
णीलीनौचित्तचिकोर ॥तौ०॥४॥ राग परवाकाफी ॥ सखीरँ-
गीलाबननैंआघौआबादीज्यौंहे ॥ टेक ॥ पुरनारीचढमहल-
अटारी निरखतनैंनसराबादीज्यौंहे ॥ १ ॥ माधोरीमूरतबसी
उरमेरेटुकियेकयाकौंविलमाबादीज्यौंहे ॥ २ ॥ पदमभणैंप्रण-

मैंपायेलागूं आवागमनमिटाबादीज्यौहे ॥ ३ ॥ राग सोरठ ॥
समदणआगीआवो काजलसार त्रिभुवनऊभा थारेद्वार ॥
॥ टेक ॥ दाँताँमिसीसोहनीं मोतियनदिर्पलिलार चुंपांसौ-
हैंचमकणीं नथसोहैमलकार ॥ १ ॥ चुडलौहस्तीदांतकोपह-
ऱ्यौबाँहपसार ॥ कंकनरतनजडावका उरपराहारहजार ॥२॥
छपनकोटजादवजुडचा आयाकृष्णमुरार ॥ नैंणांरसलुटैपद-
मकुंदनपुरकीनार ॥ ३ ॥ कालिगडो ॥ कांमणकरबा
आई लाडाजोवाँबाटतुमारीराज ॥ येसाकांमणम्हराजादू-
वरनैंसोहै ॥ टेक ॥ जिणकामणांहेरणाकुसमारचो नखसूंऊ-
द्रबिडारचोराज ॥ जलसूंराखअगनसूंराख्यो जनप्रहलाद
उबारचोराज ॥ १ ॥ जिणकामणतैं लंकातोरी सागरसिला-
तिराईराज ॥ कुम्भकरणमहरावणमाऱ्योफेरीरामदुहाई
राज ॥ २ ॥ जिणकाँमणसूंसमँद्रबिलोयोबासकनेताकीन्हारा-
ज ॥ चवदेरतनकाढकरल्याया बाँटसबनकोदीन्हाँराज ॥ ३ ॥
जिणकामणसूंछलवललीन्हातीपैंडभरलीन्हाँराज ॥ चंदा-
सूरफिरेजितनीपैं दोयपैंडकरदीन्हाँराज ॥ ४ ॥ जिणकाम-
णसैंकंसपछारचो जीत्यौमल्लअखाडौराज ॥ कुबलियापीड
कूजरकूमारचोजमलाअरजुनपाडचौराज ॥ ५ ॥ सातना-
लकौतागोल्याईतातसहेलीआईराज ॥ सिरीकृष्णकूनापण-
लागी नापतदेहबधाईराज ॥ ६ ॥ येकसहेलीयेसैंबोलीसुण-
म्हारीरुकमणबाईराज ॥ येसाँकामणकराँकृष्णपैहाजररहे
सदाईराज ॥ ७ ॥ दूजीसहेलीयेसैंबोलीसुणम्हारीरुकमण-

बाईराज ॥ येसाँकामणकरूंकृष्णपैंदिनदिनमुलकतजाई राज ॥ ८ ॥ तीजीसहेलीयूंउठबोलीसुणम्हारीरुकमणबाई राज ॥ मातापिता कबहूँनहिंचावै चावैम्हारीबाईराज ॥ ९ ॥ चोथीसहेलीकुंदनपुरकी नीचीनीचीआईराज ॥ कृष्णखडा चहुँदिसनैजोहैं बंदतौडलेजाईराज ॥ १० ॥ बंधवंधमेंकाँमणबाँधूँतोबाबलकीजाईराज ॥ इतनींबातकृष्णजी सुणकर चुटकीदेर उडाईराज ॥ ११ ॥ ऊपर ऊपर लेचकफेरा तुँइतुँइ करतीआईराज ॥ थारेकाम्कुंणकरेथारीतीनूलोकदबाई-राज ॥ १२ ॥ चरखीमोरहवाईछूटेत्रिभुवनतारण आया राज ॥ सबसखियनमिलमंगलगाया कुंभकलसबँधवाया राज ॥ १३ ॥ ब्रह्मांजीनैंवेगबुलाया मोतियनचौकपुराया राज ॥ ब्रह्माइंद्रआदिलेमुनिजन ऊधौचँवरढुरायाराज ॥ ॥ १४ ॥ गणपतिसरिखेचढेबराती जेसैंभाँणदिपावैराज ॥ सुरातेतीसूंहरखहुवा जब पुष्पब्रषा बरषावैराज ॥ १५ ॥ सब जादूबनरयेबरातीदुलहोकँवरकान्हाइराज ॥ कंचनथालधरयाकरऊपरतोरणसीकपगाईराज ॥ १६ ॥ राणींसाजआरत्यौआईदिवलेजोतसवाईराज ॥ पांचपदारथदियेआरत्येपदमभगतबलिजाईराज ॥ १७ ॥ राग कालिंगडाकी ठूमरी ॥ जादूबरनैकामणकरस्यां ॥ करस्याहेम्हैंतोनहिंडरस्यां ॥ जंतरलिखपिचरंगपगरीमेंसहियोहेमेधरस्यां ॥ टेर ॥ कामनियाशिरपेचकिलंगीझुकतेतुररेसोहैं ॥ कामनियांनासाकोमोतीभालतिलकमनमोहैं ॥ अंजनजुतखंजननैननमेंमुखबीरी

मधुरीबैननमैं ॥ काननकुंडलसोभाभारीछूटरहीलरघूंघरवा-
री ॥ कामनि० ॥ १ ॥ कामनियाहीरेकीकंठीओरमोतीनकी
माला ॥ कामनियांगरुडासनसोहैओरबनैसुखपाला ॥ धनुष
बानकरकमरकटारेलखिहिदीलालनछबिवारे ॥ तनुझीणे
केशरीयेबागेफँटदूपटेघुलघुललागे ॥ कामनि० ॥ २ ॥
कामणियांअतलसकीसुथनीरेसमानाडेछाजैं ॥ कामणियांज-
रजोधाजोडीपावनपरछबिछाजैं ॥ अबजदुनंदनतोरणआये
कराँसहेल्यौमनकाचाये ॥ अतिसुंदरभायाँकीजोडी बाँधूस-
वालाखकी घोडी ॥ कामनि० ॥ ३ ॥ कामणियाँसूरनाल
पलाखीऔरघोडासबहाथी ॥ कामनियांरथबाहनसोहैओर
बनडेकेसाथी ॥ सुरनरमुनिजनप्रोहितघरकेकुलकेदेवसभी
जदुवरके ॥ औरसबैईडेरेठाडेसस्त्रवस्त्रऔरखेडेखाँडे ॥ काम०
॥ ४ ॥ कामनियाँफूलनपरसोहैजैकोईगुंधपरावे ॥ कामनियां
चोवामैंभीनाजैकोईअतरलगावै ॥ नानी मामी भाभी काकी
जंत्रमंत्रमैं सबही पाकी ॥ औरसुहेल्याँकी गतिन्यारी ॥
सोदीखैसोकामणगारी ॥ कामनि० ॥ ५ ॥ नवलबनकीभू-
वाबाईकरडाकामण जाणै ॥ रतनजडितकंचनकेपिंजरैसूबा-
करबैठाणे ॥ बनडेकी गति बनडी जाणै महालां बैठीमंत्र
चलावै ॥ पावपडंतोबनडोआवैतोकामनकोपरचोपावै ॥ काम-
नि० ॥६॥ रतन पदारथदिया औरतै जादूडेरै आया ॥ सखी
सहेलीअन्दरआईमनमैं हरषसवाया ॥ कुंदनपुरसबकामण-
गारो पदमस्यामअवतुमहिउबारो ॥ जोयहकामणसुनैरुगा-

वे वसैवैकुंठभोरनहिआवै ॥ कामिनि० ॥ ७ ॥ राग कालिंगडौ ॥ कांमणियाँम्हेनहिंजाणाँ ॥ टेक ॥ काँमणगारीबनींकी भवाजिनसैंकरज्यौअरजी ॥ नंदकँवरब्रजराजबनाँपरकामणरीकाँइमरजी ॥१॥ सातसुईलेसातसवागणलीलोडोरोल्याई ॥ इणडोरामैंबसकरराखाँ रीझेरुकमणबाई ॥ २ ॥ इणडोरैंजादवबसकरस्याँइणरोइचरजभारी ॥ इणडोरामैंयहसकलाई बसकरस्याँगिरिधारी ॥ ३ ॥ सटपटमहँदीमौलीगटपटगुलीसिंदूरमँगाये ॥ चटपटकाँमणकराँबनाँपर झटपटबसहोयजाये ॥ ४ ॥ रतनजडितमादलियौल्याई डरौमाँहिंभरावाँ ॥ मदछकियाब्रजराजबनाँनैं कानपकडकरल्यावा ॥ ५ ॥ भींवपुरीअतिआनँदउपज्यौ कविजनकदतनआवै ॥ तीनलोककेनाथबनाँपरपदमभगतबलिजावे ॥ ६ ॥ दोहा ॥ काँकणबाँधेसुंदरी, भीषमराजकँवार ॥ माँगेनिरंतरजौहिये, हरिपपतिप्राणअधार ॥ १ ॥ कुंदनपुरकोमाँढवौ, जादूपतकीजाँन॥ दुलहिनराणींरुकमणीं, दुलहौस्याँमसुजाँन ॥२॥ छंद॥रुकमणिंमलौउबटणौमैंलछुडाइये ॥ हँससीदुरजनलोगतिन्हेंनहिंपाइये ॥१॥ सबसखियनकरौंसिंगारकपनघटजाइये॥कुम्भकलसभरवाय भवनमैंल्याइये ॥ २ ॥ बनिताल्याईदौडचऊँहतलीजिये ॥ तेलफुलेलरलायमिलूनाँकीजिये ॥३॥ मलियागीरकोपाटअँगनमैंबिछवाइये ॥ गंगाजमुनकानीररुकमणींन्हवाइये ॥ ४ ॥ सझसोलासिंणगारखुलीचंपाकली ॥ उरमालकीसोभानिरखिनैंनहरखीअली ॥ ५ ॥ मंगलगावैंनारहरखिकेरंगर-

ली ॥ पद्मइयौछबिरुचिररुकमनींकीअतिभली ॥६॥ दोहा ॥ उछबभयोमाधोपुरी, घर घरमंगलचार॥कुंदनपुरकी कामणीं, सझसोलासिणगार ॥ १ ॥ राग मारू ॥ सबसखियन मैंनारसयानींनृपभीषमकीनारी ॥ बहुदीपककीसाज आरती राणींकरीतयारी ॥ १ ॥ नृपभीषमम्हारोकरौंआरत्यौ जिनपूरबप्रीतपिछाणीं ॥ नंदग्वालकौकरतआरत्यौलाजमरेगीराणीं ॥ २ ॥ पडदेवरुकमणयेसैंविनवैसुणियोजादूराई ॥ राजाभीषमकीपतराखौ याछैम्हारीमाई ॥३॥ तुमतौअवगुणकौं गुणकीन्हेंसाखवेदमैंगाई ॥ पूरणब्रह्मपदमकेस्वामीचरणकमलबलिजाई ॥ ४ ॥ दोहा ॥ डेराँआपपधारिया, त्रिभुवनतोरणबाँन ॥ घूमतडागेबरघणाँ, घुडलासोहैजाँन ॥ १ ॥ भींवनकीबाखिनाइया, जादवबेगपधार ॥ करौसताबीजाँनमें, फेरांहोयअँवार ॥ २ ॥ राग मारू ॥ ब्रह्माइंद्रदेवसबसोहैं उद्धवचँवरढुलावै डेराँसूंप्रभुहरकरुचाल्याराजदवारेआवै ॥ १ ॥ चंदनकी चौकीबिछवाईऊपरस्यांमचढाया ॥ भींवकँवरींनैंबाहरल्याया फेराबाहरदिराया ॥२॥ ब्रह्माजीनैंबेगबुलायामोतियनचौकपुराया ॥ कलसगनेसपुजावैंनींकाविधिसैंब्यावरचाया ॥ ३ ॥ दोहा ॥ छपनकोटजादूजुडे, उग्रसेन वसुदेव ॥ गारीगावैंकाँमणीं, कहिकहिन्यारोभेव ॥ १ ॥ राग सोरठ ॥ जाचकजुडे अपारा ॥ सबगावैंमंगलचारा ॥ टेक ॥ ब्रह्माजीवेदउचारे ॥ करसरवोलेघृतझारे ॥ १ ॥ तहाँकलसगणेसपुजावे ॥ जहाँसोवनसूतफिरावै ॥ २ ॥ ब्रह्माजीवेदपढ़ावै ॥ जबदिक्षणाँकल-

सघलावै ॥ ३ ॥ तहाँसप्तमात्रिकाध्यावै ॥ हतलेवैहातदिरावै- ॥ ४ ॥ जबवेदिमंत्रअहुताये ॥ तब सखियनमंगलगावै ॥५॥ राग मारू ॥ पहलोफेरौलीन्हौंजाद्दूदीन्हाँअरबअपारा ॥ दूजो फेरौलीन्हाँजाद्दूदीन्हाँकुंजरसवाँरा ॥ १ ॥ तीजौफेरौलीन्हौं जाद्दूदीन्हाँरथझणकारा ॥ चौथोफेरौलीन्हौंजाद्दूदीन्हाँरतन- अपारा ॥ २ ॥ बावैंअंगजबलेबालागारुकमणिनाहिंजआवै ॥ बावैंअंगहमजबहीआवैं वचनस्यामकोपावैं ॥ ३ ॥ जनमजन- मकानाथहमारा म्हैंअरधंग्याथारी ॥ सोलासहसमैंजायमि- लावों ॥ नितउठद्यंगीगारी ॥ ४ ॥ तुमजिनजानौंऔरवराबर येसीबाततुमछाडौ ॥ सोलासहसकेपायलगावो तोसुंहमग- ताँकीकाढो ॥ ५ ॥ जोयेबातकहीसोमानी कह्योतुमारोका- न्हौं ॥ सोलासहससिरैपटराणीं राजपाटतोयदीन्हौं ॥ ६ ॥ जबजीवणाँसूंडावाआया अंतरपटकरवाया ॥ बीरसेवरामामे- रुचकर ब्रह्माजीदिखाया ॥ ७ ॥ खूटी पूजीधूपुजवाया पुन्या हवाचनकीया ॥ सप्तपदीब्राह्मजबबोलेपदमदाँनहरिदीया ॥८॥ दोहा ॥ परणायाजादवपती, ब्रह्माँमाँगैभूर ॥ लागतलागदि- रावज्यौ, विप्रादालिदद्दूर ॥ १ ॥ राग सोरठ ॥ ब्रह्माँनैभूरदि- रावौ ॥ सबजानींकौकबुलावौ॥टेक॥जहाँअगणितभूरपिवाइ । जान्याँकीकरेबडाई ॥ जान्याभरझोंरीदीन्हीं ॥ ब्रह्माजीथाल मैं लीन्हीं ॥ १ ॥ भूरतोसुरततेतीसादीन्हीं ॥ तातैंइधकीकीरत कीन्हीं ॥ शिवमांढौभलबरषावे ॥ जाकूंजनपदमइयौगावै ॥२॥ राग सिंधू ॥ भींवरायकूंब्रह्माबोल्या, हतलेवौरे छुडावौ ॥

सवालाखधेनूजबदीन्हीं, हतलेवौछुडवायौ ॥१॥ दोहा ॥ परणपधारेजदुपती, घुडलांघुरोनिसांण ॥ जाचकमांगैजौडलादौ, औलगियांनैंदांण ॥ १ ॥ भींवभंडारीकौकिया, चलेजानमें- आय ॥ जादूपतसौंबीनवें, दईअरजगुदराय ॥ २ ॥ कँवरहो- यजोजांनमैं, दीज्येसंगराखिनाय ॥ कँवरकलेवेभींवजी, वेगाँबेग- बुलाय ॥ ३ ॥ हरिहसिकेयेसेंकही, गणवतकूंलेजाय ॥ येहकँ- वरहैजानमें, याकूंभूखसताय ॥४॥ राग मारू ॥ शुक्रशनिश्चर लारेलीन्या मुलकतमाढेआवै ॥ भावरायकीपोलपहुंच्याफूं- ल्योअंगनमावै ॥ १ ॥ करिमनुहारघणीगणपतकी देआसनबै- ठाया ॥ जाजमजरीगलीचाऊपरसुबरणथालधराया ॥ २ ॥ कंचनथालभरचौपकबानागणपतजीमणलाग्या ॥ देखसता- बीपुरसणवालालाबैंभाग्याभाग्या ॥ ३ ॥ सखियाँकरीमनुहा- रनहरिकीगणपतकियोनकारो ॥ म्हानैंतोभोजनहींभावैथारो नीरनिवारो ॥ ४ ॥ पाचूंकँवरपरोसणलाग्याभरभरलावैचंगेरी ॥ कहगणपतजीसुणरुकमैयाठीकनलागीमेरी ॥ ५ ॥ मेरोक- ह्योबचनथेमानोमतनाखेचलखावौं ॥ जोसामानकरचौहैथारै सोम्हानैंदिखलावौ ॥ ६ ॥ करकिलकारचढ्योभंडारां अपन- रदृष्टिउठाइ ॥ तीनग्राससारीकाकरगयौ और न बचीमिठाई ॥ ७ ॥ माचगयोसारीनगरीमैंभूखहिभूखपुकारै ॥ दोदोअं- गलजमीचाटगयोपापडभोलेकिवाडै ॥ ८ ॥ टगटगमहलच- ढ्योसुबरणकैराणींसैंबतलायो ॥ बासीकूसीधर्योढक्योडो सारोभोजन खायो ॥ ९ ॥ बोलैराणींसुणरेगणपत थेथारे

घरजावो ॥ मातगौरजापितासदाशिवदोन्यानैभखजावो ॥
॥ १० ॥ राणीकहैसुनोराजाजीअबकेहुरमतजासी ॥ ऐंका-
बडापडयाडेरामैंवेकुणानैंखामी ॥ ११ ॥ राजाअरजकरी
प्रभुजीसैंमैंतोदासतिहारो । बालकबालकरलबतलायाइनको
दोषनिवारो ॥ १२ ॥ आग्यादीनीविषकरमानै सबभंडारभ-
राया ॥ पदमकहैसबसखीसहेली गणपतिकाजसगाया ॥
॥ १३ ॥ दोहा ॥ सखियाँकासुणकेवचन, मिल्यौ जानमैं
आय ॥ तबजादूपतिपूछियो, अपनेपासबुलाय ॥ १ ॥ राग
मारू ॥ माडेजीमगणपतिजीचाल्या जादूजानमैंआया ॥ मु-
लकंताजादूपतिपूछा भूखारयाकघाया ॥ १ ॥ हँसकेकहाकृ-
ष्णसैंगनपतिनाभूखानाघाया ॥ थारेभातदूसरोहोसीभींवभं-
डारमिठाया ॥ २ ॥ इतनीबातबोलप्रभुआगे शिवकासरणो-
लीनो ॥ इसकंगलेकेब्यावणआयानहींकलेवोदीनो ॥ ३ ॥
आंगलटूकचलूपाणीकीशिवशंकरजीदीनी ॥ वोठाकुरथाती
नलाकका सभीभूखहरलीनी ॥ ४ ॥ हलधरकहैगौरजानन्दन
जीमतलाजनआई ॥ पदमकहैसबजानीबूझैंहँसरयाजादूराई ॥
॥ ५ ॥ राग बरवौ ॥ सुणगणपतजीमहाराजकदेनहिंतूघायौ
॥टेक॥ थारोपिताजुसंकरदेवगौरज्याहदजायौ ॥१॥ छाडदियौ
कैलासहारकाकूंधायौ ॥ २ ॥ गयोजानमैंरूसमनायरकुंणल्या-
यौ ॥ ३ ॥ सौमणखायामूंग साठमणाघीखायौ ॥ ४ ॥ अल-
डबलडकासागकखुरचखुरचायौ ॥ ५ ॥ नहींछोडयाचूराबूरा-
तोहीतूंनहिंघायौ ॥ ६ ॥ कियौमौकलौमाल सबीतौतैंखायौ

॥ ७ ॥ फाटतपेटअपारपारकिनहुं न पायौ ॥ ८ ॥ पदम-
भगतबलिजायसख्यौंयूँजसगायौ ॥ ९ ॥ दोहा ॥ रुक-
मणिकृष्ण विहायकैं, हरख्यौभीमराय ॥ जानजिमावण-
जादवाँ, लीन्हाबेगबुलाय ॥ १ ॥ राग सोरठ ॥ जादूजीमवा-
नैआया ॥ राजभीषमकेमनभाया ॥ टेक ॥ ल्यावोजाजम
जरीबिछावो ॥ वाकौं आदरदेबैठावो ॥ चंदनकीचौकीमंगा-
वौ ॥ दुलहाकेपासमेल्हावो ॥ १ ॥ कंचनकाथालमंगावो ॥
जादवाँकीपाँतमिल्हावो ॥ भींवजीनैंबेगबुलावो ॥ वसुदेवजी
केपाँवधरलावो ॥ २ ॥ अब रुकमकँवरने ल्यावौ ॥ दुलहा
केपासविठावो ॥ मेवापकवानमँगावो ॥ बोहोभाँतजलेबी-
ल्यावो ॥ ३ ॥ ल्यावोघेवरफीणींखाजा ॥ जीमैतीनभवनको
राजा ॥ ल्यावोमूंगमातमँगवावो ॥ पाणींज्यूँघिरतबहावो ॥
॥ ४ ॥ जादूरुचरुचभोजनकीज्ये ॥ योभातदियोसोलीज्ये ॥
ल्यावोकैरकरेलीताजी ॥ बनोदालकढीसूराजी ॥ ५ ॥ छत्ती-
सूंबिंजनल्यावे ॥ येतोसबहीकेमनभावे ॥ थाँरोदासपदमज-
सगावे ॥ सखियनजबभातबधावे ॥ ६ ॥ राग मारू ॥ बांधाँ
कुलवसुदेवदेवकी नंदजसोदामाई ॥ बहनभूवाअरुकाकी
मामी बाँधाँधायरुदाई ॥ १ ॥ काँनफूँकअरुनालामोडया
जिणथाँनैंदियान्हवाई ॥ छपनकोटजादूसब बाँधाँहल-
धरभाई ॥ २ ॥ पंथपयाणाँबाँहणबाधाँजिणथैबैठा आया ॥
बाँधातालसरोवरकूवा जठेतठेयन्हाया ॥ ३ ॥ रथसिबकासा
बसाकतबाँधाँ बाँधाँघोडाहाती ॥ जानबाँधजनवासोबाँधाँबाँ-

धाँसबैबराती ॥ ४ ॥ बाँधाँदंतबतीसीकीलाँमंत्रफुराँवाँनीका ॥ शस्त्रसिंगारवस्त्रसबबाँधाँरंगरँगीलाटीका ॥ ५ ॥ बाँधाँथाल प्रीतकरपुरस्यो भोजनसरसमिठाई ॥ चटनीऔरअथाणाँ- बाँधाँ बाँधाँ मिरची राइ ॥ ६ ॥ बाँधाँपाकपकोरीपूरीअरु- सबपोईराँधी ॥ छप्पनभोगछतीसूं व्यंजन जोपुरसीसब बाँधी ॥ ७ ॥ जलबाँधाँजलझारीबाँधाँचौकीछालबँधाया ॥ पदमभक्तशिवकर्णमनोहर सखियन मंगल गाया ॥ ८ ॥ (अबनारदजीभातछुडावे) ॥ राग रेखता ॥ श्रीकृष्णकाध्या- नधरौरी पातलछूटनकहूंसुनौरी ॥ १ ॥ तुमरे भव- नव्याहनकूं आये ॥ राजाभींवबहुमाँबधाये ॥ २ ॥ जो तुमबाँध्यौयहपकवानैं ॥ मुगतहोयसुनौंदेकानैं ॥ ३ ॥ छूटापेडामीठीफैंणी ॥ बाधूँसीसगुथीजोवैणीं ॥ ४ ॥ छूटौ- सिरौधायोघीकौ ॥ बाँघूबौरजडाऊटीकौ ॥५॥ छूटीसाबूनी उजरारूपक ॥ बाँधूँकरणफूलजडाऊझूंबक ॥ ६ ॥ छूटीखी- रपुरीजूकेसर ॥ बाँधूँनाकरहीज्यूंबेसर ॥ ७ ॥ छूटाबडासा- लूणाँसज्जल ॥ बाँधूँचमकनैनकेकज्जल ॥ ८ ॥ छूटीबरफीकं- दरबाँकी ॥ बाँधूँदंतचंपसोनाँकी ॥ ९ ॥ छूटापूवाघ्रतमैं साजू ॥ बाँधूँजुगलबाँहकेबाजू ॥ १० ॥ छूटीजलेब्याँघ्रतमें रली ॥ बाँधूँकाँकणछन्नपछेली ॥ ११ ॥ छूटापापडपुरीक- चौरी ॥ बाँधूँकसपरिकरकेदौरी ॥ १२ ॥ छूटेमूँगसवाद- दाल बाँधूँतिमण्यामोतियनमाल ॥ १३ ॥ छूटौरायतो अरु आचार बाँधूँदूलरीतिलरीजार ॥ १४ ॥ छूटामोदकसाग-

रुघेवर ॥ बाँधूँचरणबाजतानेदार ॥ १५ ॥ छूटौरायतौबहुर-
सछकिया बाँधूँअणबठचिटुडीबिंछिया ॥ १६ ॥ इतकेसब-
छूटेपकवांन ॥ बाँधूँसमदणसुणोसुजांन ॥ १७ ॥ छप्पय ॥
बँधेगूघरूपायबँधेनाडौकसकम्मर ॥ बँधेसीसपरबोरओढणीं
मेघाडंबर ॥ बंधेबाजुबंदबाह्यबँधकांचूकसकाठी बँधेतिम-
णियौकंठसीसपरबंधेआटी ॥ सबसिंगारसौहैसरसतूटातार
नसंधिये ॥ पातलामहाप्रसादकीभोजनकबहुँनबंधिये ॥ १ ॥
पावडावक्करबंधपीवगहणाँपहिराया ॥ कमरबंधकरसूरडार
रेसमकील्याया ॥ कांचूबंदकसीसमौरबंधसैठालागा ॥ हत-
संकलांसूँहातबांधमरमटनहिंभागा ॥ नाककाँनदोउबींधके
चोटीबांधीतानके ॥ बंधीबंधाईबंधरहीभोजनछूटेजांनके ॥
॥ २ ॥ कहैकान्हपरवाँनबंधेसिरसायरपाजा ॥ कहैकाँन्ह-
परवाँनबधसांकलगजराजा ॥ कहैकान्हपरवाँबंधेहरि हे
तविचारा ॥ कहैकान्हपरवाँनबधेवचनाँजुगसारा ॥ जांनजि-
माँवणजुगतसूंगावौरंगबधावणाँ ॥ पातलमहाप्रसादकीबोहो-
रनबंधीजावणाँ ॥ ३ ॥ आरोगौरघुनाथसियावरस्यामहमा-
रा ॥ आरोगौजगनाथजगतकेरक्षणहारा ॥ आरोगौइणभाँत
रुकमणींप्राँणरंगीला ॥ आरोगौमहाराज छत्रअवताररछबी-
ला ॥ जाँनजिमावणजुगतसूं सगपणहेतबधावणाँ ॥ पातल-
महाप्रसादकीरुचरुचभोगलगावणाँ ॥ ४ ॥ छंद रेखता ॥
अतिमनुहराँजीमीजान ॥ मौछनदईसुपारीपान ॥ १ ॥
जातजीमआसीसाँदई समधिनकेबहुकन्याथई ॥ २ ॥

जेजेजानीबरातीआये ॥ येकयेकसबकूंद्योंव्याहे ॥ ३ ॥ ये
सौमंत्रफुरयौहैमेरौ ॥ पदमभतचरणाँकौचेरौ ॥ ४ ॥ राग
सोरठकी काफी ॥ गारीगावैकैसैंलालकौंगारीदीज्ये ॥ याह-
रिकौचरणोदकलीज्ये ॥ टेक ॥ जान्याँजीहरिजान्याँ ॥ मथु-
रातैंगोकुलआन्याँ ॥ कोईजानैंजाननहारा ॥ नवरंगानहेतु-
मारा ॥१॥ हरिनीकारीहरिनीका ॥ जिनतौरच्याब्रजकाछींका॥
हरिनटवररीहरिनटवर ॥ येतौगुजरियाँआंगननचवर ॥ २ ॥
याकेदोयबापयेकमाई ॥ यानैसबहीसिष्टउपाई ॥ हरिआदूरी
हरिआदू ॥ याकेमनभावैंसबजादू ॥ ३ ॥ याकेकुलकोकार-
णनाहीं ॥ भिलणींकेबेरखवाहीं ॥ याकैजातपाँतनहिंन्यारी
याकेभगतिकरैसोहिप्यारौ ॥ ४ ॥ कान्हाँकुंताँभुवातिवारी ॥
जिनजायोकरणकँवारी ॥ कान्हाँबहनसौदराथारी ॥ सोतो-
अरजुनसंगसिधारी ॥ ५ ॥ गारीदेतकृष्णकीसारी ॥ वोतो
भरजोबनमतवारी ॥ गारीदेतकृष्णकीसासू ॥ जाकेपडेप्रेम-
काआँसू ॥ ६ ॥ गारीगावैसातसहेली ॥ वेतोभरजोबनअल-
बेली ॥ थारोजसपदमइयौगावै ॥ कुछरैसबधाईपावै ॥ ७ ॥
(पाछीगारीनारदगावै)॥ राग बरवौतालठुमरी ॥ सांवरियौमो-
मोहैरँगीलीनथवारी ॥ टेक ॥ घुमघुमालौलहँगौअतलसीज-
कसरेसमींसारी ॥ कुचकठौरपैअंगियाँसोहैउरपरहारजा-
री ॥ १ ॥ मोतियनमालगले बिचसोहैं दुलडीअजबसँवारी॥
तनजटितभुजबाजूसोहैं काँकणसबविधकारी ॥ २ ॥ भँवर
कवाँणतणींभुवबंकीनैननौखिअणियारी ॥ निरखतलगेबाँन

उरबेधे सुंदरकाँमणगारी ॥ ३ ॥ स्यामसुंदरकुंहितकरजोवो भरलोचनयेकबारी ॥ पदमभणैप्रणमैंपायेलागूं ॥ उबरयोसरणतिहारी ॥४॥ (पाछीगारीसख्याँगावैं) ॥ राग सोरठ ॥ जाण्याजाण्याकृष्णजीजाण्यांथाँनैंजाण्याँहोनवरंगलालबण्याँ ॥ ॥ टेक ॥ थांरीमाईजसोदाजाणीं ॥ थानेऊखलबाँधरताणीं ॥ थाँनैंकंसतणाँडरलागा ॥ थेतोरातअंधेरीभागा ॥ १ ॥ थांरीभुवाभरमगमायो ॥ बातोकरणकँवारीजायो ॥ थांरीबहन सौदराजानी ॥ वेतोअर्जुनरूपलुभानी ॥ २ ॥ थेतोबिन्यायकनैंल्याया ॥ म्हाराटाबरसबडरपाया ॥ तूंतौनंदमहरको धोटौ ॥ तेंतौठिणकरमांग्यौरोटौ ॥३॥ थेकाराकृष्णजीकारा॥ थेतोदोयबापनकाप्यारा ॥ थेतोबनमैंछाकमँगाई ॥ थेतोकुकीलाजगवाई ॥ ४ ॥ थेतोजीमौकृष्णजीलपसी ॥ थाँरे साथीमहादेवतपसी थेतोजीमौकृष्णजीखाजा ॥ थाँरेजानींउग्रसैंनराजा ॥ ५ ॥ थेतोजीमौकृष्णजीलाडू ॥ थाँरैजानी पाँचूपाँडू ॥ जीमौजीमौकृष्णजीसीरौ ॥ थाँरैजानींहलधरबीरौ ॥ ६ ॥ जीमौजीमौकृष्णजीचावल ॥ थाँरैजानींनारदरावल ॥ थेतोनारदनैंक्यूंल्याया ॥ म्हाराटबरियाभरमाया ॥७॥ गारीगावैंकृष्णजीसारी ॥ वेतोसदाकँवरमतवारी ॥ गारीगावैकुंदनपुरनारी ॥ याँनैंदीज्यौपानसुपारी ॥ ८ ॥ गारीसबहीकेमनभावैं ॥ दुलहाकौमनहारखावैं ॥ येसंपदमभक्तपदगावैं ॥ कुछरेंसबधाईपावैं ॥ ९ ॥ राग कल्याणकी ठुमरी ॥ मुगटधरमहरकाहौ, कान्हाँदोयबापनकौजाँम ॥ टेक ॥ यक-

बापमथुराबसेजी थाँरोदूजोगोकूलगाँम ॥ १ ॥ नंदकोकहूंकव-
सुदेवजीबालाकांइकांइकहवतलावाँ ॥ २ ॥ हिलमिलफूंदी
देगयोजीकान्हा, बरसाणाँकेमाय ॥ ३ ॥ गोरा वसुदेवजी
हौकान्हाँ, गोराहीनँदराय ॥ ४ ॥ स्यामवरणकेसूंभयोजी-
बाला. जाकौठीकनठाय ॥ ५ ॥ देवकीकीकूखमैंजनमियाँजी
कान्हाँ, जसोदागोदखिलाय ॥६॥ भुवाथारीकुंतीकाहौ, वातो
जायौकरणकँवारी ॥ ७ ॥ बेनडथारीसौदराहौ, अरजुनलेग-
योरथबैठारी ॥८॥ पदमइयौस्वामीभणेंजी गावैंकुंदनपुरनारी
॥९॥ (पाछीगारीनारदगावे) ॥ राग आसावरी ॥ मौरीब्यायण
तूंसमदणमतवारी ॥टेक॥ पहलीतौदुलहाकूँमोह्यौ, पीछेजान-
जुसारी ॥१॥ वेदउचारतब्रह्मोमोहे, संकरनेजाधारी ॥ सिंगी-
रिषसेबनमैंमोहे, मोहेपंचहजारी ॥ २ ॥ अरजुनसेरथवारी
मोहे, नारदसेब्रह्मचारी ॥ सबहीदेवद्वारपैंमोहे, रुकमकँवरकी
नारी ॥३॥ आयेजितनैंसबहीमोहे, करडीनिजपरपसारी॥धिन
थारीकमरबजरकीछाती, काहूसैंनहिंहारी ॥ ४ ॥ छेलछबीली
अजबरँगीली, काजररेखसँवारी ॥ पदमइयौस्वामीजुगतब
खाणैं, आँखियाँकामनगारी ॥५॥ (समदणकीसख्याँउवाच)॥
राग बरवौ तालठुमरी ॥ काहाबाजतकरतगुमांन मुरलीयारं
गभरी ॥ टेक ॥ टूनांसोकरगोपियनमोही, कितगइवोबँ-
सरी ॥ १ ॥ मोहेदेवनारनरसारे, येसेकृष्णहरी ॥ २ ॥ ब्रजमं-
डलनचवायौ उसने, तनकसिक्यालकरी ॥ ३ ॥ पदमभगत
बलिजायबनांपर, श्रीमुखआपधरी ॥ ४ ॥ दोहा ॥ रैंनबिता-

ईरंगमें, जादवजीम्याभात ॥ हरकतडेरांआविया, पोहोपीरी परभात ॥१॥ सख्याँमिलीसबओरकी, निरखणजादवराय ॥ कँवरकलेवाकारणै, लेगईस्यांमबुलाय ॥२॥ राग खट ॥ बैठे स्यामसिंघासनऊपर कँवरकलेवेआयेजी ॥ टेक ॥ कंचन थालबहुभोजनलेकर सखियनमंगलगायेजी ॥ १ ॥ लडूज-लेबीघेवरखाजा भोजनबेगकरायेजी ॥ २ ॥ जबश्रीकृष्णजी हातनघाले रुकमकँवरबुलवायेजी ॥ ३ ॥ रुकमकँवर जब आयबैठायाजीमेत्रिभुवनरायेजी ॥ ४ ॥ पूरणब्रह्मपदमके स्वामी सखियनगारीगायेजी ॥ ५ ॥ राग कल्याण ठूमरी॥ (सख्यांगारीगावैं)॥ चतुर भुजचोराटाजी ॥ आयाकुंदनापुर किंणकाम ॥ टेक ॥ चींरचोरतरवरचढयाजीबालाजलमैं नाँगीवाम ॥ बंसीमैंचितचोरियोजीबाला गोप्यांपूरणकाँम ॥ १ ॥ छीकेमाखणचोरियोहौ बालाऊँखलबांध्योपाम ॥ नरकूबरउरझावियाजी लालातुरतगयासुरधाँम ॥ २ ॥ चोर नखत्तरजनमियाँहोबाला कालाकपटीस्याम ॥ चोरीकररु-कमणहरीजीबाला भलौलजायौनाम ॥ ३ ॥ कुंदणापुरकी कामणींहौबाला जाणैं भेदतमाम ॥ पदमस्यामशिवकरण कहैजीबालाकियोपवीतरगाम ॥४॥ (पाछीगारीनारदगावै) ॥ रागपरजकौकहरवौ ॥ मोहनमुलकरह्योगारीगावैंछबीलीनार नटवरनिरखिरह्योगारीगावैं ॥ टेर ॥ बिंदलीभलकेचूँपाँचिल केझीणौंकाजलसार ॥ मोह० ॥१॥ जोबनझलकैनथडीहलकै बागाँ पकी अनार ॥ मोह० ॥ २ ॥ झीणोंझीणौं सादसुघरमुख

सोहै कोकिलमयनाँसार ॥ मोहन० ॥ ३ ॥ भनशिवकरण पदमछबिनिरखत ॥ नारद वचन उचार ॥ मोहन० ॥४॥राग परज ॥ येजीकुंदनाँपुरकीनार ॥ मोहनमोहलियौ ॥ टेक ॥ मीठेमीठेबैणमुसिकमुखमोरे नैणचलावतधार ॥ १ ॥ रजकसझोलासबतनझलके तीखेनैनकटार ॥ २ ॥ रुमकझुमकसजभूषणसोहै गलमोतियनकोहार ॥ ३ ॥ चपलाचतुरचकोरचारुमुख दिविजीमोहनींडार ॥ ४ ॥ पदमस्यामशिवकरण सरावै महिमाबिदितअपार ॥ मोहनमो० ॥५॥ (पाछीगारी सख्याँगावैं) ॥ राग ठुमरा ॥ आयौआयौविरजकोकान्हमाखणचोरलियौ० ॥ आयौ० ॥टेक॥ मोरमुकुटियाहातलकुटिया गावैअनोखीतान ॥ १ ॥ वृंदावनमेंगऊचरावै माँग्यौमहीकौदान ॥२॥ संगगवाल्याकुबडाकाल्यामाँगबणाई जान ॥ ३ ॥ रुकमणचोरभग्यौयेकछिनमेंपरीजनमकीबाँन ॥ ४ ॥ पदमभणैप्रभुस्याँमसलोनाँ पलपलवारूँप्रान ॥ ५ ॥ राग काफी ॥ खेलैहैंप्रीतमप्यारी जुवामिल ॥ टेक ॥ इतवसुदेव भूपकेनंदनउतनृपभींवकुँवारी ॥ १ ॥ सुघरसखीमुंदरीकरलेकेरुकमणिकेढिगडारी ॥ २ ॥ झपटलईजबरुक्मणिमुद्री सख्याँहँसीदेतारी ॥ ३ ॥ वसुदेवनंदनहारिगयेहैं जीतीभींवकुँवारी ॥४॥ पदमभक्तनैणाँरसलूटेकुंदनपुरकीनारी ॥५॥ राग सोरठ देस ॥ कँगनाँखोलेजादूराजखुलावैं कामणी ॥ ब्रह्मादीन्हींगाँठधुलायखुलेनहिंडोरडौ ॥ १ ॥ चाहे कुंताँभुवा बुलाय ॥ चाहेबहनसौदराबुलाय ॥ चाहेनंदजसोदाबुलाय ॥ २ ॥ चाहे

गणपतकूंरेबुलाय ॥ वोतोमोदकमिसरीखाय॥ वोतोदुडबुडद्दु-
डबुडजाय ॥३॥ चाहेबाबावसुदेवबुलाय ॥ चाहेमायदेवकीबु-
लाय ॥ चाहेहलधरबंधुबुलाय ॥ ४ ॥ चाहेपाँचूपांडुबुलाय ॥
चाहेब्रजकीसखीबुलाय ॥ येसैंपदमभगतबलिजाय ॥ ५ ॥
दोहा ॥ जाकरपरगिरिवरधरचो, राखलयोब्रजहाथ ॥ बोब-
लभुजकोकहाँगयो, अबकहाकँ पावोसाथ ॥ १ ॥ कछुमाख-
णकोबलभयौ, कछुगोपियनकीसाय ॥ कछुसायबलवीरकी,
परबतलियौउठाय ॥ २ ॥ ब्रजवासीकौनामसुण, छातीरोम
भरआय ॥ अनंतकोटब्रहमंडमैं, त्रिविधातापनसाय ॥ ३ ॥
राग मारू ॥ सोवनकलसफटिकमणिकँगनामुलकतमोरबु-
लायौ ॥ ब्यावपरमसुखांबेसरगयाजद नैणानीरभयोआयौ ॥
॥ १ ॥ काँपैहातडोरनहिंखूलेऊधौजीबतलावै ॥ नखसेधनुष-
तिनकज्यूँतोरचो अबक्यूंलोगहँसावै ॥ २ ॥ यहसुणहँसेकृ-
ष्णमनमाहींकंकनतुरतखुलावै ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँ
ब्याहभलोरसआवै ॥ ३ ॥ राग धनासरी ॥ आवोनैंचंदसेण-
जीरापूत भींवकरोपहरावणीं ॥ टेक ॥ पहरावणींसजनमिला-
वणीं ॥ थाराहोग्याजीमनचींत्याबैनभींवकरोपरावणीं ॥ १ ॥
पहरावणींकृष्णरिझावणीं ॥ राजा० ॥ आवेनैंभींवसेनजीरा
पूत रुकमकरौपहरावणीं ॥ २ ॥ कहपदमभक्तकरजोरकेप्रभु
दासजानके ॥ कीजामेहर द्योभक्तिअनुपावनी ॥ ३ ॥ राग
मारू ॥ राजाभींवभंडारीकौकया भींवभंडारखुलाया ॥ इच-
रजकियास्यामअवतारी जादूकौकबुलाया ॥ १ ॥ करअस्तु-

तआदकीपूजा चौकीबेगमँगावौ ॥ गणपतजीनैंपहलबुलावौ कनकमालपहरावौ ॥ २ ॥ वसुदेवजीनैंसुखपालमँगावौचोखीचदरओढावौ ॥ आछीचादरजडेजडाऊ नंदकेहातदिवावौ ॥ ३ ॥ हलधरनैंहलमूसलदीज्यौ वडीडोरिकाहाथी ॥ नेंमनाथनैंअसगजदीज्यौअहिरावतकेसाथी ॥ ४ ॥ चंचलजातकीमेल्हनगरजा तिबरणजलकेहोडा ॥ राजाभींवदियापडवाँनैंआपचढणकाघोडा ॥ ५ ॥ दसदससहससिरोपावसझिया साझसाहणींकीन्हीं ॥ रुकमकँवरराजाभींषमके छपन कोटनैंदीन्हीं ॥ ६ ॥ बहुतकवाहनचेराचेरीसंगसखाउरधारी ॥ सालूसहितसावटूवागा पाटपटंबरधारी ॥ ७ ॥ कबलग रचूंपारनहिंपाऊँ दीन्हांबोहोपरकारी ॥ पूरणब्रह्मपदमकेस्वामी याबिधजानसिंगारी ॥ ८ ॥ दोहा ॥ हरिहलधरकतेडिया, भाईत्यागचुकाय ॥ देसदेसकाबंदिजन, दालिद्रदेवौबुहाय ॥ १ ॥ राग मारू ॥ बागाजरीजरीकाफेंटा चीराचीरमँगाया ॥ सरसदुसालासरसपागडी जाचकजनपहिराया ॥ १ ॥ हलधरनेंमिलत्यागचुकाया नेंमनाथमनभाया ॥ केसौतणींबधाईऊपरडेराइंद्रलुटाया ॥ २ ॥ जोमांग्यासोसबहीदीन्हां दालितदूरभगाया ॥ पदमस्यामसुखदायकनायक याबिधत्यागचुकाया ॥ ३ ॥ दोहा ॥ हरीपधारेहेसखी, गहराघुरेंनिसाँण ॥ सैन्यांचढिजादूचले, आवोकराँबखाँण ॥ १ ॥ येकबारहेमावडी, मैंलोदेरीआय ॥ नदीबिहूणाँबाहला, कबअवसरमिलजाय ॥ २ ॥ राग कालिगडौ ॥ म्हारोयेमिझल्यौरु-

णझुण्योझुरझुरपिंजरहोय ॥ रुकमणचालीबाईसासरैमिल-
णौकबहोय ॥ म्हारो० ॥ १ ॥ मायमिलूँबाबमिललूँ मिल-
मामौमूसाल ॥ भूवाभतीज्याँरिलमिलूँ मासीबालगुपाल ॥
॥ म्हारो० ॥ २ ॥ काकानैंकाक्याँमाबडी भावज अरुबड-
वीर ॥ हिलमिलकेसबसूँमिलूँ आँसूभीज्योजीचीर॥ म्हारो०॥
॥ ३ ॥ डौडमिलूँपरवारसूँ मिलताँखुलेहनबाथ ॥ छोटा
भाईभावजभिलूँ साथणियांरौसाथ ॥ म्हारो० ॥ ४ ॥ पदम-
भणैंशिवकरणयूँ बीरारुकमकँवार ॥ बेगीसीमुकलावज्योकी-
ज्योमतीजीअँवार ॥ म्हारोये० ॥ ५ ॥ दोहा ॥ हुलरहुलरडु-
सक्याँभरै, बिलखीराजकँवार ॥ नारदकहरथपरचढौ, सुगनाँ-
होत अँवार ॥ १ ॥ राग कालिंगडौ कहरवामें ॥ म्हारोयेमिज-
न्योंरुणझुण्योसोवैराजदवार ॥ रुकमणचालीसासरै भलभ-
लसुगनमनाय ॥ टेक ॥ हातलियाँहलकोरहैधरियाँभारज-
लाख ॥ आल्योहेम्हारीदुलहडीज्याँनैंनीकीराख ॥१॥ आवो
सखीसहेलियाँ मिलोभुजाहेपसार ॥ अबकाबिछडयाकब-
मिलाँ दूरबसैंगेजाय ॥२॥ मनजाणैंमायडमिलाँ गलदेभुजा
पसार ॥ तनजाणैंहरिरथचढा देपिंजणपरपाय ॥३॥ मनजाणैं-
बाबल मिलूँ बाँहडल्याँगललाय ॥ अबकेबिछडेकबमिलें दूर
द्वारकाजाय ॥ ४ ॥ पदमकहैरुकमणभणैंविनतीयेकयेमाय ॥
बंगालामैंम्हारीढ्लिया थैतोसम्हालोनींजाय ॥ ५ ॥ पद राग
मांड ॥ अमाँम्हारीढ्लियाँकोसिणगार॥टेक॥ झिरमिटयाडाबा
महींमा बाहिरनहींछैलगार ॥ खनजटितनखसितणौमा-

राखौजीवधार ॥ अमाँम्हाँ० ॥ १ ॥ साथणियाँसँगखेलतीमा बाबलकेदरबार ॥ औजुँहूँखेलणआवसूंमाजी कीज्यौ सारसंभार ॥ अमाँम्हाँ० ॥ २ ॥ भावजनैंमतभेदद्यौमाकीज्यौजुतनअपार ॥ खेलणरीमनमेंरहीमाकहुंछुँहुलारहुलार ॥ अमाँम्हारी० ॥ ३ ॥ दूरातोदेसाँथेदिवीमाजासमदरियाकेपार ॥ पाछीतौकदमुकलावस्यौमाजी कदमिलसीपरवार ॥ अमाँम्हारी० ॥४॥ सासनणददिवराणियाँमाजीसोकडाल्यांरीजीसाल ॥ काहाजाणूंकिसबिधराखसीमाजीबेगीकीज्यौसार ॥ अमाँ० ॥ ५ ॥ ज्यूंकहसीज्यूंईचालस्याँमाजीदुलखांनहिंजीलगार ॥ बासीखूसीजोमिलै माम्हारेतोअमृतसार ॥ अमाँम्हारी० ॥६॥ पदमभणैंशिवकर्णयूंजीहुलरेराजकँवार ॥ पाछीफिरफिरबीनवेमाजी बेगीकीज्यौसार ॥ अमाँम्हारीढुलियांकोसिणगार ॥ ७ ॥ रागकहरवौ ॥ बंधबनौंमायामोहकौ मायडघराँसिधाय ॥ तुमबिनाँबाईम्हारीरुकमणीकाँइकराँघरमाँय ॥ १ ॥ जिणअंगणाँमेंखेलतीसोअंगणाँनाहिंसुहाय अनपाँणीकी रुचमिटीनैंणाँनींदनआय ॥ २ ॥ रुकमणचालीसासरेनवनिधिलीनीलार ॥ खाजाफीणींक्रोडसेलाड्डूक्रोडहजार ॥ ३ ॥ गाडाभरियाखोपराँसौलाक्रोडसुहाय ॥ मिसरीमेवासूंखडीदीज्यौनग्रबटाय ॥ ४ ॥ मुडमुडदेछेबाइआसिसाँचरंजिवौपरवार ॥ काकाबाबासुबसबसौभाइजीवौक्रोडहजार ॥ ५ ॥ आडाडूंगरकिणकियाकिणरोपीबणराय ॥ आडाडूंगरहरिकियाबिधरोपीबणराय ॥६॥ आजरहेगीबाइरुक्मणीं

काहुबनमैंजाय ॥ प्रातद्वारिकाजायगीपदमइयौजसगाय ॥ बंधनबनौमाया० ॥ ७ ॥ दोहा ॥ राजाभींवकीबीनती, साम्हलियौभगवान॥गुणमाँनौअवगुणतजौ, रुकमइयौअनजाँन ॥ १ ॥ सैन्यालेजादूचढे, साथचलेसबभूप ॥ दासीदीनदयालकी, रुकमणिरूपअनूप ॥ २ ॥ मंढेम्हारेजसरह्यौ, सुजसरह्यौमहकाय ॥ फूल्योमरवौकेवडौ, औरसुगंध सुहाय ॥३॥ पुरजनसबहरखितभये, घरघरमंगलचार ॥ पाटंबरसबपहरिके करतबधावानार ॥ ४ ॥ परणचलेंप्रभुरुकमणीं, पंथद्वारिकालीन ॥ पदमभक्तशिवकर्णकह, दौरबधाईदीन ॥५॥ रागधनाश्री॥ सखिसबगावैंमंगलचारजादूबंसकीनार ॥टेर॥ उडतागिरदलालभयोअेबरआयेकृष्णमुरार ॥ ऊंटनपरजुजरबाछटेदौडेचलतकहार ॥ १ ॥ येदेखौअबदीखनलाग भालाफेरेंअसवार ॥ रथझणकारपरीश्रवणनमैं जाँझणराझणकार ॥ २ ॥ बडेबडेराजाजादू सोहैं हाथिनलगीकरतार ॥ रथथनकीकछुगिनतीनांहीं घोडाअनतअपार ॥ ३ ॥ झालरदरपालखीसोहैछलके मुकुट अपार ॥ सुरनरमुनिजनकोडदेवता रंगकीपडतफुहार ॥ ४ ॥ हरख्यौलेरबधाईनाईखबरकरोदरबार ॥ पदमकेस्वामीपरणधारे रुकमणिकेभरतार ॥ ५ ॥ छंद ॥ तबनग्र नरसझिआरत्यो घनघोरनादबजावहीं ॥ सबपौरि तोरणकलसकंचनमोतिन थालसजावहीं ॥ १ ॥ येकयेककेआगेचलेनरदौरकेसनमुख गये ॥ हिलमिलहिंजायबरातभेटैंपरसपरपरसतभये ॥ २ ॥ कुसलातसबबिरतातपूछरु सुनतसबराजीभये ॥ करआरती

करपूरवाती संखजलस्वातिक्लये ॥ ३ ॥ औछारसकलबजार करत जुहारनौछावरघनीं ॥ छिरकायअंत्रप्रहारपुष्पसुदुंदु-भीदेवनहनीं ॥ ४ ॥ पर्दाउघारविराजँरथपरकृष्णबरअरुरुक-मनीं ॥ पद्मधनशिवकर्णनिरखत सकलजननवलीबनीं ॥५॥ दोहा ॥ साम्हेलौश्रीकृष्णको, रुकमणिल्यायापर्ण ॥ जादव हर्खबधाविया, पद्मभक्तशिवकर्ण ॥ १ ॥ राग मारू ॥ पदम-भक्तशिवकर्णबधावैजादवजाँनपधारी नवलानेहनिरखबनरी-कूँ मंगलगावैंनारी ॥ १ ॥ केतिकनारझरोखनझाँकत केइचढ झाँकअटारी ॥ केइपरदेचिकओटनिहारैं केतिकझाँकतजारी ॥ २ ॥ नवलबर्नींकिलेतवारणां पलपलप्राणजुवारी ॥ पदम भक्तशिवकर्ण निरखिछबि चरणकँवल बलिहारी ॥ ३ ॥ दैत्याबिडारे देवउबारे आये हरि अस्थानाँ ॥ बहनडरो क्योंबरणौंजीघरआईसबजानाँ ॥ ४ ॥ बहनडबोलीकृष्णसूं भाईमोहनबारछुडाई ॥ कान्हकँवरजबदिवीछाबडीरतनदिये बहुताई ॥ ५ ॥ छंद ॥ पैसारौसबसाझमोहोरतभीतरभवन पधारिया ॥ सुभद्रामिलद्वाररोक्योपौरीकृष्णपलाविया ॥१॥ आवोहेमातादेवकीजीरुकमणिमुखदिखलाविया ॥ देवकी-जीगोदलेकेघीगुडहातघलाविया ॥ २ ॥ राणींरुकमणिपाय लागीसुरनपुष्पवर्षाइया ॥ द्वारापुरीआनंदभयौदासपदमज-सगाइया ॥३॥ रागजंगलो ॥ मिलसखियनमंगलगावैं ॥ देव-कीजीलाडलडावैं ॥१॥ देवकीजीनेंउराबुलावौ॥ घीगुडमैंहा-तघलावौ ॥२॥ देवकीजीलाडलडावैं ॥ घीगुडमैंहातघलावैं ॥

॥३॥ वसुदेवजीआघाआवौ ॥ रुपियाँरीथैलील्यायौ ॥४॥जद-
दुलहनमुखदिखलावै ॥ शिवकर्णपदमजसगावै ॥ ५ ॥ राग
मारू ॥ सातसवागणसातसखीमिलस्वागथालपरुसावै ॥ नृप-
तसुतासातूंजुडबैठीं प्रथमग्रासकुंणपावै ॥ १ ॥ आँटपडीकोइ
हातनघालैहरजीबोल्याबाणीं ॥ सातांसिरैसँहससोलापर
भींवसुतापटराणीं ॥ २ ॥ नभस्वरपुष्पदुंदभीबाजी तीनलोक
जयकारा । मेराभगतभींवरीकँवरीरुकमणिप्राणआधारा ॥३॥
हरिकरहेतबडापणदीन्हौरुकमणिपाटबिठावै ॥ भनैशिवकर्ण
भगतरीमहिमांजनपदमइयौगावै ॥४॥ राग काफीकीहोरी ॥
बाँटतस्वागबनीं ॥ आँगनियाँमैंबजतबधाइ बाँटत० ॥ टेक॥
छोटेछोटेहातरुनरकमलइयाँ भरधौबारुधनी ॥ सुनसबदौरी-
नवलनागरा जुडगइभीरघनी ॥ आंगनि० ॥ १ ॥ मिलमिल
अमरत्रियेंसबदौरीं निरखतभींवजनी ॥ बरषैंपुष्पहरखत्रिहु-
पुरमैं दुंदुभिदेवहनी ॥ आंगनि० ॥ २ ॥ यहछबिहरखप्रा-
नपतिनिरखतपरखततिरछीअनी ॥ ब्रह्मांवेदविरदबंदीजनम-
हिमाँरटतफनी ॥ आँगनियाँमें० ॥३॥ लघुकरअतुरअतुरप्रि-
यबाँटतबिखरतधाँनिघनी ॥ पदमस्यामशिवकर्णसमेटतहम-
रेतोखूबबनीं ॥ आँगनियाँमें० ॥ ४ ॥ राग मारू ॥ पुरीनहीं
द्वारावतिसमनानदीगोमतीसारी ॥ कृष्णसमाँनदेवनहिंदूजा
भृगूलताउरधारी ॥ १ ॥ सोलासहँसयेकसौअबला भौमासु-
रगहिल्यायौ ॥ सगलीयेकमोहौरतपरणीं पारब्रह्मबरपायौ ॥
॥ २ ॥ रुकमणिजामवतीसतभामानागजितिभद्राराणीं ॥

कालिंदीश्रीलक्ष्मी वृंदायेआठूँपटराणीं ॥ ३ ॥ दसदसपुत्रये-
कयेककन्याँ यह तरुणीं बरदीनाँ ॥ निराकारनिरलेपनिरंतर
यौरँगमायाभीनाँ ॥ ४ ॥ अपनींअपनींपौलिअभूखनभजन
करतसबनारी ॥ पदमश्यामसुखदायकनायकदरसनकीबलि-
हारी ॥ ५ ॥ रागबरवौ ॥ चरणरजबंधूजीम्हैंरहूँचरणलौलाय ॥
चरणरजबंधूजीकेसौकहांबधाय ॥ १ ॥ निजभगतनश्रवणाँ
सुण्यौं जानैंविघननव्यापैकोय ॥ २ ॥ पदमइयौस्वामीभणैं
भगतिदानद्यौमोय ॥ चरणरज० ॥३॥ राग सोरठ ॥ जो या
मंगलकूंगावै ॥ ज्याँकापापप्रलैहोयजावै ॥ १ ॥ जो यामंगल
कूं सुनिहैं ॥ जाके कोटजनमके पुनहैं ॥ २ ॥ दोहा ॥ द्वारा-
वतिआनंदभयौ, सुरनरदेतअसीस ॥ कहपदमइयौवैश्ययपूं,
दौसिंघासनजगदीस ॥ १ ॥ रच्यौवैश्यपदमालयह, रुकम-
णिमंगलसार ॥ शुद्धकियौशिवकर्णजन, तुमसबदईसुधार ॥
॥ २ ॥ विजयब्यावश्रीकृष्णकौ, रुकमणिल्यायापर्ण ॥ रामर-
तनिनिजकरलिख्यौ, शुद्धकियौशिवकर्ण ॥ ३ ॥ कछुपदनये
बनायकै, टूटकसंधिमिलाय ॥ कियौसंकलाबंदसब, अरथाँ
अंकरिलाय ॥४॥ मूलचंदसुरतशिवकरण, दरकमूंडवेबास ॥
सुरधरडीडुमहेस्वरी, इन्द्रपुरीसुखबास ॥ ५ ॥ परतिइग्यारराये-
खटा, करसभकाढयौसार ॥ तुक टूटी मेटी अमिल, अरथाँ
लियौ सुधार ॥ ६ ॥

इति भक्त पद्मदासकृत रुकमणीमंगल समाप्त ।

अथ बारामासियो रुकमनीको

गोबरधनधारी राखोपरतंग्या दासीआपकी ॥ टेर ॥ लग्यो महीनो चैत्र चावसें गौरीदनंमनाऊं ॥ दुर्गामाई करोसहाई हितचितसेध्याऊं ॥ दीज्योबुद्धिवरदानआनमोये तुमसैं अरजलगाऊं विद्रभदेशसुहावणो, भीषमघरअवतार ॥ पाँच पुत्रप्रगटयाराजाके, छट्ठीराजकुँवार ॥ लक्ष्मीरूपपधारी ॥ ॥ १ ॥ मास बैसाखद्वारपरमारैनारदमुनीपधारा ॥ आदर भावकियौबहुतेरोदे आसनबैठारा ॥ चरणधोयचर्णामृतली-न्योतबरिषिवचनउचारा ॥ रुकमनिकोबरसाँवरो, जदुपति दीनदयाल ॥ दुष्टसंहारणभक्तउबारण, करुणासिंधुगोपाल ॥ रचीजिनसृष्टीसारी ॥ २ ॥ ज्येष्ठमासबंधूरुकमैयोमातासेब-तलायो ॥ कागद लिखदियो भाटनैंचंदेरीपहुँचायो ॥ पत्रीबांचचढयौशिशपालौकुंदनपुरमैंआयो ॥ सँगराजानिन्ना-नवैं, सोभाअनंत अपार ॥ देषी जान गौरवै आई, हरष्यो रुकमकुँवार ॥ जानभलीभांतिउतारी ॥ ३ ॥ साडमा-समातामेरेकूँअपनेपासबुलाई ॥ सज बरातशिशपालोआ-योनिरषोरुक्मनिबाई ॥ जरासिंधसेकाका जिनके दंता-धरसे भाई ॥ चवदाभवनके बीचमें, ऐसो राजा नाय ॥ काल्योबाल्योगऊचरावै, डोलैबनकेमाय ॥ उसीमेंके गुण भारी ॥ ४ ॥ सावणसोचकरैभीषमजीअबप्रभुजीकबआवै ॥ आडीभौमद्वारकाकुणम्हारो संदेशोपहुँचावै ॥ डाहलपंच गयोकुंदनापुरयहकोईजायसुनावै ॥ बिरदउधारणआप हो,

कीजैबेगसहाय ॥ जोसिसपालरुकमनींपरणैं, मरूंकटारी खाय ॥ येहिनिश्चयमनधारी ॥ ५ ॥ भादूँभगवतवेगपधारो अवमतदेरलगावौ ॥ सेनालेआयोअभिमानी तिसको गरभ हटावौ ॥ रामरूपहोयपहलीपरणीअबक्यूंलौगहँसावौ ॥ पुरी अयोध्याजन्मिया, दशरथघरअवतार ॥ तोडोधनुषकियादो टुकडा, अबक्यूंदईबिसार ॥ कहोक्याचूकहमारी ॥ ६ ॥ आश्विनअरजकरूंकरजोडाँ लगरहीचिंताभारी ॥ सरवरन्हाता कोलकियाथाक्यूंभूल्यागिरधारी ॥ डूबतडीनै बाहरकाडी अब किणदोषबिसारी ॥ डाहलदीषैकालसों, जमसी लगैबरात ॥ मेरीटेरसुनीनहिंकाना, कूँनरीतकीबात ॥ विनंतीकरकरहारी ॥ ७ ॥ कार्तिकमासचायभगवतकी जोसीपास बुलायो ॥ हाथजोडपरकंम्यादीनीआसनदेबैठायो ॥ पतियालिखदीनी करसेतीबहुतभांतसमुझायो ॥ तुम द्विजजावोद्वारिका, श्रीकृष्णकेपास ॥ हमरीमातभ्रातकेआगे, मत ना दीज्योजास ॥ आसहैबडीतिहारी ॥ ८ ॥ अगहनमासचाल्यौजोसीजीपुरी द्वारिकाध्यायो ॥ पत्रीजायकृष्णकूंदीनी सारोपतोबतायो ॥ विद्रभदेशकुंदनपुरनगरी रुकमनिमोय खिनायो ॥ ब्राह्मण बांचैपत्रिका, सुनियोजादूराय ॥ औरसंखहरगिजनहिंजानूँ संशयमेटो आय ॥ करोबेगाअसवारी ॥ ९ ॥ पौषमासमेरे पितापासआजोसी वैनसुनाया ॥ पांचपांडूअरुबलभद्दर श्रीकृष्णचढआया ॥ सुनसुनबातनाथकीहमरेहोरयाहरषसवाया ॥ जाऊँअंबापूजिबौ, भरमोतियनकोथाल ॥ नारदजी

मोयेबचनदिया था, मिलसानंदकोलाल ॥ करीचलवाकीत्या-
री ॥ १० ॥ माघमासदुर्गाबरदीनीमिलगयेकृष्णमुरारी ॥
करकेकोपालडनकूंआयोरावनकोऔतारी ॥ सनमुखआयमि-
लेहलधरजी, जुद्धभयोअतिभारी ॥ रहे साराखपगया, हस्ति-
नकोनहिंपार ॥ चंदेरीकोराजाभाग्यो, जरासिंध है लार ॥
खपादईसेनसारी ॥ ११ ॥ फागणचावरावभीषमके सुवर्ण-
स्वंबरूपाया ॥ ब्रह्मादिकनारदमुनिआयेमोतियनचौकपुरा-
या ॥ भलीभाँति दीनी मिजमानी जादू विद्या कराया ॥
परणपधारे चावसे, रुकमनि अरु घनश्याम ॥ जोजनगावैं
बारामासो, पूरणहो सब काम ॥ कहैंरूलीरामपुजारी ॥ १२॥

इति बारामासियो रुकमनींजीको रूलीरामकृत समाप्त ।

पुस्तकें मिलने के स्थान

१) खेमराज श्रीकृष्णदास,
श्रीवेंकटेश्वर स्टीम प्रेस,
खेमराज श्रीकृष्णदास मार्ग,
खेतवाडी, मुंबई - ४०० ००४.

२) खेमराज श्रीकृष्णदास,
६६, हडपसर इण्डस्ट्रिअल इस्टेट
पुणे - ४११ ०१३.

३) गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास
लक्ष्मीवेंकटेश्वर स्टीम प्रेस,
व बुक डिपो,
अहिल्याबाई चौक, कल्याण
(जि. ठाणे - महाराष्ट्र)

४) खेमराज श्रीकृष्णदास,
चौक - वाराणसी (उ.प्र.)

हमारे प्रकाशनों की अधिक जानकारी व खरीद के लिये हमारे निजी स्थान :

खेमराज श्रीकृष्णदास
अध्यक्ष : श्रीवेंकटेश्वर प्रेस,
९१/१०९, खेमराज श्रीकृष्णदास मार्ग,
७ वी खेतवाडी बॅक रोड कार्नर,
मुंबई - ४०० ००४.
दूरभाष/फैक्स-०२२-२३८५७४५६.

खेमराज श्रीकृष्णदास
६६, हडपसर इण्डस्ट्रियल इस्टेट,
पुणे - ४११ ०१३.
दूरभाष-०२०-२६८७१०२५,

गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास,
लक्ष्मी वेंकटेश्वर प्रेस व बुक डिपो
श्रीलक्ष्मीवेंकटेश्वर प्रेस बिल्डींग,
जूना छापाखाना गली, अहिल्याबाई चौक,
कल्याण, जि. ठाणे, महाराष्ट्र - ४२१ ३०१.
दूरभाष ०२५१-२२०९०६१.

खेमराज श्रीकृष्णदास
चौक, वाराणसी (उ.प्र.) २२१ ००१.
दूरभाष - ०५४२-२४२००७८.